भारत की राजपत्र The Gazette of India

. प्राधिकार से प्रकाशित १७६८/ऽमहरू हर ४०७म० १८१४

ै।] ्नई विश्ली, शनिवार, जनवरी 5, 1985 (पौष 15, 1906) 6. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 5, 1985 (PAUSA 15, 1996)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संशतन के रूप में रखें। जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाव III---खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

्रिक श्वायालयों, निवश्वक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संसम्ब और अधीन कार्यालयों द्वारी आरी की गई अधिसूचनाएं Motifications insued by the Wigh Courts, the Comptables and Auditor General, the Union

Motifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Uniou Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ क्षोक सेना जाणीग

नई विल्ली-110011, दिनांक 20 नवम्बर[†] 1984

न्तं ए० 32014/1/84-प्रशा०-III--संघ लोक सेवा आयोग में के०स०से० संवर्ग के प्रमुभाग भिधकारी श्री वाई० पी० हवास को राष्ट्रपति द्वारा 15-10-1984 से 28-11-1984 सक की भवधि के लिए अथवा भ्रागामी भादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय में डैस्क भ्रधिकारी के पष पर कार्य करने के लिए-सहर्ष नियुक्त किया जाला है।

2. श्री बबास कार्मिक और प्रणासनिक सुधार विभाग के का० बा० सं० 12-1-74-सी० एस० (1) दिनांक 11-12-1975 की शर्तों के अनुसार २० 75/-प्र० मा० की चर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 4 विसम्बर 1984

सं० वी० 1792/प्रशा०—III—12-11-1984 (प्रपराह्म) से तमिलनाडु राज्य में के० स० से० प्रधिकारी राज्य कार्य पालक प्रशिक्षण से उनके कार्यभार मुंक्त होने के फलस्वरूप, संघ लोक सेवा प्रायोग में के० स० से० संवर्ग के प्रनुभाग प्रधिकारी श्री के० पी० प्रय्यर ने कार्यभार संभालने के लिए नियमानुसार प्राप्य

समय का लाभ लेने के बाद 24 दिसम्बर 1984 (पूर्वाह्न) से धपना कार्यभार संभाल लिया है।-

सं० ए० 32014/1/84-प्रशा०-III--इस काय लिय को प्रिक्ष्मिना सं० ए० 32011/1/84-प्रशा० III विनांक 20 जुलाई, 1984 में ग्रांशिक श्राशोधन करते हुए संघ लोक सेवा प्रायोग में के० स० से० संवर्ग के सहायक श्रो जो० टो० रामनानी को राष्ट्रपति द्वारा 12 जनवरी, 1984 में ग्रागमी ग्रादेशों तक संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग में के० स० से० के ग्रनुभाग ग्राधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

एस० बनर्जी श्रवर सिषव (प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, विनांक 11 विसम्बर 1984

सं० डी० के०-पी० भार० एस०-061-केन्द्रीय सतर्कता भायकत एसव्द्राराकेन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में श्री विनेश चन्द्र गुष्ता, आई० ए० एस० (श्रो० आर० 1967) की निदेशक के पद पर वेतनमान रु० 2000-2250, में 26 मवम्बर, 1984 (पूर्वाह्म) से श्रगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कृष्ण जाल मस्होता धवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महानिवेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली, विनांक 10 विसम्बर 1984

सं ॰ पी॰सात-2/-स्था-1--राष्ट्रपति के ॰ रि॰ पु॰ बल के निम्नलिखित उपाधीक्षकों को सहायक कमार्डेट के पद पर अस्थायी रूप में अगले श्रादेश होने तक सहर्ष पदीन्नति करते हैं।

 इन्होंने उनके नाम के आगे दर्शायी गयी तारीख से भ्रपना कार्यभार सम्भाल लिया है :---

ر در المراجع ا	
क्र० प्रधिकारी का नाम सं०	कार्यभार संभालने की तारीख
सर्वश्री:	
1. एस० मुखर्जी	30-6-84
2. नाथरम	21-7-84
	(भ्रपराह्न)
3. वी० पी० म ुक् ला ्	10-7-84
4. आर० एस० यादव 🕠	20-7-84
 जें० पी० थपलियाल 	30 -6- ₹4°
6 किशान चन्द 💌	27-7-84
	(भपराह्न)
7. रन सिंह	27-6-84
8. बी० पी० माथ ु र	18-7-854
9. जैं० एफ० डिस्नुजा	10-7-84
10. ध्रन्थोनी थरकन	11-8-84
11. प्रीतपाल सिंह दिलवारी :	28-7-84
12. रविन्द्र तोमर	10-8-84
13. पी० मितमुयुराव लिंगम	29-9-84
<u> </u>	(भ्रपराह्न)
14 ए० एस० चेतरा	29-9-84
15. हेम राज	25-9-84

दिनांक 13 दिसम्बर 1984

मं० ग्रो० दो० 1764/82-स्थापना-महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर भवानी प्रसाद हुजारीका को 5 नवस्वर 1984 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पर पर नियमित निय्कित होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है ।

> एम० पी० जखमील सहायकं निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 14 दिसम्बर 1984

- सं० पी० सात--2/83-स्था०-1--राष्ट्रपति केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल के श्री ए० के० नरूला उप ग्रधीक्षक को सहायक कर्मांडेंट के पद पर ग्रस्थायी रूप में ग्रगले ग्रादेश होने तक सहर्ष पदौन्नति करते हैं।
- 2. इन्होंने विनांक 23~7-83 (पूर्वाह्न) को भपने पर का कार्यभार संभाला ।

सं० पी० सात-7/84-स्था०-1--राष्ट्रपति के० रि० पु० बल के श्री जी० एल० शर्मा, संयुक्त सहायक निवेशक (लेखा) को सहायक निवेशक (लेखा) के पद पर महानिवेशालय में सहायक बटालियनों के लिए, तदर्थ रूप से, इस पद का कार्यभार सम्भालने की तिथि से श्रीर दिनांक 31-1-85 तक सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

2. तदनुसार इन्होंने दिनांक 5-11-84 (पूर्वाह्म) से महानिदेशालय में इस पद का कार्यभार ग्रहण किया।

दिनांक 15 दिसम्बर 1984

सं० ग्रो० दो० 1972/84-स्थापना--महानिदेशक, केन्द्र रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर रिवन्द्रा नाथ कामन को 5 अक्तूब 1984 पूर्वाह्र से केवल तोन माह के लिए अथवा उस पव पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक? केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कानण्ड चिक्स्सा भिक्षकारों के पव पर तदर्थ रूप से सहर्ष नियुक्त किया है।

> एम**ें अशोक राजू** सहायक निवेशक (स्थापना)

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई विल्ली, दिनांक 11 विसम्बर 1984

सं० ए-19021/16/82-प्रणासन-5-श्री विजय शंकर भारतीय पुलिस सेवा (उ० प्र०: 1969) पुलिस प्रधीक्षक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, सी० प्राई०यू० (I) शाखा की सेवाए, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984 के पूर्वीह्न से विदेश मंत्रालय की सौंपो जाती हैं।

भार० एस० नागपाल प्रशासनिक ग्रीधकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण स्यूरी नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

सं ए-22020/71/80-प्रणासन-3--निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री सुगनीमल, वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (ग्रेंड-"बी" बाणुलिपिक) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो मुख्यालय दिनांक 30-नवम्बर 1984 की अपराह्म से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त हो गए।

> हारका नाथ पुलिस ग्राधीक्षक (मुख्यालय) के० ग्रा० ब्यूरो

पुलिस ग्रानुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 17 दिसम्बर 1984

सं० 3/36/84—प्रणा०—1—श्री ए० के० बनर्जी श्राई० पी० एस० (यू० पी० 1955) को केन्द्रीय जांच ब्यूरो में संयुक्त निदेशक के पद पर नियुक्त होने के कारण दिनांक 3 दिसम्बर, 1984 के मध्याह्म से पुलिस श्रनुसंधान एवं विकास ब्यूरो नई दिल्ली के निदेशक (ग्रनुसंधान एवं विकास) के पद से कार्य मुक्त किया जाता है।

> एस० के० मल्लिक महानिवेशक

महानिदेशालय केन्द्रीय श्रीयोगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

सं० ई-16016(3)/2/84-कार्मिक-1--श्री एस० एन० श्ररोड़ा, सहायक, को 26 नवम्बर, 1984 के पूर्वास के महा-निदेशालय, के० औ० सुंध बे० मुख्यालय, नई दिल्लो में श्रवकाश रिक्ति पर श्रनुआग श्रधिकारी के ग्रेड में पूर्णतया तदर्थ व श्रस्थाई श्राधार प्रस्त प्रोन्तत किया जाता है।

सं० ई-16016(3)/2/84-कार्मिक-I--निम्नलिखित सहायकों को 26 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्न से महानिदेशालय के० ग्रौ० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से भनुभाग अधिकारी के ग्रेंड में प्रोन्नत किया जाता है:---

- 1. श्री एस० सी० गम्भीर
- 2. श्री बी० चॉगरानी

(हं०) अपठनीय महानिदेशक/केश्रीसुब

वित्त मंत्रालय

श्रार्थिक कार्य विभाग भारत प्रतिभृति मुद्रणालय

तासिक रोड, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

सं० 475/क-अधिवर्षता के कारण सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त होने के कारण श्रीपी० बी० राजस्थ ने लेखा ग्रिधकारी, भारत प्रतिभृति मुद्रणालय नासिक रोड का पदभार दिनांक 30-11-1984 के श्रपराह्म से छोड़ दिया है।

> पा० सु० शिवराम महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

सं० 7(57)/8739—इस कार्यालय की श्रिधसूचना कमांक 7(57)/368 दिनांक 6-4-1984 के तारतम्य में श्री एम० एन० श्रीरंगानाथन की इस संस्थान में प्रशायनिक श्रिधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर नियुक्ति को दिनांक 15-12-84 तक श्रीर बढ़ाया जाता है।

विनांक 13 दिसम्बर 1984

कमांक 7(57)/8831—श्री एम० एन० श्री रंगताथन प्रशासनिक ग्रधिकारी की इस कारखाने में प्रतिनियुक्ति की अविव समाप्त होने पर दिनांक 15—12—84 (अपराह्न) से कार्यमुक्त किया जाता है ताकि वे अपने मूल विभाग बैंक नोट प्रैस देवास में अपना कार्यभार ग्रहण कर सकें।

> भार एक पाठक सङ्ग्रितस्थक

चलार्थ पत्र मुद्रणान्य

नासिक रोड, दिनांक 13 दिलम्बर 1934

सुं एन-77-एन-5902--महाशवन्त्र एन प्रार्थ पत मुद्रणालये, वितन और लेखा एकक के कांत्रक लेका आधार पर श्री एम हिल्ली रामकृष्णराव को प्रतिनिष्ठ कि आधार पर दिना ह 1 दिसम्बर 1984 से एक वर्ष तक चलार्थ पत्र मुद्रणालय में लेखा अधिकारी के पद पर तुरन्त नियुक्त करते हैं।

> सु० द० इडगंजी महाप्रबन्धक चलार्थ एवं मुद्रणालय

भारत सरकार टक्षमाल

बम्बई, दिनांक 30 नवम्बर 1984

क्रमांक 240—विभागीय पदीलति समिति (सन्द्र "ख") को दिनांक 7-11-1981 के दिन हुई बैंड ह में को गई सिफारिश पर, महाप्रबन्धक, भारत सरमार टनपाल, बम्बई, प्रसन्ततापूर्वक, श्री एस० आर० पटनर्धन, सहायक धातु परीक्षण अधीक्षक, को दिनांक 7-11-1984 से तदर्ध आधार पर धातु परीक्षण अधीक्षक, (समूह "ख" राजपन्तित) के पद पर, वैसनमान ६० 840-40-1000-इ० रो०-40-1200 में पदोन्नति करते हैं। उनकी यह पदोग्निति, श्री एस० सी० सहा० की स्वर्ण संग्रहण-एवं-सुपूर्वभी केन्द्र, श्रहमदाबाद, में प्रबन्धक के पद पर की गई पदोन्नित की रिक्ति में की गई है। श्री एस॰ ग्रारं॰ पटवर्धन, स्वर्ण संग्रहण—एवं—सुपूर्वगी केन्द्र, श्रहमदाबाद, के लिए नवीन मंजूर किये गए धातु परीक्षण ग्राधीक्षक के पद पर प्रतिनियुक्ति के तौर पर सेवायें देंगे।। श्री एस॰ ग्रारं॰ पटवर्धन की प्रतिनियुक्ति भारत सरकार के दिनांक 4-5-1961 के समय-समय पर संगोधित किए गए ग्रादेश में वी गई हिदायतों के ग्रानुसार है जो एक वर्ष की ग्रवधि के लिए या पद नियमित रूप से भरे जाने, दोनों में से जो भी पहले हो, तक रहेगी।

इस तक्ष्यं पदोन्नति से उन्हें वरिष्ठता, स्थायोतत्व ग्रौर भविष्य में पदोन्नति ग्रादि का दावा करने का ग्रधिकार नहीं मिलता है ।

दिनांक 1 दिसम्बर 1984

कमांक 241—विभागीय पदोन्नति समिति (समूह "ख") की दिनांक 28—11—1984 के दिन हुई बैठक में की गई सिफारिश पर, महाप्रवन्धक, भारत सरकार टक्साल, बम्बई, प्रसन्ततापूर्वक, श्री एस० डी० दामले, सहायक धातु परीक्षण भधीक्षक, को दिनांक 28—11—1984 से अगले श्रादेश तक, तक्ष्यं आधार पर, धातु परीक्षण भधीक्षक (समूह "ख" राजपितत) के पद पर, वेसनमान रु० 840—40—1000—द० रो०— 40—1200 में पदोन्नति करते हैं। उनकी यह तदर्थ पदोन्नति, श्री एस० भ्रार० पटवर्धन, धातु परीक्षण भधीक्षक, की भारत सरकार टक्साल के स्वर्ण संग्रहण—एवं—सुपुदंगी केन्द्र, महमदावाद में तदर्थ प्रतिनियुक्ति से हुई रिक्ति में की गई है।

श्री दामले को इस तदर्थ पदोन्नति से वरिष्ठता, स्थायोत्व भीर भविष्य में पदोन्नति के लिए दावा करने का श्रीधकार प्राप्त नहीं होता है।

> गं० रा० कहाते महा<mark>प्रद्वन्थक</mark>

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग कार्यालय, महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-2, मध्य प्रवेश ग्वालियर, दिनॉक 3 दिसम्बर 1984

क्र० प्रमा० 21/युप 1/ए० जी०/ग्राडिट/2/पी० एफ० ग्रार० बी० टी०/36—श्री ग्रार० बी० तिवारी 01/303 ग्रस्थाई। लेखा परीक्षा ग्रिकारी कार्यालय महालेखाकार/लेखा परीक्षा दितीय म० प्र०, ग्वालियर माखा, ग्वालियर को श्रिधवार्षिकी भ्रायु हो जाने पर केन्द्रीय मासकीय सेवा से दिनांक 30-11-84 भ्रपराह्न से सेवा निवृत्त किया जाता है।

ह० अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार/प्रशासन

रक्षालेखाविभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनांक 11 विसम्बर 1984 सं० प्रशा॰-I/1419/4/जिल्द-I—श्री प्रतुंल कुमार

सक्सेना को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा में कनिष्ठ समयमान में, दिनांक 06-07-1984 से पुष्टि की गयी है।

> ए० के० घोष रक्षा लेखा ग्रापर महानियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंद्रालय

भारतीय धार्डनेंस फैक्टरी सेवा धार्डनैन्स फैक्टरी बोर्ड

नई दिल्ली, विनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० 60/जो/84---वार्धक्य निवृत्ति मायु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्रो जो० ग्रार० ग्रायय्र, उप महा निदेशक स्तर-I, दिनांक 30 सितम्बर, 1984 (ग्रगराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

बी० के० मेहता उप म<mark>हानिदेशक</mark>

श्रम धौर पुनर्वास मंत्रालय (श्रम विभाग)

मुख्य श्रमायुक्त (केन्द्रीय) कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1984

सं० प्रशा०-1/4(9)/84(1)—स्थानांतरण होने पर श्री ए० सी० नारंग ने 15-10-83 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमा- युक्त (के०), चण्डीगढ़ का कार्यभार छोड़ दिया धौर 15-10-83 (श्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (के०), दिल्ली-1 का कार्यभार संभास लिया ।

सं प्रशा 0-1/4(9)/84 (2)—स्थानान्तरण होने पर श्री रामायण सिंह ने 10-10-83 (प्रपरा ह्न) को मुख्य श्रमायुक्त (कें ०) मुख्यालय में सहायक श्रमायुक्त (कें ०) कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी हैसियत से दिनांक 22-10-83 (प्रपराह्म) को हुआरीबाग में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(9)/84(3)—स्थानांतरण होने पर श्री एष० सी० मूलचन्दानी ने 22-10-83 (प्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), हजारीबाग का कार्यभार छोड़ दिया और उसी हैसियत से 29-10-83 (प्रपराह्म) को भोपाल में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(9)/84 (4)--स्थानान्तरण होने पर श्री के० सी० लूके ने 31-3-84 (श्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), ऐरनाकुलम कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 26-4-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से सहायक श्रमायुक्त (कें०), दिल्ली-1 का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्रशा०-1/4(9)/84 (5)—स्थानान्तरण होने पर श्री ए० सी० नारंग ने 2-2-84 (धपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), दिल्ली-1 का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 18-2-84 (ग्रपराह्म) को उसी हैसियत से हजारीबाग में कार्यभार संभाल लिया । सं प्रशा 0-1/4(9)/84(6)--प्रतिनियुक्ति से वापस धाने पर श्री पी एन चिन्नास्वामी ने 2-1-84 (पूर्वाह्न) को मुख्य श्रमायुक्त (कें) मुख्यालय के सहायक श्रमायुक्त (कें) कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० -प्र०-1/4(9)/84 (7)--क्षेतीय श्रमायुक्त (कें०) के पद से प्रत्यावर्तन होने पर श्री एक० टोपनी ने 12-5-83 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), जबलपुर का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्र० 1/4(9)/8'4 (8)—-स्थानान्तरण होने पर श्री एस० एन० श्रीवास्तव ने 14-12-83 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), कार्यालय कानपुर का कार्यभार छोड़ दिया ग्रीर छुट्टी बिता कर उन्होंने 19-4-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय, नई दिल्ली में कार्यभार संभाल लिया ।

सं ० प्र०-1/4(9)/84 (9)-स्थानान्तरण होने पर श्री श्रार० एन ०श्रीवास्तव ने 2-12-83 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) जबलपुर का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उसी हैसियत से 14-12-83 (पूर्वाह्न) को कानपुर में कार्यभार संभात लिया।

सं० प्र0-1/4(9)/84(10)—स्थानान्तरण होने पर श्री सीताराम ने 28-11-83 (प्रपराह्म)को सहायक श्रमायुक्त (कें०), श्रासनसोल कार्यालय का कार्यमार छोड़ दिया श्रीर 2-12-83 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से जबलपुर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्र०-1/4(9)/84(11)-स्थानान्तरण होने पर श्री बी०के० गुप्ता ने 26-12-83 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), भण्डीगढ़ का कार्यभार संभाल लिया ।

सं ० प्र०-1/4(9) 84(12) - स्थानान्तरण होने पर श्री रामायन सिंह ने 6-2-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें) कार्यालय हजारीबाग का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर छुट्टी बितों कर उसी हैसियत से 18-5-84 (पूर्वाह्म) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा०-1/4(9)/84--(13)--प्रतिनियुक्ति से वापस म्राने भीर छुट्टी बिता कर श्री एस० एस० चौधरी ने 13-2-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), दिल्ली-1 कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया ।

सं प्र प्र 1/4(9)/84 (14) - स्थानांन्तरण होने पर श्री एस । एस ० चौधरी क्ने 26-4-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें ०) दिल्ली - 1 का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 26-4-84 (पूर्वाह्म) - को उसी हैसियत से मुख्य श्रमायुक्त (कें ०), मुख्यालय में कार्यभार संभाल लिया ।

सं ० प्र ० - 1/4(9)/84 (15) - स्थानान्तरण होने पर श्री सी ० नरायन ने 21-4-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें ०), धनवाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 7-5-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से राजरकेला में कार्यभार संभवि लिया।

सं० प्र०-1/4(9)/83(16)—स्थानान्तरण होने पर श्री जी०धी $_0$ जोशी ने 21-5-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्स (कें०),

पूना कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर 22-5-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से बम्बई में कार्यभार संभाल लिया।

सं०प्र०-1/4(१)/84(17)--8-5-84 से 2-6-84 तर्क की छुट्टी बिता कर वापस ग्राने पर मुख्य श्रमायक्त (कें०),मुख्यालय में सहायक श्रमायुक्त (कें०) श्री एस० एस० चौधरी ने 4-6-84 (पूर्वाह्म) को मुख्य श्रमायुक्त (कें०) मुख्यालय में सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय का कार्यभार संभाल लिया।

सं० प्र०-1/4(9)/84(18)-श्रम प्रवर्तन म्रधिकारी (कें०) के रूप में प्रत्यावर्तन होने पर श्री म्रार० वी० वैलूर ने 18-6-84 (भ्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), म्रहमदाबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं ० प्र०-1/4(a)/84(19)-स्यानान्तरण होने पर श्री सूरज प्रकाश ने 24-4-84 (प्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें), छिन्दवाड़ा का कार्यभार छोड़ दिया धौर छुट्टी बिता कर 16-6-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से मंचेरियल में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा०-1/4(9)/84 (20)—स्थानान्तरण होने पर श्री एस० पी० पिपल ने 14-6-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), गोन्ना कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया भौर 25-6-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से श्रम मंत्रालय में कार्यभार संभाल लिया।

सं ० प्र ० - 1/4(9)/84(21) - स्थानान्तरण होने पर श्री एस० पी० देवरानी ने 22-6-84(प्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) धनबाद कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 25-6-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से विल्ली - 2 में कार्यभार संभाल लिया ।

सं ० प्र ० - 1/4(9)/34(22) - स्थानान्तरण होने पर श्री एम० मागर ने 11-6-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०)-2 कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 21-6-84 (पूर्वाह्म) को उसी हैसियत से इलाहाबाद में कार्यभार संभाल लिया ।

स॰ प्र०-1/4(9)/84(23)-श्रम प्रवर्तन श्रधिकारी (कें०) के रूप में प्रत्यावर्तन होने पर श्री श्रार० के० शुक्ला ने 21-6-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय इलाहबाद का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं० प्र०-1/4(9)/84 (24)-स्यानान्तरण होने पर श्री बी० एन०मा सहायक श्रमायुक्त(कें०), राउरकेला ने छुट्टी बिता कर 27-6-84 (पूर्वाह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०) कार्यालय छिदवाड़ा का कार्यभार संभाल लिया ।

स०प्र०-1/4(9)/84(25)---छुट्टी के दौरान स्थानान्तरण होने पर श्री डी॰ एन॰ महाले सहायक श्रमाक्त (कें॰) चाईबासा ने छुट्टियां सामाप्त होने पर 25-6-84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें॰) अहमदाबाद का कार्यभार संभाल लिया ।

सं०प्र०-1/4(9)/84(26)—स्थानान्तरण होने पर श्री सीताराम ने 25-6-84 (म्रपराह्म)को सहायक श्रमायुक्त (कें०) जबलपुर कार्यभार छोड़ दिया और 4-7-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से गौहाटी में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रशा०—1/4(9)/84(27)—स्थानान्तरण होने पर श्री के० रामाकृष्णन ने 11-6-84 (श्रपराह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), विजयवाड़ा कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 18-6-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से ऐंरनाकुलम में कार्यभार संभान लिया।

सं प्रकार-1/4(9)/84 (28)—श्वम प्रवर्तन श्रधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तन होने पर श्री वी० के० कपूर ने 23-6-84 (ग्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), कार्यालय भुवनेश्वर का कार्यभार छोड़ दिया ।

सं प्रणा०-1/4(9)/84 (29)—स्थानांन्तरण होने पर श्री एस० एस० मुन्द्रा ने 4~7~84 (पूर्वाह्न) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), गोहाटी कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर 18-7-84 (पूर्वाह्न) को उसी हैसियत से जबलपुर में कार्यभार संभाल लिया ।

सं० प्रणा०-1/4(9)/84(30)— 31-8-84 को सेवा-निवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने पर श्री ए० सी० नाग ने 31-8-84(श्रपराह्म) को सहायक श्रमायुक्त (कें०), कलकत्ता कार्यालय का कार्यभार छोड़ दिया ।

> एम० एल० मेहता प्रशासन श्रधिकारी

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय
श्रायात श्रौर निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

सं० 6/937/1-प्रणासन (राज०)--इस कार्यालय के श्री राधा किणन, उप मुख्य नियन्त्रक, श्रायांत एवं निर्यात सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 नवस्वर, 1984 के श्रपराह्म से मरकारी सेवा में निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/986/72-प्रणासन (राज०)--इस कार्यालय के श्री एम० एल० जयन्त, उप मुख्य नियन्त्रक, आयात एवं निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर, 30 नवम्बर, 1984 के अपराह से सरकारी सेवा में सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 6/302/55~प्रशासन (राज०) — मुख्य नियन्त्रक, श्रायात — निर्यात के वार्यालय, नई विल्ली की कुमारी एस० के० ग्रेवाल, संयुक्त मुख्य नियन्त्रक, श्रायात — निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड — 1) सेवा निवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 30 नवम्बर, 1984 के श्रवराह्र से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गयी हैं।

निरोती लाल उप मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात कृते मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात

विकास भ्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय मई दिल्ली, दिनांक 12 विसम्बर 1984

सं० 36/1/83-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, विकास ग्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय के निम्नोक्त वर्ग "क" ग्रधिकारियों <mark>को प्रत्येक</mark> के नाम के सामने दर्शीये गए पद पर तथा दिनांक से स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं :----

क्रमांक ग्रधिकारी का नाम	पद, जिंस पर स्थायी किया गया	जिस तारीख से स्थायी किया गया
1 2	3	4
1. श्री एस०एन० सहगल	उप निदेशक (प्रदर्णनी)	4-6-1983
2. श्री श्रार०पी० चुग	उप निदेशक (प्रौद्योगिकी)	29-3-1980
3. श्री एल० हाटनों	उप निदेशक (सहकारिता)	11-2-1982
4. श्री टी० लोकानंद शर्मा	निदेशक (वाद्य-यंत्र विकास केन्द्र), मद्रास	31-7-1981
5. श्री डी०डी० माने	उप निदेशक पश्चिमी क्षेत्र (बम्बई)	31-1-1981
6. श्री वी०डी० फांसिस	उप निदेशक (उत्तरी क्षेत्र) नई दिल्ली	12-2-1982

1 2	. 3	4
7. श्री एस०के० सिन्हा	निदेशक (क्षेत्रीय डिजाइन एवं	1-7-1982
	(पालाच क्रिजाईन एव तकनीकी विकास केन्द्र)	
श्री तपन घोष	निदेशक	1-7-1982
•	(क्षेद्रीय क्रिजाइन एवं	
·	सकनीकी विकास केन्द्र)	

शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

वस्त्र विभाग

हथकरघा विकास श्रायुक्त का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 नवम्बर 1984

सं० ए०-12022/2/84-प्रणासन-।।।--राष्ट्रपति, श्री एन० एन० वासुदेव (ग्राई० ग्रार० टी० एस०) को 20 नवम्बर, 1984 के ग्राराह्न से ग्रागामी ग्रादेशों तक के लिए हथकरघा विकास ग्रायुक्त के कार्यालय के ग्रन्तगत राष्ट्रीय हथकरघा डिजाइन केन्द्र ग्रीर राष्ट्रीय हथकरघा संग्रहालय (बुनकर सेवा केन्द्र) दिल्ली में ग्रपर विकास ग्रायुक्त के पद पर नियुक्त करते हैं।

> विवेक कुमार श्रीनहोत्नी धपर विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

पूर्ति विभाग

पूर्ति तथा निपटांन महानिदेशालय नहें विल्ला-1, दिनांक 15 विसम्बर 1984

सं ए०-1/42 (34)- राष्ट्रपति ने स्थाई निरेशक (भारतीय पूर्ति सैविक ग्रेड-1) श्री एस० पी० श्रमवाल को दिनोक 12 जुलाई, 1984 से उक्त सेवा में उप महा-मिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) के स्थाई पद (भारतीय पूर्ति सेवा का सुपर टाइप स्केल) पर नियुक्त किया है।

> राज**बीर सिंह** उप निदेशक (प्रशा०)

इस्पात श्रीर खान मंत्राखय

(खान विभाग)

भारतीय भूनैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० 8198 बी॰/ए०-19012(4-पी॰ के॰ सी॰)/ 19-बी॰-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ज़ीलर श्री पी॰ के॰ षक्रवर्ती सरकारी सेवा से 31 जुलाई, 1984 (ध्रपराह) से बार्द्धक्य पर सेवानिवृत्त हुए।

विनांक 11 दिसम्बर 1984

सं 8220 बी ं ए० – 32013 (प्र० भ०) / 84-19-ए० — भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू — वैज्ञानिक सर्वेक्षण के भ्रधीक्षक श्री ए० के० विश्वास को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०री०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान पर प्रस्थाई क्षमता में, भ्रागामी आदेश होने तक 12 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 8210 बी०/ए०-32013/(प्र० अ०)/84/19-ए०-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक कुमारी रमा गुप्ता को प्रणासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में, श्रस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 16-10-1984 के पूर्वीह्न से प्रोनित्त पर नियुक्त कर रहे हैं।

श्रमित कुशारी, निवेशक (कार्मिक)

भारतीय खान ब्यूरो भागपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

सं० ए०-19011 (364)/84-स्थापना ए०-संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री सी० जी० सुम्भ, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूगर्भ) की दिनांक 29 नवम्बर, 1984 के पूर्वाह्र से भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनिज अर्थ शास्त्री (श्रासूचना) के पद पर नियुक्ति प्रवान करते हैं।

पी० पीवादी, प्रशासन श्रधिकारी, कृते महानियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 12 विसम्बर 1984

सं० सी०-6143/पी० एफ० (के० म्रार०)—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं म्रपील) नियमावली, 1965 के म्रधीन म्रनुशासनिक कार्रवाई के परिणामस्यरूप श्री किशन राम, म्रधिकारी सर्वेक्षक, भारतीय सर्वेक्षण विभाग को दिनांक 19 नवस्वर, 1984 से नौकरी **से** हटाया जाता। है।

> गिरीश चन्त्र ८, प्रदास, में जर जनरल, भारत के महासर्वेकक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1984

सं० 1/14/84—एस०-2— महानिदेशक आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री के० बालाकु ज्यान् नायर, लेखाकार, आकाशवाणी, मद्रास को 25 जुलाई, 1984 (पूर्वाह) से अगले आदेशों तक, तक्यं आधार पर आकाशवाणी, सिलचर में, प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री नायर ने श्राकाणवाणी सिलचर में उसी मे तारीख से प्रणासनिक श्रधिकारी का कार्यभार संभाल लिया है।

> मोहन फ्रांसिस, प्रमासन उप निदेशक, कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

सं० 4 (36)/84-एस० म्राई०--महानिदेशक, म्राकाश-वाणी एतद्द्वारा श्रीमती जे० शकुत्तला को 4 सितम्बर, 1984 से म्राले मादेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 इपए के वेतनमान में, म्राकाशवाणी, हैवराबाद में, मस्याई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (40)/84-एस० धाई०---महानिदेशक, ग्राकाश---वाणी, एतद्दारा कुमारी माधवी वत्सला रिवन्द्र नाथ को दिनांक 12 नवस्वर, 1984 से ग्रांके ग्रादेश तक 650-30-740--35-810-दं० रो०-880-40-1000-दं० रो०-40--1200 रुपए के वेतनमान में, ग्राकाशवाणी त्रिक्ट्रपल्ली में, ग्रास्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के प्रव पर नियुक्त करते ह।

सं० 4(57)/84-एस० म्राई०---महानिवेशक, म्राकाश-वाणी एतद्द्वारा के० गणेशन को दिनांक 24 सितम्बर, 1984 से म्रगले म्रादेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०--880-40-1000-द० रो०--40-1200 रुपए के वेतनमान में, आकाशवाणी काम्बेट्र में, मस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं। सं० 4(76)/84-गस० आई०—महानिदेशक, आकाश-वाणी एतद्दारा श्री आर्थर को दिनांक 29 अक्तूबर, 1984 से अगले आदेश तक 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में, रेडियो काश्मीर, जस्मू में, अस्थाई रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

> हरीश चन्द्र जयाल प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, विनांक 12 विसम्बर 1984

सं० ए० 32013/2/83-एन० आई० सी० डी०/पी० एच० (सी० कुडी० एण्ड एल०).--स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री वाई० पी० भाटिया को 12 नवम्बर, 1984 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

> नारायण सिंह, उप निदेशक प्रशासन (पी० एच०)

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

सं० ए० 31014/6/81-मेडिकल (एफ० एण्ड एस०) — राष्ट्रपति ने श्री जी० एल० मोनी को 11 जून, 1980 से जवाहर लाल स्नातकोसर चिकित्सा जिका एवं अनुसन्धान संस्थान, पांडिचेरी में लेक्चरर, स्वास्थ्य शिक्षा एवं परिवार करवाण के पर पर स्थाई जीधार पर नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 14 दिसम्बर 1984

सं० ए० 32014/1/84-प्रणासन-I. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री आर० एल० माथुर, अनुसन्धान सहायक (पोषण) को 19 नवम्बर, 1984 (पूर्वाह्न) से आगामी आवेशों तक स्वास्थ्य सेवा महाविदेशालय, नई दिल्ली में अनुसन्धान अधिकारी (गलगण्ड) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त कर दिया है।

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक प्रशासन (सी० एण्ड बी०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

सं० ए० 21021/1/84-ई० एस०--नागर विमानन विभाग के श्री फिलिए मैथ्यू, नियंत्रक उड़न योग्यता निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 अक्सूबर, 1984 अपराक्ष से सरकारी सेवा से निवृक्त हो गये हैं। सं० ए० 32014/3/83-ई० एस०---महानिदेशक नागर विमानन ने श्री टी० सी० वर्मा, भण्डार सहायक को नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भण्डार डिपो, नेताजी नगर, नई विस्ली के कार्यालय में, भण्डार अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति दिनाक 6 दिसम्बर, 1984 से 31 जनवरी, 1985 तक की और अवधि के लिये जारी रखने की अनुमति दी है।

दिनांक, 11 दिसम्बर 1984

सं० ए० 32013/1/82-ई० एस---राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित अधिकारियों को नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/ नियंत्रक उड़न योग्यता के ग्रेड में की गई तदर्थ पदोन्नति उनके नामों के सामने दी गई दिनांक 30-5-1984 तक की और अवधि के लिये सामान्य शतों पर जारी रखने की स्वीकृति दी है:--

नाम	तदर्थं नियुक्ति	की बढ़ाई गई अवधि
 श्री ए० एन० मुखर्जी श्री एस० जी० गोस्वाय श्री एस० आरं० दास श्री सी० श्री० कोल्हे श्री आर० एन० दोसाय श्री एस०एस० दास 	मी 1-5-84 1-5-84 1-5-84 ज 15-3-84	से 30-5-84 तक से 30-5-84 तक से 30-5-84 तक से 30-5-84 तक से 30-5-84 तक से 30-5-84 तक
	सहाय	बी० भौमि <i>न,</i> क निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 26 नवम्बर 1984

सं० ए०-32013/7/83-ई०सी०--राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित सहायक तकनीकी ग्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की श्रवधि के लिए तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया श्रौर उन्हें उनके नामों के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:--

ऋम	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की
सं०		·		तारीख
1	2	3	4	5
٠.	सर्वश्री			4 - 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0 0
1.	एन० एस० खेरा	भावनगर	क्षेत्र सं० नि० बम्बई	30−8−84 (ग्र पराङ्ग)
2.	टी० एन० विश्वनाथन्	कोयम्बत्तूर	कोयम्बत्तूर	30∽6−84 (पूर्वाह्न)
3.	जे० फ्रार० शर्मा	जोधपुर	जोधपुर	30−6−8 4 (श्र परा ह्न)
4.	सी० एस० म्रहलुवालिया	रे०नि०वि०ए० दिल्ली	रे०नि०वि०ए० दिल्ली	29-6-84 (पूर्वाह्न)
5.	बलबीर सिंह	वै०सं०स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (ग्रपराह्म)
6.	कें० एल० कपूर	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पूर्वाह्न)
7.	एस० एस० ग्रेवाल	लुधियाना	रे० नि०वि० ए० दिल्ली	16-7-84 (ग्रपराह्न)
8.	जे० डी० रस्तोगी	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	20-7-84 (पूर्वाह्न)
9.	के० के० शांडिल्य	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पूर्वाह्न)
10.	एच० एस० दुग्रा	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पूर्वाह्न)
11.	म्रार० एस० एस० लोटा	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पुविह्नि)
12.	के० के० गंडोत्ना	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पूर्वाह्न)
13.	पी० के० सरकार	कलकत्ता	कलकत्ता	30—6—84 (पूर्वा ह्न)
14.	जी० एन० साहा	कलकता	कलकशा	306-84 (पूर्वाह्म)
15.	डी० डी० पाटिल	भौरंगाबा द	भौरंगाबाद	9-7-84 (पूर्वाह्न)
16.	बी० के० भसीन	के० रे० भ० डि० नई दिल्ली	के० रे० मं० डि० नई दिल्ली	21-7-84 (पूर्वाह्न)
17.	एस० एन० सेन गुप्ता	कलकत्ता	कलकरा।	30 6- 84 (पूर्वाह्न)
18.	श्रार० एस० रंधावा	मोहनबाड़ी	कलकत्ता	20-7-84 (पूर्वाह्म)
19.	वी० सी० कुलश्रेष्ठ	प्रगरतला	ग्रगरतला	30-6-84 (पूर्वाह्न)
20.	विश्वनाथ दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-84 (पूर्वाह्न)
21.	एच० पी० घोष	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-84 (पूर्वाह्म)
	पी० टी० गुजराती	बम्बर्द	बम्बई	30-6-84 (पूर्वाह्र)
	एम० घी० नंबियार	मद्रास	मद्रास	30-6-84 (पूर्वाह्न)
	वाई० के० कौशिक	बम्बई	बम्बई	30-6-84 (पूर्वाह्न)
	गोपाल मिश्रा	गया	पटना	12-7-84 (पूर्वाह्स)

²⁻³⁹⁶GI|84

ऋम मं०	नाम ्	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
26. के॰एम॰	मुर्यनारायणन्	मद्रास	मद्रास	30-6-84 (पूर्वाह्म)
27. बी॰ डी॰	••	ना० वि० प्र० के० इलाहाबाद	ना० विं० प्र० के० इलाहाबाद	2-7-84 (पूर्वाह्न)
28. एन० जय	ाराम	तिरूचि	तिरूचि	30-6-84 (पूर्वाह्म)
29. श्रार० के	० हाजरा	रांची	रांची	30-6-84 (पूर्वाह्म)
30. एम० एर	•	कें रे० भं० डि० दिल्ली	के० रे० भं० डि० दिल्ली	18-7-84 (५वरिहा)
31. के० के०	भनोट	कल्कत्त <u>ा</u>	कलकत्ता	9-7-84 (पूर्वाह्म)
32. एस० वी	० पिल्लै	बम्बई	बम्बर्ष	30-6-84 (पूर्वाह्न)
33. बी०एस०	नन्दा	कलक्सा	कलकत्ता	306-84 (पूर्वाह्म)
34. टी०के०	घोषाल	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-84 (पूर्वाह्म)
35. के०एल०	बजाज	गुवाहाटी	भुवनेश्वर	31-7-84 (पूर्वाह्म)
36. एम० एस	। ० वारियर	मद्राम	मद्रा स	30-6-84 (पूर्वाह्म)
37. टी॰ एस	० नैयर	त्रिवेन्द्रम	क्रिवेन्द्र म	30-6-84 (पूर्वा ह्म)
38. एम॰ एर	प्त० मोतवानी	बम्बई	बम्बई	30-6-84 (पूर्वाह्न)
39. जे० ए०	एन० मूर्ति	विशाखापत्तनम	विशाखापत्तनम	6-7-84 (पूर्वाह्न)
40. भ्रार० के	o वर्मा	ग्वाहाटी	गुवा <u>हा</u> टी	3-7-84 (पूर्वाह्म)
41. एस० के	> नय्यर	पोरबस्दर	नागपुर	26~7 - 84 (श्रपराह्म)
4.2. के 0 एल	० भाटिया	अम्बर्द	बस्बर्ह	30-6-84 (पूर्वाह्म)
43. के० वेंकर	टरमन	मद्रास	मद्रास	30-6-84 (पूर्वाह्न)
44. एन० एन	ा० सिंह	भ्वनेश्वर	भुवनेश्वर	2-7-84 (पूर्वाह्म)
.45. एम ० एस	॰ चौहान	वे० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० विल्ली	28-6-84 (पूर्वाह्न)
46. डी० एस	। जहांगीरदार	नागपूर	नागपुर	4-7-84 (पूर्वाह्न)
47. जगजीत	सिंह	वै० सं० स्टे० दिल्ली	वै० सं० स्टे० दिल्ली	28-6-84 (पूर्वा ह्य)
48. बी०एस०	ख्मन	के० रे० भं० डि० दिल्ली	के० रे० भं० डि॰ दिल्ली	29-6-84 (पूर्वाह्न)
49. के० सी	~	लखनऊ	रे० नि० वि० ए० दिल्ली	24-7-84 (पूर्वाह्म)
50. श्रमलेन्दु	दत्ता	कलकत्ता	कलकत्ता	30-6-84 (पूर्वाह्न)
51. डी० कें		बम्बई	बम्बर्द	30−6−84 (पूर्वाह्न)
52. हरभजन	सिंह	रें० नि० वि० ए०	रे० नि० वि० ए० दिल्ली	29-6-84 (पूर्विह्न)
53. लक्षमण	-	, कलकता	कलकता	306-84 (पूर्वाह्न)

दिनांक 5 दिसम्बर 1984

सं० ए० 32013/2/84-ई० सी०:--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित वरिष्ठ नकनीकी अधिकारियों को पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख में छः मास की अवधि के लिये या पद के नियमित आधार पर भरे जाने मक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक निदेशक मंचार के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन, नई विल्ली के कार्यालय के वैमानिक संचार निदेशालय में तैनात किया है ---

ऋमसं० नाम	कार्यभार प्रहण करने की तारीख	
1. श्री के० सुरेन्दर	14111984 (पूर्वाह्म)	
2. श्रीरूप चन्द	15-10-1984 (पूर्वाह्म)	

उपर्युक्त अधिकारियों की सहायक निदेशक संचार के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति हो जाने से वे नियमित नियुक्ति का दावा करने के हकदार नहीं होंगे और तदर्थ आधार पर की गई सेवा न तो ग्रेड में वरीयता के प्रयोजन के लिये और नहीं अगले उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति की पावता के लिये गिनी जायेगी।

दिनांक 14 दिसम्बर 1984

सं० ए० 35018/6/79-ई-1:—इस कायलिय की दिनांक 21-7-1984 की अधिसूचना सं० ए० 35018/6/79-ई-1 के कम में राष्ट्रपति ने आसूचना ब्यूरो के अधिकारी श्री के० के० नागर को नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में सहायक निदेशक, नागर विमानन सुरक्षा के पद पर वेतनमान ६० 1200-1900 + 300 विशेष वेतन प्रतिमाह) की गई प्रतिनियुक्ति को दिनांक 1-11-84

से 31-12-84 तक की अवधि के किये जारी रखने की स्वीकृति प्रदान की है।

वी० जयचन्द्रन, सहायक निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेणालय फरोदाबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

मं० ए० 19027/2/80-प्र० III--इस निर्देशालय के अधीन फरीदाबाद में श्री धनेश्वर प्रसाद बन्दूनी की हिन्दी अधिकारी के पद पर तदर्थ नियुक्ति की 30-9-1984 तक कुंग्राया गया है।

दिनांक, 12 दिसम्बर 1984

सं० ए० 31014/3/81-प्र० 1--- विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन श्री एस० जे० काम्बन को दिनांक ' 18-3-1983 से महायक विपणन अधिकारी (वर्ग ना) के स्थाई पद पर मूल रूप स नियुक्त किया जाता है।

सहायक विणयन अधिकारी (वर्ग II) के पद पर मूल रूप से निथुक्त होने की तारीख में श्री एस० जे० काम्बल का निचले पद पर कोई ग्रहणाधिकार यदि है तो स्वतः समाप्त माना जायेगा।

> जे० कृष्णा, निदेशक, प्रणासन । कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद 500762 दिनांक 8 दिसम्बर 1984

सं ना र ई ज स/का ज प्र भ/0704/2868--इस कार्यालय की अधिसूचना सं ना र ई ज स/का प्र भ/0704/2514, दिनां क 8-11-1984 के अभ में प्रवरण श्रेणी लिपिक श्री व र र नारायण अय्यर की र 650-30-740-35-880-द रो र 40-960 के वेतेनमान में तवर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्ति की दिनांक 7-1-1985 पर्यन्त या आगामी आदेशों पर्यन्त इन में से जो भी पूर्वचिति हो आगे बढ़ाया जाता है।

वें० रा० विजयन सहायक कार्मिक अधिकारी (परमाणु खनित्रं प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनाक 13 दिसम्बर 1984

सं० प ख प्र-16/3/84-भर्ती--िनदेशक, परमाणु ख्रामिज प्रमाण, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्हारा परमाणु खानिज प्रभाग के स्थाई अधीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारं श्री जगदोश राथ गुप्त को उस प्रभाग में 28 अगस्त. 1984 के पूर्वाह्म से अगले आदेश होने सक तद्ये रूप में स्थानापन्न प्रशासन अधिकारो-II नियुक्त करते हैं।

एस० पदमानाभन, वरिष्ठ प्रशासन व लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजनायें

बम्बई-400008, दिनांक 15 दिसम्बर 1984

सं० 05012/आर० 3/ओ० पी०/5875—भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान नार्यकारी, भारी पानी परियोजना (कोटा) के उच्च श्रेणी लिपिक, श्री एस० सी० नंदवाना की इसी परियोजना में. श्री आर० के० सैनी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर 3 अक्तूबर, 1984 (प्रयांत्र) में 7 नवम्बर, 1984 (अपराह्न) तक के लिये अस्थाई रूप में तदयं आधार पर स्थानायक सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती कें० पी० कल्याणीकुट्टी, प्रमासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र कलपायकाम, दिनांक 21 नवम्बर 1984

मं० आए० आए० सा०/ए० 32023/1/84-आए/17237-रिएक्टर अनुसन्धान केन्द्र के निदेशक इस केन्द्र के स्थाई
सहायक लेखापाल श्री किल्तीकुलंगरा मामन वेल्यूथम को
उसी केन्द्र में 19-11-1984 में 31-12-1984 तथा की
अर्थाध के लिये अथवा अगला आदेश जारी होने तक के लिये,
दोनों में से जो भो पहले घटित हो, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

कुमारी एस० गोपालकृष्णन, प्रणासन अधिकारी

पर्यटन एवं नागर विमानम मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

सं० स्था० (1)00696--श्री डी० बी० सुन्नहमण्यम, स्थानापन्न निदेशक, प्रादेशिक मौसम विज्ञान केन्द्र, बस्बई भारत मौसम विज्ञान विभागको 13-8-1984 से 17-9-84 तक 36 दिन का अर्ध वेतन अवसाण स्वीकृत निया गया था अवसाग की अवधि समाप्त हो जाने पर 17-9-1984 की अपराह्म से वे स्वेच्छ्या भारत सरकार से सेवा निवृक्ष हो गये हैं।

> के० मुखर्जी, मौसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

सं 1/20/84 स्था० — विदेश संचार सेवा के महानिवेशक एतद्द्वारा नई दिल्ली शाखा के पर्यवेक्षक, श्री बी० एक० खेमचंदानी को 22 अक्तूबर, 1984 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

> र० का०ठक्कर, उप निवेशक (प्र०), कृते महानिदेशक

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पुण-24, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

सं० 608/146/84-प्रशासन—निर्वतन की आयु हो जाने के कारण श्री जे० पी० विव्वास, विशेष अधिकारी (प्रतेखन), केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला दिनांक 30-11-1984 अपराह्म से केन्द्र सरकार की , सेवा से निवृत्त हो गये।

> भा० ग० पटवर्ध्न प्रणासन अधिकारी कृते निदेशक

निर्माण महानिवेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग नई दिल्ली, बिनांक 14 दिसम्बर 1984

सं० 27ई $|\hat{a}|$ 10|69-ई०सी०-2—केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित प्रधिकारी निवर्तन की श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से, उनके श्रागे दी गई तारीख से, सेवा निवृत किए जाते हैं:—

ऋं० सं०	ग्रधिकारी का नाम	निवृत्ति की तारीख	पवनाम श्रीर श्रतिम तैनाती का स्थान
1. डी	० पी० भारद्वाज	30-6-84 (अपराह्न)	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत्) निर्माण सर्वेक्षक मधीक्षक इंजीनियर, विल्ली केन्द्रीय
2. স্না	र० एस० भल्ला	30-10-84 (ग्रपराह्न)	परिसंडल–8, नई दिल्ली । कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) "पी" मंडल केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली ।

सं० 27६६/जी (17)/77 ६० सी०-2(खण्ड-3)-निर्माण और आवास मंत्रालय के दिनांक 16-8-84 के
आदेश संख्या सी०-13015/7/81-ए० वी० 3 के अनुसरण
में अधिसूचित किया जाता है कि श्री आर० के० गोयल,
कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) सरकार की सेवा के दौरान
(पूर्ण) सत्यनिष्ठ और कार्य के प्रति निष्ठावान नहीं रहे।
राष्ट्रपति ने 29-8-1984 (अपराह्न) से इनकों सरकारी
सेवा से बरखास्त करने का दण्ड देने के आदेश किये हैं।
श्रो गोयल जो भविष्य में सरकारी नौकरी के लिये आयोग
घोषित कर विया गया है।

लछमन वास प्रशासन उपनिदेशक कृते निर्माण महानिदेशक विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्राल य (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बीडं कम्पनियों के रिजिस्टार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 दी सिरकारस लकस्मी मिल स्टोरस कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

हैदराबाद, दिनांका 12 दिसम्बर 1984

सं० 75/TAIII/560--सम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्हारा सूचना दी जाती है कि दी सिरकारस लक्स्मी मिल स्टोरस कम्पनी प्राईवेट लिमिडेड का नाम आज रिजस्टर से बाट दिया गया है औप उक्त कम्पनी विषटिक हो गई है।

> वी० एस० राजू, ऋम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

आयकर अपीलीय अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांत्र 15 दिसम्बर 1984

सं० एफ० 48/ए० डी०/एटी/1984—श्री एस० के० विकास, अधीक्षक, आयक्षर अपीलीय अधिवरण बम्बई, पीट, बम्बई हादर्य आधार पर अस्थाई क्षमता में सहायक पंजीकार के पद पर आयक्षर अपीलीय अधिकरण, अमृतसर पीठ, अमृतसर में 3 माह के अविधि के लिये दिनांक 29-9-1984 पूर्वाह्म से कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की गई थी, देखिये

इस कार्यालय का आंध्यूचना दिलाक 20-9-1984 क्रमांक एफ़-48 एडो॰ एटा 1984, को अब उसी क्षमता में जहायक पंजीकार के पद पर आयकर अपीलीय अधिकरण अमृतसर पीठ अमृत र में, और 3 माह के अबधि के लिये दिशांक 29-12-1984 के पूर्वाह्म से या जब तक उक्त पद पर नियमित ियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी पहले हो, कार्य करते रहने की अनुमति प्रदान की जाती है।

उपर्युक्त नियुषित तदर्थ अधार पर है, और यह श्री
एत० के० विश्वास को उस श्रेणे में नियमित नियुक्ति
के निये कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा
तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेनाये न तो वरीयता के अभिप्राय
में उस श्रेणे में गिनी जायेगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी
में बोबन किये जाने को पात्रना हो प्रदान करेगी।

टं1० डी० सुग्ला, अध्यक्ष प्ररूप. बाह्र : टी. एन. एत. -----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 1 विसम्बर 84 निदेण सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी/53/20/84-85--ग्नतः मुझे, एम० सी० जोशी

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाएं 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नामार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 10 फैक्टरी बिल्डिंग है, जो ग्रेंट नाग रोड़ पर, इमाम बाडा लेग्राउट नागपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाप्बद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरुप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकुमेंट सं० 9136) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 4-4-1984

को प्योक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण स्वित में वास्तिक रूप से कियान नहीं किया वया है:—

- (क) अन्तरण संहुर किसी नाय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-किसिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1): के अधीं, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) गोडबोले गेटस् (प्रा०) लिमिटेड 28, बुरी प्लाटस धरमपेठ, नागपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) सिम्लैक्स बेवरेजेस 10, ग्रेट नागरोड़ इमामबाडा नेग्राउट, नागपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थिति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिथानियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

नग्त्यी

फैक्टरी बिल्डिंग जो प्लाट नं० 10 पर ग्रेट नागरोड़ इमामबाडा लेग्राउट नागपुर में है। ग्रीर जिसका प्लाट एरिया 10500 स्कवे० फु० ग्रीर जिसका बीष्ट ग्रंप एरिया 2075 स्के० फुट है।

> एम० सी० जोशी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, नागपुर

तारीख: 1-12-1984

प्रक्ष बाह्", दी. एम. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सष्टायक बायकार भागुक्त (निरीक्षण) े

ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर भुवनैश्वर दिनांक 5 दिसम्बर 84

निदेश सं अर्इ० एस० सी०/ए० सी० कु०/पुरी-2/ 84-85/1630/31--अत: म्झे, श्रार० सी० सेठी

हाज्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव I-4357 है, जो वालुखन्छ खासमाहल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलिकक्षा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँ र 12-4-84

को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिथिक कप में कथित नहीं किया गया है:—

- (भा) अन्तरण सं शुर्व किसी जाय की वाबत, उत्तः अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कमी करने या उससे स्थाने मों सामधा के सिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑधानयम. या धन-कर ऑधोनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री माखनलाल हलटर पिता भोलानाथ हलटर 2-कुमार हलटर 3-निसान हलटर ग्रीर 4, राज हलटर मबके पता, माखनलाल हलटर शनिस्त्री हैंटल पुरी, सी-विच पुरी । (उड़ीसा)

(ग्रन्तरक)

(2) मैंसर्स पुरी हैंटल प्राइवेट लिमिटेड, सी-बिच, पुरी जी:-पुरी (उड़ीसा) (अन्तरिती)

को अह सृपना चारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध मा कोड़ों भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्याकतीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कटाँ कौर पर्वो का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

अनुसूची

होटल श्रौर मकान सब लिज होल्ड प्लाट नं० 403, ए० सी० श्रो० 600 डिस० खाता नं० 110 श्रौर प्लाट नं०-402, ए० सी० श्रो०, 019 डिस० श्रौर प्लाट नं० 402/1300, ए०सी०श्रो० 136 डिस० में खाता नं०-546 हैटल एरिया ए०सी०श्रो० 755, म्युनिसिपालिटी प्लाट नं०-13, मौना-वालुखन्ड खासमहल में श्रवस्थित है, इसका थाना-पूरी टाउन है, श्रौर तालजी नं०-459, जी-पूरी (उड़ीसा)

श्रार० सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भुबनेग्बर

तारीख: 5-12-1984

उड़ं/सा

प्ररूप जाहरे दी. एस. गृस. -----

भाधकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूजना

भारत सुरकार

भार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, भुवनेश्वर भुवनेश्वर, दिनांक 3 दिसम्बर 84

निदेश सं ग्राई० एस० मी०/ए० मी० कु०/पुरी-1/

84-85/1605-06—अत: मुझे, आर० सी० सेठी मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण दे कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मृन्य 25,000/- इ. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 1421 है, जो गौखाद साही में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पुरी में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान गौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापवाँक्त गंपरित का अधित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया गित-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में अस्तिधिक स्थ स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्वृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

अतः अव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती चिनमयी देवी वाइफ आफ, स्व॰ महेन्द्रलाल करनलाई पी--19, ड॰ सुरेशचन्दु बैनर्जी रोड़, थाना--वालीघोत कलकत्ता--700085

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी साहु वाइफ श्राफ रघुनाथ साहु पुरी टाउन, जी पुरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के श्राचपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कर व्यक्तियों में से किसी स्पब्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृद्ध किसी अन्य अधिक वृद्धार अधिहस्ताक्षरी के पास निविद्ध में किए जा सकाने।

स्पष्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया प्ला है।

अनुसूची

लीज हौल्ड जमीन श्रीर घर-ए०सी०श्रो० 250 डिस० खाता नं 1 पुरी म्युनिसिपालिटी पलाट नं 2154 (पुरानी) हाल प्लाट नं 0-136, श्रीड नं 0-3, सारकौल नं 0-94, ताउजी नं 0-268 पुरी थाना नं 0-95 (पुराना) नं 0 97 (नया) होल्डिंग नं 0 713 (पुराना) होल्डिंग नं 0 737 (नया), जमानबन्दी नं 0-155, मौजा-गाउड़वाढ साही जी पुरी (उड़ीसा)

श्चार० सी० सेठी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख: 3-12-1984

मोहर 📑

प्ररूप बाईं.टी.एन एस.

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

श्चर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 26 नवम्बर 84 निर्देश सं० सी० ए०-ग्राई०/37ईई/84-85--श्चतः मुझे, ग्रनिल कुमार

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 448, पार्ट-2 है तथा जो उल्हासनगर-5 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन. तारीख श्रक्टूबर 84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक हम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भतः धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मा, राजा अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जारिक किल व्यक्तियों, अर्थात :— 3—396GI[84 (1) जे० के० विल्डर्स दुकान नं० 19, प्रभात टाकीज के सामने उल्हासनगर

(म्रन्तरक)

(2) लाडीकराम ए० मंघानी, 17 राजु सो, पुराना टेलीफोन एक्सचेंज उल्हासनगर-3

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कान्तिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ननस्थी

प्लाट नं० 448, पार्ट-2 उल्हासनगर-5 (क्षेत्र 560 चौ० फीट)

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत कि 9401/83-85 जो ग्रेक्टूबर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा है।)

> त्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 26-11-1984

प्रकप आई.टी.एन,एस.-----

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 84 निर्वेण सं० सी० ए०-5/4737/37ईई/84-85/41---श्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन शक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ई-21, 4थी मंजिल, हर्मस ग्रेस को-ग्राप० हाउसिंग सोतायटी लिमिटेड घर नं० 1974 विस्ट स्ट्रीट. पूणे-1 है तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपावत ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिकारों के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत, (निरीक्षण) कार्जन रेंज, पूणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनौंक मई, 84

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुत्राक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिग्रत से अधिक है बोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्शित में बास्तविक रूप से किंपत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त कीधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे जलने में सुविधा के सिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती दशरा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सृविधा के लिए;

अतः मत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अनीय जिल्लीक्षित्र स्वितिस्यों अधित रूप (1) मैसर्भ रमेण बिल्डर्स,618, साचापीर स्ट्रीट, पूणे—1

(भ्रन्सरक)

(2) कमला फ० फाबियानी तथा प्रन्य, मीरा सो फ्लैट नं० 168, बिल्डग नं० 10 सेल्सबरी पार्क, पूणे-1

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त बाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहा अर्थ द्वीपा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

रत संची

फ्लैट नं॰ ई-2, 4थी मंजिल, हर्मस ग्रेस को-ग्राप॰ हार्जीसग सोसायटी घर नं॰ 1974, वेस्ट स्ट्रीट, पूणे-1 (क्षेत्र 1208) चौ॰ फीट ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत नं० 4737/83-84 जो मई 84 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण भ्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-11-1984

प्ररूप बाइ . टी, एन. एस. -----

कांग्रफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज, पूना

पूना दिनांक 28 नवम्बर 84

निर्देश सं० सी० ए०-5/37ईई/4736/84-85/940— मत: मुझे, श्रनिल कुमार

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, ग्राउंड फ्लोर हर्मस ग्रेस बिल्डिंग घर नं० 1974 गफारबेग स्ट्रीट है तथा जो पूणे—1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायकर ग्रायकर (निरीक्षण), श्रजंन रेंज, पूणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 84

को पुत्रोंकत सम्परित के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वस करने के कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रल प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिखत के शास्त्रीयक क्या में कथित नहीं किया गया है क्रिक

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उसत अभिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कामी कारने या उससे बचने मा स्वाधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्मिना है हिस्सूर,

बतः अब, अव्य अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसूर्ण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1), बे ज्योग, निकाणियित व्यक्तियों, वर्षातः के (1) मैसर्स रमेश बिल्डर्स,618, सामापीर स्ट्रीट,पूणे-1

(ग्रन्तरक)

(2) हाजी य० म० महमद मुसा, कयानी रेस्टोरेन्ट 385, साचापीर स्ट्रीट, पूणे-1.

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकारण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसुची

दुकान नं० 2, ग्राउंड फ्लोर, हर्मस ग्रेस बिल्डिंग घर नं० 1974, गफारबेग स्ट्रीट, पुणे (क्षेत्र 402 चौ० फीट) (जैसे की रजिस्ट्रीकृत ऋ० 4736/83-84 जो मई 84 को सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भ्रायुत (मिरीक्षण) मर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28--11--1984

नोहरः:

प्रसम्प बाह्". ही. एन्. एस.----

बायक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत व्यक्तप

कार्यांक्य, तहायक कार्यकर जागुरत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1984

निर्देण सं० मी० ए०-5/37ईई/4130/84-85/937--- । ग्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार

बायकर विभिन्धिन, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके परवात् 'उसत विभिन्धन' कहा गया हैं) की पाच 269-क से वर्धन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्मानर संपत्ति विश्वका स्रीचत बाबार बुक्य 25,000/- ए. से व्यक्ति हैं

ग्रौर जिसकी सं एलैंट 1740 घोरस फुट प्लाट नं 62, सी विशेष एस 761 ग्रायिखयल कालोनी कोथरूड, पूणे-4 है तथा जो पूणे-4 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूणे में, रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ग्रग्नैल 84

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के शीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकात से विश्व दश्ये से उक्त अन्तरण कि खित में वास्त्रिक स्थ से अधिक नहीं किया कहा है हरन

- (क) अन्तरण ये हुई कि की बाद की बावत बक्त बिध-नियम को सभीम कर दोने को अन्तरक के शाबित्य बें काजी करवे या उत्तवने बचने के तृत्विका के जिसे; और/या
- (क) एरें। किसी नाय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण का उपभारा (1) के अधीन, मिम्निसिश्वत व्यक्तियों, अधीत् :—— मडकमकर ऐण्ड सन्स 1373, शिवाजी नगर पूर्ण-4

(अन्तरक)

(2) छा० श्रशोर रंगराव देशपांडे तथा भ्रन्य, 478, सुखदय कालोनी पर्वती दर्शन, पूर्णे-1

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त कम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीय से 45 वित की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिकों में किसी व्यक्ति पुनारा;
- (ब) इंड सूपना के राजपत में प्रकाचन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए सा सकारी ?

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का जो उक्त अभिनेत्रका, के बच्चाय 20-दा ने परिष्णाका है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

अनुसूर्या

फ्लैंट 1740 चौरस फुट प्लाट नं० 62 सी० टी० एस० 761, म्रायडियल कालोनी कोथरूड पूणे-4 (क्षेत्र-2405)

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत नं० 4130/83-84 जो भ्रप्नैल 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पूर्ण के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनित कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-11-1984

प्रस्प बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की, भाषा 269-च (1) के सभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्प्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवस्बर 84

निर्देश सं० सी० ए०--4/37ईई/5580/84--85/938----ग्रतः मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एफ० पी० नं० 135, सब-प्लाट-डी, ताडीवाला मार्ग, पूणे है तथा जो पूणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रॉर पूर्णक्ष्प से वाणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, पूणे में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 84

को पूर्वोक्त सम्पिक्त के उणित बाजार मूल्य से कम के एरमाम प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करा का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से एसे एसे एसमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बलारण ये हुई किसी बाय की वाबत उचन को कि नियम के क्यीन कर दोने के जन्तरक की दाबित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिये; और/वा
- (व) ऐसी किसी क्षाय या किसी वन अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वना वा वा किया काना चाहिए वा कियाने में सुविका के किया;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-न के अनुसरक मे, मैं, उक्त बुधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तिस्यों, अर्थात :---

- (1) पालमजी श्रर्वेशिय तलाठी,
 उनके मृत्युपा के श्रनुस र सभी देखभाल
 करने की जिम्मेदारी क० ह० वकील, बी०
 ए० है। तलाठी द्वारा फ० प० तावाडिया
 1ली मंजिल, ए/4 रुस्तुम बाग, मसिमा हास्पिलट
 के नजदीक मुस्तफा बाजार, बम्बई ।
- (2) गवानचंद एस० मेहता तथा ग्रन्य, मै० ग्रपोलो डियेल्पमेंट (पूना) कामर्स हाउस, नगीनदास मास्टर मार्ग, फोर्ट, बम्बई-23 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यलाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के गीतर उक्त स्थायर ममानित मो हिस्सब्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकीगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जमीन जो फाइनल प्लॉट नं० 135, सब-प्लॉट-डी, ताडीवाला मार्ग, पूणे में स्थित है श्रौर जिसका क्षेत्र 3301 चौ० मी० है।

(जैसे की रिजस्ट्रीकृत क॰ 5580/83-84 जो मई 984 को सहायक धायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), धर्जन रेंज, पुणे के वफ्तर में लिखा है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-11-1984

प्ररूप बार्ड. टी, एन. एस.-----

कायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर, 1984

निदण मं० सी० ए०-8/37 ईई/4841/84-85:— यत:, मुझे, श्रनित कुमार.

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित गाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पतैद नं० 16, 1ली मंजिल, कोर्नाक सपार्टमेंटस, 175 कोले पाटिल मार्ग है तथा जो पुगे—1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अबोन, तारां अजून, 1984

को पूर्यायत समारित के उचित बाउर मृत्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापुर्यावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एस श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से आपक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के वीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्योग्य से उचत अन्तरण लिश्वित में बास्त-विक रूप से कांथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं शुर्ष किसी आय भी मावत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृतिधा के लिए: आर/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्यः भारितयां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम् या भन कर अधिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के लिए;

अतः नव, उक्त निधीनयम की धारा 269-म के अनुसरण भो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्र∞० मै० कारिया बिल्डर्स,
 हर्मस नेस्ट,
 844 दस्तुर मेहेर मार्ग,
 पुणे-1.

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला म० मलानी तथा श्रन्य,
 12, गुरुप्रसाद,
 24, बंड गार्डन मार्ग,
 पूर्ण-1.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति ब्रांतर
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिरुबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किये का सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--६समें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो सक्त सिंपनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं सर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

य्र**नुसूर्य**ी

फ्लैट नं० 16, 1ली मंजिल, कोर्नाक अपार्टमेन्ट्स, 175, ढीले पाटील मार्ग, पुणे-1 (क्षेत्र--840 चं ० मी०)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 4841/84-85 जो जून, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-11-1984. मोहर । प्ररूप आइ². टी. एन. एस. -----

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, विनांक 29 नवम्बर 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/437ईई/131/84-85/935---श्रतः मुझे, भ्रनिल कुमार,

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के ज्धीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं ० फ्लैट 1000 चौरस फुट प्लाट नं ० 62, सी ० टी ० एस०-761 ग्राईडियल कालनी कोथ रुड, पुणे-4 है तथा जो पुणे-4 में स्थित है (ग्रौर इ ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रील 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रावक्ति का पन्दृह प्रतिशति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तारितयों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया कमा प्रतिकल, तिम्निकिट उद्विदेश से उच्त बंतरण कि लिखत में कासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बंतरण संबुद्ध किली बाय की बायता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उखरो वचने में सृत्यिध के जिए; सर्ग/भा
- (५) एसी बिली नाव या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिल्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए वा छिपाने जें सर्थिश के लिए,

अतः अब, उधत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, नेश्नित :—

(1) श्री भड़कमकर एण्ड संस,1373, णिवाजीनगर,पृणे-5।

(अन्तरक)

(2) डा० सुलमा श्र० देशपांडे. मेडिकल प्रैक्टिशनर, 478, सुखदम कालोनी, पर्वती दर्शन, पुणे-3.

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्रय ∽

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 4.5 किंग की अवधि या तत्सम्बन्धी आविकार पर राजना की तायील में 30 किंग की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत जिल्लाका के मालका का अवधि का मां समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से बार कर के असार कार का का का का माहित के बाध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किस का स्थानकों ।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जम्सुची

प्लाट 1000 भौरस फुट, प्लाट नं० 62, सीटीएस 761 भाषांडियल कालोनी, कोथरूड, पुणे-4। (क्षेत्र -1150)

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत कि 37 ईई/4131/84-85 जो अप्रैल, 84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर शायुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रैंज, पूना

तारीख: 29-11-1984

भोहर:

Manusamanna . D. FD. IZ. TIVE PYE

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 ईई/5858/84-85/934— यत: मुझे, श्रनिल कुमार,

कायकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं एग्रीमेन्ट द्वारा प्लाट नं 5, 6, 7 प्राण जीवन नगर, तुनिज गांव, तालासीपारा, बस् ई, थानेहै तथा जो, थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मई 1984

को प्रशेक्त संपत्ति के उनित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान मितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रशिक्त, जिल्ली के उच्चे से उन्तर अन्तरण कि सित्त पे कार्यके से कार्यक से क

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबद, उबद शिंधनियक के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्: बीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान नाहिए था, ख्यिन में सुविधा के लिए;

अत अध उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राज कन्स्ट्रवशनस,
 1 निर्मल, 119 शिवाजी नगर,
 मार्ग न० 3,
 बम्बई-28.

(ग्रन्तरक)

(2) चीफ प्रोमोटर, सी-राक एम्पलाईज को-ग्राप० हाउसिंग सो० लि०, सी-राक होटल, बैंड स्टैण्ड, बांद्रा-50.

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्का भी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जन्मि, जा मी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ं 5, 6, 7,प्राणजीवन नगर, तुर्लिज गांव, नालासीपारा, (पूरब), बसई, थाने (क्षेत्र - 8,880 चौरस फुट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 5858/83-84 जो मई, 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 29-11-1984.

प्ररूप भार्द , ट\. एन . <u>एस्.</u>

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक बायकार बायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रज, पुना

पूना, दिनांक 28 नथम्बर 1984

निर्वेश सं० सी० ए०-5/5147/84-85/933:---यतः मुझे, मनिल कुमार,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी/1, 2री मंजिल, हर्मस ग्रेस, बिल्डिंग, मकान नं० 1974 गफ्कार बेंग स्ट्रीट, पुणे-1 है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1984

की पर्कोक्स सम्पन्ति कं लियत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल कं लिए उन्हरित की गई है और मूझे यह विषवास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यभान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का नैवह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण मिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृषिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मलिखित ध्यक्तियाँ, अर्थात् :----4---396GI|84 (1) मैं० रमेश बिरुईस,618, साचापिट स्ट्रीट,पुणे-1.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र ध्याम पंजाबी,
5, विजय श्रपार्टमेंटस,
1ली मंजिल,
39—डी, शंकर शेट मार्ग,
पूणे—9.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी न्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकति।

स्पव्योक्तरणः -- इसमें प्रभूवत शब्दों जाँर वदों का, जो उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

बन्स्ची

प्लाट नं० सी/1, 2री मंजिल, हर्मस ग्रेस बिस्डिंग, घर नं० 1974 गफ्फारबेंग स्ट्रीट, पुणे-1, (क्षेत्र--1570 चौ० फि०)। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत क० 5147/84-85 जो जून, 1984 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> श्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना ।

तारीख: 28-11-1984.

मोहर 🖫

प्रकल बाह्य, टी. एन, एय्, बन्ध्यन्त

भागकार विधित्तिम्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थाना

भारत सहकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्किण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1984 निर्देश सं० सी० ए०-5/367 ईई/8840/84-85/932--यत: मुझे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विववास करने का कारण है कि स्थावर स्पात्, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रा. ये अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० ग्राफिस नं० 107, 108, 1वली मंजिल, निर्माण व्यापार केन्द्र, प्लाट नं० 10, सेक्टर-17, डी० बी० सी० वासी, नई बम्बई-400703 है तथा जो नई बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिशंकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रव्यमान प्रतिफल से, एसे रव्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक हो और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्रय पाया गर्या प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्वेश्य से उसत अन्तरण निवित्त में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है क्ष्यन

- (क) अन्तरक सं हुइ किसी जाब की बासत एक किसी कर दोने के अन्तरक के बाधिएक में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें आरतीय जाय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

शतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बचीन, नियनिविधित करिलामें, अर्थाद :--- (1) मैं० निर्माण बिल्डर्स, 40/41, विष्णाल शापिंग सेन्टर, सर एम० बी० मार्ग, श्रंधेरी कुर्ला मार्ग, अंधेरी, बम्बई--69.

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जैसिंग गासपर सेरो, स्वाती मेनोर बिल्डिंग, 5वीं मंजिल, फ्लैंट नं० 501, ह० स० केलकर मार्ग, दादर, बम्बई-28.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के नर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की दारीय के 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 फिन को भीतर उनतः स्थावर स्थादित में हितबस्थ किसी मन्य व्यक्ति ध्वारा स्थाहस्ताकारी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का है कि का अधिनियम के अध्याय 20 का की परिष् भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को सक का का ही

ग्रनुसूची

श्राफिस नं० 107, 108, पहली मंजिल, निर्माण व्यापार केन्द्र प्लाट नं० 10, सेक्टर-17, डिबीसी, वासी, नई बम्बई-400703 (क्षेत्र 1495)।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 8840/84-85 जो सितम्बर, 1984 को सहायक ग्रायकर श्रायक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

श्रनिल कुमार सक्षमश्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 29-11-1984

मोहर 🏻

प्ररूप आहें तु टी े एम त एस ा-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्श्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (िनरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी ए-5/8514/84-85/930:--यतः मुझे, अनिल कुमार,

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रापसे से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 1, ए-विंग, ग्रानंद दीप बिल्डिंग नं ० 4, पेंडिंसे नगर, मार्ग नं ० 2, चोले गांव, डोम्बिवली (पूरव), थाने हैं तथा जो थाने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख सितम्बर, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अभित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत है उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा है जिए;

मतः जब, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्क मिधिनियम की धारा 269-म की रपधारा (1) ने अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री एल० बी० पटेल ग्रंड कं०, 9, कपोल बाडी, म० गांधी मार्ग, घाटकोपर (पश्चिम), बम्बई—86-

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिलीप जगननाथ इंडोलिकर,
9, पारिजात, बिल्डिंग न० 1,
गणेश मंदिर मार्ग,
यूनियन बैंक को-श्रांप० हाउसिंग सो०,
डोम्बियली, थाने ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के ायवाहिया हरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई मीं आक्षोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्योवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिग्य गया हैं।

मसूची

फ्लैंट नं० 1, ए-विंग, श्रानंद दीप बिल्डिंग, नं० 4, पेंडसे नगर, मार्ग नं० 2, चोले गांव, डोम्बिवली (पूरब), थाने (क्षेत्र —)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत 8514/84-85 जो सितम्बर, 1984 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

श्रनिल कुमार) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 28-11-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क़ी भारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए.-5/20/84-85/931:—यतः मुझे, श्रनिल कूमार,

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० 1713, ई-वार्ड राजारामपुरी, 7वीं गली, कोल्हापुर है तथा जो कोल्हापुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री वत्तात्रय नारायण प्रधान, 1713, राजारामपुरी, 7वीं गली, कोल्हापुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रर्रावंद कुमार जुगराज पुनामिया, 289, बी-कार्ड, गुजरी, कोल्हापुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें अयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सीटीएस 1713, इ-बार्ड, राजारामपुरी, 7 वीं गली, कोल्हापुर।

(क्षेत्र : 289.9 चौरस फुट)

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत नं० 20/83-84 जो मई '84 की सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, पूना

तारीख: 28-11-84

प्ररूप आहर्ः दी . पुन . एस-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, पूना

पूना, दिनांक 29 नयम्बर 1984

निदेश स० मी० 5/37ईई/84-85/929—यतः मुझे[•] ग्रनिल कुमार,

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रह. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं . ये वं वे 4, प्रिस आफ बेल्स मार्ग (नेहरू मार्ग) घोरपडी, पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोक मई, 1984,

को पूर्वा कर सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित अजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

जनः अन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, में , ज्व्यत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, मुधित्:—— (1) जैकब स० गामवा,प्रिस भ्राफ बेल्स मार्ग,(नेहरू मार्ग) घोरपडी, पुणे ।

(भ्रन्तरक)

(2) में० दामोदर राय व पानिसया तथा श्रन्य 712/ए-1, शंकरशेट रोड, पणे-1 ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजगण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

स० नं० 4, प्रिस श्राफ वेल्स रोड, (नेहरू मार्ग) घोरपडी, केन्टोनमेंट श्राफ पुणे,

(क्षेत्र 6296 चौ० मी०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4264/83-84 जो मई'84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 29-11-1984

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ज (1) के वभीन सूचना

भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आमक्कर आयुक्त (निरौक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निदेश सं० सी ए० 5/37ईई/9210/84-85/928—- अतः मुझे, अनिल कुमार,

मायकर मंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, पहली मंजिल, 771, चौ० मि० कुबेर बिल्डिंग प्लाट नं० 43, हिस्सा-17, सिडकी, वाशी, नई बम्बई है तथा जो•नई बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रक्तूबर, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गद् ٤, और विश्वास म्भे यह करने कारण का कि यथापूर्वाक्ति संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके करयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिसित उद्दोष्य से उक्तः अन्तर्ग लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वासित्द में कमी करने या उसने क्यने में स्विधा के लिए आर्/धा
- (स) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अस्तिर्ती द्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्थिपने में स्विभा के निए।

जतः अज, उच्त जिथिनियम की धारा 269 शा के अनुसरण जो, भी, उच्त विधिनियम की धरत 269 म की खपभारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) बिलिमोरिया कन्स्ट्रक्शन्स प्रा० लि०, वानखेडे स्टेडियम, नोर्थ स्टैण्ड, डी-मार्ग, चर्चगेट, ब्रम्बई ।

(श्रन्सरक)

(2) श्री विनोद-ड० तिवेदी, बी-10-टाइप, बिल्डिंग नं० 40, कमरा नं० 2-1, 2-2, हिस्सा ---15। वाशी, नई बम्बई ।

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित् के अर्थन् के संबंध में कोई भी वाकोप ध---

- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मक्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सकोंगे।

स्यच्छीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अभिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 17, जो पहली मंजिल में है। जिसका गंग्रंदाजे नाप 771 चौ० मि० है। जो कुबेर बिल्डिंग, प्लाट नं० 43, हिस्सा 15 सीडको, वाशी, नई बम्बई में स्थित है।

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत नं० 9210/84-85 जो ग्रक्तूबर' '84 जो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज, पूना

तारीख: 28-11-84

शक्य बार्ड टी. एव. एक.ः-----

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लगीन स्वना

भारत व्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रें ज, पूना पूना दिनांक 26-11-84

निदेश सं० मी०ए०-5/37इइ/84-85--यतः मुझे, **ग्र**निल कुमार,

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के बर्धान सकत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्स 25,000 /- रत. से अनीधक ही

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नं० 302, 3 री मंजिल, घर नं० 2416 इस्ट स्ट्रीट, पुणे-1, है तथा जो पुणे-1, में स्थित है (ग्नौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके पश्यमान प्रतिफल से, एसे वस्थमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती <u>(अन्तरितियों)</u> के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्वेषय से उन्तु अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथिल नहीं किया गया है :--

- (४) बन्तरण से हुई किसी जाय की वाक्त , अन्त विधितिसम्बर्गे वधीतः अटर दोने के ब्रुक्तरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीह/बा
- (का) ए'सी किसी अगव या किसी भून या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या अनकर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना पाहिए था किपाने में सुविधा के लिए;

(1) मे० मकवाना ऋदर्स छंड कं० 141, सोमवार पेठ, पूर्णे-1

(श्रन्तरक)

(2) श्री किशोर म० सोनपर तथा ग्रन्य 312, म० गांधी मार्ग, पुणे-1

(ग्रन्तिरती)

को यह स्वान आरों करके प्यामित सम्मति को नर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हुं ।

धवस् इम्मिति के स्थंन के सुम्मत्भु में कोई भी बाक्षेप हु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**य से** 45 विन की अवस्थि वा तल्संबंधी व्यक्तियों पर सुष्यना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (श्रं) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस** से 45 दिन के मीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी

स्पच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसल निधिनियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित ही, वंही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या 🐉 १.

वगुल्या

प्लाट नं० 302, 3मरी मंजिल, घर नं० 2416, ईस्ट स्ट्रीट, पुणे—1 ।

(क्षेत्र : 11,511 घौ० फि०)

(जैंमे कि रजिस्ट्रीकृत भर्से मं० 23968/83-84 जो ग्रप्रैल, 84 को सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> ग्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, पूना

अत: अब, उक्रत अधिनियम की धारा 269-ग की जनुसरण् मोहर:

दिनांक : 26-11-1984

में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) 📦 बचीन, निस्नसिवित व्यक्तियाँ 😥 व्यक्ति 🛲

प्ररूप आहें दी एन एस ुन्-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 नमम्बर 1984

निर्देश सं० सीं० ए०-5/37ईई/84-85/955---यत: मुझे, ग्रानिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाणित्य में अधी करवे वा उद्देश अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी थन या अन्य जास्तिनों को, चिन्हें भारतीय जाव-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्लाम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए?

कतः अव, उकत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अभारत :--- (1) तेजल बिल्डर्स,
1/3 चन्द्रलोक ग्रपार्टमेंटस,
976, शिवाजीनगर, गोखलेनगर मार्ग,
पुणे-16 ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेजर हेमत द० साठे

76/14 शांतीशीला को०-भ्राप० हार्जासंग सो०,

एरंडवणे, पुणे-- 1 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ,िलए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैंट नं० 4, गुरुप्रसाद कुंज, 112/6 एरंडवणे, पुणे-4 । (क्षेत्र ---1400 ची० फि०)

(जैसे कि रिजिस्ट्रीकृत कि सं० 4070/83-84 जो भ्रप्रैल '84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

श्चनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 26-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

मायकर जांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व(1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26-नवम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए० /5/37ईई/84-85/954--- यतः मुझे, अनिस कुमार,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-221/श्रत्ने को०-आप० हार्जिसंग सो० एल सी/सी ए/2, कोथरूड, पुणे हैं तथा जो पुणे में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रतिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सितम्बर 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्का अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने से सविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनयमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:——
5—39601|84

(1) एन्गल एण्ड कम्पनी
 775/2 'म्रनुक्ति' डेक्कन जिमखाना,
 कमला नेहरू पार्क के नामने,
 पुणे—4 ।

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मण बालाजी लांडगे तथा ग्रन्य, इरारा म० ब० घोरपडे, 637, शिवाजी नगर, पूणे---4 ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :—-इसमें प्रथमित शब्बों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं पर्थ होरेग, जो उस प्रध्याप्र मी विया गया है।

नगतची

फ्लैंट नं॰ ए-221, श्रवें को॰ श्राप॰ हाउसिंग सो॰ एल सी/सी ए/2, कोथरूड, पुणे-23।

(क्षेस्र ---691 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत ऋ० सं० 6511/84-85 जो सितम्बर 84 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पुणे के दक्तर में लिखा है।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-11-1984

प्रक्रम आहे. ही. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए-5/37ईई/84-845/953- यतः मुझे, धनिस कुमार,

बायकार अधिनियम. 1964 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्तम प्रीधिकारों को यह विज्ञान करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 3, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग, नं० 1, स० नं० 1092/ए एफ० नं० 473/ए, हरे कृष्ण मन्दिर मार्ग है तथा जो पुणे में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण-रूप से विणत है), र्जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक स्मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण सिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

का प्याक्त संपर्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सपरित का उणित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल के एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से विभिन्न हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अन्तरितियाँ) के यौच एंसे अन्तरण के विए तय पासा गया प्रतिफल निम्नीनिक्त उद्देश्य से जन्त अन्तरण कि बित्त में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण वं क्षुष्टं फिसी आय की वायत, उत्तर विधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के इहिष्ट्य में कामी कारने या उत्तरसे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों की, जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा फिया बाना चाहिए भा, छिपान में सुविधा के लिए:
- अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) च अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मे० मकवाना व्यक्त एण्ड कं०,441, सोमवार पेठ, पुण-1

(ग्रन्सरक)

(2) के॰ एस॰ बी॰ पम्पस लि॰, पिपरी, पुणे~16 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीचल संपरित के वर्चन के लिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उसत संपत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन की अविध या तत्संघंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायतः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखिस में किए जा सकी।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्त्रुची

फ्लैंट नं० 9, तीसरी मंजिल, बिल्डिंग-1, म० नं० $1092/\nabla$ एफ० नं० $473/\nabla$, हरे कुल्णा मन्दिर मार्ग, पुणे ।

(क्षेत्र 2.960 चौ० कि० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4230/83-84 जो श्रप्रैल'84 को सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है ।)

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्राधुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पूना

बिनांक : 26-11-1984

प्रस्थ बाह् ्टी.एन. २स. -----

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासव, सहायक जायकडू आयुक्त (निर्देशिय) श्रर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 17 नवस्वर 1984

निदेश सं० सी० ए०/37 इइ/84-85/952--अंतः मुझे, अनिल कुमार, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा.से शिधक है

25,000/- रं. स निध्य हैं

पर्लंट नं 114, पहली मंजिल, केपिटी-2, प्लाट
मं 4, हिस्सा नं 6, मैरोवा नाले के नजदीक वानवडी है तथा जो
पुणे में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर
आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1984,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृल्य से कम के ख्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि अथाप्योंकत सम्पत्ति का उजित बाजार
मृल्य, उसके रिष्यमान प्रतिफल से एसे ब्ल्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया
प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्वयेष से उच्च अन्तरण एवा विश्वास
वे वस्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी शाय की बाघत, उक्त विधित्यम के अभीन कर देने के अन्तरक के धाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सृतिका के सिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या शन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृत्रिधा के सिष्ट;

श्रात श्रात , त्रभत अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निकारीसचित व्यक्तियों, अव्यक्ति ध−− (1) मैं० परमार कन्स्ट्रक्शन,
 329/3, नई टिम्बर मार्कीट मार्ग,
 पूणे-2 ।

(अस्तरक)

(2) एन्ड्रयू० क्रोसिनी, द्वारा स० र० भट, 1009/2 विनोद बिल्डिंग, द्वीप बंगला चौक, पूणे—16 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति को वर्णन को लिए कार्यवर्गहर्या करता हो।

उबत सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थानः व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए वा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त घट्यां और पद्यों का, जो उक्त जिथाय के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया गथा है।

अनुसूचो

प्लाट नं० 114, पहली मंजिल, केपिटी→2, प्लाट नं० 4, हिस्सा नं० 6, वानवडी, पुणे ।

(क्षेत्र 790 चौ० फीट)

(जैसे कि रिजल्ट्रीकृत कि 5976/ जो ध्रगस्त, 1984 को सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पूणे के दफ्तर में लिखा है ।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 17-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 22 नवम्बर, 1984

निदेश सं० सी० ए०-5/37ईई/84-85/951—-श्रतः, मुझे, श्रनिल कुमार,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7 निशीगंध अपार्टमेन्ट्स स० न० 43/2ए ०/1ए ०/पर्बती, पुणे- 9 है तथा जो पूणे में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूणं रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूणे में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा के जिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० के० गोमराज एन्ड कं० लाली भवन, 557:-ए०, प्लॉट नं० 23-बी, गुबटेकडी, पूणे-37।

(भन्तरक)

(2) शैलजा जी० मुंगले.
 2775, ए० वार्ड, डब्स्यू० टी० मार्ग,
 कोल्हापुर-41002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 7, निशिगंध श्रपार्टमेंट्स सं० नं० 43/2ए० पर्वती, पुणे-9, (क्षेत्र 806 चौ० मि०)

िजैसे की रिजिस्ट्रीकृत कम. 19/83-84/कोल्हापुर जो अप्रेल 84 को सहायक आयकर आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रोज, पूर्ण के वर्षतर में लिखा है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 22-11-1984

मोहर

प्रकप भाइ , टी. एम ु एस ,=---

कायकर किंतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बुधीन सूचना

भारत् सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 26 नवम्बर, 1984

निदेश म० र्म.० ए०—5/37ईई/84-85/950--अनः भृमे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० 666 अविभक्त हिस्सा प्लाट नं० 13 एफ० पी० नं० 536 टी० पी० एस० नं० 1 णिवाजी नगर पुणे में है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में महायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मितम्बर, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निनिचित उद्वेदयों से उक्त अन्तरण कि किस में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के स्थीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के निए: और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) मे० चोकसी बिल्डसँ, 159 शेख मेमन स्ट्रीट अम्बई ।

(अन्तरक)

(2) तारा के० चोकसी.
1102 चंदन वाली बिल्डिंग आर० र० ठक्कर मार्गे वालकेम्बर, बम्बई ।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कार्क भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वाभा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 जिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

प्ताट नं० 13 में एस० 666 प्रतिशत अविभक्त हिस्सा एफ०पी०नं० 536, टो०पो०एस० नं० 1 शिक्षाजी नगर, पुणे (क्षेत्र)

जैसे कि रिजिम्ट्रोक्टल न० 6488/84-85 जी स्थितम्बर 1984 की सद्यायक आयकर आयुक्तः पुणे के क्पलर में किस्ता है।

> अनिल कुमार स्काम प्राधिकारी सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज पुना

विनांक : 26-11-1984 मोहर :

प्रस्त बार .टो .पर .पर

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन सुस्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुना

पुना, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० सो० ए०-5/37ईई/84-85/949--यम: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,500/- को अधिक है

ग्रौर जिसकी एं० फ्लाट नं० 21, 3रें। मंजिल सं० नं० 1092/ए० एफं० पें० नं० 473/ए, हरे ह ण मंदिर मार्ग है तथा जो पुणे में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च। में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारी ख

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अभिनियम के क्वील कर देने के क्वारक के बायित्व में कमी करने या उससे असमें में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा की

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

(1) मे॰ मकवाना ब्रदसँ, 441 सोमबार पेठ, पूणे-1।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स भारत अर्थ मुदर्स लि॰ युनिती बिल्डिंग जे॰ सी॰ मार्ग वंगलोर-560002 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

. उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर तृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त आवित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाकत की तारींच हैं 45 दिन के भीतर उकत स्थादर संगीत में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

यससधी

फ्लांट नं० ए21, 3री मंजिल एस० नं० 1092/ए० एफ० पो० नं० 473/ए इरे क्वष्णा मंदिर मार्ग, पुणे, (क्षेत्र 1960 फीट)

जैसे कि रजिस्ट्रोक्टत कम 4087/83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पुणे के दफ्तर में लिखा है।

> अनिल कुमार सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज, पुना

दिनाँक : 27-11-1984

इस्प बाइ.टी.एन.एस., -----

नायकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के न्यीन सुपना

TIES SELE

कार्याचय, सहायक जावकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना दिनांक 27 नवम्बरः 1984

निवेश सं० सं० ए०-5/37ईई/84-85/948--अत: मुझे, अनिल कुमार,

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका जीवत वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० न० बी० 13, 1ली मंजिल; फैमिना अपार्टमैट. प्लाट नं० 21 घर नं० 8 डोम्बिली गांव धनश्याम गप्ते मार्ग विष्णु नगर डोम्बिली (पश्चिम) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज पूर्ण में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1808 का 16) के अधीन नारीख को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अन्सरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नसिवित उद्वेषय से उनत मन्तरण निवित में बास्तविक क्य से कथित पहीं <u>किया **एका ह**ैं</mark>ड===</u>

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिया के बधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; बाह्र/बा
- (क) एसी किसी नाय या किसी थन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लियाने में सूविधा के लिए;

नत: अब, उन्त निर्मितन की भारा 269-म के अनुहरक में, में, उक्त अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिस व्यक्तियों, स्थित् :— (1) श्री विद्या चंद्रकात रेगे बंप०/3 फेमिना अपार्टमेंट धनस्थाम गुण्ते भागी, विष्णु नगर डोस्विबला (पश्चिम) ।

(अन्तर्क)

(2) रामचंद्र नियंगायक काले बंदि/3 फेमिना अपार्टमेंट घनण्याम गुप्ते मार्ग, विष्णु नगर, डोम्बिबलं (पश्चिम) ।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके प्वेंक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्जिशिश्यां करता हुं।

उक्त रुम्पत्ति को वर्णन को सम्बन्ध में कोर्च भी वाक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भी में किसी व्यक्ति हुवाना
- (स) इस मुखना के एजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध फिसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे !

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, को उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष क्षेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्त्र्य

नं० बो०/3, निं। मंत्रिल, फेमिना अपार्टमेंट, प्लाट मं० 21, घर नं० 8. डोम्बिबला गांव, धनश्याम गुप्ते, मार्ग, विष्णु नगर, डोम्बिबना (पश्चिम) (क्षेत्र) (जैमे कि रिलिम्हाइन क० 8057/84-85 जो अगस्त 1984 को सहायक आयक्त आयक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, पूणे के दक्तर में लिखा है)

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 27-11-1984

मोहर .

प्ररूप बार्ड. टॉ. एन्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सष्टायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 नवम्बर, 1984

निदेश सं० सो० ए०/5/37ईई/84-85-947-अत. मुझे, अनिल कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें परवात 'उन्दर्स अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित पाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसको सं ज्ञासिक मार्ग देवाली म्यूनिसिपल कौसिल सां उटा एस वन 108/ए/6-सी-2 है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रौर इससे उपाधन्न अनुसूच में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, में रिजस्ट्राकरण अधिनिम 1908 (1908 का 16) के अधान तारीख सिनम्बर, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उषित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान शांतफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उषित बाजार शृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का न्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है .——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत अवस् अधिनियम के अभीन कार दोने के जन्तरक सं दायित्व में अभी कारने या उत्तस विषय में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा को सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रं भतो पार्वतो बाई र० पाटिल तथा अन्य 508, पूनम अपार्टमेंट, डा० ए० बो० गार्ग वर्ली बम्बई--18 (अन्तरक)
- (2) विमल जें० पटेल.
 713, पारेख मार्कीट, केनेडी क्रिज,
 बम्बई-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन।

उक्त तंपीत के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क्षेत्र 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध नाव में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त का कितमों में से कि प्री व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस न्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदांका, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नासिक मार्ग, देवालो म्युनिसियत कौंमिल, सो० टी० एस० नं० 108-ए/6-सं.-2, 1897 चौ० मो० क्षेत्र (जैसे जिस रजिस्ट्र:फ्वत नं० 335/84-85 जो सितम्बर 1984 जो सङ्ग्यक आयाजर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में दक्तर में लिखा है)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, पूना-411101

विनांक . 27-11-1984 मोहर: भगवतार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेत. पूना

पूना-411001, दिनांक 17 नवस्वर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37 ई०ई०/5213/84-8 5-946 यत: मुझे, अनिल कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कों,, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सपिता जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं प्लाट 53, सं नं 121 रामबाग कालोनी. की गरूड पुणे है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीत, दिनांक जुलाई 1984।

की पृथांक्त सम्पतित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है, और मृभे यह विश्वास करने का नगरण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बालार मृत्य, उसके दश्मान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के श्रीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिकात. निम्मानिकात उद्योक्त से अक्त अन्तरण निम्मानिकात उद्योक्त से अक्त अन्तरण निम्मानिकात उद्योक्त से अक्त अन्तरण निम्मानिकात अस्वोक्त से अक्त अन्तरण निम्मानिकात

- (क) जन्तरण ने हुई किसी आब की बाबन उक्त अधि-जिया के अधीन कर दोनें के जन्तरक के दासित्व के कारी गांपने या उससे अचने के जानिका के नित्तर, जीर/का
- (का) एोसी जिस्सी अप या किसी अन या अन्य आस्तिसी करी, जिस्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) या उक्ट अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्ति देशी देवार प्रकट नहीं किया गया था या किसा जान भातिए था, छिगाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, टाल अधितियम, की धारा 269-म को अनुसरण को, भी, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ;—— 6---396GI[84 (1) अनुक्ष एन्टरप्राइसेसः
 31. शंक्षा विहार कालोनीः
 'ऋतुराज', पौडकाटा, एरंडवणे, पुणे–38 ।

(प्रन्तरक)

(2) विकास शंकय पाटीक्ष, सृशीला विहार कालोनी. 'ऋतुराज' पौडफाटा, एरंडवणे. पुणे-- 4

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में करें भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 1.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त शोती हो. को भीनर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिल्कद्ध किसी अन्य अधित व्वारा अधितम्हास्त्री के सम तिस्ति में किए जा सकते।

न्यव्हींकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्लेषत हैं, वेही वर्ष होगा जो उस अध्याट में किया गया है।

अगस्य

प्लाट 53, स० नं० 121, 122 रामबाग कालोन, पौड मार्ग, कोयहड, फ्लैंट नं० 6. पुणे-29 (क्षेत्र: 533 चौ० की०) (जैसे की र्जास्ट्रीकृत नं० 5213/84-85 जो जुलाई 1984 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में निखा है।)

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 17-11-1984 मोहर :

प्ररूप बाई'. टी. एन. एस.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-411001, पूना

पूना-411001, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5235/84-85/945-यतः मुझे श्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

यौर जिमकी सं० फ्लैट नं० 16, बी-1 विल्डिंग चितामन नगर, गं० नं० 1241 श्रींघ, पृणे है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर, इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रिज ट्रींकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन, दिनाक जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, खक्त अभिनित्रम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क निग्; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) निखिल एंटरजाईसेस, 14, बम्बई पूना रोड़, बजाज ग्राटो शोष्म के नजदीक, बाकडेवाडी, शिवाजी नगर, पुणे।

(ग्रन्तरक)

(2) किरहर स० लारूरे तथा ग्रन्य,442, शिवाजी नगर,पुणे-5।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारा कारक पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शका में संबंध में कांइ भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शब्दीध बाउ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुता,
- (स) इस सूचना के राजपर में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध तिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात किखित भें किए जा सकींगे।

स्थध्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्चो

फ्लैट नं० 16, बी'-विंग, बी'-1 बिल्डिंग, चिंतामन नंगर, सं० नं० 128/1, श्रींघ, पूणे (क्षेत्र 535 चौं० फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्री कृत नं० 5235/84-85 जो जुलाई 1984 को सहायक प्रायकर आयुक्त, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> ग्रनिल कुमार, सजम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना-411001

दिनांक: 27-11-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकान

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 411001, पूना

पूना 411001, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/5234/84-85/944---यतः मुझे, ग्रनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मृल्य 25,000/-छ से अधिक है

भौर जिसकी संव फ्लैट नंव 10, ए-2, बिल्डिंग चितामन नगर, 128/1, श्रींघ है तथा जो पुणे में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बिणत है), रिक ट्रीक नी श्रींध कारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ नी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्टित व्यक्तियमों, अर्थात्

(1) निबिल एन्टरप्राईसेस, 14, बम्बई, पूना मार्ग, बजाज आटो शोरूम के नज ीक, वाकडेवाडी शिवाजी नगर, पुणे।

(ग्रन्तरक)

(2) ग्रनंत जी० नाडकर्णी, फ्लैंट नं० डी-5/2, एच० डी० एफ० सी० कालोनी, फिंपरी, पुणे।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी थे से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कृब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया है।

अन<u>ुस</u>ुची

फ्लैट नं० 10, ए-2 बिल्डिंग चितामन नगर, सं० नं० 128/1 श्रींघ, पूणे-7।

(क्षेत्र: 960 चौ० फीट)।

(जैसे कि रजिस्ट्रं.कृत नं० 5234/84-85 जो जुलाई 1984 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूर्णे के दफ्तर में लिखा है)।

> धनिल कुमार, सक्षम प्राधिकार , सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्देक्षण), भ्रजीन रेंज, पूना

विनांक: 27-11-1984

मोहर

प्रस्त नारं. टी. एन. एत.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पूना

पूना-41100, दिनांक 21 नवम्बर 1984 निर्देश सं० सी० ए०-5/37इइ/4072/84-85/943- यत: मुझे, अलि कुमार,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिसे इसमें इसके परवात 'रायत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अपीन प्रक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 6, दूसरी मंजिल, प्लाट नं ० 46, सीटी एन नं 99 एरंडवर्ण, पुण-4 में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, पुणे में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

भी पूर्वीवृद्ध संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक रूप से कंशित नहीं किया गया है:—

- (या) अन्तरम से इन्हों किसी नाथ की वावक, अकत किमिनयम के बभीन कर दोने के अन्तरक के रॉबिट्स में कमी करने या उसमें बचने में जिल्हा के जिल्हा और/या
- (स) एसी किली जाउँ या किसी धन या जन्य आहिसायों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा कि ए जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

जर १४, तकत अधिनियम की भाग १६०-ए के अवस्थान में, में उकत अधिनियम की धारा 269-च उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री साई विल्डर्स,श्रनंत अपार्टमेंन्टस्,1145, सदाशिव पेट,पुणे-30।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० पदमानाभृत तथा ग्रत्य,
 इ-2, स्वपना नगरी,
 कर्णे रोड, पूर्ण-4 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारत;
- (क), इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस सूच किसी हन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

बतसभी

फ्लैंट नं ० 6, 2री मंजिल, प्लाट नं ० 48, सी० टी० एस० नं ० 99 एरंडवणे, पुणे-4।

(क्षेत्र : 940 चौ० फीट) ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 4072/83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयोकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> ग्रनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना-411001

दिनांक: 23-11-1984

प्रस्य आई. टी. एन. एस. -----

जायकर जिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-ज (1) के जजीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

🕖 पूना, दिनां 29 नवम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए०-5/37 ई ई/84-85/942--यतः मुझे, अनिल कुमार,

अग्रयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-इन हो अधीर सक्षण पाधिकारी को, यह निष्यान करने हा कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. स अधिक है

और जिल्लकी संबद्धाट नंव 59एमव्योवसीवएसवनंव 200, माथेरान, रायगढ़ है तथा जो रायगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्या से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यावक सहायक आक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीव, दिनांक सित्मबर 1984

को एवोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाएथोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उभव्हें दश्यमान अतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और यह कि बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है

- (क) अन्तरक स हुइ किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूक्धि। के लिए: और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था जिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मं ती. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सेहेपा टी॰ कोठावाला तथा जन्म, 21, वलकर्ट हाउस, वेस्टिफक्ड इस्टेट, शोलाभाई वेसाई मार्ग. वस्त्रई-26।

(अन्तरक)

(2) डा० नरिमान रेकी डक्टर तथा अन्य, नक्युग चेम्बर्स, लेमिगटन मार्ग. वम्बर्ध।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्शीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अथं होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस्यी

क्रमीन जो प्लाट तं० 59वेलबेडर लांज, माथेरान, रायगढ़ में स्थित है और जिसवा क्षेत्र 10831.4 ची० मी० है।

(जैसे कि रिजर्फ़्क्रिन वितेख कि रायगढ़/84-85 जो सितम्बर 1984 को सहायक आयत्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज, पुणे के दफ्तर में लिखा है)।

> अनिस कुमार, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

विनांक: 29-11-1984

सोद्धर 🚁

प्रकल कार्ड. टी. एम. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-ए (1) की अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए० -5/3 7ईई/8 4-8 5/959 --- यतः मुझे,

अनिल कुमार, गयकर अधिनिय#

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्त. सं अधिक है

और जिसकी संव पार्ट पर्शेट ए 2/92, प्रियादर्शन कोव आपव हाउसिंग सोव कोरेनांच मार्ग, पुणे—1 हैं तथा जो पुणे—1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयाली अधिकारी के ार्यालय सहायक आयसर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीयारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

को प्वेंकिन सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकित सम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण . लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बतरक के सायित्व में कमी करने या उनमें वचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिवधा में सृविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तित्यों, अधीन :---

(1) श्री माहरूख फारूख कुपर, हंटवर्थ, कैम्प, सातारा~415001।

(अन्तरक)

(2) श्री यसदी पी० दारूवाला, हंटवर्थ, केम्प, सातारा-415001।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उपरा सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध माँ कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत स्थानितयों में से किसी प्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस धूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोत्स्ताक्षरी के पाम निश्चित में किए जा सकेंगे:

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिन। गया है।

वन्स्वी

पार्ट फ्लैंट-ए 2/12 प्रियादर्शन को-आप० हाउसिंग सो०, कोरेगांव मार्ग, पुणे-1।

(क्षेत्र : 1078 चौ० फि०)।

(जैसे कि रजिस्ट्री त कि 4172/83-84 जो अप्रैल 1984 को सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है)।

> अतिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 26-11-1984

गोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पुना, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निर्देश सं० मी० ए० 5/3733/84-85/958--यतः मु झे अनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रा. से अधिक है^{*}

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 7, 2री मंजिल, देवी गेल्टर, प्लाट नं 1, 2, सं न ० 589, मंजेरी, बिबेबाडी है तथा जो पूणे-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री एसी अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूर्ण में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यः आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस. जक्त लिधिनियम की धारा 269-घ के अन्सरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(अ) रित इस्टेट नापरियान, 1161/10 देशी निवास, शिवाजी नगर, पुणे~-5।

(अन्तरक)

(2) श्री भगवान दास चेतनदास मलचंदानी, द्वारा सी० प्रकाश, 343/6 भवानी को-आप० हाऊसिंग सो० पुणे-2।

(अन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबवध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 7, 2री मंजिल, देवी शिल्टर, प्लाट नं० 1, 2, सं० नं० 589, मंजरी, बीबे वाडी, पुणे-9।

(क्षेत्र: 819 चौ० फि०)।

(जैसे कि रिजस्ट्री त नं० 6526/84-85 जो जिलम्बर 1984 को प्रहायक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पूर्ण के वक्तर में लिखा है)।

> अनिल कुमार, सक्षम प्राधिकारी. महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंन, पूना

বিশান 26-11-1984

मोहर

प्रस्प बाईं. टी. एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनाक 27 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/37-जी/8 4-85/1208--यत: मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.060/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 71 (पार्ट) 66 (पार्ट), चराइ है तथा जो थाने नें स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निवंधक थाने में, रिजस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908)। 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रोतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया प्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित है वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी अय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के स्वार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया के स्वर्थ अपने प्रवेहण थां. छिपाने में सुनिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखिङ श्वित्यमें अर्थात्:— (1) श्री सच्छित्रनाथ वि० ादव तथा अन्य, धोबीआ**ली**, टेम्बी, थाने ।

(अन्तरक)

(2) स्वाती न० जोणी, चराई, थाने ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो कस्के पूर्वोक्त समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हुन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीले से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गण है।

अन्सूची

मी० एस० नं० 71 (पार्ट), 66 (पार्ट), चराई (क्षेत्र: 540 चौ० मि) (आधा हिस्सा)।

(जैसे कि रिजस्ट्री ति विलेख के 698 जो दुय्यम निबंधक थाने के दफ्तर में अप्रैल 1984 को लिखा है)।

> अनिल कुमार स**क्षम प्राधि**कारीः,, सपायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, पृना

दिनांक: 27-11-1984

प्ररूप् आइ. टी. एन , एस , ------

माथकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना पूना, दिनांक 29 नवस्थर 198 4

निर्देश सं० सी॰ ए०-5/37-जी/911/8 4-8 5/1207--यतः मुझे, अनिल कुमार,

वावकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त लिभिन्सम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अभीन सक्तम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

कौर जिसकी सं ट्रान्स थाना क्रीक इंडस्ट्रियल एरिया, प्लाट नं डी-140 शिरवणे गांव है तथा जो ट्रान्य-थाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुख्यम निबंधक सम्बद्दी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैस 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गृष्ट हैं और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंसरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उन्वोद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त जिथितियार के जभीन कार दोने के जन्तरक के साईयरण में कनी करने या उससे अपने में सुविधा में सिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आगकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बंदा क्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, सें, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--7 --- 396G1|84

(1) जिसी मनोचर मास्टर तथा अन्य, 122, मेकर टॉवर, ''एच'' कफ परेड, कोलाझा, बस्बई~5।

(अन्तरक)

(2) रीतु केमिकल काम्पर्लंक्स प्रा० लि०. एटलांटा, नारिमन पाइंट. अम्बई-21 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

Bertain N

जायदाद जो ट्रान्स थाना, क्रीक इंडस्ट्रियल एरिया, ब्लाट नं बी-140, शिरवणे गांव में स्थित है, जो रजिस्ट्रीहरत सब-जिल्हा तथा जिल्हा थाने के अनुसार 8 089 चौं मी० है।

(क्षेत्र: 28,000 चौ० फि०)

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 911 जो अप्रैल 1984 को दुय्यम निबंधक बम्बई के दफ्तर में लिखा गया है।)

> अतिल कुमार अक्षम प्राधिदारी अहायल आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29~11~1984

मोहरः

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1984 निर्देश सं० सी० ए०-5/37-जी/716/84-85

निर्देश सं० सी० ए०-5/37-जी/716/84-85/1206-यतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन संशोध प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन जो सी० एस० नं० 268 3 तथा जो जलगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक जलगांव में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफलं के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरफ जिल्हित में बास्तियक एप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन कहा दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए। और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन धा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दे किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री सखाराम पी० दानी, चित्रबन हाउसिंग सो० महाबल कालोनी के नजदीक, जिला पेठ, जलगांव।

(अन्तरक)

(2) श्री जवाहरलाल जी० पंडित, पो०: कोचर चुर्द, ता: कावेर, जलगांव।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर इम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्यब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

जमीन जो सी० एस० नं० 268 3, जलगांव में स्थित है, और जिस ना क्षेत्र 250.9 चौ० मि० है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 370/84 जो अप्रैल 1984 को दुरयम निबंधक, जलगांव के दफ्तर में लिखा है।)

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायः आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज, पूना

दिनांक: 29-11-1984

प्ररूप बाई .टी .एन .एस .-----

बाय्केर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-ख (1) के वधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निर्देश सं० सी० ए०-5/853/84-85/1204--यतः मुझे, धनिल कुमार,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव सीव एसव नंव 533/2/1C//11/सीव एसव नंव 3793, नासिक म्युनिसिपल कार्पोरेशन, है तथा जो नासिक में रिथि है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के लार्यालय दुख्यम निवंधक, नासिक में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के अधीन, अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के परेसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिक उद्विस्य से उसत बन्तरण निम्बत में बास्तिक निम्निसिक उद्विस्य से उसत बन्तरण निम्बत में बास्तिक निम्निसिक उद्विस्य से उसत बन्तरण निम्बत में बास्तिक रूप से किथत नहीं कि वा गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने दा उसने अपने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत:, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री चम्पालाल आर० शाप, 594 छाया बिल्डिंग, ब्लाक नं० 20, 3री मंजिल, जामे-जमशेद मार्ग, माटुंगा, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री देवचंद भाई के० पटेल, गजानन सी०, पंचवटी, नासिक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत संपत्ति के अर्जन के ज़िल्ह कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्विष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20 क में परिभाधिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्नी

सी० एस० नं० $533/2\cdot1/44/11/49$ ० एउ० नं० 3793 नासिक म्युनिसिपुल एरिया ।

(जैसे कि रजिस्ट्री ात विलेख के 953 जो अभैन 1984 को दुय्यम निबंधक, नासिश के दफ्तर में लिखा है।)

> अनित्र कुमार सक्षम श्रावि परी सहायदा आयार आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग, पूना

दिनांक: 27-11-1984

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सहस्रार

कार्यांसय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना, दिनांक 29 नवम्बर 1984

निदेश सं० सी० ए० 5/37-जी/821/84-85/1203-प्रतः मुझे, अनिल कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको संव आरव एसव नंव 827/ए-1, प्लाट नंव 5, शिवाजी नगर, मिजि, सांगली हैं तथा जो सांगली में स्थित हैं (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण एप से विणत हैं), रजिस्ट्रीजर्ती अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधता मिरज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1903 का 16) के अधीन, जूनाई 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) कन्तरण ते हुई किसी नाम की बाबत, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक को दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिधा के लिए; बौद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या. अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के निए;

जल: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ु— (1) श्री दादासाहेव ए० लांडगे, आर० एस० नं० 827/ए-1, प्लाट नं० 5, शिवाजी नगर, मिरज।

(अन्तर्क)

(2) डा० गणपतराव स० भारती, जार० एस० न० 827/ए~1, ण्लाट न० 5, शिवाजी नगर, मिरज।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया पया है।

श्रनुसूची

जायदाद जो आर०एस० नं० 827/ए~1, प्लाट नं०5, शिवाजी नगर, मिरिज में स्थित हैं।और जिसिशा क्षेत्र 773.79 चीरस मि० हैं।

(जैसकि रजिस्द्री इत विलेख ऋ० 1099 जो जुलाई 1984 को दुय्यम निबंधक, मिरज के दफ्तर में लिखा है।

> अतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 29-11-1984

प्रस्य बाह्, टी, एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) हे प्रधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहाययः आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजंन रेंज पूना

पूना, दिनांक 21 नवम्बर 1984

निदेश सं० सं० ए० 5/700/37-जी/84-85/1205 अत: मुझे, अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव मौजे सेवडी अहमदनगर है तथा जो अहमद नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधक अहमदनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 1,4) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास फर्में का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिष्ठत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण विश्वत में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आब की बाबन उक्स अधि-निवम के स्थीन कर बोने के बन्तरक के वाधित्य में कभी कारने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (क) एंसी किसी नाय या किसी भन या कन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-में के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधारा (1) के बंधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अधार्ः— (1) श्राः स० ७० रूपवृति तथा अन्य स्टेशन मार्का, अहमदनगर

(अन्तरक)

(2) श्री स० स० देवलालीकर तथा अन्य गंज बजार, अहमदनगर

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षोप हु--

- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी जबधि बाद में समादा होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को सारी करें की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्त्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

जमीन जो मोर्ज सेवडो स० नं० 158/1 तथा 158/2 अहमदलगर में स्थित और जिल्ला क्षेत्र 15 आर है। (जैमे की रिजिस्ट्रेंक्का विलेख के० 1409 जो अप्रैल 84 की दुष्यम निबंधक, अहमदलगर के दफ्तर में लिया है।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी महायस आयउर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना

दिनांक :-- 29 -- 11-- 1984 **मोहर** :३

प्रक्य बाई ुटी - एत - एव .-----

श्रायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-ल (1) के अभीन सुचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, पूना

दिनांक 26 नवम्बर 1984

मिदेश मं० सा० ए०-ू5/37ईई/84-85/961--अतः मुझे, अनिल कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"),, की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 6, चैनन्य विलिड्ग, गांधी शताब्दी पेणवें पार्क सहकारी गृह रचना संस्था लि०,प्लाटनं० 32, 2163 सर्वाणिवधेठ है तथा जो पूणे में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है),रिजस्ट्री बर्ता अधिवारी के कार्यालय सहायक आयवर आयुक्त निर्मक्षण अर्जन रैंग पूणे में,रिजस्ट्रीकिंग्ण अधिक्षिम, 1908 (1908 का 16) के अञ्चल विगार अक्टूबर 1984

को पूर्वोक्त सम्परिए के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथसपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिश्व में कभी करने में उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के सिए;

बतः वा, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ﴿ अधीतः, निम्नसिवित् व्यक्तियों, अर्थातः क्र--- (1) श्रामता सुमता म० कुलकर्णी
रेणु, विवेदानंद सहकारी हार्जासंग सो० यिठुलवाडी
मार्ग पूणे - 30

(अन्सरक)

(2) श्रीमती लीला नं खैरे चैतहुय बिल्डिग फ्लैट नं 6, साने गुरूजी मार्ग, 2963 सदाणिय पेट पुणे—30

(अनिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध यक तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन 'के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हित- भद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरण:---इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू ीमैं

पर्जैट नं० 6, चैतन्य विस्डिग गांधा शताब्दी पेशवे पार्क, सहसारी गृह रचना संस्था लि०, प्लाट नं० 32, 2163 सदाणिव पेठ पुणे (क्षेत्र 800 चौ० फूट

(जैमे कि रिजस्ट्रोइत क० 6664/84-85 जो अक्तूबर/84 को सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूर्ण के दफ्तर में लिखा है

> अतील कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयु त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 16-11-1984

प्रकृष् वार्षं .टो .पुष्.पुर प्रकृतन्तराज्य

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भाग 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिकः) अजंन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निदेश सं० सी-ए 5/37ईई/84--85/960---अत:, मुझे, अनिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 13, बौर्य) मंजील रेणुका अपार्ट मेन्टस 7 साधु बासवानी मार्ग पूर्ण-9 है तथा जो पूर्ण में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोजिती अधिकारों के कार्यालय महायज आयमर आयमत निरीक्षण) अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रोकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांव मई 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विवयस करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबतः, उच्च अभिनियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ज) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सूर्यात् ;—— (1) में० राका ग्रदर्स, 426,र० स० केदारी भार्ग, पूणे।

(अन्तरका)

(2) इसहाक अलं डं/० शिवानी,26, म० गांधा मार्ग, पूणे-1

(अम्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
 - (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लैंट नं० 13, त्रौथी मंझील, राक्षा अपटिमेन्टस, 7 साधु वासवानी मागॅ, पुणे-1 (क्षेत्र ।----)

(जैसे कि रजिस्ट्रोइन्त ऋ० 4505/83-84 जो मई 1984 को सहायक आयक्षर आयुक्त पुणे के दफ्तर में लिखा है।)

> अनिल कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज पूना

दिनांक : 26-11-1984

मक्ष नार्व हो। एनः सूर्य कार्यान

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के व्योग स्वाम

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निदेश मं० सो० ए०--5/37ईई/5396/84--85/939 अतः, मुझे, अनिल कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चरों 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० इंडस्ट्रांग युनिट नं० 2, राजु इंडस्ट्रोट मोरा, ताथाने हैं नथा जो णित में स्थित हैं (और इसमें रुपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री वर्ता अधिकारी के नार्यालय महायक आयवर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन दिनांक मई 1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक इप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, गौर/सा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुलिए, के लिए;

. जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् क्र (1) मैतर्प राजु बन्सद्रवशन कं० पटलेवाला चाल, चुना भट्टी के नजदीक, दहीसार, बम्बई--68

(अन्तरक)

(2) फिजी प्रोडक्टस, 20-फ, डा० अ० ब० नायर मार्ग, अग्रीपाडा, बम्बई-11

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पृत्राँकत सम्बन्धिक के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

सम्बद्ध सम्मार्थ के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी वास्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जब्दि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति दूवारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस् वा सकर्ण।

स्यख्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्याहरी

वन्त्यो

इंडस्प्रियल युनिट नं० 23, राजू इंडस्ट्रियल इस्टेट मीरा ता/जि० थाने।

(क्षेत्र 5,000 ची० फूट)

(जैसे की रिजिस्ट्रीयृत कि॰ 5393/83-84 जो मई 84 की सदायक अध्यहर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, पुणे के दक्तर में लिखा है)।

अनिल कुमार बक्षम प्राधिकारी बहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्ज रेंज, पूना

दिनांव. 28-11-1984 मो**ह**र : प्रस्य बार्ड टी . एत . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतच

रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं जागाधरी 64 84-85-अतः मुझे, आर० के० भयाना,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ओ-7 का अधा हिस्सा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरीया यमुना नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) एजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्री-कारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक व्यर्ध 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

ज़त: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ के अर्नुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, कुर्धात् :—— 8—396GI84

- (1) सर्व श्री अमरीक सिंह,
 तिलोचन सिंह,
 श्रीतम सिंह
 पुतान श्री काबूल सिंह
 निवासी—काबल पुर, तह० थानेसर, जिला
 कुरूक्षेत्र ।
 (अन्तरक)
- (2) मै॰ रायल इन्टर प्राइजिज, यमुनानगर तहसील जगाधरी । (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रेयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्थी

सम्पत्ति प्लाट नं० ओ०—7 का अधा हिस्सा इन्डस्ट्रीयल एरिया यमुनानगर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिह्हिन कर्ता के कार्यालय जगाधरी रिह्हि संख्या 1184 दिनांक 31 मई 1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना स्वाम प्राधिनारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जग रेंज, रोहतल

दिनांक : 13-12-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त '(निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० जगाध्र*ी | 4 |*84--85---अत: मुझे, आर० के० भगाना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ओ-7 का आधा हिस्सा है तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरीया यमुनानगर में स्थित है और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त रूपिस के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित में निस्त ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अध, उक्त आधानयम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अधितु:— (1) सर्व श्री अमरीक सिंह तिलोक सिंह, श्रीतम सिंह पुत्रान श्री काबूल सिंह निवास काबलपुर तह् थानेसर जिला कुरूक्षेत ।

(अन्तरक)

(2) मैं० रायल इन्टर्श्राइजिज, यमुनानगर सह० जगाधरी

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचपा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण: इसमें प्रयुक्त धब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं अो-7 का आधा हिस्सा इन्डस्ट्रीयल एरीया यमुनानगर में स्थित हैं इसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीखर्ता के कार्यालय जगाधरी रिजस्ट्री संख्या 420 दिनांक 23 अप्रैल 84 पर दिया है ॥

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुरत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक : 13-12-1984

्रप्रस्त आहें, ठी. एन, <u>एस :</u> -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269(प) (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार -

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, रोहतक

रीहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० देहली/5/84-85---अतः मुझे, आर० के० भयाना,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं। कि रथावर सम्पत्ति-, जिसका उचित बाजार मृन्य 25.000 /- का से अधिक हैं।

और जिस्ती सं० व्न्डस्ट्रीयन प्लाट नं० 3 है तथा जो इन्डस्ट्रीयन एरिया एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है (और इसने उपाबत अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजम्ह्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिंगुए; आर्/मा
- (क) एसे किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन्- कर् अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए !

जतः अव, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, नथित् ह— (1) मैं प्यातद्वोत लिं), हिमालय हाऊस (सातंत्री मंजिल), 23 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नर्ष दिल्ली,

(अन्तरम)

(2) मैं एवसप्रो इण्डिया लि० प्लाट नं० 3, इन्डस्ट्रीयल एरिया, एन० आई० टी० फरीदाबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्परित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप क्ष---

- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकाशन की वारी हु से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सुभना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थापर सम्पृत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धांकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है ॥

अनुसूची

सम्पत्ति इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 3, इन्डर्स्ट्रायल अरिया एन० आई० टी० फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय देहली में, रजिस्ट्री संख्या 409 दिनांक 7 अप्रैल 1984 पर दिया है।

> आर के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

दिनांक : 10-12-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० गुङगांव|3/84-85 —अतः मुझे, आर० के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 , 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य $25.000/\sqrt{30.00}$ से अधिक हैं,

और जिसको सं भूमि 3 बोबे 15 बिस्वे है तथा जो गांव नाथपूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाणित है), रिनस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिनस्ट्रांकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थात दिल्ला अंप्रैल 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य ज्याब दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रोत्तकत्त से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अथित :--- (1) श्री प्रेम पुत श्री **अंग**राव गांव नाथूपुर, (तहसील गुडगांवा

(अन्तरक)

(2) मैं० आधुनिक प्रोगरटीज प्रा० लि० (219—चितरन्जन ऐवन्यू, कलकत्ता) सी-4, कर्माशयल सैन्टर सफदरजंग डवलपर्मेट एरिया नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप —

- (क) इस सूचना के सज्जवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध वा तत्त्र म्यन्धी म्यजितमां पर सूचना की तार्मील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्विताओं में से किती व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थादर सम्मित में दिन- बद्ध किसी जन्म स्थानत द्वारा जनसहिस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याद 20 क में / परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

वनसची

सम्पत्ति भूमि 3 बीघे 15 बिस्वे नाथूपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडमांवा में, रजिस्ट्री संख्या 86 दिवांक 4 अप्रैल 1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जेंग रेंज, रोहतक

दिनौंक : 10-12-1984

मोहर 🔞

प्ररूप आई⁸ , टी _{ने} एक्_न एक्_न - - -- -- н

नायकर निभानियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० गुडगांवां 4/84~85—-श्रतः मुझे श्रार०के० भयाना

लायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त लिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के लिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि 4 बीघ स्वे है तथा नाथपूर में स्थित है (धौर इससे उपावत अनुसूत्ती में छौर पूर्ण रूप से विणित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडगांवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 18 के अधीन दिनांक स्रोल 1994 को

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल से, एसे इत्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्वोध्य सं उच्त अन्तरण निसित में अन्तरण के स्थाप से किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुइ किसी बाय की बाइता, उक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिपती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग पाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के कथीन, निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धर्म सिंह पुत्र श्री रतन श्रीमती घोला विधवा श्री समय सिंह सर्व श्री प्रताप सिंह सत राम , भजन जाल, सतपाल पुत्रान श्री समयसिंह श्रीमति फूलवती पुत्री श्री समय सिंह गांव नाथूपुर तहसील श्रीर जिला गुडगावां

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० आधुनिक प्रोपरटीज प्रा० लि०, सी-4, कर्माशयल सेन्टर, सफदरजंग डवलपमेंन्ट एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के अम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुजना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन की मबीभ या तत्सवंधी स्थितियों पर मुचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य अकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिंखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूखी

सम्पत्ति भूमि 4 बीघे 4 बिस्वे नाथूपूर में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में, रजिस्ट्री संख्या 281 दिनांक 16 श्रप्रैल 1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, रोहतक

दिनांक :- 10-12-1984

मोहर :-

प्ररूप आई., टी., एन., एस., ------

अप्रयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 127 है तथा जो माडल टाउन हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 का 18 के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल 1984

को पृथोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एहयमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व कौ बनुकरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) की अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् धि

- (1) श्रीमती निर्मल कुमारी पत्नी स्व० श्री ईश कुमार भूटानी मि० मं० नं० 127, माडल टाउन हिसार। (ग्रन्तरक)
- (2) 1. श्री शिव शंकर पुत्र श्री हीरा लाल बंका नि० 205,रविन्द्ररा सरणी, कलकत्ता-7।
 - श्री तारा चन्द बकां पुत्र श्री हीरा लाल बंका नि० 154, जमनालाल बजाज स्ट्रीट कलकत्ता ।
 - श्री विनोद कुमार बंका,
 पुत्र श्री हीरा लाल बंका
 निवासी 29/1, ग्रारम निमन स्ट्रीट,
 कलकत्ता-1 ।
 - श्रीमती बरजी देवी बंका
 परनी श्री चौथमल बंका
 नि०-5 बी, श्रलीपुर पार्क पलेश कल
 कलकत्ता-27 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-नद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम - के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

पन्त् ची

सम्पत्ति मकान नं० 127, मॉडल टाउन हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 416, दिनांक 19 अप्रैल 1984 पर दिया है।

> श्रार० कें० भयाना, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहत

कर्नाक :- 1्1-12-1984् **मोहर**्ध भूरूप वार्ष्ट्, टी_ल पुन्, पुनु_{क्र}------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

भाउत शरकाड

कार्यालय, सहायक श्रायकर बायुक्त (निर्देशिका) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० गुडगांवा/528/84-85--- प्रतः मुझे प्रार० के० भयाना

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 296-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्मित्त, जिसका उचित बाजार स्व्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 176/15 का श्राधा हिस्सा है तथा जो पुराना रेलने रोड़, गुडगांवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का 18 के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल 1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्या से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त बीधिनियम के अभीन कर देने के बंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी शय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अतः अवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्री भगत राम मधोक पुत्र श्री रिलया राम पुराना रेलवे रोड़, गुडगांवा

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री तोला राम
2. श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री तोला राम
निवासी शिवाजी नगर,
गुडगांवा ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता कूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोह,स्ताक्षरी के पास लिखित में विशेषा सकरें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा वजा है।

ann A

सम्पत्ति भकान नं० 176/15 का स्राधार भाग पुराना रेलवे रोड़, गुडगांवां में स्थित है जिसका स्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांवा में रिजस्ट्री संख्या 210 दिनांक 11 अप्रैल 1984 पर दिया है।

> म्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :- 10;12-1983

माहर 🛭

प्रस्ता अस्ति हो, वृह , ग्यूष , व्यवस्त्रवस्त्रस्य

भाषकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० हिसार /13/84--85—-स्रतः मुझे, स्त्रार.० के० भयाना ►

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आएण है कि स्थावर सम्यति, विश्वा विश्वा अजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं दुकान नं 91 का पूर्वी भाग है तथा
जो न्यू ग्रेन मार्केट, शिरसा रोड़, हिसार में स्थित हैं (श्रीर
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्वत हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हिसार में रिस्जिट्रीकरण
प्रिधिनियम (1908 का 18) के श्रधीन, तरीख अप्रैल, 1984
को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापुर्वोंक्त संपित्न का उचित वाजार
मृत्य, उसके रूरयमान प्रतिफल में, एरें क्यायान प्रतिफल का
पन्यह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-

कल निम्नलिखित उद्वेषय से अक्त अन्तरण लिखित में धास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी जाय की बासत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में व्यक्तिधा के टिश; और्/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, शिनहाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य विश्वास या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था, छिपान माँ स्विधा वे सिषः;

बत्त बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् क्ष-

- श्रीमित इन्द्रावती पत्नी श्री सत मांरायण गाँव——डा० बवानी खेडा त० बवानी खेडा, जिला भिवानी ।
- 2, श्रीर्माम कलावती परनी श्री जसन्त लाल गांव—=डा० दोराइ जिल० जींद (हरियाणा) ।

(ग्रन्तरक)

2, श्री हरीण कुमार पुत्र श्री प्रभु दयाल चौधरी गांव डा० खेडी बरको त० जिला जीं।

(अन्तरितोः)

को यह स्चना जारी करक्रे पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कार्क भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम भं 45 दिन की अवधि या तत्त्रम्यत्थी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामीम से 30 दिन की अवधि, जो भी वन्धि नाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पृथां कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकनें।

स्थलकोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, का अक्ट बिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जग्सूची

सम्मत्ति दुकान नं 91 का पूर्वी भाग न्यू, ग्रेन मार्केट सिरसा रोड़ हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में, रजिस्ट्रीसंख्या 524 दिनांक 20-4-1984 पर दिया ।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

दिनांक :- 10-12-1984 मोहर ⊈

मुक्त वार्ष . टी . एन् . एस . -------

आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० हिसार/26/84-85—म्नत: मुझे, म्रार० के० भयाना,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सर्के परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं वृक्षान नं 91 का पश्चिमी है तथा जो न्यू ग्रेन मार्केट सिरसा रोड, हिसार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (198 का 16 के श्रधीन) दिनांक मई 1984

का प्याक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि वथापूनों केत संपरित का उचित बाजार नृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिक स्व निम्निलिबत उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के निए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

मतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिश्चित व्यक्तियों अर्थात् :—
6 — 396G184

- (1) श्रीमती साविती देवी पत्नी भाषा किशोरी लाग
- (2) श्रीमती ग्रंगूरी देवी पत्नी लाल तेलू राम नि० मिरजापुर न० तथा जि०-हिमार

(अन्तरक)

(2) श्री कन्हैया लाल पुत्र चौ० घन्नूराम पुत्र चौ० बीरू राम नि० खेडी बरकी त० तथा जि० हिमार

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पृत्रों कत-सम्पृत्ति के अर्थन के जिहू. कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर्णीम्पृत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्2--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्तित बुधारा;
- (थ) इस स्थान के राज्यसम में प्रकाशन की वारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबङ्ख् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वाकरणः -- इसमें प्रमुक्त खब्दों जीर पदों का, जो उक्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाचित हाँ, मही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति दुकान नं० 91 का पश्चिमी भाग, न्यू ग्रेन सार्केट, सिरसा रोड, हिसार में स्थित है जिसका ग्रिधक विवरण राजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिमार में रजिस्ट्री संख्या 836 दिनांक 7-5-84 पर दिया है।

> ग्रार०के० भायाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, रोहतक

तारीख: 11-12-1984

माहर:

प्रकल आहें . हरी . एतः. एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज रोहतक

रोह्तक, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० हिसार/16/84-85—-प्रतः मुझे, ग्रार० के० भयाना,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें • इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित ब्राह्मार मृल्य 25,000/- रह से अधिक ही

श्रोर जिसकी सं० श्रहाता है तथा जो सिरसा रोड, हिमार में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रोजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्योलय हिसार में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम (1906 का 16) के प्रधीन तारीख श्रशैल 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ११२यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरम् सं धूर्व किसी नाय की धावतः, उक्त स्थितियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्य मो कमी करने या उसमें तचने मो सुविधा के लिए; कौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, व्या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट मही किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिन्न में एकिया की लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्ति व्यक्तिनयों, अर्थात ---

- (1) स० भगवान सिंह पुत्र स० गुरबक्श सिंह, नि॰ म० न० 269, मोडल टाउन, हिसार
 - (भ्रस्तरक्)
- (2) श्रीनती जिमला रानी
 पत्नी श्री रधुनीर सिंह
 श्रीमती कान्ता ग्रग्नेवाल
 पत्दी श्री सत्य नारायण
 श्रीमती सन्तोष ग्रग्नेवाल
 पत्नी श्री धर्म मोहन
 नि० हिसार

(अन्तरितोः)

को यह सूचना भारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की खबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकिश स्पंकितयों में से किसी स्पक्ति खुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उथत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्यी

सम्पति ग्रहाता, सिरसा रोड, हिसार में स्थित है जिसका ग्रिथक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, हिसार में, रजिस्ट्री संख्या 561 दिनांक 25-4-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयान। सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीकण) श्रजन परिक्षेत्र, लोहनक

तारीख: 11-12-1984

प्रस्य बार्ड. टी. प्र. एस. -----

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
ग्रर्जेन परिक्षेत्र, रोहतक
रोहतक, दिनांक 1 दिसम्बर 1984
निर्देश सं० सोनीपत/3/84-85—ग्रतः मुझे, ग्रार० के०
भयाना.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि सहित बिल्डिंग है तथा जो कुन्डली में स्थित है (भौर इसमें उक्तबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय सोनीपत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 16 के अधीन तारीख अभैल 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधी न जिल्लानियत व्यक्तियों, सर्थात क्लिल (2) श्रीमती प्रकाश वती पत्नी श्री हरी चन्द नि० बी-7, गुजरावाला टाउन, देहली।

(अन्तरक)

(2) मैं० सीकैम लेबोरेट्रीज प्रा० लि०,
17 माईल स्टोन, जीं० टी॰ करनाल रोड, कुन्डली
डारा एस्टेट मैनेजर श्री पृथ्वीराज पच्थी
पुत्र श्री कर्म चन्द पद्यी
म० न० 134-ए,
पश्चिम बिहार,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

सम्पति भूमि, बिल्डिंग सहित, जी० टी० करनाल रोड, कुन्डली में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, सोनीगत में, रजिस्ट्री संख्या 41, दिनांक 4-4-1984 पर विया है।

भ्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

तारीख 10-12-1984 मोहर :

प्ररूप बाब". टी. एन. 'एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>वायंकर वाय्क्स (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

े रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० बल्लभगढ़/6/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० के० भयानाः

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

थौर जिसकी सं० इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 139 क्षे० 1375 व० ग० है तथा जो डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 1 ग्राम ऐतमादपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 का 16 के श्रधीन तारीख श्रीरंत, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचित उक्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्तिक स्था से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत, उसके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (%) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था छिपाने में सुविभा के सिए;

अतः गग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीग, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थातः :— (1) अहमद शौंकत झली डोसा पुत्र श्री एस० के० डोसा श्रीमती झिमना शौंकत भली डोसा पत्नी श्री एस० के० डोसा नि० डी०-60, पंचशील एन्कलेब, नई दिल्ली-17

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ गुप्ता कंस्ट्रमशन कं ॰ जो-3/92 दिपाली, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली -19 !

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते जिल्ला किया के अध्याय 20 क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विदा समा हैं।

ननस्पी

सम्पति इन्डस्ट्रीयल प्लाट नं० 139, क्षे० 1375 व० ग० डी० एल० एफ० इन्डस्ट्रीयल एस्टेट नं० 1, पाम ऐतमादपुर, में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्री संख्या 188, दिनाक 6-4-84 पर दिया है।

ग्रार० के० भयाना ं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रारकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, रोहतक

तारींका: 10-12-1984

मोहर 🙄

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन सूर्यना

भारत सरकार्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन परिक्षेत्र रोहराका

रोहतक दिशांक 10 दिसम्बर 1984 निर्देश सं०/13/84-85--अतः मुझे आर० के० भयाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स अधिनियम' कहा गया है)., की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाँगर मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 22 क है तथा जो लक्कडपुर 15 मरले में स्थित है (और इससे उपषद अनूसूची मेंऔर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहलभगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 18 के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में प्रास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधां के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

जतः बद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नेलिकिक व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैं० सरज कुन्ड भाईनिंग एण्ड मशोनरी कम्पनी प्रा० लिं०, 34 एस० बी०, एस० कालोनी, राजपुरा टाउन, पंजाब द्वारा श्री जोगेन्द्र सिंह, जनरल मैंनेजर धम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री राजेश कुमार बल्लभगढ़ पुत्र श्री गिरधारी लाल, नि० 8/20 कालका जी एक्सटनणन, नई दिल्ली—19 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना ,जारी करके पूर्वोक्त सम्परिश के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के सबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथित स्वादारां स्वित्यों में से किसी व्यक्ति क्षत्रारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य प्रक्रित द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशीं का, जो उक्तः विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

सम्पत्ति भूमि 22 कनाल 15 मरले लकड्पुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्शा के कार्यालय बस्तमगढ़ में, रिजस्ट्रो संख्या 1283 दिनाक 26-4-84 पर दिया है।

आर० के० भयामा सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायम आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत रोहसक

सारीखाः 10-12-1984

महिर:

प्ररूप आहाँ, टी एन, एस, -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेज, रोहतक

रोहतना , दिनांन 11 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं०बल्लमगढ़/12/84-85——अतः मुझे, आर० के० भयाना,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. सं अधिक है

जिसकी मं० प्लाद का उत्तरी भाग, क्षेत्र 475 वर्ग० है तथा जो अङ्ग्रपुर में स्थित है (और इससे उपश्वत अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय बरुलभगढ़ में रहिनढ़ीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 18 के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पन्नि के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आर मूओ यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्द श्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

बत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, क्योत् म

- (1) श्री अनगंपाल
 पुत्र श्री राजेन्द्र कुमार
 निर्धा प्रेन्द्र शर्माः
 फरीदाबाद शहर
 - (2) श्री शंकार सिंह पुत्र श्री गजेम्द्र सिंह, नि० बा**वर्ड** · जि० जालान (यू० पी०)
 - (3) श्रो सुरेन्द्र सिंह पुत्र श्री नर सिंह नि० नयोष्ठकः त० कैथल (हरियाणा)
 - (4) श्री जसबीर सिंह पुत्र श्री टीका सिंह, नि० बिछपडी जि० अम्बाला
 - (5) श्री तसीय सिंह पुत्र चौ० रिसाल सिंह नि० डांड त० कैथम

(अन्तरक)

2 (1) श्री के० ए० अगस्टीन जोसफ

(2) श्री के० ए० त्रिस्टोफर पुत्र गण श्री के० जे० अन्टेनी निवासीगण 10/22 कालकाजी ऐक्सटेंशन, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वपृष्यी

सम्पति प्लाट का उत्तरी हिस्सा क्षेत्र 475 व० ग० अङ्गपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रिजस्ट्री संख्या 1134 दिनांक 24-4-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज, रोहसक

नारीख : 11-12-1984

माहर 🛭

क्षण बाहु^र्डी हुन् पुत्रक अन्यक्षकार

नावभार विभिन्नियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन त्याना

भारत सर्कार

कार्यांगय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन परिक्षेत्र, रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० धरुनगाः∮32/84-85-अतः मुसे∎ आर० के० भयाना,

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का काएंग है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट का दक्षिणी हिस्सा क्षेत्र 475 व० ग० है तथा जो अइंगपुर, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लमगढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे एस्पमान प्रतिफल का बल्द्रहे प्रतिक्रत से अधिक, है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क ल निम्निसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त-जिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जनसरण संझुदै किसी याथ की शावता, जनस् अभिनिध्य के जनीन कर दोने के अन्तरक को वास्तिय में कमी करने वा जबसे उपने में स्विधः वे जिंदा; और/वा
- (थ) ऐसी किसी भाग भा किसी धन मा जन्म नास्तिको का , चिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियन, 1922 (1922 का 11) मा जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ-जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं जिल्ला क्या का या किया जाना बाहिए था छिपार्ज में कृतिका के हिए।

कतः अव, दक्त वीधीनवम की धारा 269-ग के, बनुसरण मा, मो अवन अधिनियम की धारा 269-म की उपधाराः(1) वै इ.भीकः, निम्नलिखित व्यक्तियों, ज्यातः:—

- (1) श्रं अनंगपाल पुत श्रे राजेन्द्र कुमार नि० राजेन्द्र फार्म, फरांदाबाद गहर,
- (2) मांकर सिंह पुत्र गजेन्द्र सिंह नि० मानई জিত जालान
- (3) सुरेन्द्र सिंह पुत्र नर्शसह दाल नि० स्पोडरा द० वैथल यु०पी०
- (4) जसबोर सिंह पुत्र श्री टीका सिंह नि० बिछपदी अप्बाला।
- (5) नसः म सिंहपुत चौ० रिसाल सिंह नि० ग्राम डाड़ न० कैथल

(अन्तरक)

- 1. (1) श्री के० ए० अगस्टी । जोसफ
 - (2) श्री कें ० ए० त्रिस्टोफर पुत्रगण श्री के० ए० अन्टेनी नि० 10/22, कालकाजी ऐनसटेंनणन,

(अन्तरिसी)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां सूक्ष करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाझेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीच में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगेर को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्थी

सम्पति प्लाट का दक्षिणो हिस्सा क्षेत्र 475 व० ग० अडंगपुर में स्थित है जिसए अधिक विवरण रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय, बरूजभगढ़ में रिजस्ट्रोडरण 1195 दिनांक 25-4-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारो निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन परिक्षेत्र, रोहसंक

तारीख: 11-12-1984

प्रकृष **बाइं., टी. एव. एव. -----** (1)

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्धानय, सहायक वायकर वायकर (निरीक्षण)

श्चर्जन परिक्षेत्र, रोहतक रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० कनारल/5/84-85—म्प्रत: मुझे प्रार० के० भयाया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-छ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि माप कनाल 17 1/6 मरला है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 का 16 के श्रधीन नारीख श्रप्रैस 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्गे) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उक्षेच्य से उच्च अन्तरण निम्निकत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया जवा है द

- (क) अन्तरण संहुइ किसी बाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने से सृविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के शिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमः, की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितां वर्षातः (1) रामपाल, णाम सिंह पुतान खिला, निवासी करबिन्द, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

(2) धर्मबीर गतरा पुतः राम प्रकाण, मे० नं० 627, एम० टी० पानीपत श्रीमती शीला वतरा धर्म पत्नी सतीस, निवासी गोहाना रोड, पानीपत।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आअप :-

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख रू 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य स्थावर द्वारा न्भोहस्ताक्षरी के शब सिवास में किए जा सकोंने।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्य गुजा है।

ननुसूची

सम्पत्ति कृषि भूमि माप 30 कनाल 17 1/6 मरला जो कि करनाल में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्री-कर्त्ता के कार्यालय में रजिस्ट्री संख्या 279, दिनांक 24-4-84 पर दिया है।

> स्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन परिक्षेत्न, रोहतक

तारीख: 10-12-1984

प्ररूप भाइति, दर्गः, एसः, -----

भायकत मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० जगाधरी 137/83-84—श्रत: मुझे, श्रार० के० भयाना,

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं भेक स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो लाइट रेलवे रोड जगाधरी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जगाधरी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 का 16 के श्रिधीन तारीख श्रील 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधूने में सूविधा के लिए; बांड्∕या
- (ब) एसी किसी भाग मा किसी भन मा अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— 10—396GI/84 (1) श्रीमती कलावती विभवा श्री राजकुमार ।पुष्ठ श्री पीरुमल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अध्वनी कुमार अग्रवाल पुत्र श्रीधर्मपाल ग्रग्नधाल निवासी-73, मार्डन, कालीनी, जालधर शहर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा सम्पत्ति में हितबवध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है वही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

बन्स्ची

सम्पति जो कि प्लाट लाइट रेलवे रोड, जगाधरी पर स्थित है जिसका श्रिधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्यालय जगाधरी रजिस्ट्री संख्या 6928, दिनांक 27-4-1984 पर दिया है।

> ग्रार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, रोहतक

सारीख: 10-11-1984

प्रस्पः वादः, टी. एन. एस्.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० करनाल/2/84-85—-ग्रतः मुझे ग्रार० के० भयाना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रः सं अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० भूमि 7 बीवा 7 विसवा, है तथा जो करनाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 का 18 के श्रिधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने ये सुविधा के लिए; बौर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विता के लिए;

अतः जन, उथतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) सर्वश्री जसमेर सिंह,
रनधीर सिंह,
रघबीर सिंह,
पृथ्वी सिंह पुत्र हरवेराम:
राजिन्दर सिंह,
रणसिंह, पुत्रान सुलाराम,
नि० मुहल्ला कोट,
गहर करनाल

(न्तरक)

- (2) चांदभूति, किशोर लाल, ग्रसोक कुमार पुत्राण रामलाल निवासी शिवकालीनी,
- करनाल

(धन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्प्रक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

मन्सूची

सम्पति भूमि 7 बीया 7 बिसवा जो कि करनाल में स्थित है। जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता, के कार्यालय करनाल रिजस्ट्री संख्या 38 दिनांक 3-4-1984 पर दिया है।

> आर० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी [सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 11-12-1984 मोहर :

प्रकृष बार्ष. टी. एन. एस.-----

नायकर निभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 1969 का 43) की

भारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) श्रर्जन परिक्षेत्र रोहतक

रोहतक, दिनांक 11 विसम्बर 1984

निर्देश सं० करनाल 15/84-85--- श्रतः मुझे आर० के० भयाना,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से मधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 12 बीवा 18 विसवा है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 का 18 के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिचात से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रति-फल निज्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निजित में वास्तिवक स्व के किस्त नहीं किया प्रा है

- (क) अन्तरण से हुन् किसी बाय की अवत उथत ब्रिय-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्से बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अध्य नास्थियों को, जिस्हें भारतीय आयकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए;

नतः नन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

(1) सर्व श्री हरी सिंह, साधूराम, सेवा सिंह, रघबीर सिंह पुत्राण दाताराम पुत कन्हैयाराम, निवासी मोहल्ला कोत करनाल गहर

(भन्तरक)

(2) सर्वश्री चांदमूर्ति, किशोर लाल, श्रशोक कुमार पुत्राण रामलाल, निवासी शिवकालौनी करनाल शहर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहमा करता हू। स्वत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की विवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की ताथील ने 30 दिन की विवधि, जो भी विवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बद्ध किसी अन्य अविकास कारण अधाहस्साक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीक रणः — इसमें प्रयुक्त कार्क्यों और पर्वों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया है।

वम्स्ची

सम्पति भूमि 12 बीघा 18 बिसबा जो कि करनाल में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 949 दिनांक 17/5/84 पर दिया है।

भार० के० भयाना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज, रोहतक

तारींख 11-12-84 मोहर: प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

नायकरं मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के मेरीन सूचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5722 — ग्रतः मुझे जे० आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी सं० 20 है, तथा जो बालीगंज, सर्फुलर रोड़, कलकत्ता में स्थित है और इससे उप बढ़ अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1984

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण लिखित आस्तृतिक स्म से कायत बहा किया ग्या है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाम की बाबत उक्त बाधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

बतः वन, उन्त गाँधीनयम की धारा 269-ग के बनुसरण माँ, माँ, उन्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् हु—

- (2) श्री वेवेन्त्र मोहन लाखोटिया और अन्यान्य । (अन्तरिती)
- (2) श्री सुरिन्द्र कुमार ठुकराला पुत्र हंसराज, वासी ६ श्रार-122-123, मक्का बाग, जालन्धर

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियो शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वहुभ किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 269 दिनांक श्रप्रैन, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालक्ष्मर नें लिखा है। जे० एल० गिरधर) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्बर

तारीख : 12-12-1984

मोहर

थरूप माइ^द्टी. एन ् एस ्-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुम्मा

मारव बरकाइ

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जालन्घर जालन्घर, दिनांक 12 विसम्बर 1984 निर्वेश सं० ए० पी० नं० 5723—श्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जैसा श्रनुसूची में लिखा है तथा जो घोटरकपूरा में स्थित है (श्रीर इसेसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रशैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिश्तिक के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फम निम्ने सिश्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिश्तित में शास्तिवक स्प से किया गया है किया ग

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी नाम की नामस, उक्त जिपिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कमी कड़ने या उससे बज़ने में सुविधा के ज़िए; ज़र्डि/मा
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिको को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे व्योजगार्थ अनुस्ति इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के सिए;

(1) श्रीमती शीला रानी पतनी कस्तूरी लाल वासी कोटकपुरा कलाक मर्चेन्ट्स, गुरुद्वारा बाजार जि० फरीदकोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गोपाल फुष्ण पुत्र जोतीराम, श्रीमिति बबीता रानी पत्नी विजय कुमार गुष्ट्वारा बाजार, कोटकपुरा जि॰ फरीबकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खरी 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किंगू अ। सकोगे।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृष्टों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् कृष्याय में विवा भवा है।

वन्स्वी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 378 दिनांक भग्नैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा है

> जे० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 12-12-1984

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 विसम्बर 1984

निर्देश सं० ए० पी० न० 5724—श्रतः मुझे, जे०एल० गिर्धर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा भ्रनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजस्ट्रीकर्ला श्रधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उनित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांध्रत नहीं किया गया हैं:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अखने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयू या किसी अन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः सब उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियण की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखिर व्यक्तियों न अर्थात् क्ल (1) श्री विजय कुमार पुत्र कस्तूरी लाला, लाक मरचैन्ट, गुरुद्वारा बाजर. कोटकपूरा जिला फरीदघोट।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजयकुमार ग्रीर यग्नपाल पुत्र जोतीराम, वासी महेश्वरी गली (गुरुद्वारा बाजार) कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 379 दिनांक प्रप्रैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी फरीदकोट ने लिखा।

जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालघर

तारीख: 12-12-1984

प्ररूपः भार्तः टी. एन्. एसः ----

शासकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) की अभीत भूमता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्राजीन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 725—प्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षप्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो मिठापुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय जाल घर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितिगाँ) के बीच एमें अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है द्व---

- (क) अंतरण में हुई किसी काय भी ताबत, उक्तः बीधनियम के अभीन कार होने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मृदिशा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धम सा सन्य आस्तियों करें, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 सन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जान चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के निए;

जतः जव, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, अक्त अधिनियमं की धारा 269-यं की उपभारा (1) हो अभीन, जिल्लिक अधितयों, सर्थातः :— (1) श्री हरभजन सिंह,पुत्र जवन्द सिंह, बरती गेखर, जालन्धर, घटारनी हरिकशन सिंह ग्रजीत सिंह वासी मिठापुर, नहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुरविन्द्र कौर गिल पत्नी गुरचरन सिंह, वासी गांव पोहरीजवाल, तहसील जालन्धर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुजन। के राजपण में प्रकाशन की हारोल म 45 दिन की अर्थाए या तत्मावधी नियक्तारों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, ये भीतर पूर्वेचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील में 45 विन के भीतर उपत स्थायण सम्यक्ति में विहानवदण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाल लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उनसे अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिका गया है।

बर्जुचीं

सम्पति थथा व्यक्ति जैसा कि विजेख नं० 171 दिनांक अप्रैल, 1984 को रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायरक भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

र्तरीख: 12-12-1984

प्ररूप बार्च, दी. इन्, प्रस्------

भागकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के वभीन सुभूना

भारत सरकार

कार्यांचय, शहायक जायकर आयुक्त (निर्दाक्षक)

मर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 विसम्बर 1984

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5626— ग्रतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह निश्धास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जैसा ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में हिथत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक ने दायित्य में कमी करने या अससे वचने में सुविधा के सिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः, श्रवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं के अनुसरकः में, में, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीरा, निजनिविकतं व्यक्तियों, वर्षात् ः— (1) श्रीमती स्नेह प्रभा कपूर पत्नी पी० एल० कपूर बासी 568 एल० माडल टाइन, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सुभाषसानी पुत्र श्री खजान चन्द, वासी 26 श्रार्दण नगर, जालन्धर।

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षण के सिद्ध कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेष्ठस्ताक री के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनत्त्री

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि 37 ई० ई० फार्म दिनांक मई 1984 को सक्षम प्रधिकारी जालन्धर रजिस्ट्री ने किया।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख 12-12-1984 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 12 विसम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5727—ग्रतः मुझे जे० एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- एउ. में अधिक है

शौर जिसकी सं० असा अनसूची में लिखा है तथा जो भटि न्हा में स्थित है (श्रौर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीर कारी वर्णित के कार्यालय भटिन्डा, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अशैल, 1984 को पूर्वोक्त ंपित के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके इश्यमान श्रीतफल से एसे इश्यमान श्रीतफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्न को अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कजी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीट्र/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए:

अतः अय, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 11—396 GI/84

 श्री रूप कुमार पुत्र किशोरी लाल बी० के० श्रो० श्रोनर. भटिन्डा।

(भ्रन्तरक)

 श्री मनोहर सिंह पुत्र श्री चनन सिंह गांव सिखवाला, तहसील फरीदकोट।

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्शिक अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनु सूची

सम्पति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख सं० 360, विनांक 24-4-1984 को रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय भटिन्डा में लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम श्रिधकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 12-12-1984 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकाड

कार्याल्य, सहायक जायकर आयुक्त (नि<u>र्</u>दक्षिण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ए०पी० नं० 5728— झतः मुझे जे० एल० गिरधर कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा धनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक श्राप्तैल, 1984

को प्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम कं श्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रवमान प्रतिफल से, एसे श्रवमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिक्कल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आयकी आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धास 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात:—— 1. श्री रिवन्द्र कुमार, पुत्र किशोरी लाल, बी० को० श्रो० श्रोनर, भिटन्डा।

(भ्रन्तरक)

 श्री बलवीर सिंह पुत्र चनन सिंह, वासी गांव, सिखवाला, तहसील फरीदकोट। (भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति सुवार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, थही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 361 दिनाक 24-4-1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरघर सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनोक 12-12-1984 मोहर: प्ररूप शाह . टी. एन. एस. -----

शायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीम स्थाना

भारत बरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 12 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ए०पी०नं०5729—श्रतः मुझे जे० एल० गिरधर शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुज से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत सक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण चै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीन ६---

 श्रीमती प्रकाश देवी पत्नी श्री किशोरी लाल, वी ०के० ग्रो० मालिक, भटिन्डा।

(ग्रन्सरक)

 श्रीमती भूपिन्द्र कौर पत्नी श्री बलवीर सिंह, गांव सिख वाला, तहसील फरीवकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील सं. 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्व ब्ही करण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 362, विनांक 24-4-1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में लिखा है।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 12-12-1984 मोहर:

मुक्त बाद् ती पुन एस -----

नायकर मीभृतियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्भीन स्पना

भारत सहकाङ

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० 5730—ग्रतः मुझे ए०पी०नं०जे० एलं० गिरधर नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचाल 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनाक श्रील, 1984

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निक्निसित उद्योग्य स उक्त अन्तरण कि निक्निश्चत भे रास्निक्ट स्म से कथित नहीं किया नवा है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त जीध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वव, उक्त विधिनियम कौ धारा 269-व के बनुसर्ण वो, बी, उक्त विधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निस्मीसियत स्पिक्तयों, वर्धात हम्मा श्री ज्ञान सिंह पुत्र लाल सिंह, बासी मकान नं० डब्ल्यू० डी-313, बरानडरथ रोड जालन्धर ।

(ग्रन्सरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र मेला सिंह, वासी मकान नं० 3, जसवन्त नगर, गढ़ा , तहसील जालन्धर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी अप 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वर्स्ची

सम्पति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 282, दिनांक श्रप्रैल, 1984 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 13-12-1984 मोहर: प्रकप **गाइँ. टी., एन., एस.,------**

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहादक बायकर बायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निवेश सं०ए० पी० नं० 5731—श्रतिं मुझे जे० एल० गिरधर, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो भटिन्डा में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय भटिन्डा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी बाय का किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्री बनारसी दास पुत्र नानक चन्द, वासी पुराना सट्टा बाजार, भटिन्डा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री श्रोम प्रकाश सर्राफ, मार्फत श्री हजूर सिंह, सिथी बाजार, भटिन्डा श्रीर श्रीमती परसिन कौर, पत्नी श्री श्रोमप्रकाश मार्फत हजूर सिंह, सिरथी बाजार, भटिन्डा।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उंपरित में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकन।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसुची

सम्पति, तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं० 487, दिनांक 30-4-1984 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय भटिन्डा में लिखा है।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जालन्धर

अतः श्रमः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन : रैनम्निलिखित अयिक्तयों, अर्थात्ः⊶—

विनांक: 13-12-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्भन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 13 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ए० पी० नं० 5732—यतः मुझे जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसको सं० जैसा धनुसूची में लिखा है तथा जो भटिण्डा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय भटिण्डा में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के ग्रधीन, तारीख मई, 1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
क्टरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्बरेश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री बनारसी दास पुत्र नानक चन्द, वासी पुराना सट्टा बाजार, भटिण्डा।

(ग्रन्तरक)

 श्री महेश कुमार पुत्र श्रोम प्रकाश सारफ, मार्फत हाजूर सिंह, सिरकी बाजार, भटिण्डा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 573 दिनांक 7-5-84 को रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी भटिण्डा में लिखा।

> जे० एल० गिरधर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ॄरेंज, जालन्धर

तारीख: 13-12-1984

प्ररूप आहूर, टी. एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उषित नापार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या भूमि है जो बाकाराम हैदराबाद में स्थित है (भ्रोर इसने उपाबड़ श्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालयग्र चौक्डक पल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रप्रैल, 1984।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्राह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; आहु/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर किंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या पा किया जाना चाहिए आ, जियाने कें तिस्था के तिस्ए;

कतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपधारा (1) के सधीन, जिस्सिलिश व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री एम० एन० वेंकटरेड्डी, डी-63, एस० डी० पी० कालोनी, बालानगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री टी० पी० किणोर,
 घर नं. 1-1-727,
 गांधीनगर, हैदराबाद।

(म्रन्तरिती)

स्त्रे यह स्वना चारी करके पृशेक्त सम्परित के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किंधिनयम, के अध्याम 20-क में परिकारित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया म्या है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 450 चौ० गज, वाकाराम, हैदराबाद, राजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 357/84, राजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी चौक्तः एरली।

एम० जगनमोहन, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-2984

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

सं० श्रार० ए० सी० न० 770/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कौर जिसकी संख्या 1-10-39 है, जो ग्रशोकनगर, हैदराबाव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चिक्कड़ पल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रगैल, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रीमती बी० श्रारुणवती
पित वेंकटेण्वर
1-10-39, श्रणोक नगर,
हेदराबाद।

(ग्रन्सरक)

 श्री विजय सिंह दूगार पिता लेट जीवन मल दूगा श्रीर श्रन्य 1-10-39, श्रशोकनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों कृष्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पिस में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

घर संपति डी० नं० 140-39, अशोक नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 342 चौ० गज, भूमि, और 1800 चौ० फुट प्लाथ एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 335/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चौक्कड़पल्ली।

एम० जगन जमोहन, सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

मोहर 🖫

ं प्रकप कार्यः टी ्**एन् एक् ,----**------

नावकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जान रेंज, हैदराबाद

हैवरावाद, विनांक 5 दिसम्बर, 1984

सं० भार० ए० सी० नं० 771/84-85:---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 9-3-366 है, जो रेजीमेंटल बाजार, सिकन्दराबाद स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मारेडपल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ग्रग्रैल, 1984

को पूर्वों करा संपतित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाें) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिस्त उद्वोद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ने हुई कियी बाय की बाबत, उत्पर अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औ सिए; बरि/वा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, कः धनकर अधिनियम, कः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27; के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिक्ति व्यक्तियों वर्धात् हरून 12—396GI/84 एस० सन्तोख सिंह,
 9-3-366,
 रेंजीमेंटल बाजार,
 सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती पी० पदमावती श्रीर श्रन्य 3, 1-9/229/2, माइसीतीन रोड, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकासन की तारीब स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति बुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

संपत्ति नं० 9-3-366, रेजीमेंटल, बाजार, सिकन्दरांशाद, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 962/84, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप बार्ड . टी. एन. एस. - - - ----

शायकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , महाय्वः आयकर आय्वतः (निरक्षिण) सहायक भ्रायकर श्रायुक्त कार्यालय श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984 सं० श्रार० ए० सी० नं० 772/84-85:—-यतः मृझी एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मृत्य 25,000/-रा. में अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० वेस्ट माररेडपल्ली है, जो स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडचल, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन श्रुप्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) बन्सरण संहुइं किसी आय की बाबत, उक्स किमीनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिस्, कौर/मा
- (ब) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलक्त व्यक्तियों, अधीत् :--- श्रीमती रामा प्रेमजी,
 6-2-101/9, न्यू० बोईगुडा,
 सिकन्दराबाद।

(ग्रन्सरक)

लोंगोसेट्टी हेमलता धौर ग्रन्य:
 10-2-36, रोड नं. 4,
 वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ... 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों । र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, वा उत्सर किंधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिय गया है।

नगतकी

कृषि भूमि, विस्तीर्ण 12 ए कर, मेडचेल रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2337/84 रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी मेडचेल।

> े एम० जगन मोहन, सदाम प्राधिकारो सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरोक्षण) ब्रजन रेंज, हैदराक्स्द

मारीख: 5-12-1984

प्रकृप बाहाँ, टी. एन. एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीद स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वाय्क्त (निरीक्षक)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त कार्यालय श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

सं० **भार**० ए० सी० नं० 773/64-75:--यतः मुझे एम० जगन मोजन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000 - रा. स नायक है । श्रीर जिसकी सं भूमि है जो रप्ताइ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रीकारी के कार्यालय श्रनन्तपुर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4 श्रप्रैल, 1984

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्वास कूरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जैन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्नितिस्त उद्वास्य से उक्त जंतरण लिचित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त वीधित्यम के जधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने वो सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकार बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपानं में मृविधा के सिए;

बतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-गं के अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-गं की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- श्री के० घोबिलेसू भौर मन्य। रप्तड़ू, घनन्तपुर, जिला।

(अन्तरक)

2. एस० चन्द्रशेखर, मैनेजिंग डायरेक्टर ग्राफ मारूति स्टील प्रा० लि० : करनूल।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवास;
- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभीहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

ल्याकीकरण :---ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

लडेड प्रापर्टी, रप्ताङ्क्, ग्रनन्तपुर, जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 756/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी ग्रनन्तपुर।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ज**: 5-12-1984

प्ररूप काई. टी. एन. एत. -----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्जानय . तहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर श्रायुक्त कार्यालय श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

सं० श्रार० ए० सी० नं. 774/84-85:---यतः मुझे एम० जगन मोहन,

भागकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25. (1997- रू. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1-11-220/8 है, जो बेगमपेट, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय बल्लभनगर, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्राप्नैल, 1984

की पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यान कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बासिरती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्यदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक वीं दायित्व में कमी करने वा उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन यो अन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

वतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, दिस्निसिसिस स्थानितयों, अर्थात् :---

एम० कृष्णा शर्मा,
 1-11-220/8,
 बृन्दावन काम्पलेक्स, बेगमपेट,
 हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्री पी० केशउलू,
 1-3-376,
 कवाजीगुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त धाक्नियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

घर सम्पति नं० 1-11-220/8, बेगमपेट, हैदराबाद, रिजस्ट्रीककृत विलेख नं० 1225/84 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी बल्लभनगर।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. - - - -

शायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के सभीन सुमना

NICE SERVE

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त कार्यालय श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 विसम्बर 1984

सं० ग्रार० ए० मी० नं० 775/84-85 अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रहा से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टांबको वाजार है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाग्रढ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मूल्य सं क्षम के दश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाब की काइंग, उचक विश्वित्य में बचीन कर दोने के अस्तुरक में सामित्य में कभी करने वा दखके बच्चे में ब्रोबिया में सिए; बॉर/बा
- (ब) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविभा के लिए;

बत: बव उक्त अधिनियम की भारा 269-ज के बनुबरक कों, कीं., उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैसर्स श्रीनिवासा मार्केट काम्पलेक्स, सिकन्वराबाध।

(अन्तरक)

श्रीमती मीनाक्षी विनादराई हीवाचा,
 21-6-305, घासी बाजार,
 सिकन्यराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**गाहियां पुरू करता हु**ं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बज़ी अर्थ बरोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

युकान, श्रीनवासा मार्केट काम्पलेक्स, सिकन्वराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 153/84, रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी सिकन्वराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीच: 5-12-1984

मोहर 🛭

प्रकप बाइ. टी. एन. एसः ----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना

भारत सरन्धार

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण) -श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

मिवेश संब्धारः ए० सीवनंब/776/84-85---श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियन' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ककूलापल्ली, अनन्तपुर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनन्तपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफन के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्त उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिक्त उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्नलिक्त

- (क) जनसङ्ग्रं से हुइ किसी बाय की बाब्त, उक्त जिस्तिन्म के अभीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तयों के जिम्हें भारतीय जाय-कार जिम्हें भारतीय या उक्त ज्ञितिया गया प्रयोजनार्थ जन्तरिती इंगार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

वतः वन, उक्तं विधिनियमं कौ भारा 269-ग के वनुसरण में, मैं उक्तं विधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के विभीन, निम्मलिक्ति व्यक्तियों, विधात ह— (1) श्री जी० सी० कोंडारेड्डी, कोधापल्ली विलेज, जिला धनन्तपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० श्रादिनारायण ग्रौर ग्रन्य, मेकालापल्ली, धरमावरम तालुक, ग्रनन्तपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार:
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास्
 निचित्त में किए जा सकोगं।

बन्द्रवी

भूमि, काकूलापल्ली हैं विलेज, भ्रनन्तपुर जिला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3945/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भ्रनन्तपुर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप मार्ड . टी. एन . एस . -----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीम स्वना

TIST TENE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984 निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 777/84-85---ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य, 25,000/-एउ. से विधिक है

ग्रोर जिसकी सं० 131 है तथा जो कान्ना कम्पलेक्स, सिकन्दरा बाद में स्थित है (ग्रोर इसमे उपाबद श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख भन्नेस, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इश्यमान शिकास को लिए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिय तय पाया गया प्रतिकात निम्नसिवित उद्देश्य से उसत बन्तरण मिचित बेंशस्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क्र) अन्तरण संधुर्द क्रिशी बाब की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के स्वीदल में क्षत्री करने वा सबसे बचने के सुविधा क्षे क्षिप; बीड़/का
- (स) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, या भन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया नया का वा किया बाना चाहिए का, कियान में स्तिया के निए;

नेत: नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (!) के सभीन, निम्नलिमित स्विक्तयों, अधीत :---

1) मैससं काचा कम्पलेक्स,
 2-2-132,
 एम० जी० रोड,
 स्किन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रमीम सहदूदीन, 2-3-61, रामगोपाल पेट, सिकन्यराबाद ।

(श्रन्मरिती)

को **अह सुम**ना **भारी करके पूर्वो**क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं !

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ^5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भं, अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त .क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा.
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्वत स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्य किसी बन्य व्यक्ति वृदारा जभोहस्ताक्षरी से पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वकारणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस ची

कार्यालय नं ० 131, काथा काम्पलेक्स, सिकन्यराबाय, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 171/84. रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, सिकन्दराबाय ।

> एस० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख** : 5-12-1984

प्रकृष बार्ड. दी. एम. एच.-----

गायकार वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

मारच चडका

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० मी० नं० 778/84-85-ग्रत: मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का करण है कि स्थायर सम्पत्ति; जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

मोर जिसकी सं० 29 है तथा जो काबा काम्पलेक्स, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा-बाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख भग्रेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार भून्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ष (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल, निम्निसिंख उद्योच्य से उस्त अन्तरम सिचित में वास्तिक अप से कि बित नहीं किया गया है एन्स

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त निर्धानयन के अभीन कर दोने के अस्तरक के वरिवरण के कवी करने वा उच्च कच्च के बुविका के सिए; बॉट्/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-केंग्र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने यो निवास के सिंह;

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-गं के अनुसरण ने,, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की सम्भाग (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात :--- मैसर्स काझा काम्पलेक्स,
 2-2-132,
 एम० जी० रोड,
 स्कन्दराबाद ।

(श्रम्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता ग्रग्नवाल, 14-2-332/7/13/2, गन बाग, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी कारकै पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर पूर्वीकत उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पध्यकिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगसूत्री

दुकाम नं० 29, काम्रा काम्पलेक्स, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 192/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सिकन्दरा-बाद ।

> एम० ज**गन मोहन** सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप आहूर.टी.एम.एस.------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज, हैबराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्नार०ए०सी० नं० 779/84-85-मात: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, 'यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 25 है तथा जो काक्रा काम्पलेक्स, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूर्यः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजर्डीकर्ता अतिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- हुँक) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए;
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा बे लिए;

(1) मैसर्स काझा काम्पलेक्स,
 2-2-132,
 एम० जी० रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्री नन्द कुमार नागपाल, 1-8-215/20, पी० जी० रोड, सिकन्दराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

ब क्ल संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकींगै।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान मं० 25, काब्रा काम्पलेक्स, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 198/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सिकन्दरा-बाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीझण) प्रजैन रेंज, हैदराबाद

सारीख : 5-12-1984

त्ररूप मार्घ टी. एन्. एस_.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काया लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण धर्णन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 780/84-85-ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन;

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- फ. से अधिक है

श्रौर जिसको सं० 545 है जो राबीगण सिकन्वराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1984

को पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्ररिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में वास्त कि रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बासत, उसत अधिनियम के अधीन कर बने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वस, उक्त व्यक्तिमम, की भारा 269-ग के वनुसरण में, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, मिम्मसिकित व्यक्तियों. वर्धात :--- मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86,
 रानीगंज,
 सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती हंसा बेगम, 12-2-43, मुरादनगर, हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में को इंभी बाक्षेप र-

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उच्ह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जनसर्ची

दुकान नं० 545, 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3118/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सिकन्दराबाव ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीख: 5-12-1984

श्ररूप् बाइं.टी.एन.एस.-----

श्रायकर सिंभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के ब्रुभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यां तम, सहायक गायक र भायुक्त (निर्क्षिण)

ध्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 781/84-85--भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सिख विलेज है तथा जो सिकन्दराबाद में रियत है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) सन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कड़ दोने के अन्तर्क औं दायित्व में कमी करने या उससे वचन के सुविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री देवीदास राव, घर नम्बर, 45, चन्दूलाल बोवली, सिकन्दराबाद ।

(मन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद इज्राहीम, 58-ए, कक्रिस्तान रोड, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्पना भारो करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां श्रूक करता हुं।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है ... दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वन्त्र की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविश्व वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ... 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी कन्म व्यक्ति द्वारा अधीत्-आक्षरी क गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

घर सम्पत्ति, चन्दूलाल बोवली, सिकन्दराबाद, रिजस्क्रीकृत विलेख नं० 9,26/84, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 5-12-1984

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 782/84-85-मतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह से अधिक है

भौरजिसकी सं० जैसा ि फार्म नं० 37-जी में लिखा है। (भौर इससे उपापक अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्क्रा अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिन नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भन्नैल, 1984

को प्वोंक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, ए'से रूप्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तविक एस से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुन्तिधा की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविधा के निए:

चतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् ः— (1) श्री पी० राघव रेड्डी,
 10-2-292,
 मारेडपल्ली,
 सिकन्दराबाद ।

(ग्रस्तरक)

 (2) श्री बी० एम० फाइनेनसिएल एण्ड लीजिंग को०,
 1-2-54/4,
 गगनमहल,
 हैदराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रस् सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वधि, आं भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्ष्यीकरणः;--इसमें प्रयुक्त खट्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

मग्स्पी

सम्पत्ति रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 154/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, सिकन्वराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैवराबाद

तारी**ख ।** 5-12-1984 मोहर : प्ररूप बाईं, टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 788/84-85-मतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 546 है तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1984

को पूर्वेक्ति संस्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जेवह प्रतिकल से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निसिस्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरुण से हुइ किसी जाय की वावत्, अवद विश्वित्यम के वधीन कर दोने के बन्तरुक के दायित्व में कभी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

वतः, अर् , उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग को अनुसरण औं, वैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग की उपभादा (1) कुंअभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ट्र— (2) मैससं वाद् खाप बिल्डसं, 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रविदा सुलताना, 16-4-323, चंचलगुडा, सिकन्दराबाद ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत् सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति (द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उथता अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

मनुस्ची

म्राफिस नं० 546, रानीगंअ, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2247/84, रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, सिकन्दराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर विधिनयम्, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 263-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

स्त्रयांत्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हे दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 784 84-85--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्सें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय है जो रानी गंज सिकन्दराबाद नें स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन, तारीब ग्रजैल, 1984

को नुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती कि निर्वाश के बीच एम अन्तरण के लिए तथ पान गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी, जाव की बाबत, उक्क की भनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दारिश्च में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- ्(ख) ऐसी किसी जाय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनके प्रतिनायम, पर अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीर, निम्निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 नं० 5-4-86 से 92,
 रानीगंज,
 सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सी० एच० जयराम,
केयर ग्राफ : सी० एच०
यानादीसेट्टी ग्रीर को०,
ग्राफिस नं० 632,
छठवां फ्लोर,
5-4-86 से 92,
रानीगंज,
सिकन्दराबाद ।

(अन्तरिती)

(वहं व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कै 45 दिन की अविधि या, तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

अनुसूची

कार्यालय परिसर नं० 632, छठवां फ्लोर, 5-4-86 से 92 रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 349 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना '

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निंदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 785/84-85--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधील सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान है तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रप्रैल, 1984

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथांपूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरिदियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (वा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीत आर का कांधीनप्रमा, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या जन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसिन व्यक्तिकों, अर्थात् :—— (1) मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 नं० 5-4-86 से 92,
 रानीगंज,
 सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नसरात बानू, 8-2-624|ए०|बी०|1, रोड नं० 10, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तौमील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

दुकान नं० 36, ग्राउन्ड फ्लोर, 5-4-86 से 92, रानिगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 212 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2250/84, रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निशेक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1984

प्रकप. आई. टी. एन्. एस. -----

नायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के नभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 विसम्बर 1984

निदेश सं० ग्नार० ए० सी० नं० 786/84-85-म्ब्रतः मुझे, एमु० जगन मोहन

आयकर अधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० घर है तथा जो बंडीमेट, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्राप्रैस, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति जल के लिए अंसरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए: और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धाव्:--- (1) श्री पंचमवास ग्रौर ग्रन्थ, घर नं० 4049 मज्जनलाल स्ट्रीट, सिकन्दराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्री चम्प लाल पिता
 श्री राम लाल श्रीर श्रन्य,
 धर नं० 7-1-53 श्रीर 532,
 मूसाखान बाजार,
 सिकन्वराबाद ।

(धन्सरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए । कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दि दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भीरी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा; अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गुमा है।

वन्स्यो

घर नं ० 4063, (पुराना) नया 7-1-531 और 532 बंडीमेट, सिकन्दराबाद का पश्चिमी भाग, विस्तीर्ण 759 चौ ् फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 4/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सिकन्दराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैकराबाद

तारीख : 5—12—1984

मोहर

प्रकल् बार्चा टीज पुत्र प्रस्कृतसम्बन्धाः

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायका (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भार० ए० सी० नं० 787/84-85--भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी मं० श्राफिस है तथा जो कान्ना काम्पलैक्स, सिकन्दरा-बाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दरा-बाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख भन्नेल, 1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्ने यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रेकित सम्पत्ति का उचित्र वाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा क्षे सिष्; और/वा
- (वा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—14—396 GI/84

(1) मैसर्स काना एण्ड को०,
 वाई० एस० प्रभाकर रेड्डी,
 नं० 2-2-132 से 139,
 एम० जी० रोड,
 सिकन्दराबाद ।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती खटून बाई बी० नं० 2~3~61, रामगोपाल पेट, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपरित के कर्णन संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया

मन्स्ची

कार्यालाय का परिसर नं० 132, काक्रा कम्पलैक्स, 2-2-132 से 139, एम० जी० रोज!, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 409 चौ० फीट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 170/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, सिकन्दराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीझण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्रकृत नार्ष्य द्वी सन् त्या , ज्यार स्वरूप स्वरूप

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अभीन सुचना

ब्राइट इंडकाड

कार्यात्य, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, विनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 788/84-85-भ्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय है तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से काम के सर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहस्मान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल कर पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिजियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय जाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और्/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विषा के निए;

अत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) मैससं बाब्**खा**न बिल्डसं, नं० 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराखाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती हसनारा बेगम पति
 श्री मोहम्मद इदरीश,
 12-2-43,
 मुरादनगर,
 हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पृद्धा तत सम्पृत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काहि भी बाह्मेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 विन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्रविकत व्यक्तियां में से किमी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिननद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के तस लिखित में किए जा सकोंगे।

हमब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

कार्यालय परिसर नंo 544, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीणं 266 चौo फीट, रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन् रेंज, हैदराबाद

तारीब : 5-12-1984

प्रक्ष बार्डं. टी., एव., एवं. : प्राप्त

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

ब्रास्ट सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, हैंदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० धार० ए० सी० नं० 789/84-85--ध्रतः मझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो रानीगंज, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भ्रप्रैल, 1984

को पूर्णीकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिक ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित साजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का बन्दाह, प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नतिथित उद्देश्य से उक्त व्लाइण निश्विक कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिपियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; बौट/पा
- (क) एसी किसी बाब या किसी थव या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) मैंसर्स बाब्खान बिल्डर्स, 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बादर बातू, 702, मोगल श्रपार्टमेंट्स, दक्कन टावर्स, बसीर बाग, हैसराबाद ।

(मन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वा कत सपरितः के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी अयिक्तयां पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि क्षांत्र में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा व्याहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए का सुकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों शीर पदौ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित् इ⁴, अही सूर्थ होगा, जो उस स्ध्याय में दिया गया है।

नन्त्रजी

दुकान नं० 33, ग्राउन्ष्ठ फ्लोर, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीण 212 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2249/84, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद 1

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

भतः वयः, धक्त नीयीनयमं की पारा 269-यं की वयुक्रम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-यं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :---

सारीख: 5-12-1984

मोहरः

प्ररूप भाई. टी. एन. एस . ------

बायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 विसम्बर 1984

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 790/84-85--- मतः मुमे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो थीकाटा विलेज, सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रप्रैस, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार म्ल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्यंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च अन्तरण लिखित में बास्तियक क्या से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिसीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायिक्य में कमीं करने या उससे बचने में सुविधा को किए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में मुजिया के लिए;

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण तों, कीं, जबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)' के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जधीन हिन्नलिखित व्यक्तियों, जधीन हिन्नलिखित

 श्री जी० कृष्णा एस० पी० भ्रो०, जी० विट्ठल भीर भ्रन्य,
 1-11-77,
 चिम्ना थोकाटा,
 सिकन्दराबाद ।

(भन्तरक)

(2) दि संजीवैय को० श्रापरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लि०, मं० 130, जयन्ती श्रपार्टमेंट्स, बेगमपेट, -सिकन्बराबाद!

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वस्वकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

भूमि एस० नं० 70, 72, 73 भीर 74, थोकाटा विलेज, बोवेनपल्ली, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 2420 चौ० फीट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 964/84, रिजस्ट्रंकर्ता मधिकारी, मारेखपल्ली।

एम० अगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंख, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप आहें, टी. एन. एस. - - - --

नायकर निधनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैवराबाब, विनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भ्रार० ए० सी० नं० 791/84-85-मातः मुझे, एम० जगन मोहन

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० घर है तथा जो सुलतान बाजार, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीरइससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-करणग्रथिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख भर्पन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और कुफे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) वंतरण से हुई किसी बाय की वावस्, स्वष्ट अधिनियम के अधीन कर बोने को वंतरक को वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया काना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ, में. उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निस्निसित व्यक्तिकों, अधित् हु--- (1) श्रीमती राधव देसाई पति श्री वेंकटरामा रेड्डी, ग्रमीरपेट, हैदराबाद।

(भन्तरक)

. (2) श्रीमती मदन बाई पति लेट श्री बोधराज जैन, 6-8-828, द्ममीरपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- [(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-4-350 से 385, सुलतान बाजार, हैदराबाद, विस्तीर्ण 220 चौ० गज, भूमि श्रौर 1300 चौ० फीट, पसंथ एरिया, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 2358/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, हैवराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1984

प्रकृष् भार्षं . टी . एन . एस . -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीत सुचना

मारत तरकार

कार्यासय, सहायक गायकर भायकत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 792/84-85--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मलगी० अबिङ्स है, जो हैदराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 4/84

को प्योंकत सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एपे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे मुख्ने में सूचिभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुन्धा के निए;

श्रीमती महबूल बेगम,
 21-3-275,
 देवडीग्रालम श्रतिखान,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जे० प्रनंता लक्ष्मी पति जे० दामोदर राव, 680 कट्टलमंडी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुकता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **वर्षत के तिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिंख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति दुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित भी किये जा सकेंगी।

स्मध्दीकरण: - उपमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गुवा है।

भनुसची

मल्गी 0 नं 0 4-1-836, विस्तीर्ण 0 ची 0 गज, भूमि ग्रीर 0 वी 0 पुट, भी य एरिया, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 0 00/84. रजिस्ट्रीकृती श्रधिकारी हैदराबाद 0

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, हैदराबाव

अतु: स्रथा, उदत अधिनियम की धारा 269-म के अमूसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

लारीख: 5-12-1984

मोहर ह

प्रस्य बार्ड. टी. एन. एस.-

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिंसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० न० 793/84-85---यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० घर है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4/84

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कैलिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्यूने में सृविधा के लिए; बाँड/बा
- (क्रा) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हां अधिनियम, या उन्हां अधिनियम, या उन्हां अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गग्ना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्रीमती बि० ग्रली वेलू

 श्रीर ग्रन्य,
 जी० पी० य०,
 श्री बी० चंद्रा सेखररेड्डी,
 8-2-467/4,
 रोड़ नं० 5,
 बंजारा हिल्स,
 हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

. 2. श्री शामसुन्दर राव, 6–3–676/ए/1, पंजागुट्टा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

_ . .

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवृाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप --

- (क) इस स्वनी के राजपण में प्रकाशन की तरण 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों का सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आ भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाबन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पान माहिल बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकरो।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुबा हु।

अनुसूची

घर संपत्ति नं० 8-2-686/13/सी/6/2, बंजारा हिल्स हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2042/84, र्रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्ररूप बार्षः, दी, एन, एस, -----

माय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरोक्षण)

म्रजन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० धार० ये० सी० नं० 794/84-85-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके σ अधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर संपति, जिसका उजित बाजार मृस्य 25.000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० घर है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्स्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यानय, हैदराबाद में भारतीय रिजर्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4/84

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगरों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण कि खित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जास की बाबर, उज्जा जिभिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में कृषिया के सिए; जोड़/बा
- (क) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रियाने में स्विधा की सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह श्रीमती बि० प्रलीवेलू प्रौर भ्रन्य, 8-2-467/4, रोड़ नं० 5, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(भन्तरक)

डॉ॰ यल॰ राषवय्या पिता कोट्टया,
 6-3-676/ए/1,
 पंजागृंट्टा
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई जाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कि अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पात सिखित में किए जा सकनि।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गमा हैं।

वन्त्रज्

धर तं 8-2-686/13/सी/6/1, रोड़ नं 12, बंजारा िंस्स, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं 2343/84. रजिस्ट्रीकिर्ता प्रशिकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 5-12-1984

भक्त बाइं.टी. स्त्. एत .-----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैसराबाद

हैयराबाव, विनांक 5 विसम्बर 1984

निवेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 795/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-स से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० घर है, जो सईवाबाद, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद शृतुस्ची में श्रीर पूण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के लय, हैद्धराबाद में भारतीय रजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 (1908 का 16 धीन तारीख 4/84

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रामान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रामान प्रतिकल से, एसे श्रामान प्रतिकल का पन्सह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया पया प्रतिकत्त, निम्निलिश्वत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिक रूप से क्षित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रम के अभीन कर दोने के जन्तरण को दासित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा भी सिए; सौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्ना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1657 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में दिविधा के लिए:

मतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसुरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन. निम्नसिखित व्यक्तियों. अधीत् :--- श्री मोहमूद जंग, ग्रा६० वन०-ई०, बंगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मंजूर फातीमा ग्रसफीया, 16-1-890/1,
 श्रमीन कालोनी, सईवाबाद,
 हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह तुमना चारी करके पृशाँकत सम्मरित को अर्थन को सिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के भवन में सम्बन्ध में कोई भी बाह्येप #--

- (क) इत स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थें
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्कत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और वसों का, वा अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्त्यी

घर नं० 16-1-23/1, फराह इस्टेट, हैदरा-बाद, विस्तीणं 346-6 चौ० गज, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी-हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2093/841

> एम० जगन भोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्रसम्ब बार्ड. टी. एन, एस.-----

भारा किपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (!) के अधीन सुचन।

मारत संस्कार

कार्यांसय, सहायक वायकार वाय्वत (विशोधक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1989

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 796/84-85--यतः मुक्षे, एम० जगन मोहन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य . 25,000/- रंड. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारीके कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तांरीख 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इक्कान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विक्थाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार बृह्म, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एमे इक्षमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरिक्षण) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित अवुदेश्य से उक्स अंतरण जिल्लिक में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा उक्त वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-कर डॉधनियम, 1922 (1922 का 11) या जुन्तों अधिनियम, या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्षेरिती दवारा धकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए

अतः वज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्क में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स विरगो कन्सट्रक्शनस, बाई श्री बीठ एन० रेड्डी, बजारा हिल्म, हैदराबाद।

(ग्रग्नरक)

2. श्रीमती ए० ग्रालूरी,
पति एस० ग्रार० ए० ग्राल्री,
पतैट न० 27,
ब्लाक ए०,
पंजागुट्टा,
हैदराबाद,
(विरगो काम्पलैक्ष्म)

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी जाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब ते 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्रिंस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण :— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्यूचो

पनैट नं० 27, बनाक ए०, पंजागुट्टा, हैदराबाद विस्तीर्ण 558 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 1986/84, रजिस्ट्री-कर्जा श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन स्रक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरीकाग) ग्रजैन रेंज, हैदराबा

त(रीख: | 5-12-1984

प्रस्प माई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारंख सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1983

निदेश सं अगर ये सी नं 797/84-85-यत: मुझे, एम जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्रका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सुं० पलैंट है, जो पंजागुंट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याल है हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मारीख 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उच्चदेश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

 मेसर्स विरगो कन्स्ट्रक्शन्स, बाई श्री बी० एन० रेड्डी, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती एम० चारुमती, श्राइसी०, 234, येरामशील कालोनी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धन् सूची

फ्लैट नं० 31, ब्लाक ई० विरमो काम्पलैक्स, पंजागुंट्टा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 376 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1987/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जग० मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाध

वत: अव, उक्त क्ष्मिमिक्स की भारा 269-ग के बन्सरण कों, भीं, उक्त अधिकिक्स की भारा 269-ग की उपभारा (1) की अभीन, निकालिकिक क्ष्मिलायों, अभीत् हि—

तारीख: 5-12-1984

जक्त नाइ टी.एन.एत. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न्न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदंश सं० ग्रार० ये० सी०नं० 798/84-85:-यतः मुझे, एम० ग्रार० जगनमोहन

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समित्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० प्लैट है, जो सोमाजीगुडा, हैदराबाद में स्थित है (ष्मौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजात है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/84

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह बिरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त जीभीनयम के जभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (प) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्स,रण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तिरार्ग, अधीत् ः—

 श्री हाँसीराम होटबंद, फेरी लेक, श्रपार्टमेंट्स, सोमाजीगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती फौजिया सुलताना, फ्लैंट नं० 3 ए०,

 फेरी लेक श्रपार्टमेंट्स, सोमाजीगृङा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विसब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाँ का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्यो

फ्लैट फेरी लेक श्रपार्टमेंट्स, सोमाजीगूडा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2378/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एतम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5—12—19**84**

ंत्ररूप नार्चा टी एन . एस[.].-----

भारत अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निवेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 799/84-845--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आगकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परजात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो राजभवन रोड़, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है). रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/84

को पूर्नोंग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार यूस्य, उसके इष्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वाबित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री ह्यारीराम होटचंद सखदेव, फेरी लेक प्रपार्टमेंट्स, राज भवन रोड़, सोमाजीगुडा, हैदराबाद।

(ब्रन्सरक)

 श्रीमती शारदा नाइक, फुरीलेक ग्रपार्टमेंट्स, जराजभवन रोड़, सोमाजीगूडा, हैवराबाद।

(भन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्मध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

नगत्तवी

फ्लैट ग्राउंड फ्लोर, फुरी लेक श्रपार्टमेंट्स, राजभवन रोड़, हैदराबाद, विस्सीणें 1400 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2356/84, रजिस्ट्रीकर्ता धिधकारी, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन
. सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारीखः: 5-12-1984

प्रकृष बाह्यं न टी. प्रवृत्त प्रवृत्त -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत वस्याह

कार्यालस, सहायक आयकर आयुक्त (निद्रीक्षण) श्रर्जन रेज, हैक्टराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 विसम्बर 1984

निदेश सं० म्रार० ये० सी० नं० 800/84-85--यशः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 'धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार अस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट है, जो पंजागुट्टा, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिति गों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी आय की वावत, उक्त निमित्तम्य के नृपीम् क्र्र देने के अन्तरक के वावित्त में कमी करमें वा उच्चे मचने में तृष्टिभा के लिए; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सूनिया के लिए;

अतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिकित व्यक्तियों, सुभात् हु— श्रीमती ए० विजया लक्ष्मी,
फ्लैट नं० 58,
पंजागृट्टा,
हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती पी० पद्मश्री,
पलैट नं० 58,
पंजागुट्टा,
हैवराबाद,
कोशिकाएं श्रपार्टमेंट्स,
पंजागुट्टा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संस्पत्ति को वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेवित व्यक्तियों में में किया व्यक्ति इवादा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकर्ण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का को उन्नत् वीधनियम के सभ्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं नर्थ होगा को उस नभ्याय में दिया नथा है।

वनसर्वा

फ्लैट नं० 58, ब्लाक इ०, कांती शिकारा श्रपार्टमेंट्स, पंजागूट्टा, हैवराबाद, विस्तीर्ण 600 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2118/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोंज, हैदराबाद

ना**रीख**: 5-12-1984

प्ररूप बार्द टी. एन. एस.-----

नायकर मोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाग 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत बरकार

भागलिय सहायक जागकर जागुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 801/84-85— यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वल्लभनगर, में

भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4/84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृन्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, जिम्मिलिबत उद्देश्य से उद्देश अन्तरण विश्वित हो सास्त्रिक स्प से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी बाब की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कश्वे वा उससे वज्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (भा) एसी किसी जास या किसी धन या अन्य बास्तियाँ कां, जिल्हों भारतीय जाय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिल्हों भारतीय जाय-अर अधिनियम, या भाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्ला या आ या जिल्ला जाना चाहिये था, छिपाने में वृतिधा के लिए;

अतः अयः, उवतः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिधित स्पिकतार्थे संधितः श्रीमती शामला प्रवोल्फ,
 श्री गेखर श्रदोल्फ,
 6-3-907/5,
 सोमाजीगृडा,
 हैदराबाद, श्रीर
 मेसर्स मामन कल्स्ट्रक्णत्म, प्रा० लि०,
 ए०-102,
 मत्या श्रपार्टमेंट्स,
 हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

श्रीमती विजया लक्ष्मी मनी,
पति एम० वी० एस० मनी,
फ्लैंट नं० 16,
नथडीस्ट कालोनी,
बेगमपेट,
हैवराबाद।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना गरी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्सप :---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशक की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तरों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अयि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्षं 45 दिन के भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में द्वितनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धत में किए वा सकरेंगे।

स्पस्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त वक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया पना

वन्स्यी

पलैट नं० 16, तीसरा मजला, मेथजीस्ट कालोनी, बेगम-पेट, हैदराबाद, त्रिस्तीर्ण 1140 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 1085/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी वस्लभनगर।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 5-12-1984

प्ररूपः जार्दः दीः एन . एसः . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर काय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 5 विसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 802/84-85---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

श्रीय जिसकी सं० पेंट हाउस, है, जो पंजागुट्टा, हैदरानाद में स्थित है (श्रीय इससे उपाबद्ध झनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदरावाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 4/84

को पूर्वोम्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रस् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितीं) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिमित में वास्तविक स्प से किंगत नहीं किया गमा है र—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, सक्त विधिनियंग के अभीन कर दोने के जन्तरक के खबित्व में कमी करने या उससे बचने सें सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी बाय या किसी भन या बन्य जास्तिओं को जिन्हों भारतीय जायकर जीजनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अजिनियम, या अन-कर अजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में मृजिधा के जिए;

कतः कव. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगों. अर्थात् :--- मेसर्स विरमो कन्स्ट्रम्यान्स, बाई श्री बी० एन० रेड्डी, यंजारा हिस्स, हैदराबाध।

(भन्तरक)

श्री जी० के० पी० रेड्डी,
फस्टं लेन,
फूस्ट हाउस,
णामलानगर,
गुट्र।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वीक्य सम्पत्ति के वर्षन के निष्

उक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाधरेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तप्ति सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए का सकोंगे।

स्यक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पर्यों का, वो उक्क विधीनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

मन्स्यी

पेंट हाउस, नं० 4, ग्रुप नं० 1. विरयो काम्पलैक्स, पंजागूंट्रा, हैदराबाद, रस्ट्रीकृत विलेख नं० 1984/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 5-12-1984

प्रकृष बाह्य . टी , एन , एस ,- - = ---

बायकर वृधितिसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के व्योग स्वृता

भारत बहुबाड

कार्यांस्य, सहायक बायकर नायुक्त (निर्देशका)

भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1084

निदेश सं० आर० ए० सी० नें० 803/84-85:-यतः मुझे, एभ० अगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बेगमपेट, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बल्लभनगर, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रशैल, 1984

करें पूर्वोक्त सम्पृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास के देवह प्रतिकास में अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास निम्निसिक्त उद्वेषय से उचित अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया नया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, बक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने थें पविभा के सिए; बॉर/या
- (क) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया पा किया जाना शिष्ण था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः जब उभा किथिनियम की भारा 269-ग की जनसर्ज मो, मी, असत अधिनियम की भारा 269-**न की उपभारा (1)** अधीन, निम्नविकित व्यक्तियों, **जर्भात् :—** 16—396 GI/84 (1) श्री निवासा बिल्डिंगस्, प्रा ० लि०, वाई एम० डी० श्री श्रीनिवासूलू रेड्डी, रामचन्द्रा मिशन रोड़, हैदराबाद, 1-2~593/4/ए०।

(अन्तरक)

 (2) श्रीमती श्रन्नपूरना शरमा, पत्रैट नं० 203, श्रीनिवासा टावर्स, 6-3-1187, बेगमपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकशन की तारों से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबीवत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा
- (ज) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्लैंट नं० 203, दूसरा मंजला, श्रीनिवासा टावर्स, बेगमपेट, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1700 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1097/84, रजिस्ट्रीकृती स्रधिकारी वल्लभनगर ।

> एम० जगन मोहनः मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर आगुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-12-1984.

ब्रह्म बार्ड, टी. एन्. एस्.-----

आयकार अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्याल्य, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)

धर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० भारू ए० सी० नं० 804/84-85:-यत: मुझ, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसको परवात 'खबस' निर्मानयम' कहा गया है), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का **कारण है कि** स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार म्स्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो जेकपेट, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख ग्राप्रैल, 1984

को पूर्वक्ति सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह हतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देक्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (ति) बन्तरूप से हुए किती माम की नामत, उपल विभिन्नियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा **जै सिए; जीर/**या
- (का) ए'सी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तिकी को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त अधिनियम, या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) स्रे प्रसोधनार्थ अन्त्रीरती धुवारा प्रसट नहीं सिया गया था या किया जाना चाहिए भा, क्रियाने में सुविधा के लिए:

अतः। अस, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियय की धारा 269-घ की उपधारा (1) क्रे अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री नवाव कासीम नवावजंग वहादर, श्रिवियास श्रिक्षीपाशाः उस्मान काटेज. मीर चौक, हैवराबाद ।

(भन्तरक)

(2) डा० श्रीमति तहसीन ग्रहमद 10-3-3/ए°, मेहदीपदनम, हैदराबाद-28.

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पृथालित संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां क दता है।

अक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाकंप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 रिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की शामीए से 30 दिन की अवधि, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींकर श्याक्तफा में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में अप्र जा सकेंगे।

ल्यव्यीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिंगियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

वन्स्ची

प्लाट विस्तीर्ण 978 चौं । गज, शेकपेट, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 2223/84, रजिस्टीकर्ता श्रिधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहनः ं सक्षम ग्रधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रदराबाद।

तारीख: 5-12-1984.

प्ररूप बाइं., टी., एम: एक: ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सृभ्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० स्रार० ए० सी० तं० 805/84-85:-यतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

अप्रसंदर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राविकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीय जिसकी सं ० प्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिबक स्थ से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त, उक्त अधिनियुत्र के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्न अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ सन्तियों भूवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, खिपाने में स्विधा के लिए:

अहा का उन्स अधिनियम की भारा 269-म की अनुमरण भा, मी उन्स अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) की अधीन निम्नीतिमिन व्यक्तियमें, अभीम १—— (1) श्री एन० श्रीनिवासा,3-6-769,हिमायतनगर,हैदराबाद।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती एम० सुचिता रेड्डी श्रौर श्रन्य, पलाट नं० 24, श्रान्ध्रा बैक कालनी, मलकपेट, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗝

- (क) इस स्कृत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वास;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वधाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक है, बही क्यें होगा जो उस अध्याय में विया भ्या है।

सनस्य

फ्लाट, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, विस्तर्ण 1190 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2888/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रैंज हैदराबाद ।

तारीख: 5-12-1984.

प्ररूप बाई.टी.एन.एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० ग्रार० ए० सी० नं० 806/84-85:-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 अ को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद से स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रग्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में गन्दिक स्प भी किया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिल्ले भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्निजिस्ति स्विक्तियों, अथित् के स्व (1) श्री जी० सती रेड्डी, 3-6-768, स्ट्रीट नं० 13, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मसरतूनिसा बेगम, 702, मोगल श्रपार्टमेंटस, डेक्कम टावर्स, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्घ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंसे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

प्लाट नं० 6 श्रौर 7, रोड़ नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद विस्तर्ण 598 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2224, श्रौर 2292/84, रजिस्ट्रीकृती ग्रधिकारी, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5—12—1984. सोहर :

मोहर 🖫

प्रकर्ण, आहूँ, टी. एन्. एक. -----

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिलम्बर 1984

निदेण सं० श्रार० ए० सी० नं० 807/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्ने परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जियक, सं० फ्लैट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप में बागत है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीश्रकारा के कार्यालय, खैरताबाद, में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन, तार्राख श्रश्रैन, 1984

की पृथीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ट्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फ यह मिश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्योतित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके उथ्यमान प्रतिफल सं, एस उथ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षति सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जिल्ला नियम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीड्/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए।

सतः अव, उस्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसर्क मं, मं, उस्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) श्रोधालालीखाजा मैनेजिंगपार्टनरबंजारा कन्स्ट्रक्शनस, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(म्रन्तरक)

(2) श्री रमेश राव पिता श्री पो० ए० राव, पर्लंट नं० 5, बंजारा कैस्टरुस, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी बन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमं प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रुकी

पलैट नं० 5, बंजारा केस्टल्स, रोड़ 12, बंजारा हिल्स, हैवराबाद, विस्तीणं 1174 चौ० फुट, राजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 871/84, राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरोक्षण), श्रजन रैंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-12-1984

प्रकृष है। ई.टी. एवं, एकं, --- ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अभीत सुबना

TIME TO SELECT

कार्यां नय.. सहायक , आमकर आमुक्त (निरीक्क)

श्रर्जन रैंज, हैसराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं श्राप्र ए० सी० नं० 808/84-85:---थतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर सिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम ग्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/क. से अधिक है

श्रीर जिसको तं ० फ्लैट है, जो बंजारा गार्डन्स, हैदराबाद में निश्वत है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूबो में श्रीर पूर्ण रूप से विणक्ष है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिवकारों के कार्यालय, खैरताबाद, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिविनियम, 1908 (1909 का 16) के श्रधीन तारीख श्रवैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के रहयमान अतिफल के लिए अन्धर्य एक गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्चेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल भे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरित्या) के नीच एसे अन्यरण के लिए सम पाम मया प्रतिक कम, निम्नोलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभारत से हुई किसी बाय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कहा दोने के बन्धरक के बानित्व में कभी करने या उससे बजने में सुनिधा के सिए; बॉर/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (१९०८) से ११) था इन्हें जोर्जिनसम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्दर्श ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भ, या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुनिश्म के खिए;

भतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरम मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री श्रालो खाजा, मैसर्स बंजारा कन्स्ट्रम्शनस को०, रोड़ नं० 12, बंजारा हिस्स, हैदराबाद ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री बाबा अरफूदीन, ग्राऊंड फ्लोर, बंजारा गाढंन्स, रोड नं० 12, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिता)

का यह सूचना आधी करके पूर्वाक्त सम्परित कं मूर्चन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उपत सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई श्री शाक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स क्यों के संक्रिसी क्योंबत बुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्मरित में ज़ितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्की

फ्लैंट ग्राउंड फ्लोर, बंजारा गार्डन्स, रोड़ नं० 12, बंजारा हिल्स, हैंदराबाद, विस्तोर्ण 910 चौ० फुट, रजिस्ट्रोक्कम बिलेख नं० 870/84, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारो, खैरताबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम श्रविकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरोक्षण) श्रवीन रैंज, हैदराबाद

सारीख: 5-12-1984.

प्ररूप आइं , टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निवेण सं० म्रार० ४० सी० नं० 809/84-85:--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्णा अधिकारों के कार्यालय, खेरनाबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रिरैल, 1984

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क्षेत्रिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) के समीत, निम्निलिक्सि व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री म्रालं खाजा भैगर्स बंजारा कन्स्ट्रवशन को०, बंजारा केस्टल, रोइ नं० 12, बंजारा हिल्स, हैपराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती भ्राईसीया एस० खान, फ्लैंट नं० ए-2, माऊंट बंजारा रोड़ नं० 12, जारा हिल्म, हैदराबाद।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रीप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो औ अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ववारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्सूची

फ्लैंट ए-2, माऊंट बंजारा रोड़ तं । 12. बंजारा हिल्म हैदराबाद, विस्तोर्ण 625 चौ० फुट, रजिस्ट्रोक्कत विलेख नं ० 910/84, रजिस्ट्रोकर्ता प्रधिकारा, खेरताबाद ।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्तर श्रापुक्त, (निरोक्षण), प्रार्जन रज, हैदराबाद ।

तारीख: 5-12-1984.

मोहर 🖫

प्रकृष बाइं० टी० एस० एस०

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 19854

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 810/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें शमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं विष्ठ है, जो रोड़ नं विष्ठ नं विल्स, हैदराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्नमुस्त्री में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख सर्प्रेल, 1984

को पुनोकित समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान रिक्षिक को लिए अंतरित को गई है और मुभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योजित रांपित का उचित वाजार मूल्य उसके क्ष्यमाम प्रतिफाल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकास से मिथक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया ध्या प्रतिकान, निम्मनिधित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरथ से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही धारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निज्ञा गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्

बतः अव, उनत मिनियम की भारा 269-ण के नमृतरण में, में, उनते अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्नितिविद्य स्थितियों, अर्थाद् :--- (1) श्री मोहमद बदरूहीन एवं अन्य डी० नं० 12-2-837/3 ग्रमीफनगर, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डी० देवी श्रग्नवाल पति श्रीपी० डी० श्रग्नवाल, डी० नं० 8-2-326/4/1, रोड नं० 3, बंजारा हिल्म, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति द्वारा:
- (सं) इस स्पन्न के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 4.5 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितसद्ध किस् अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास सिक्षित में क्रिए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

घर नं० 8-2-645/586, विस्तोर्ण 1167 चौ० गज, रोड़ नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 998/84, राजिस्ट्रीकृति प्रधिकारी, खैरताबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरोक्षण), अर्जन रैंज, हैदराबाद ।

तारोख: 5-12-1984.

मोहरयः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा. 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक बायकर बायक्क (निरक्षिण) . अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आ२० ए० सी० नं० 811/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं पनैट है, जो गौलीगुड़ा हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपायड़ अनुसूची में और पूणं रूप से विणित है), रिजस्ड्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीलरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूले यह विकास करने का आरण है कि यथाप्वेक्ति सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्ष्य से कियत नहीं किया गया है:----

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त वीधीनयम के अधीन कर दोने में जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आगफर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-एवं अधिनियण, १०६७ (1950 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 (1) श्री जी० के० नाइम पिता श्री श्री कृष्णजी नाइक छी० नं० 3-6-4369/ए/16, स्ट्रीट नं० 1, होमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरकः)

(2) श्री शामसुन्दर लखोटिया, पलैट नं० ए० एम० सी० एच० नं० 4-8-769, गौलीगूडा, हैदराबाद।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हिन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पजैट नं० ए०, डी० नं० 4-8-769, गौलीगुडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 686 ची० फुट, रजिस्ट्रोकृत् विलेख नं० 1991/84. रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयमर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैक्साबाद ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तापोख: 5-12-1984.

मोहर:

17-396 GI/84

प्रकल काइ . टी. एन. एत. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) को अधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाट, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निदश सं अपर गृ० मी० नं ० 812/84-85:---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संव प्लाट है, जो करुनूल, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाब अनुसूर्चा से और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रां कि अधिकारी के वार्यालय, सरनूल, में भारतीय रिजस्ट्रां करण अधिनियम इ 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4 अप्रैल, 1984

प्रतिकात के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित शाकार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तरिक रूप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्हों दखने में सुविभा के लिए; औड़/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1920 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विधा औं सिष्ट किया

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) \$ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात :--- (1) सैसर्स एम० जं१० ब्रन्स, बाई क्षी एम० देवेन्द्रा, पिना क्षी शिवनना, श्रीनिवासा नगर, वारनूल।

(अन्तरङ्ग)

(2) श्रो एम॰ पी० सोमन्ता पिता श्री एम॰ फकीरन्ता, रीव्हरविव कालनी, सरन्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करना हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरूप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ता) इस भूजना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख रे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिततक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण: --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

घर, रीव्हर विल कालनी, करुनूल, प्लाट नं० 1, विस्तीर्ण 826 ची० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 4/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सरनूल।

एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 10-12-1984.

प्ररूप आर्थः टी. एन्. एसः------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिसांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 813/84-85:---यस: मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख के नधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रु. से नधिक है

और जिसकी सं दुकान है, जो पुरालबावली हैदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूचन में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद मैं रिजस्ट्रोक्सी अधिनियम, 1908 (1908 वर्ण 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास् करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उमक दश्यमान प्रतिकाल स, एस दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-कल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिकक नेप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त प्रीध-रिज्यम के अभीन कर दीने के जन्तरफ के दायित्व में कुमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिये; शैर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना चाहिए था, छिणाने में सूबिधा हो लिए;

क्तः क्षभ, उक्त विधिनियम, की धारा 269-म के वनुकरण में, में,, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैं भाग्यनगर बन्सद्रक्णनस, प्रा० लि०, पुनलीशायला, हैदरासाद।

(अन्दरती)

(1) श्रीभती उयोजी रानी चेला पित डा० समदीसकुमार, दुकान नं० 49, घर नं० 5−1−908, पुसलीखाबली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख राजपत्र स्थावर सम्पत्ति में हितबस्य किसी अन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पाल लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

अमृत्ज्

्र वुकान मं० 49, घर मं० 5--1-908, पुतलो बावली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 165 ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख मं० 2286/84, रिजस्ट्रीकृति अधिकारी, हैदराबाद।

> एम० जगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायय आयक्द आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 10−12−1984

ः **अक्य नाह**्य टी_न एन*्* पुस*ू अन्तर*न

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

शार्व बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांना 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 814/84/85:—-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं उद्देशन है, जो पुतलीबावली हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैन, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल को पत्य प्रतिफल का पत्रिक का अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निषित में कारनिक रूप से किथन नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण वे हुई फिसी बाव की बावत्, उक्त विधितियम के बधीन कर बेने के बन्दरक के दावित्य में कभी करने वा इससे वचने में सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औं जिन्हों

अतः अयः, उक्त अधिनियमः, की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हः— (1) भाग्यनगर शन्स्ट्रवशनस प्रा० लि०, पुतलीभावलो, हैदराबाद।

(अन्सरक)

(2) श्री एन० तोतम्या और आर० झांसी लक्ष्मी, दुकान नं० 48, घर नं० 5-1-908, पुतली बावली, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जन्म सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी ज्विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कनी।

स्पर्धाकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जा उनत नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

ननसची

दुकान नं० 48, घर नं० 5-1-908, पुतली बाबली, हैदराबाद विस्तीर्ण 160 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2287/84, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेंज, हैकराबाद ।

तारीख: 10-12-1984.

प्रकृत आहु" . ही . एम . एस . नवणनवानवानमा

कायकड अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुजना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक भागकार भागूकत (निराक्षण)

मर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० मार० ए० सी० नं० 815/84-85:-यतः मुझे, एम० जगन्धुमोहन,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्स अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० दुकान है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख स्रप्रैल, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मा निम्निसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण मिनिस्तु में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण से हुई किसी बाय की वावतः, उन्नतः विधिनियम को वधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा । चे चित्रः, बोर्ट/वा
- (क) एसी किसी वाव या किसी धन या वन्य वास्तियाँ की, विक्हें भारतीय वाब-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धनु-कर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए या, कियाने में इतिथा के प्रयोजना के किया

नतः जय, उन्त निमिनियम की भारा 269-ग ने नमुसरण् में, में, उन्त निमिन्सम की भारा 269-य की उपभारा (1) के नभीन निम्मिन्सित व्यक्तियों, जयति हे— (2) श्री तीक्ष्मला कन्स्ट्रम्मान को०,
 डी० 3-6-20,
 हीमायतनगर,
 हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती एस० गीता रेड्डी, 3-6--467/1, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को कह कुष्णा आही करको पृत्रा के स्वाप्त के वर्षन के जिल्ला कार्यगाहिया करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्ये :--

- (क) इन्ह सूचना के प्रावपक में प्रकाशन की वारीय से 45 विन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से विक्रती क्योंकत इवादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-ब्र्थ किसी बन्ध व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

दुकान नं० 1 ग्रौर 2, घर नं० 3-6-20, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 648 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2053/84, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 10-12-1984.

प्ररूप आहें. टी, एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (निर्विक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 816/84-85:-यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० दुकान है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख अभैल, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिधात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित्ती (अन्तरित्तियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुइ किसी आय की वाधत, उनक विधिन्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कानी कारने वा बहुते देखने में बुविधा के लिए; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्भात् :--- (1) मैंसर्स तीहमला कन्स्ट्रक्शनन को०, डी० नं० 3-6-20, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) कुमारी श्राभा भटनागर पिता श्री सी० एल० भटनागर, डी० नं० 1-2-8/8, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के हिंगूए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पष्यक्षिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

दुकान नं० 8, घर नं० 3-6-20, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तार्ण 255 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1991/84; रिजस्ट्रीकृतां स्रिधकारी हैदराबाद ।

्षमः जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोंज, हैदराबाद ।

तारीख : 10—12—1984. गोरप

मोहर 🗓

प्ररूप आई.टी:एन.एम.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेण सं० ग्रार० ए० सी० नं० 817/84~85:-यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

श्रायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उन्धित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट है, जो हीभायतनगर, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख श्रील, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल सो, एसे श्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अन्तिकक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइं किसी शाय की बाबत, अक्स बीधनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बीयत्व में कमी करने या उत्तरे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्यत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स सारदा कन्स्ट्रक्शनस प्रा० लि०, 3-6-200, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मसूदा भुल्तान पति नयीमुद्दीन ब्रह्मद फारुकी, डी० नं० 12-2-330/बी/2, मेहदीपट्नम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरा के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

फ्लैट, घर नं० 3-6-200, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्थ 1018 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2424/84, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन. सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 10-12-1984.

प्ररूप आर्ड.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० म्रार० ए० सी० नं० 818/84-85:--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम ग्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

धीर जिसकी सं० फ्लैट है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद में स्थित है, (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन तारीख श्रील, 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्बद्धाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिवित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधिन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मैसर्स सारदा कन्स्ट्रकशनस प्रा० लि०, 3-6-200, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री ताजुद्दीन मदानी कालेज, मुरादनगर, मेहदीपट्टमम्, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप "--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्वीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

भनसूची

फ्लैट, घर नं० 3-6-200, हीमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1153 चौ. फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2423/84, रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी, हैदराबाद ।

> एम० जगत मोहन, **सक्षम प्राधिका**री सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, हैवराबाद ।

तारीख: 10-12-186

मोहर 🗧

प्रकल कार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैवराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेण सं० आर० ए० मी० नं० 819/84-85:—यत: मुझे एम० जगन मोहन

बायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसकां उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से शिक्ष हैं

भीर जिसको सं० भूमि है जो वारकतपुरा हैदराबाद में स्थित है यस: मुझे एम० जगन मोहन

स्त्रीर जिसकी सं० भूमि है जो बारकतपुरा हैदराकाद में स्थित है (स्त्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में स्त्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीवक्ड पल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूब्स, ससके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बल्द्रह प्रतिस्ति से विधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बल्टरण के लिए तम पाना गया प्रति-क्त विक्शितिक्त स्वृद्धिय से उच्य बंतरण सिवित में बास्स्विक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) कम्बरण सं शुद्ध किसी जाव का बावत समस् विभि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी कारने या उपसे वचने में सृषिधा के लिए बीडि/मा
- (क) इसी विकसी जाव या फिसी भन वा लम्स जारित्यं की की, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उनतं वृधिनियन, या धनकर अधिनियन, या धनकर अधिनियन, 1957 (1957 का 27) की प्रयोखनार्थ जन्सीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा से सिक्;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जी ० के० राजन पिता लेट गोपालन राजमहल विलेज प्यसटेन्शन सदाशियनगर, बंगलौर।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० राजेन्द्र प्रसाद पिता श्री मध्सूदन राव 3-6-309 वसोरवाग हैदरावाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में टिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाणित है, यही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

विस्तार्ण 11001 चौ० गजा भूमि स्वर्ण विलासः घर नं० 3-4-812 बरकतपुरा हैदराबाद रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 337/84 रोजस्ट्राकर्ना अधिकाणी चीवकडपल्ली ।

> ण्म० जगत मोहन सक्षम अधिकारो महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद ।

ातर.ख : 10-12**-**1984.

मोहर 🔞

प्रारुप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सः० नं० 820/84-85:—स्यतः मुझे एम2 जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उनित द्वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैंट है तथा जो बसी रवाग हैदरावाद में स्थित है (ग्रीर इनमे उपाबद्ध अनुसूच, में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल' के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पाया गया प्रतिफल; निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृद्यार एकर नहीं किया गया था या किया जाना चर्तिस १८, जिलाने में मुविधा के लिए।

भट अब. तक्त अधिनियम की धारा 260-ए के अन्सरण में. में तक्त अधिनियम की धारा 260-ए की उपधारा (1) के अबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैंसर्स प्रोग्नेसिन्ड् बिल्डर्स 3-6-309 बसारबाग हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) बुगार, दूरभा रींदा लक्ष्मी डॉ० नं० 5-9-22/102 आदर्शनगर हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

अनुसूची

पर्लैट नं० 22 ब्लाक ए० स्कायलाइन अपार्टमेंटस नं० 3-6-309 बसोरबाग हैदराबाद विस्तोर्ण 1635 चौ० फुट, रिजस्ट्रोकृत विलेख नं० 292/84, रिजस्ट्रोकृत अधिकारी; चीक्कड़पल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाट ।

तारीख: 10-12-1984.

ाव्य **छ त**्री **, एवं . एक** , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश स० आप० ए० सं(० नं० 82 1/84-85:--यत: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रुप्त अधिक है

श्रीर जिल्लकः सं० फ्लैट है जो रैंड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से विणितहै) . रिजस्ट्र कर्ता अधिकारों के कार्यालय खैरताबाद में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधित, तारीख अप्रैल, 1984

को प्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विस्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी नाय की बानत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कार/मा
- ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर अधिनियम, 1957 (1957 को 37 के प्रबोधनियम, 1957 (1957 को 37 के प्रबोधनियम, भारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भैगर्भ भावनगर एक्स्ट्रक्शन को० बाई मुकुंदलाल् पिता श्रा गिराधार लाल नं ० 11--4--656 रेड हिल्प हेदराबाद । (अन्तरक)

 (2) श्र. के •रामासव डा०न० 3-5-1043/22 वेंकटेस्वरा कालनः

हैदराबाद ।

(अन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकन् रुधिकत्या में में किसी स्यक्ति द्वाना;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयक्त सब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

नन्सुधी

पलैट नं ० 502, पाचवा मजना घर न ० 11/4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तार्ण 1218 चौ० फुट, रजिस्ट्राकृत विलेख नं ० 906/84, रजिस्ट्राकृती अधिकारा, खैरताबाद।

्यमः जगन मोहन, पक्षम प्राधिकारः।, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण), अर्जन रोज, **हैदराबाद**।

अस: अब, उम्मत अधिनियम की धारा 269-म क अनुभरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थास् :--

नारोख: 10-12-1984

₹:

शक्य आइं.टी. एव. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाडु

कार्यासय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निवेश सं अार ० ए० सो० नं ० 822/84-85:--यतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मृस्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिसका सं० पलैंट है जो सइफाबाद हैवराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान ताराख अप्रैल, 1984

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किया गया है:—

- (क्क) वंतरण से हुई किसी नाय की वावत, उबत निधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधाः के सिए; जौर/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी पन या जन्यं आर्थितयों कां, जिन्हों भारतीय भायकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औं नधीय, निस्तिशित व्यक्तियुग्, मुख्तिंस्— (1) मैसर्स धन्त्रजय हाटेलस प्रा० लि० नं० 5-9-12 सद्दफाबाद, हैदराबाद।

(अम्तरक)

(2) श्री डी० व्ही० रत्निकशोर पिता श्री राममोहन राष्ट्र 1-1-780/v/5 गांधीनगर, हैदराबाद।

(अन्तर्रितीः)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थवितयों में से किसी स्थित इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

यन्स्की

फ्लैट न० एफ० 2, प्रेमीसिस नं० 5~9~12 सदकाबाद हैदराबाद, विस्तार्ण 1088 चौ०फुट रजिस्ट्रेक्ट्रत विलेख नं० 2355/834 रजिस्ट्रेक्ट्रोकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण). अर्जन रेंज हैदराबादः

नारोख: 10-12-1984

मोहर 🖟

प्रकल आहे. टी. एन. एड. ------

भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 दिसम्बर, 1984

निदेश मं० आर० ए० सी० नं० 823/84-85:~-यत: मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर सिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उसत मिंधनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अर्थान सक्षम प्रियार का का जिल्ला का को का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय है जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विभित्त है) र जिस्ट्राकर्ता आधानरां के कार्यालय हैदराबाद में र जिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल 1984

का पूर्वोवत सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवाँकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एस दृश्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से कर्षित नहीं किया गया है है—

- (क) सन्तर्भ वे हुई किसी जान की वाबल, उन्हल् विधिनियं के स्थीन कर धीने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करने या उन्हले स्थाने में सुविका के सिए; व्यक्ति पा
- (थ) ऐसी किसी बाब या किसी भग या जन्य जास्तियां को, विन्हों भारतीय आयकार जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या अवकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए या, किया में सुविधा के सिए;

सतः अव, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार ह— (1) श्रोमती लक्ष्मी गुटी पति श्री एस० आर० गुटी नीलक्षमल मेक्रेटेरीयट रीड हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जी० रेखा रेड्डी डी० ने० 6-3-1219/1/2 सत्यनगर बेगमपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत किंधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्त्रचा

कार्यालय परिसर नं० 703, घर नं० 5-9-60/ए/28, मोगलस कोर्ट काम्लेक्स, बसोरबाग हैदराबाद. विस्तीर्ण, 1508 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2111/84, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद '

> एम**० जगत मो**हन, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **हैदराबाद**

नारीक : 10-12--1984

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस -----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायकं आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैंदरावाद

हैदराबाद दिनाक 5 दिसम्बर 1984

आर० ये० सी० न० 824/84-85— यतः मुझे, एम० जगन मोहन

इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृत्य 25.000/- रू. में बिधक हैं

स्रोर जिसकी सं० फ्लैंट है जो हैदराबाद स्थित है (स्रोर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिज़स्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिज़स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्राप्तफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके द्रश्यमान प्रतिपत्त सं, एसे द्रश्यमान प्रतिपत्त का पद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देल्यों से उच्द अन्तरम निष्टा में अम्तिक के पर से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पावत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसा गय या किसा धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की एयोजनार्थ अन्तरिती दआरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स सारदा कन्ट्रक्शन्स प्रा० लि० 3-6-200 हिमायत नगर हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) श्रो सुन्दरजी एम० शाहा डी० नं० 3-5-1093/20 वेंकटेस्वरा कालोनो. नरायअगूडा, हैदराबाद (अन्तरिंती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अंग्रेहस्ताक्षरों के णस निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

-वन्स्ची

फ्लैंट घर नं० 3-6-200 हिमायतनगर, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1043 चौ० फु० रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2425/84, रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एम जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 5-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 832/84-85- - अतः, मुझे, छार० भारहाज, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का ण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित वाजार मृस्य 25,000/- रहा से अधिक है

स्रौर जिसकी सं म्युनिसिपल न 169 है, तथा जो डिस्पेंसरी रोड, चिक्तमगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्र में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकारों के कार्यालय चिक्रमगलूर, में रिजस्ट्रेंक्ररण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5 मई, 1984

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गर्या प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक लप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/पा
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1922 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा ११ कट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में स्विधा के लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधान श्रीमती एस० जी० जयालक्ष्मी पत्नी एस०आर० गीविन्द राज का किसेंट फोर्ट, किसेंट रोड, बेंगलूर-560001।

(अन्तरक)

2. श्री विलफ्रेड हरमन राडरीगस सुपुत स्वर्गीय श्री जे० एम० राडरोगस, काफा प्लांटर, हिलखान स्टेट, पोस्ट मलंदूर, जिला चिकमगल्र ।

(अन्तरतो)

को यह सचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

(दस्तावेत्र सं० 293, दिनाक 5-5-1984) इसारत $15' \times 24'$ 9" नाए में और खुला जगह $15' \times 118''$ विक्रमगलर कहर में।

आर० भारत्यज सक्षम प्राधिकारी सहायक आय**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, **बंगल्**र ।

दिनांक : 6-12-1984

प्रस्त बाहु ही . एवं . एसं . - - - - - - -

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 की 43) की बाड़ा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भागत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर बगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 833/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, बारुकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसके स० 6/1 है तथा जी उनकल ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूच में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्द्रोकर्ता अधिकार: कार्यालय हुवला में रिजस्द्रोकरण अधिनियम 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक 9-4-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्रभापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिएः और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. (1) कल्लप्पा, पकीप्पा मारडगी,
 - (2) पकीरप्या,
 - (3) दलप्पा, कररूप्पा, मारडगी उणक्रल, तालुक हुबली।

(अन्तरक)

 राघवेन्द्र सहकारी गृह निर्माण संघ, सिद्धेश्वर नगर, हुबली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया भया हैं।

-

(दस्तावेज सं० 77/84-85 दिनांक 9-4-1984) खुला जगह इसका सर्वे नं० 6/7 क्षेत्र० 33 गूठा, उणालल में है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

तिनांक: 6-12 1984

मोहर

प्र**च्यु जार**्य दी , प्रमुख प्रस<u>ा</u>रण

भागकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सूत्रम

शास्त्र सुरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 834/84 85—अतः मुझे, आर० भारताज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका अधित बाबार मृस्य 25,000/- स से सीधक हैं

शौर जिसकी संव सर्वे नंव 48 है तथा जो गुलबर्गा में स्थित है (शौर इससे जपाबद्ध अनुसूर्वा में शौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय गुलबर्गा में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उद्युवत बाजार भून्य से कन के व्यवमान प्रतिकल के तिए बन्तरित की पह है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपवत बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्ताह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) जीर बन्तरिती (अन्तरितिया) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए;
- (थ) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जामकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अलग वाहिए था जिया में सुविधा के जिल;

 श्रो इर्प्पा, मालप्पा, घर नं० 5-926, शेजा (के), गुलबर्गा।

(अन्तरक)

 प्रेसोडेन्ट: लैण्ड रिकार्ड डिम्पार्टमेन्ट केन्द्रीय को-आपरेटिव लि०, गुलगर्गा।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सन्तरित के वर्षन के सभ्वत्य में कोई' भी नाक्षेप ३---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की तारीब से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जनभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बूबारा;
- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी कन्य स्पृतित व्वारा, व्याहस्ताकड़ी के पास सिवित में किए का सुकेंगे।

स्वाचीकरणः----दसमें प्रयुक्त सन्दों और प्रों का, जो सम्बद्ध विश्वीनयम्, के ब्रध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रा ही।

अनुसूची

् (दस्तावेज सं० $53 \times 56/84$ 85 दिनांक 6-4-84) खुलो जगह श्रोर इसका क्षेत्रफल 5 एकड़, 20 गुंठा, है बहुेपुर, गुक्षवर्गा में है।

आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बंगक्रूर

दिनांक: 6-12-1984

परंच वार्यक्त की शहर हुए हुए हु सक्त म सकते

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का.43) की धारा 269-ष (1) के बभीन स्थनर

प्रकृत बहुनाड

कार्यासय, सहायस आयकर बायुक्त (तिहासिक)

अर्जन रेंज, बंगलर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदे सं० 835/84-85---प्रतः मुझें, आर० भारहाजः कायक दुर्जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमै इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-व के लभीन सकम प्राधिकारी की, यह विवेशस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 25,000/- रह. में **समिक ह**ै

न्त्रौर जिसकी स॰ 189/118, 119, 120, 121 तथा 122 है तथा जो मरगांव में स्थिन है (ग्रीर इससे उपावश अनुसूची श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सालकेट (गांव) में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-4-1984

का पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मुख्य से कम के अवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्द हैं और मुक्ते यह विद्यास** करने का कारण है कि यथाप्नीक्त संपत्ति का उधित बाजार मुल्य, उदाने क्ष्यमान प्रतिकात से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरिक्तिक) के शीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिकश्य, निम्नलिखित उ**य्दोव्य से उन्त मन्तरण निर्वित** क्षे वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया ग**वा है** :----

- कि) पन्तर्भ√ से **हुई किसीं बाय की बाबत उक्त** अधिनियम के लंधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा औं विष्ध सौर/धा
- को, जिन्हें भारतीय जाब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा कियाने में सुविधा के िलग:
- (स) एेसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों

1. डा० बाबु आनन्दराव रेडकर, श्रौर इसकी सूर्वःना बान् रेडकर। मरवांव ।

(अन्तरक)

2. रानी ममेहेश निवासी मरवांव ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करला हुई।

उक्त सम्परित के नर्पन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी की 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवदुश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त करवीं और पदों का, वो उपर अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 396, दिनांक 22-4-1984) ये सम्पत्तिका न० 2648× 1699 और इसका क्षेट्र फल 675 मीटर्स, ग्रीर सम्पत्ति मरवांव में है।

> आर० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वंगल्र

अहत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं माँ, उत्तर अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीत, निर्मालिशित व्यक्तियों, वर्षात :--

दिनांक 6-12-1984 मोहरः

प्रकृप नाइं.टी.एन.एवं.----

आसकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6- दिसम्बर 1984

निदेश सं० 836/84-85—अतः मुझे, आर० भारद्वाज, बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्तं अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० 132 चलता नं० 13518 है, तथा जो पणजी (गोवा) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रीर जो पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पणजी (गोआ) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 16-4-1984

कर्ग पृत्रा कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिषक्त के लिए बन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिषक्त सं, एक दरयमान प्रतिषक्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिषक्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कार्यावक क्य से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाम की नामत, उन्हें अभिनियम के नभीन कर देने के जन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बुचने में सुविधा के निए; नार/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

बतः का , उत्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें , में , अक्त अधिनियम की थारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- श्री बालकृष्णायन पै, करलुम, गोवा, ।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक ग्रौर कुकलेंकर, पाजवास, पणजी (गोवा)।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपित में हितबद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा लघाँहस्ताक्षरी के पास ' सिंखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त कर्ब्यों और पदों का, जो उकत जीधीनयम, के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बसा है।

अनुसूची

(दस्तावेंज सं० 348, दिनांक 16-4-1984)
ये सम्पत्ति पण जी के म्युनिसिपैलिटी के कार्यालय में है, श्रीर इसका क्षेत्र 0 788 मीटर्स, पूर्ण सम्पत्ति अस्त्राएरिया
में है श्रीर इसको पतिका वेलवी है।

आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 6.12-1984

मोहर 🖫

प्रकथ बाह् ् टी ः एत ् एस्, ५००००

नायकर आंभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (भिरक्षिण) धर्जन रेज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश सं० 837/84-85—शत: मुझे, धार० भारताज, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-क् के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी, सं० 145/2, 151/8 है, तथा जो नालेगांव ग्राम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो म श्रीर जो पूर्ण हप से वाणत है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इलहास, गोग्रा में राजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक 25-4-1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य
उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिचत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे बृन्त्रण के लिए तय पाया नवा
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में
बास्तुविक रूप से कृत्वित नहीं किया यया है द्र—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त बिष्नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के निष्; बार्-या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना लाहिए था, जियाने में सुनिधा के तिय;

मृतः जब , उक्त विभिनियम की भारा 269-ग कें बनुसर्ग मों , में , उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कुष्टें सभीत्, निम्निविका व्यक्तियों, वर्षात् क्रान्स

- डा० फान्सिसको मारियोडि, जेसस लोप्स ग्रौर उनकी पत्नी मारिया इटिलविना कालिअरा, लोप्स दोनों वासीकुन्हा गोनसालवेस रोड, पणाजी, गोग्रा (ग्रन्तरक
- श्री गिरीस भानन्दकेनी वासी, दादा वैद्यारोड, पणाजी, गोभाः

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-व्यक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

(दस्तावेज सं० 358/196 दिनांक 25-4-1984) नारियल शेल्फी जमीन नाप में 12,620 Sq. Moters जगह, तलेगांव ग्राम में तालुका निसवाडी संब-जिल्हा इलहास, जिल्हा गोग्रा।

> भार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, बंगलर

विनांक: 6-12-1984

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

शायकद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका) श्रजंन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 838/84-85--यतः मुझे, श्रार० भारहाज,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 106/1+2 ए है, तथा जो यह प्राम में स्थित है (श्रौर इससे उपावत भ्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीकोट्टी में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधोन दिनांक 12-4-1984

को पृत्रों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे बह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण संहुर्ष किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, राज्य विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्त व्यक्तियों, सर्थात् :---

- 1. (1) वेंकटेश बगाराष सामंक
 - (2) बगाराष वेंकटेश सामंक
 - (3) श्री यशवंत वेंकटेश सामंक
 - (4) विवेकानन्द वेंकटेश सामंक
 - (5) श्री सीरीश वी० सामक, निवासीयहर ग्राम, तालुक, चीक्कोट्टी।

(अंतरक)

- 2. (1) टीप्पन्ना गंगाराम मगदुम
 - (2) श्रो मक्समन गंगाराम मगदुम।
 - (3) श्री दत् गंगाराम मग्दुम
 - (4) श्री तकोवा गंगाराम मगदुम
 - (5) श्रो सादाणीय गंगाराम मगदुम, निवासी चंदुर ग्राम, तालुक, चीक्कोट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पांत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :-~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास तिधित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्जों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननत्त्वी

(दस्तावेज सं० 56/84-85 दिनांकः 12-4-1984) नीरावशी शैवको जमीन यहर ग्राम में है। इसका क्षेत्र० 6 एकड़ 24 गुट्टा है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 6-12-1984

प्ररूप आई. डी., एन., एस.,------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 839/84-85—श्रतः मुझे, श्रार० भारद्वाज, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुठ. से बधिक है

ग्रौर जिसकी सं क्युनिस्तित्व नं 109 है, तथा जो डिस्पेन्सरी रोड, चिकमंगलूर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय चिकमंगलूर में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का' 16) के ग्रिधीन दिनांक 5-5-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके हश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कै प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :— श्रीमती एस० जी० जयालक्ष्मी, पत्नी श्री एस० ग्रार० गोविन्दराज,
 किसेंट फोर्ट, क्रिसेन्ट रोड, बंगलूर-1

(म्रन्तरक)

2. विलफ्रेड हरमन राडरिंगस पुत्र स्वर्गीय श्री जे० एम० राडरिंगस, काफी अलांटर, हुलिखान स्टेट, पोस्ट मलंदुर, जिला चकमंगलूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीज से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसी अन्य किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 292, दिनांक 5-5-1984) इमारत नाप में 10' 24' स्त्रौर खुला जगह नाप में 31' 118' चिकमंगलूर, शहर में ।

ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 6-12-1984

प्ररूप आहे.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलुर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश स० 840/84-85—- ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० म्युनिसिपल नं० 1609 है, तथा जो डिस्पेंसरी गांड, विकमंगलूर में रिथत है (स्रीर इससे उपाबद्ध सनुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकार के कार्यालय चिकमंगलूर में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 25-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के लिखत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- श्रीमती एस० जी० जयालक्ष्मी,
 पत्नी श्री एस० श्रार० गीविन्दराज की वासी,
 क्रिससेंट कोर्ट, क्रिन्ट रोड, बंगलूर-1
 (श्रन्तरक)
- विलफ्रेड हरमन रोडरिंगस,
 पुत्र स्व०श्री जे०एम० रोडरिंगस, काफी प्लन्टर,
 हुलिखान स्टेट, मलदूर पोस्ट, जिला चिकमंगलूर।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तास्त्रवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के शीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उथत रक्षकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, ब्रही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं[ै] 501, दिनांक 25-5-1984) इमारत ग्रीर खुला जगह चिकमंगलूर में। ग्रार० भारकाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 6-12-1984

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर भाग्यस ([नरीक्षण)]

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 841/84-85—म्प्रतः, मुझे, श्रार० भारद्वाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 173 है, तथा जो श्रादर्शनगर, नागाशेट्टिकोप, हुबली में स्थित है

(ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है), रंजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, हुबली में रंजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 12-4-1984

को पूर्विकत सम्पन्नि के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पन्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उन्तर अंतरण निवित्त में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्य में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुत्रिधा के लिए;

- श्रीमती लोल वाई, पत्नो श्रो चनबसप्पा गौडर, पावर श्राफ ग्रटानी श्रो चनबसप्पा बसर्वालगप्पा गौडर डासर हल्ली, बंगलूर-79 ।
 - (ग्रन्तरितो)
- श्री सुरेश लिंगनगौडा, पाटोल, "धानम्माकृपा, " इंजोनियरिंग कालेज के पोछे, विद्यानगर, हुबली।

(भ्रन्तरितो)

का वह स्वना जारी करके पूर्वानत सम्परित के अर्थन के सिख् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🌿 🛶

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

वनसूची

(दसर्वेज सं० 114, निांक 12-4-1984) विनशेनकें की जमीन, नं० सो०टो०एस० 173 नाप में 479 3/9 वर्ग गज, ग्रावर्शनगर, नागाशेट्टिकोप, हुबली में हैं।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलर

कतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधारत ह

दिनांक 6-12-1984 .

मोहर 🤢

प्ररूप बाइ. टी. इन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० 842/84-85—-श्रतः मुझे. श्रार० भारद्वाण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कर यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए० श्रार० 3824, खाता नं० 2155ए है, तथा जो के० श्रार० पुरम, एक्सटशन, हासन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप वणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हासन में रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 7-4-1984

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अतिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिश्ति उद्वर्ष से उक्त मंतरण लिखित में बाला-विक रूप से किया गया है:—

- (क) अंतरण है हुई किसी शाम की शासत, उस्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के अधिनक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/बा
- (च) एंसी किसी आब या किसी धन या बन्य बास्तिवों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) न्या तक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए धा, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

सतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 20—396 GI/84 1. श्री एन० बी० मल्लेखिवार पुत्र श्री बसवा गीडा, नार्थ बडावणे, हासन शहर ।

(म्रन्तरक)

 श्री एम० एन० शांशतोखार पुत्र श्रो नतन्त्र जन्इस, सिन्डोकेट बैंक, सिटी श्रान्च, मैसूर।

(भन्तरितो)

को बहु सूचना जारी करके पूर्विकत सच्चित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्मे '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन, की शारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे आ सकोंगे।

स्थक्तीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और एवा का, जो उक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में विस् गया है।

अन्सूचो

(दस्तावेज सं० 51, विनोक 7-4-1984) आर० सो० सो० इमारत और मंगलूर, खप्रैल, को इमारत 50' 15' के० आर० पुर वडावगे में हालन जर्र में जिसका म्युनिसिधल नं० ए० आर० 3824 और के०- डब्ल्यू० 2155/ ए० है।

म्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (तिरक्षिण) श्रजैन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 6-12-1984 मोहर ∷ प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेण मं० सी० श्राप्त० 62/44527/84-85—श्रत: मुझे श्राप्त भारहाज,

आयकरे अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के क्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीय जिसकी सं 68 (23) है, तथा जो एम एम रोड, फेसिय, टाउन, डिजिन नं 48, बैंगलूर में स्थित है (श्रीर उसमे उपावक स्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारों में कार्यालय, शिवाजी नगर, में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 25-7-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कुम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उप्योध्य से उसत अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग्रंथ के अन्सरण भे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) क अधीम, निम्नलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती नजीम बेगम, त्राहीद, नं० 66, एम० एम० रोड. फेसिर टाउन, , बंगलूर-5।

(भ्रन्तरक)

 मोहस्मद रहमानुल्ला श्रौर ममताज, नं० 78, 5. कास, विलियमस, टाउन, एक्सटंणन, बंगलूर-46 ।

(अन्तरिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्वित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अम्स् धी

(दस्तावेज नं ० 1231/84, दिनांक 25-7-84)

(सम्पत्ति मं० 23. है जिसका सं० 68, पुराना सं० 32), जो एम० एम० रोड, फेसिर्टाचन, बंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनोंक 3-12-1984 मोहर ╠ प्ररूपु आर्घः टीः एमः एक् .-----

काथकार निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण)

बगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेण मं० मि ० श्रार० 62/44528/84-85——श्रतः ,मुझे, श्रार० भारक्षाज,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात (उक्त विधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन भक्षम प्रधिकारी की, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 244 है, तथा जो बेस्ट ऑफ काई रोड, 3 स्टेज, 4 ब्लाक, बंगलूर-79 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण का विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता ग्रिथिकारों के कार्यालय, राजाजो नगर, में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन दिनांक 7-7-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रवयबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्से बहु विश्वनास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बीट अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से करिएत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायिस्त में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, अडि/या
- (क) ऐसी किसी बाय य किसी भन वा सम्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त ब्रिभिनियम या भन कर विभिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक कें, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीय, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— श्री सी० ग्रार० वसाप्पा, गांधीनगर, तुमकूर ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती गायती देवी, अग्रवाल नं० 48, 3 स्टेज, 4 ब्लाक, वेस्ट ऑफ़ काई रोड, वगनूर-79।

(भ्रन्तरिती)

को सृह सृच्ना नारी करुके पूर्वोक्स सम्पृत्सि के वर्जन के निए कार्यनाष्ट्रिया करता हुं।

जनत सुम्पृत्ति के नर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप् !!---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन को अवीध या तत्सरबन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होतीं हो, के भीतर प्रविद् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्वक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो उनके अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या ग्वा हैं।

अनुसूची

(धस्ताबेज सं० 1611/84, दिनांक 7-7-84) बालो जगह है जिसकी सं० 244, जो बेस्ट ऑफ काई रोड, 3 स्टेज, 4 ब्लाक, बंगलूर में स्थित है $(60^{\circ} \times 40^{\circ})$.

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहामक आंग्रक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

विनोक 3-12-84

अक्य बाइ¹. टी. एनं. एस.------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नशीम स्वना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज,बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निवेश सं० सी० घार० 62/44529/84-85—-ग्रतः, मुझे, भार० भारद्वाज,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारच हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

प्रारं जिसकी सं० 42 है, तथा जो 5 ब्लाक, कोरा मंगल एक्सटंग्नन, बंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ प्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप विजय है), रिजन्द्रीकरी श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बगलूर, विक्षण तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनांक 27-7-1984 को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से क्या के व्यथमन प्रतिक्त के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अधि वश्यमान प्रतिक्त से स्थापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अधि वश्यमान प्रतिक्त से विश्व है और बन्तरका (बन्तरका) और कन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्ववस्थ से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्ष अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे ब्वने में सृविधा के निष्; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः शन, उक्त अधिनियमः की भारा 269-ग के अनुसरण में, सें,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों अधीत् ु— श्री के० एस० विजया कुमार, नं० 8 शंकर मठ रोड, शंकरपुरम, बंगलूर-4।

(प्रन्तरक)

श्री ची० माधव,
 नं० 1/2, बसप्पा, कास,
 पलोर, शान्सिनगर,
 बंगलुर-27।

(ग्रन्सरितो)

को सह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यनाहियां करता हूं !

उस्त सम्पत्ति के अवंत के राम्बन्ध मां कांड्री भी बादरेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्स स्थानसरों में से विजयों वसी वसी द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य स्थित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पार्य सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षतीकारण :---६समाँ प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जनत वाधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय माँ विका वृता है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 27214/84, विनांक 27-7-84) खाली जगह है जिसकी सं० 42, जो 5 बनाक, कोर नंगला एक्सटेंशन, बंगलूर, में स्थित है (60'×40').

> ्ध्रार० भारद्वाज यक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

दिनांक 3-12-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस , ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)** प्रजीन रेजि, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984

निदेण सं० सी० आर० 62/44723/84-85—- अतः मुझे, आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० 44/ए हैं, तथा जो वेस्ट झाँफ कार्ड रोड, 3, स्टेज, बंगलूर में, स्थित हैं (भीर इससे उपावड अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से बाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारों के कार्याख्य, राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 23-7-1984

को पृत्रक्ति संपोत्स के उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की नई ही और मभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापृत्रक्ति सम्परित का उपित जाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोध ऐसे अंतरण के लिए सम पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य में उक्त जन्तरण लिखित में बास्त- विक स्प से क्षित मही किया एया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप वा किसी अन या अस्य आस्सिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, हिपान में स्विभा के सिए;

कतः जन, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग कै जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् :--- श्रीमती राजेश्वरी, महालिगाच्या, नं ० 14/4, I ब्लाक,—ईस्ट, बंगलूर-2।

(भन्तरक)

2. श्री आर॰ सी॰ दास, नं॰ 4086, II कास, सिद्धाप्पानी, टेंपल, रोड, गांधी नगर, मैसूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्श में अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की नविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 दिन की नविध, जो भी अर्थी धाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ' 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पित्त में हितबद्ध किसी अन्य स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-का में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्त्र की

(धस्सावेण सं० 1755/84, दिनांक 23-7-1984) खालो जगह है जिसकी सं० 44/ए, जो वेस्ट श्राफ कार्ड रोड, 3 स्टेज बंगसुर में स्थित है।

> न्नार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ज्ञाबुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलर

दिनांक 4-12-1984 मोहर:

प्ररूप कार्यः टी. एत्. प्रसः व्याप्तान

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण)
श्रर्जन रेंज, बंगलूर
बगलूर, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० सो० प्रार० 62/43342/84-85~--श्रतः मुझे, ग्रार० भारहाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 768 है, तथा जो कोडिहल्लि, बनूर, होबलि, बंगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय बंगलूर दक्षिण तालुक में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनाक 8-6-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिपक्ष सं, एसे दश्यमान प्रतिपक्ष का पेवह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्न्लिसित उद्विध्य से उन्त श्रृन्तरण जिच्चित में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दक्ते में सुविधा के सिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किसी आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, किया सुविधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की दाग 269-व की उपभारा (1) के कथीन निम्निनिधन अपिक्समी, अधित :--- श्री सी० नारायण रेड्डी, कोडिहल्ली, बंगलूर, दक्षिण सालुक

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स एक्सक्यूलुसिव इन्वेस्टमैट्स प्रा॰ लिमिटेड, नं० 4, क्रेंड स्ट्रीट, बगलूर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मृति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आसीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन की संवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथांकित ज्यां क्तिया जो से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस क्ष्माय में दिवा गया है।

नमृत्यी

(दस्तावेज सं० 1600/84, विनांक 8-6-1984) सब सम्पत्ति है जिसका खाना नं० 768, जो कोडिहल्लि, वर्नूर होबलि, बगलूर दक्षिण तालुक में स्थित है। (नापना 708.56 स्क्वायर मोटर्स)।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 4-12-1984 मोहर :

प्ररूप बाइ^ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 नवम्बर, 1984

निवेण सं० सी० भार० 62/43246/84-85--- प्रतः, । मुझे. भार० भारहाज,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 37 (7) है, तथा जो संजिबप्पा, नापक लेन ऐवन्यू रोड काम, बंगलूर, सिटो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधकारा के कार्यालय गांधीनगर, में र्राजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 7-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

. अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्य के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-्य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ा (1) श्रीमती संजीवाम्मा,
 - (2) श्रीलक्ष्माम्मा,
 - (3) श्री एम० भारदास्मा,
 - (4) श्री रण्डनाम्मा,
 - (5) भी एम० ललिता,
 - (6) श्रीवी० लोकेश (मैनर)
 - (7) श्री वी० सतीश (मैनर),
 - (8) श्री मुनिवणा,
 - (9) कुमारी वीण (प्रैनर) ग्रीर क्याराज

नं० 7(37), संजीव नायक लेन, ऐवन्यू रोड

ै कास बंगलूर-2।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री मोहत लाल
 - (2) श्री जनेरो लाल, नं० 15/1, एन० एम० सी० लेन, III. कास, ग्रार० टी० स्ट्रोट,
 - बंगलूर-53।

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपंति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

(दन्तावेज सं० 389/84, दिनांक 7-5-1984) सम्पत्ति है जिसकी सं० 37 (पुराना सं० 7, जो संजीवणा नायक लेन, ऐवन्यू रोड कास, बंगलूर, सिटी में स्थित है।

> श्रार० मारदाज, सन्नम प्राधिकारी सहायक आयक्तर प्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रोंज, बंगलूर

विशाह 28-11-1984 .सां**हर** ह

प्रकृप कार्द . टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचनां

शारत सरकाउ

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं० सी० घार० 62/43274/84-85--- घतः मुझे, ब्रार० भारक्षाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 4(31) है, तथा जो सुन्नामन्या लेन, धिक्तपेट कास, बंगलूर-53 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रोकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनोक 21-5-1984

को पृथीक्त संपत्ति के उपित बाबार मुक्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का उन्तरह प्रतिशत अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तिरती (मंतीरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-जन, निम्नितिबत उद्वर्षय से उपत जन्तरण मिचित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) मन्तरण से हुई भिन्नी माम की बाधता, उक्त मिनियम के भवीन कर योगे के मन्तरक की वर्तन्त्व में कनी करने या उसने मुख्ने में सुविधा के भिन्न; मोड़/वा
- (व) एसी किसी नाम या किसी धन या जन्म आस्तियों को चिन्हों आरतीय जाय-कर निधितमम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनयम या धन्कर अधिनयम या धन्कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

भराः थय, उपत विधिनियम की भारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्वात् :---

- 1 (1) श्री डी० एस० सुन्नामन्यम,
 - (2) मीनाक्क्षम्मा,
 - (3) श्री बीर् विजयालक्ष्मी
 - '(4) श्रीमती बी० एस० ललिता,
 - 🖟 (5) श्रीबी० एस० गीता ग्रीर
 - ं(6) श्री: बी० एस० संध्या,

नं० 4(31), सुन्नामन्यम लेन, ग्रनिकपेट, कास, बंगलूर-53

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री छी० टी० केशावा,
 - (2) श्री डो० टी० जवाहरलाल,नं० 3, 15 कास, भ्रार० टी० म्ट्रोट,वंगलूर-53

(श्रन्तरितो)

3. अन्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग म सम्पत्ति है)

को यह सूचमा जारी करकं पृंतांकत मम्पांतल के अर्जन के रित्र कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (म) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

वन्स्वी

(दस्तावेज मं० 546/84, दिनांक 21-5-1984)
पुराना रेसिडेन्शियल विल्डिंग, है, जिसका सं० 4(पुराना सं० 31) है, जो सुव्रामन्या, लेन, श्रविकपैट, क्रास, बंगलूर-53 में स्थित है।

श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलुर

दिनांक 3-12-1984

प्ररूप बाह्र : टी . एन . एस . -----

आयकर पश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-प(!) के प्रबोन मुचना

भारत शरदार

कार्यालय, सञ्चयक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलुर

बंगलूर, दिनांक 27 नवस्थर 1984

निदेश सं० सी० आर० 62/43265/84 85---अतः मुझे, आर० भारद्वाज,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावंद संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० 22/3 है, तथा जो एच० सिद्दाय्या रोड, डिविजन नं० 25, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौक 25 5 1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंद्रहं प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में विक लप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुद किसी जाय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर देने में अन्तरक में बायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के फिए; बीड़/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं जिया गया वा या किया जाना वाहिए था, जियाने में विवास के लिए।

कर अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21--396 GI/84

____ 1. श्रोमती के० राधा देवी, ूर्न० 52, VI, कास, विवसन गार्डन, बंगलूर-27

(अन्तरक)

 श्री के० प्रकाश चन्द्रा, नं० 52, VI, कास; विलसन गार्डन, बंगलूर-27

(अन्सरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की साही है के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी कन्य व्यक्ति इवारा अभोक्क्षाकरी के पाड सिवियत में किए का सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनयम, से अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मुद्धा हु³।

भनुसूषी

(दस्सावेज सं० 645/84, दिनांक 25:5:1984) ग्राली जगह है जिसकी सं० 22/3 है, जो एच० सिद्दाय्या रोड, डिविजन नं० 25, बंगसूर में स्थित है।

> आर० भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज बंगलूर

दिभांका 27-11-1984

मोहर ः

प्रस्व आह. टी. एन एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगल्र, दिनांक 27 नवम्बर, 1984

निदेश सं० सी० आर० 43267/84-85—यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिल्ला स्थित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसको सं 99/बी० है, जो बुल टेंपल, रोड, गुट्टाहिफल, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय वसवनगुंडि में रिजिस्ट्री करणा अधिनियम, 1908 (1908 क्या 16) के अधीन विनांक 31-5-1984

को पृश्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह निश्वास करने का कारण हो कि यथापर्वोक्त महिन का उचित है हो स्टिक्ट असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया एटा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कृषिय नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1900 का 11) या जबन अधिनियम, या धन्- जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था। दिल्ली में स्वित्या के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुभरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थित :—

 श्रीमनी बार लागदा बाई, "सुनन्दा, 16 कास, मंत्लेश्वारम, बेंगलूर-3

(अन्तरन)

श्री एम० के० गौतमचन्द,
 नं० 53, आर० टी० स्ट्रीट,
 बेंगलुर-53 ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ी भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्बों और पवों का, जो उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया-गया है।

अनुसूची

दस्तावेज, सं० 739/84, ता० 31-5-84) सम्पत्ति है जिसका सं० 99/नि० जो **बुल टें**पल, रोड, गुड़ाहलिल, डिविजन, नं० 19, बेंगलूर में स्थित है।

> आर० भारदाज भक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, बेंगलूर

दिनांक 27-11-1934 मोहर : प्रकल आर्च. टी. एन. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

भारत सहकार

कार्यात्तय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निदेश सं० सो० आ२० नं० 62/44253/84-85—यतः मुक्के, आर० भारद्वाज,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकतं अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मून्य 25,000/-रु. संअधिक को

श्रीर जिस्का संव 170 ई है, तथा जो वेस्ट आफ गाईयोड, राजाकां.-नगर, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है), रजिस्ट्रोधारण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-6-84,

को पूर्वोक्त मम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तिरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्धह प्रतिश्वात से अधिक ही और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के निष् एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है अन्तरण

- (क) अन्तरण के हुइ किसी आब का बाबता, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के सायित्व में कमी करन या असने बचने में सविधा के लिए आहु/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य भारितयों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांज-नार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए?

अतः अव, अवत अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन्, निम्नलिकित व्यक्तियें अथाँक :--- (1) श्री टी.० वैंकटास्वामी,
 नं० 50-IV मैन रोड,
 कास रोड,
 सम्पागिराम नगर, वैंगलूर ।

(अन्तर्कः)

(2) श्री एस० श्रीनिवासा,नं० 176, भाष्यम रोड,बेंगलूर---53 ।

(अन्तरिती)

को यह गुचना जारी कारके पृथीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप .~~

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर नम्परित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत् ची

(दस्तविज सं० 1245/84 दिनांक 21-6-84) खाली जगह है जिएका सं० 170 ई, जो वेस्ट आफ छाई रोड, राजाजीनगर, बेंगलूर, में स्थित है।

> आर० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक : 26-11-1984

त्रक्य बार्ड . टी. एन. एसं. ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नभीन सूचना

नारत सरकार

कार्यान्य, सञ्चयक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगजुर

बेंगलूर, विनांक 4 विसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० आर० सं० [62/43373/84-85-43] मुझे, आर० आर० भारद्वाज,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च की अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक वै

ग्रीर जिसकी सं० 545 है तथा जो ब्लाक-1, मट्टाधाहल्ली एक्स-टेंगन (रिबन्द्रानाथ टेंगीर नगर), बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 1-6-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुभे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) मौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरो वचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था. क्रियाले में सुविजा के लिए;

नतः अन, उत्तत विधितियम की भारा 269-ग की वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- श्री आर० वासुदेवा राव, नं० 132, V कास, लोवर, प्यालेस, आरचरइस, बेंगलूर--3 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एक० सिराजुद्दीम,
2. मिसस सिबहा सिराजुद्दीन,
न० 20, मारप्पा गाडेंन्स,
एम० आर० पालयम बेंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

बन्द संपत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबींभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर बूचना की तामील से 30 दिन की जबींभ, जो भी बंबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवद अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस गया है।

बगत की

(दस्तावेज सं० 695/84, विनोक 1-6-84)

सम्पत्ति है, जिसका सं० 545, जो ब्लाक-1, मटादहिल्ल एक्सटेंशन, (रिविन्द्रानाथ टैगौर नगर), बेंगलूर, में स्थित है।

> श्रार० भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

दिनांक : 4-12-1984

प्रक्ष भार् टी. एन. एस. -----

नाक्नार अधिनिवृत्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सूच्या

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निरोक्षण) अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, धिनांक 3 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० सी० आर० 62/43080/84-85--यन: मुनै, आर० मारद्वाज,

जायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त जिधिनियम' कहा गया है') की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसको सं । 1176/को है तथा जो लिगराजापुरम विलेज बेंगलूर उत्तर तालुक में स्थित है (भौर इस से उपाबद्ध अनुसूर्च। में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक 5-4-1984,

(1908 का 16) क अधान, दिनाक 5-4-1984, को पूर्वोक्त, सम्वित्त के उचित बाजार से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिट्ट्रांकर्ता के कार्यालय बेंगलूर उत्तर तालुक में का पूर्वोक्त सम्परित से उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है ।;---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य असिसयों को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, कियाने से सुनिधा के स्विद्ध

जत: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के स्पीन, निस्तिवित व्यक्तिस्पों, जवात हिस्स (1) श्रंः जार्ज जोतेफ लिंगराजापुरम, बेंगलूर उत्तर तालुक ।

(अन्तरक)

(2) श्री अलेक्स कुरूबिस्ला, किंगराजापुरम, नं० 33, कुष्णपा लेश्वाउट, अपोजिट : बानसवाडी रेलवे स्टेशन, बेंगलूर—89 ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना वारी करके पृथोंक्त सम्मृत्ति को वर्णन को लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्पादतयों में से किसी व्यक्ति ब्याराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के भीतर उसत स्थानर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यक्तिवन के वश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस वश्याय में दिया गुना हैं।

वनसूची

(दस्तावेज सं० 18/84-85 दिनांक 5-4-1984) सम्पत्ति है जिसका सं० 1176/बी, जो लिगराजापुरम विलेज, बेंगलूर उत्तर तालुक, मे स्थित है।

> आर॰ भारहाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 3-12-1984

प्राक्षय आर्ड, टी , गर्स , गर्स , -----

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासम, महायक गायकर नायका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निषेण सं० सी० आए० 62/43186/84-85---यतः मुझे, आर० भारद्वाज,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पर्यात् 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म क्रे निधान प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसके सं० 4 (7) है तथा जो गन्छुडि किटजिहा लेन, गुण्डुमय्यापेट, बलेपेट कास, बेंगलर में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में ब्रार पूर्ण क्य में बिणत है), रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के अधान, दिनांक 17-4-1984 को पूर्णक्त सम्पत्ति के उदिन बाजार में दाम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रिजस्ट्राकर्ता के कार्यालय माधीनगर,

पृशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए वानारित को गई है और भूभे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापृत्रीकत अपित का अचित बाजार मूल्य, उसक दश्यम न प्रतिपार से, एत राज्यान प्रतिकार के पन्तरकों। और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उकत अन्तरण निवस में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है हिन्

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उबस अभिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/शा
- (ण) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आरितयी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात;—

(अन्तरक)

(2) श्री शांतिक्के,नं० 36/37, ए० एम० लेन,बेंगलूर ।

(अन्तरिर्ता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकरि।

वर्गसर्च

(दस्नावेज मं० 704/84, दिनांक 17-4-84)।

सम्पत्ति है जिस हा सं० 4 (पुराना सं० 7), जो गन्डुडि किटचिहा लेन, गुडुर्मेय्यापेट, बलेपेट कास बेंगलूर, में स्थित है ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सद्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बेंगल्र

दिनांक : 3-12-1984

आस्या जाड^ह . टो . एन . एस . - -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज -ा, मद्रास

मद्राम, दिनां रु 29 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 14/अप्रैल ७4/रिज—II——अनः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिन, वासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारे एक रिक्शाय करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से शिधिक है

श्रीर जिसकी संव 13, 50वां स्ट्रीट, 10वां सेक्टर है, वो पद्राप-78 में स्थित है (पौर इससे उपावह में श्रीर पूर्ण स्व से तर्णित है), रजिस्ट्रोक्ति अधिकार के धार्यालय विस्तावावका मद्रास (लेख संव 1265/84) में भारतीय रजिस्ट्रोक्टण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ट संपति का उचित अजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्युष्टेष्य में उचन अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिक

- (क) जनतरण से हुइ किसी बाय की शबत, उसत अधिनियम के भवीन कर दोने के बन्तरक के यागिरत में अभी करने या इसते बचने में सृत्यिका वै सिए; जीर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों को भिन्हों भरतीय आयखर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ११ कर.अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण भा या किया जाना चाहिए था कियाने में सरक्षा औ लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) क्ष ६० भरतम पेहमान

(अन्तरक)

(2) श्रेर आर० शिवकामी ।

(अन्दरितः)

को यह सुवना धारी करके पुर्वातत सम्पत्ति को अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी गतिथ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित प्रवित प्रवित्त से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

श्यक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त कच्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 'इं, जहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।'

नन्त्या

भूमि श्रीर मकान 13 प्लाट नं० 733, 10वां सेक्टर 59वां स्ट्रीट के० के० नगर, महास-78 (लेख मं० 1265/84)

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, मद्रास

दिनांक: 29-11-1984

प्ररूप आहे, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸II, मद्रास

मदास, विनांक 26 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 58/अप्रैल 84/रेंज-II--अत मुझे, श्रीमती प्रेम भासिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को बहु विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० लेख सं ० 263/64, आलंकाया पिरूलें स्ट्रीट है, जो ट्रिप्लिकेन, मब्रास में स्थित हैं (और इससे उपाध्य में और पूर्ण रूप सं विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन, मद्रास (लेख सं ० 263/84) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, विनोक्त अप्रैल, 1984,

को पूर्वेक्ति संपत्त के उचित बाज़ार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कंशित किया गया है:——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त ऑधनियम के अधीन कर दोने कें अन्तरण के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आदित्यों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

- (1) श्रीमत्ती एन० विजयलक्सी अम्माल और अन्यों। (अन्तरक)
- (2) श्री पी० एम० चिट्टिबाबू नायडू (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अगुसुची

भूमि और मधान ---आलंकाथा पिल्लैं स्ट्रीट, ट्रिप्लिकेन, मद्रास लेख सं० 263/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-II (आई०सी०) मद्रास

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधन्ता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

विमोक : 26-11-1984

प्र**क्ष्य बाइ⁴.टी.ए**न्.एत्.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के ब्रधीन स्चना

शारक सरकाउ

कार्यालय, सहायक जायकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवस्थर 1984

निर्देश संव 50/अप्रैल 84/रंज-II---अतः मुझे, श्रीमती प्रोम मालिनी वासन.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व्य के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 26, पेरूमाल मुदली स्ट्रीट है, जो माउंट रोड, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपावतः में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, (लेख सं० 160/84) थाउसैन्ड लाईट्ज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को ्शंक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कंम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्म से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तुविक रूप से किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधि-नियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्री ए० एम० कोथण्डपानि येवर

(अक्तरक)

(2) श्री एल० एम० पच्चिअप्पन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगर;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितडव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और मकान नं० 26 पेरूमाल मुदली स्ट्रीट, माउंट रोड, मब्रास-2 (लेख सं० 160/84)।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक : 26-1-1984

प्रकर बाह्र दी एतं एक -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अर्थन गुचना

भारत तरकार

कार्यालय: सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन भेज-गा. मद्रास

मद्राया, दिनांका 29 जवम्बर 1984

निर्देश मं० 24/अप्रैन 84/श्जि—ा[- अत: मुझे, श्रीमती, प्रेम मारिनी वास्त.

आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके प्रवान 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी भेग्यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमिन बाजार मृत्य 5.000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० 6, क्षेमंट पार्क स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्रास— 17 में स्थित है (और इनसे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीक्षर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास—

17, (लख सं० 371/84) में भारतीय राजिल्ही रण अधिनियम,

1908 (1908 ता 16) के अधीन, दिनाए अप्रैल 1984 को प्यांक्त सम्परित के अधिन बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में वास्ति। कि रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आरि/या
- (च) पेरी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

वतः वज् अवन अधिनियमः की भाग २८७-ग के अनुसरण में, मैं, जक्त अधिनियम की भाग १८०-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्निलिखित त्यक्तियों अधीतः ---- (1) श्रीमती बी० राजेश्वरी और अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्री के० लक्ष्मीनारायणॉ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए आर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्त में हितबद्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकास व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकोंगें।

स्थवरोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गवा लु !

अनुसुधी

भूमि और मकान डोरनं० 6, केसंट पार्क स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास--17 (लेख सं० 371/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन ृंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 29-11-1984

प्ररूप वार्च. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मू (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मदास

मद्रास, दिनांक . 28 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 54/अप्रैल 84/रेंज-11--अतः मुझे, श्रीमती प्रेम मारिनी वासन.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्लाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 168, महाविलगपुरम है, जो मद्रास—34 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्री हर्ती अधि असे के आर्थान्य, थाउसैन्ड लाईट्स मद्रास (लेख सं० 213/84 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीत, विनाक अप्रैल, 1984

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके धर्यमान प्रतिकाल से एसे रहयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिश्वत उद्वेष्य से उचित अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर बेने के अन्तरक के द्यित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा को लिए;

असः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री आरं स्वीन्द्रकः

(अन्तरङ्ग)

(2) श्री ी० आए० चन्द्रशेक्षरन

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारो करके पूर्विकत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस मुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पृषींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ग्रां
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकी।

स्पद्धीकरण:— इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि प्लाट नं० 168, महालिशपुरम, मद्राम-34 लेख सं० 213/84) ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी यहायक आयद्द तथुक्त (निरीक्षण) प्रजेत रिज-II, मद्रास

दिनोंका : 28-- 1-1984

र हिं√

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ाा, मद्रास

मद्रास, विनांक 30 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 52/अप्रैल 8 4/रेज-II---अत: मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- एत. से अधिक हैं

और जिसकी सं० आए० एस० नं० 132/1 थिकम् तिनगर छठी स्ट्रीट है जो मद्रान में स्थित है (और इन्ये उनाबढ़ में अरि पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी के कार्यालय, थाउसैन्ड लाइट्स मद्रास (लेख सं० 157/84) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्तरण वेहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के निए; बौर/या
- (च) एेसी किसी नाम या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधार्य (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधात् :--

(1) 1. श्री पी० आर० नारायणन 2. श्री पी० आर० वेंकटाचलम

(अन्तरक)

- (2) 1 श्री मन्तट गोविंदन
 - 2. कुट्टिनायर, पिता और गाडियन माईनर ई० पी० कुमार और भाईनर ई० पी० विनोद,

(अन्तरिती 🥧

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए । 🕚

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की बवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरो के ार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, णो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ही, वही पर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

नग्तुची

सं० आर० एस० नं० 132/1, थिरूम्तिनगर 6वां स्टीट, (मद्रास खेख सं० 157/84)।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग्र-II. मद्रास

विनांक : 30-11-1984

प्रकार वार्च, टी एन, एस, ------

भायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-भ (1) के अभीन स्वाना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निर्देश मं० 26/अप्रैल 84/रेंज-- धनः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 33-34, बंजुल्लाह रोड, टी० तगर है, जो मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावड़ में और पूर्ण रूप से विणित है), रिकस्ट्री तर्ना अधिहारों के कार्यालयं, टी० नगर, मद्रास-17 (लेख सं० 415/84) में भारतत्य रिजस्ट्राइरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984.

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मैं कमी करने मा उससे दचने में स्विभा के लिए और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के ट्रिलए;

(1) श्रा आर० दग्रपांडियन

(अन्तरक)

(2) 1. श्री पी० एस० राघामणि और 2. कुमारी एन० जयंती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथेक्त स्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्राप्त हैं।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयूषत शब्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृस्यी

भूमि 33-34, बजुल्लाह रोड, टी० नगर, पदास-17 (लेख सं० 415/84) ।

> प्रेम भानिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्वास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात ः—

বিনাৰ : 30-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आहें.ट. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, महास

मद्रान, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निवेश सं० 79/3प्रैल 84/रेज - 41-अतः सुसे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनको सं० भूमि और मेकान 4, मेंठ मेरिस रोड-III, कास स्ट्राट, मद्रास है, जो में स्थित है और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रितस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वार्यालय, मैलापूर (मद्रास) लेख सं० 534/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशंक अधैन, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ६६यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिखत में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिकात किए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) मेसर्स रमणा बिल्डर्स और अन्यों

(अन्तरम्)

(2) मेसर्स बरतवाजी मारकेटिंग एसोशियेट्स,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मे :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित्र ब्रुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि और मकान :-- डोर 4, सेंट मेरिस रोड, III अास स्ट्रोट, मदास लेख सं० 534/84।

प्रेम मालिनी वासन ५४म प्राधिकारी सहायम आयक्षर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रात

दिलांस : 26-11-1984

प्ररूप आर्^र. टी. एनं. ऐसं.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

णायांज्य, भहायर ज्ञयक्त ज्ञायक्त (निर्नाक्षण) अर्जन रेज-II, भन्नास

मद्रास, दिनांक 24 नवम्बर 1984

े निदेश सं० 146/अप्रैल 84/रेंज-II---अतः मुके, र्श्वामती प्रेम भालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह-विश्वास करने का अगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मृल्य 25,000/- छ. ले अधिक है

और जिल्ली मं डो॰ नं 28/205, नजा स्ट्रीट, ही ए ए वि 5/149, है, जो कोयम्बलूर टाउन में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण एप से विणित है), रिजस्ट्रीयार्ग अधिकारी के कार्याजय, कोयम्बलूर लेख सं 1534/84में भारतीय रिजस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापुर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्य्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय भी नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्ति हैं। को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहा किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अपीन, निकालिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री आए० रंगस्वामी ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० देकटाचलम और अन्य ।

(अन्तरिक्षे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजध्य में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भातर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान डोर नं० 28/205, राजा स्ट्रीट, कोयम्बसूर (लेख मं० 1534/84)

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, मद्रास

दिनाक : 24--11-1984

माहर:

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के बभीन सुचना

कार्यांतय, सहायक आयक र आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, भद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश मं० 142/अत्रैल 84/रेंत-11--अतः मुझे, श्रीनती प्रेम मालिनो वासन,

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसको सं० वार्ड -III, टी एस० 186/2, पर्हमंगलम् है ना भागवानाप्र, नंभावूर डिस्ट्रीटमें स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के सायित्य महजलारैतुर (तंजाबूरडिस्ट्रिक्ट लेख सं० 343/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 व. 16) के अधीम, दिनांस अप्रैल, 1984,

को पृत्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वायत अक्त आर्थ-निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सृविभा के नियं; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में मुनियम के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, दिनम्तिसित व्यक्तियों, अधित :→

(1) श्री राभनागैयर, और अन्यों।

(अन्सरका)

(2) श्रi मोहम्मद सकरैया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र ६---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्नोंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्क्षि में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी को पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में विदा गया है।

अन्स्ची

भूमि और मकान वार्ड नं० III, टी० एस० 186/2, पट्टमंगलम अवयांबालपुरम तंजाबुर डिस्ट्रिक्ट) ।

> श्रेम मालिनी वासन 【सक्षम प्राधिवारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज–II, सद्वास

दिनांक : 30-11-1984

प्ररूप बाह् .टी. एन .एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--IJ, महास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० 51/अप्रील 84/रेंज→॥—-अतः भुक्ते, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 52, सर मध्यवत नायर रोड, नुगमनाम्बम, है, जो मब्रास - 34 में स्थित है (और इससे उपावड में और पूर्ण का ते विगा है), रिवस्ट्रा कर्ता अिकारों के कार्यातय, यौखंडलैट्स् महास लेख सं० 158/84 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984, को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रितंकल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्णे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक े वायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग्थ के अन्सरण में, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिम्बिक व्यक्तियों. अथित् :----23---396- GI/84 (1) श्री सैयद युसुफ

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० विजयलक्सी

(अस्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुए।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मशन 52, सर माधवन नायर रोड, नुंगम्यानक मद्रास 34 लेख सं० 158/84 ।

> प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, महास

विनांक: 30-11-1984

भीहर 🚁

प्रकल्प बाह्री, टी एन, एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजा-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवस्बर 1984

निदेश सं० 88/अप्रैल 84/रेंज--II----जतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी बासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं र्यू बार्ड सिं ब्लाग 23 टीं एस० 32, ब्लाग नं 6, डीर गं 6, रामलिंगम नगर, है, जो ज़िच्छी में स्थित है (और इससे उपाबक हू और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोगती अधिजारों के पार्यालय, ओर्यूप लेख सं 792/84 (विच्छी डिस्ट्रिक्ट) में भारतीय रजिस्ट्रोग्डरण अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, विनांग अप्रैज, 1984,

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने श जनसे बचने में स्थिभ। के सिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिटी ब्लास अक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनियन के लिए;

कता: अब, उत्तन अधिनियम की धारा 260-म को अवस्थण भी, मी, जबत अधिनियम की धारा 260-घ की नवप्राम (1) के अधीन, भिक्रनितितिक कामिनगों, अर्थान :----

(1) आ: चिवम्बरम् पिल्लै

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती चन्द्रा महालिगम श्रीमती णारदा मूक्तन

(अन्तरिती)

को यष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा स्वा हैं।

जग्स औ

भूमि और मज़ान न्यू वार्ड सो, बजावा नं७ 23, टी० एस० 32, डोर नं० 6, रामलिंगा नगर, द्विच्वो टाउन (लेख सं० 792/ 84) ।

> त्रेम माजिती वासन सक्षम प्राधिवारी सहायन आयक आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन गेंज-II, मद्रास

विनांस : 30-11-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेण सं० 139/अप्रैल 84/रेंज-॥—अनः मुझे, श्रीमातीः प्रेम मालिनी वासन.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन राध्यम अधीन गरी की, यह चिरतस करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्र बाजार मृज्य 25,000/- सं अधिक हैं

औं जिसकी सं कोह्नवीरम्पालयम है, जो अध्यम मंगलम, पेरियार डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्ण-रूप से विण्य है) रिसम्हाकती अधि गरी के कार्यालय, सन्य-मंगलम लेख सं 848/84 में भारतीय रिजस्ट्रिक्टण अधिकिमय 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनोक अप्रैल 1984,

को पूर्वाक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से इश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से इश्यक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्प्य से किश्व नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उथल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) धा उन्स अधिनियम, या धन- छर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती इंबारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा के लिए:

बतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निकालिकिय अधिकार्यों अधीत्:--- (1) श्रां नोहम्भद सूस

(अन्तरकः)

(2) श्रामता लक्ष्मा ।

(अन्सरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हूं।

बन्द तस्पीत्त के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में फ़िल-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस निकास में किए जा सकता।

स्वयद्भीकरणः ---- इसम प्रयापत शब्दों और पत्रों का. जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में फिया प्रया है।

अनुसूची

भूमि :---(कोट्टवीरम्पालयम, पेरियार डिस्ट्रिक्ट) लेख सं० 848/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-II, मद्रास

विनांक : 30-11-1984

मोहरः

प्रकृष बाह्र . टी . एत . एस . ----------

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)-अर्जन रेंज-।।, मद्रास

मद्रास, विनांक 26 नवम्बर 1984

निवेश सं० 71/अप्रैल 84/रॅंग-॥—अतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- का स अधिक ही

और जिसकी सं 15, बाबा रौतर रोड, है, जो आलवार पेठ, मद्रास में स्थित है (और इससे उप बद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजम्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, मैलापुर मद्रास लेख सं 442/84 में भारतीय रिजस्ट्रोबारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1904,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रिशास सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की भावस, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिथा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए।

बतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के, अभूतरब को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन, जिम्लिसित व्यक्तियों, अर्थातः

- (1) श्री मोहनलाल सी० सांग्बी सुशीला एम० सांग्वी । (अन्तरक)
- (2) श्री अण्णामले पेरियक्षरूपन अथवा अण्णामले रमेश ।

(अन्तिरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पद्धीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्र्यो

भूमि और मभान नं० 15, ीिी रौतर रोड, आलवार पेठ मद्रास लेख सं० 442/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, मद्रास

दिनोक : 26-11-1984

मोहर .

प्ररूप कार्ड . टो. एन. एस्. - - -

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुख्ना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकड बायुक्त ([नर्क्काण)

अर्जन रेंज-[], मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निदेश सं० 80/अप्रैल 84/रेंज-11---अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 512/84/अप्रैल 84/मैलापुर में है, जो मद्रात में स्थित है (और इस्ते उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राश्चर्ता अधि गरा के स्पर्यालय, मैलापुर, मद्रात लेख सं० 512/84 में भारताय रिजस्ट्राश्चरण अधिनियम, 1908 (1908 स्वा 16) के अधान, दिनांस अप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है

- श्रिक) जन्तरण से हुद्द किसी काय की बाबत, उक्त अधिनियन के अधीन कर दोने के जन्तरक अं व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए∦ और्∕या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय त्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः वन, उनत अभिनियम की भारा 269-ग के वमुसरण में, में, उनत अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के को सभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती यम्मलम्माल और अन्यों

(अन्तरका)

(2) श्री मीहम्मद आसिफ इसमेल

(अन्तरिती)

की यह सुचना जारों करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख ले 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तायील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस मृजना के राजपत्र में ग्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पांस्त में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिक्ति में किए जा नकंगे:

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

लेख सं० 512/84 की शैडयूल दी हुई सम्पत्ति मैलापुर महास—4 ।

विनांबर : 26-11-1984

मोहर :

प्रस्प बाही, टी. एन., ६व., क्रान्ट

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-II, मदास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० 22/अप्रैल 84/रेंज-II--अतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनो वासन,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह निस्वास करने पत्न कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. सं अधिक ही

और जिसका सं० भूमि प्लाट नं० 19 और 20, एल० ए० नं० 9/64, बालाजा एकेन्यू है, जो तिस्वलै पिल्लै रोड मद्रास-17 में स्थित है (आर इससे उपाबंड में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्राहर्ता अधिहारों के ए।यिलय, टा० नगर, मद्रास-17 लेख सं० 352/84 में भारतीय रिजस्ट्रा प्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, विनास अप्रैल, 1984,

को पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त समपित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रीतशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्निलिश्वि उद्वेष्य से उसत अन्तरण कि बिष्त में बास्तियक स्प से कि ध्रत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुइ किसी जायकी वायत, उनक जीवनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1992 का 19) ते पाल्य अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया जाना आहिए था, किया में सुविधा के लिए;

शतः सम सकत अधिनियम की भाग 289-ए की अनुसरक भी, मी. सकत अधिनियम की भाग 269-थ ती उपधारा (1) की अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् हरू---

- (1) श्रापान अस्य वेंज्ञदराज और पान आरन प्रकाशम (अन्तरक)
- (2) श्रा बहुन जो बोरजा गांगर और दूसरे (अन्तरिती)

क्षा यह सूचना बारा करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्शि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामीन से 30 दिन को जबिध, जो भी अविधि नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर दावत स्थावन सम्पत्ति में हित्वसूध किसी अन्य व्यक्ति कृतरा अवाहास्ताक्षरी के पात दिलायत ने किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भगाही,

अज्ञास्यी

भूमि प्लाट नं० 19 और 20 तथा एल० ए० नं० 9/64 में बालाजो एवेर्यू, तिष्मलै पिल्लै रोड, मब्रास—17 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्वास

दिनांक: 30-11-1984

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ...----

आध्यतर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अभीन मुचना

भारत सरकार

कायां नग, शहायक लायकर आयुक्त (निगीकण) धर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1984

निदेश सं० 65/ध्रश्रैल 84/रेंज-II—-श्रतः मुझे श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

कापकार जिपिनियम, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० थी-161, 14 कास रोड, है, जो शास्त्री गगर, मद्रास-20 में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध धनुसूची में श्रंद जो पूर्ण रूप से पणित है) राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय एडेमार, मद्राप्त में लेख सं० 392/84 में राजस्ट्रीकरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के ध्रशीन दिनांक श्रील, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीज एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उभित अधिनयम के अधीन कर येने के अन्तरक के बायित्व में कमी कारों या उससे दचने में श्रीवाधा के लिए; और/सा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जान साहिए था, खिपाने में सुनिशा की सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तिसीं, अर्थात्:—

- 1. श्रीमतो एस० कलागम श्रीर एस० रवोन्द्रन, (श्रन्तरक)
- 2. डा० एस० क्वष्णामूर्ति

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-----

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चं 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगांहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पार है।

जन्स्पी

भूमि श्रीर मकान प्लाट नं० बी-161, 14थ कास रोड शास्त्री नगर, मद्रास-20 (लेख सं० 392/84)।

> प्रेम मालितो वासत सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्तन रॅज-II, मद्रास

दिनांक 26-11-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, घिनांक 26 नवम्बर, 1984

निवेश सं० 69/श्रश्रेल, 84/रेंज-II—श्रतः मुझे श्रोमती प्रेम मालिनी वासन

आयकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को हि विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25 000/- रह से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 26, ब्रार० एस० नं० 29/2 ट्लाक नं० 8, उक्र गांव है, जो मद्रास में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूनों में ब्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजाद्ध कर्ती अधिकार के कार्थालय अडयार, मद्रास, लेख सं० 375/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रवान दिनांक अबैल, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास स्रान का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजाए मृत्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का वृंबह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनसरण से हुई किसी बाय की बाबस, उपस अभिनियम के ज्थीन कर दोने के अन्तरक के शांवित्व में कभी करने या उसने नवणे में तृतिभा के लिए; और/बा
- (थ) एसी किसी जाय या किसी थन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, जियाने में सुविधा क्षेत्रियः

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिरिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रा टा॰ दर्भ राज

(भन्तरक)

2 श्रीपी० एन० रमेश

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के हैं सप कार्यमाहियां कारता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति मों हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति मों किए जा सक्तेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त जिथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यहा है।

अवृह्यी

भूमि श्रीर मकान प्लाट नं० 26, श्रार० एस० नं० 29/2, ब्लाक नं० 8, ऊरूरगांव, मदास (लेख नं० 375/84)

प्रेम मः(ति^{र्}न वासन सञ्जम प्राधिकारो सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण) भार्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक: 26-11-1984

मोहर:

प्रकृत् कार्ष्ट्र, ठी., एव., एस्. ------

भायकर बाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
-श्रर्जन रेंज-11, मद्रास
मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 77/श्रप्रैल 84/रेंज-11--श्रतः मुझे, श्रीमती

प्रेम मालिनी वासन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं श्रार एस नं 1061, डोर नं 11. चन्द्र बाग, एवेन्यू, रोड, डा॰ राधाकुष्णन रोड है, जो मेलापुर, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड श्रनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय मैलापुर, मद्रास लेख सं 553/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक दिनांक श्रीस, 84

को प्रोंधस संपरित् को उचित् माजार मूल्य से कम को दश्यमान प्रतिस्त को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्योचय से उसत अन्तरण लिखित में वास्तर्विक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, अवस् अभिनियम् की भारा 269-ग के अनुसरम में, में, उक्त किश्वियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----24---396GI[84 1. फेलिक्स, आरतीणो जोमेल्लीन, डैसम ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एन० ताथमान सुन्दरम्।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किंग कार्यधाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसंची

भूमि श्रीर मकान डोर नं० 11, चन्द्रवाग एवेन्यू रोड, मैलापुर, मद्राम,-4, लेख सं० 553/84)।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

दिनांक 26-11-1984 मोहर: प्ररूप आहें.टी. एन. एस. -----

बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 176/ग्राप्रैल, 84/रेंज-II—ग्रातः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर मकान कुरूर डिस्ट्रिक्ट, III बार्ड. I ब्लाक है, जो करूर साव में श्यित है (श्रौर इसमे उपाबढ़ अनुसूचा में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय करूर (पश्चिम) लेख सं० 937/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रील, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा ले लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन. नियननिष्तित लाकितानां, अधीतः :—— श्रीमनी सीतासक्ष्मी और भ्रन्य

(ब्रन्तरक)

2. मैसर्स कावेरो, फीबक्स, के पार्टनर्स: श्रो नाच्चिम्तु, ग्रीर ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिल्हा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप रे—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उनक्त स्थायर संपरित में हितसद्ध किसी सन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

भूमि श्रीर मकान III वार्ड I ब्लाक, इनाम करूर गांव, करूर करूर (पश्चिम), लेख गं० 937/84।

प्रेम मालिनि नासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-III, मद्रास

विनांक 5-12-1984 मोहर: प्रकृष कार्ड. टी. एन. एस. ----=

बायभार बिधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं० 67/ब्रप्रैल, 84/रेंजा[---श्रत: मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रत. से अधिक **है**

श्रौर जिसकी सं० ब्लाक ई-1, नं० 22, पोन्निश्रम्मन कोइल स्ट्रीट, है, जो कोट्टर, मद्रास-85 में स्थित है (ग्रीर इससे उपा-बद्ध प्रनुसूचो में श्रीर जो पूर्णरूप से विणत है) र्राजस्ट्राकर्ता श्रिधिकारों के कार्यालय श्र**ड**यार, लेख सं० 387/84 में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पुर्वाक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्राचिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ठ प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- '(का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियौ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जपभारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🖘

पी० पलिस्वामी.

(**ग्रन्स**एकः)

2. श्रीमती नीता झौसफ

(अन्तरितो)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी**स** से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन। की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत म्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में विका गया है।

सम्मी

भूमि और मकान 22, पोन्निग्रम्भन कोइल स्ट्रोट, कोट्टर, मद्रास-85, (ब्लाक ई-1), श्रीर भूमि में एक हिस्सा।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयका (निरोक्षण) प्रजन रंज II, महास

दिनांक 22-11-1984 मोहर :

जरूप माड^{*}. टी. एप. एत.-----

बावकड् अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, सष्टायक जायकर आयक्स (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवस्त्रर 1984

निदेश सं० 57/म्रप्रैल, 84/रेंज-II—म्प्रतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनि वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवाद (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 171, ग्रार० एस० नं० 3361/5, ट्रिप्लिकेन है, तथा जो सौन मद्रास में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबंड श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय ट्रिप्लिकेन, (लेख सं० 212/84) मद्रास में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया हैं !—

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अभकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्ः— 1. श्री सैयद, श्रसीम श्रीर मल्लिका बी०

(अन्तरक)

2. श्री ग्रार० जयचन्द्रन.

(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक से 4/5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पस्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्सर अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यगसर्ची

भूमि श्रौर मकान नं० 171, श्रार० एस० नं० 3361/5, ट्रिप्लिकेन, मद्रास—लेख नं० 212/84 ।

प्रेम मालिनी वासनं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर <mark>ग्रामुक्</mark>स (निरीक्षण) ग्रजन रेज II, मद्रास

दिनांक 26-11-1984 मोहर १ प्रकल् नाहाँ । दी ु एन ु एस् , अन्तरनन्तर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुजना

शारत सहस्राड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर, 1984 निदेश सं० 66/ब्रप्रैल, 84/रेंज-II—अतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन

अधिकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ्र १, फर्स्ट मेइन रोड, कर्पगम्, गार्डनस, श्रडगारहै, तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रड यार लेख सं ्र 390/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कुम के दर्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पंदह
प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित
के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; आंर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हुं भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1), को अधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री एस० रंन्दरराजन,

(ग्रन्तरक)

 डा० एन० रंगराजन और श्रीमती गांती नारायणन,

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्साक्षरी के पास सिसित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उबस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विदा गया हैं।

जन्स् पर

भूमि और मकान 4, फर्स्ट मेन रीष्ठ, करपगम, गार्डनस, भड़वार, मद्रास-20, लेख सं० 390/84।

प्रेम भालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 2**6-**11-1984

मो**हर**

प्ररूप आहें. टी. एत. एस.----

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 32/म्रप्रैल, 84/रेंज-11--म्रतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी बासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ग्रार एस नं 42/1, एन्ड 2, जी एम व् टी रोड है, तथा जो गूडुकायेरी-603202 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ताबरम मंत्रास, लेख सं व् 2417/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, पुरेसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच पूसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और√या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-दिन अधितियम, 1957 (1977 को 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया **धा मा किया जाना आहिए था, छिपाने में सृविधा** के लिए;

अतः अव, उन्नत अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— ा श्री एन० मुब्बैया,

(भ्रन्तरक)

श्री पी० पुत्तुकृष्णन,
 मैनेजिंग डाइरेक्टर: तंगस प्राइवेट लिमिटेड,
 (भ्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्क्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकी।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अमृसूची

भूमि श्रौर मकान श्रार० एस० नं० 42/1, एंड 2, सी० एस० टी० रोड, गुड्वांयेरी,-603202 तमिलनाडु, लेख ैं सं० 2417/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 28-11-1984

मोहर 🖫

मुख्य जार्च । हो , एक् , एक ,-------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-II, मद्रास

मन्नास, दिनांक 29 नवस्बर, 1984

निदेण सं० 39/ऋप्रैल, <math>84/7ंज-11—-श्रत : मुक्ते, श्रीमती भ्रेम मालिनी वासन,

जायकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परमान् 'उतन मीधिनयम' कहा गरा हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं०, प्लाट नं० 1210, बोबिलिराजा रोड है, जो के० के० नगर, मद्रास-78 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बाक्कम्, लेख मं० 1076/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिष्त बाजार ग्रन्थ में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नर्ड हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृष्ठित संपत्ति का उष्टित भाजार मूल्य, उसके खर्ममान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम गया तिफल, निम्मलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण किखित में तिफल, निम्मलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण किखित में तिफल, निम्मलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण किखित में

- (क) अस्तरण से हुइ किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: अदि/वा
- (च) गोसी किसी लाय या किसी अन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्णिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १:-- श्री गुत्तु रंगैया,

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती गीता संपत

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना भारी करके प्योंक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई [1]

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो. भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवन व्यक्तियों में सं किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्कत स्थायर संपत्ति में हितयक्थ किसी अन्य ध्यन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है:

म्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान प्लाट नं राय 1210, बोबिलिराजा रोड, के बेर नगर, मद्रास-78 लेख सं राय 2076/84।

> प्रेम मालिनी वासन ॄसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-It, मद्रास

दिनांक : 29-11-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाह्रं ु टी. एर ु एस ू -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के वधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निर्याक्त) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 108/ग्रप्रैल, 84/रेंज- I^{I} —ग्रतः मुझे, श्रीमती प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अधिनिण्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० नं० 144/एल/2, पापनाशम, तंजावूर, डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पापनासम्, (तंजावूर डिस्ट्रिक्ट) में लेख सं० /259/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्विक संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार अरूद, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिखत के वास्तविक स्पृथ कि कामत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाथ की वाक्त, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियों सुवान एक्ट वहीं किया पर था वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सृविधा के लिए:

 श्री एन० एस० सुवामणियन, श्रीमती एस० मधुरम,

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मुमताज बीगम, हबीव श्रम्माल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ग्रनुसूची

भूमि ग्रौर मकान एस० नं ० 144/एल/2, पापनाशम्, (तंजाव्र डिस्ट्रिक्ट), लेख सं ० 259/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

जत: जब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्ता, अर्थात् :---

दिनांक 30: 11-1984 मॉहर ध

प्रकल् बार्ड ्टी. एन , एस , ----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १९७५ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 नवस्बर 1984

निदेश सं० 6/ग्रप्रैल, 84/रेंज-1(---//ग्रतः मुझे, श्रीमनी प्रेम मालिनी वासन,

बायक र श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ल का अधीन सक्षय एडिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रंज से निधक है

श्रौर जिसकी सं० 85 है, तया जो अयंबाक्कम् गांव, (सर्वे नं० 6/3, 6/4ए, है जो मदाय में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण क्य से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अम्बत्र, मद्राम, लेख सं० 1654 1655/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अत्रैल, 1984

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यक्षान प्रतिफल हो, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पतिफल, निम्नलिखित उच्चरेय में उक्त अन्तरण निम्नत में बास्तविक स्प से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुन्दं किसी जाय की बाबत, उसत अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मो अभी करने वा उससे अचने में सृविधा के सिए: और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के अगोजनार्थ जनगरिनी दूजारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में मिक्य के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 25—396GU84 1. श्री एम० एस० राजगोपाल,

(भ्रन्तरक)

मैसर्स निठको ठेरस टैस्स, (प्रा०) लिमिटेड,

(भन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके वृत्रोंकत सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया हुँ॥

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान एस० नं \circ 6/3 एंड 6/4ए, डोर नं \circ 85, श्रयम्बाक्कम् गांव, मब्रास, लेख सं \circ 1654 तथा 1655/84।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 30-11-1984

मोहार 🗅

प्ररूप आहें, टी, एन, एस, -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) को अधीन सुवना

प्राप्त सरकार

कार्यास्त्, सहायक नायकड नायकड (ट्रिनरीकाक) -

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश मं ० 9/ग्राप्रैल, ८४/रेंज-11—ग्रतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया हुं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रह. से वाधक हैं

गीर जिसकी मं० 347 है, तथा जो कोनूर गांव
विल्लिवाक्कम, मब्रास में स्थित हैं (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के
कार्यलय श्रंबतूर, मब्रास, नेख सं० 1754/84 में रिजस्ट्रीकरण
श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भन्नेल, 1984
को पूर्वोंक्त सम्परित के उचित् बाजार मूल्य से कम के क्यमान
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार
मूल्य, उसके श्रूयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का
ज्यह प्रविचत से अधिक हैं बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(क्वरिरित्यों) से बीच एसे अंतरण के सिए तया पाया ग्रीत क्स निम्मिसिक उद्घेष्य से उसत अन्तरण जिन्नित में वास्तिक
कप से किंगत नहीं कि या गया है:---

- (भा) बन्तरम से हुई किसी बाब की बाबब, क्ष्मप् अभिनियम को नभीन कर घोने के बन्तरक को अभिन्य में कभी करने या बससे अक्षन में सुनिधाः के मिए; बाँग/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हों भारतीय आय-कर कृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिखी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने के स्विधा के लिए;

ा. श्री पी० एन० संतानम् चेट्टियार

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रार० राजेश्वरी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्वासित सम्परित के वर्षन के लिए कार्यशाहिमां करता है।

जनत संपृतित को नुर्भन को संबंध में को का भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिदित में किए आ शकें से।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सबस जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा भया है।

नन्त्री

भूमि और मकान कोर नं० 6, तिरूमूर्ति रोड, नुंगम्बाक्कस् मद्रास-34, लेख सं० 172/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

) विनांक: 30-11-1984

माहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

प्ररूप बाह्र्ः टी., एन., एस.: ========

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- च (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजंन रेंज, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 नवस्थर 1984 - 19/भ्रप्रैल, 84/रेंज-I]—-भ्रतः मा

निदेश सं० 19/भ्रप्रेन, 84/रेंज-Il——भ्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

श्रायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उद्दत्त अधिनियम' कहा गया हैं), श्री धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 31 नरेश श्रय्यर स्ट्रीट, टी० नगर है, तथा जो मद्रास-17टी० एस० नं० 5592 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास-17, लेख मं० 347/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक श्रील, 1984

को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिका) और अन्तरिती (अन्तरितिगों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तब पाग गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषम से उकत अन्तरण जिल्ला में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहूव किसी मान की मानत उनके बहिन-नियम से अभीन कर को से अन्तरक के समित्व में कमी करने या उससे बखने में सुविधा के सिए; बहु-/वा
- (वा) एसी किसी भाग या किसी भन् वा अन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम या भन् कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्च जन्तीरती द्वास प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिक्ट;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्मसिन्दित व्यक्तियों, अधिक् क—

- 1. श्री पी० ग्रार० श्रीनिवासन, ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- श्री एस० सी० शिठरम्बलम, नाडार ग्रौर सन्स (अन्तरिति?)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिशायित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्सूत्र

भूमि 31, नरेण श्रय्यर स्ट्रीट, टी॰ नगर, मद्रास-17, लेख सं॰ 34.7/84।

त्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

दिसांक: 30-11-1984

मोहर 🖪

प्ररूपः आर्षः, टी. एतः एस्.; - = - - -

जायकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के ग्रंधीन स्चना

भारत सहकार

कार्णस्यः, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० 25/ग्रप्रैल, 84/रेंजII----ग्रतः मुझे प्रेम, मालिनी वासन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० डी० नं० 16, पार्थणारितपुरम, नार्थ त्यागरायानगर है तथा जो मद्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय टी० नगर, मद्रास , लेख सं० 374/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908-(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्विक्त सम्पस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अे लिए; और√या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्थ अम्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान म मूध्यिमा है सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् .--- 1. श्री सी० दयानन्दन,

(भ्रन्तरक)

श्री एस० विजयभारती,
 श्रीमती एस० वरलक्ष्मी,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख शे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्मिक्तियों में से किसी स्मिक्त इवारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास नित्तिता में किए का सकोंगे।

श्याष्ट्रीकरणः — स्वामें प्रमुक्त शब्दों और पर्शे का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित - हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

17(4)

भूमि श्रौरं मकान डोर नं० 16, पार्थ शारतिपुरम, नार्थं टी० नगर, मद्रास-17, लेख सं० 374/84 ।

> प्रेम मालिनी बासम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-मू, मद्रास

दिनांक: 30-11-1984

मांहर:

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्जालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 1984.

निदेश सं० 30/श्रप्रैल, 84/रेज-11---श्रनः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अभिक्षिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 22, यागाम्बाल, स्ट्रीट, टी० नगर है, तथा जो मद्राम-17 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय टो० नगर, मद्रास , लेख सं० 449/84 में रजिस्ट्रीकरण ऋधि-1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक श्राप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दरपमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्परित का उचित काजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से एंसे इश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (सा) एंसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियो कां जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के प्रत्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कं अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री भ्रगस्त्यर दूस्ट .

(भ्रन्तरक)

श्री ए० कोवण्डरामी रेड्डी

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ए—े

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वास,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर मिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

Trees.

भूमि श्रीर मकान नं० 22, योगाम्बाल स्ट्रीट, टी०नगर, मद्रास-17 , लेख सं० 449/84।

> प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 30-11-1984

माहर 🖫

प्ररूप बार् टी एन एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269- ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 31/अप्रैल, 84/रेंज-II—अतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० सं० नं० 9039, पट्टा नं० सी०ए०-66/81+82, बी० नं० 130 है, तथा जो टी०नगर, मब्रास-17 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्जा अधिकारी के कार्यालय टी०नगर, मद्रास-17, लेख सं० 463/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रुपेंल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

ा. डा० टी० के० राममूर्ति

(भ्रन्तरक)

2 श्री ए० एस० जगन्नाथराव

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बर्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ नं॰ 9039, पट्टा नं॰ सी॰ ए॰ 66/81-82, विनांक 25-8-81/बी॰ नं॰ 130, टी॰ नगर/मद्रास-17, लेख सं॰ 463/84।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

अतः अतः अतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित ः—

्दिनांक 🛭 30-11-1984

मोहर:

प्रसम् बाइ , टी. एन. एस.-----

1. श्री रजिया पाणी,

(भ्रन्तरक)

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

क्षेत्र स्था साथ राजेन्द्रन, इ.स. स्थान स्था

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निर्देशिय)

म्पर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं ० 34/म्रप्रैल, 84/रेंज-II-—म्रतः मुझे, प्रेम मालिमी वासन,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 32, क्लेमन्स रोड, पुरशवाक्कम है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबत अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय पुरशवाक्कम मद्रास, लेख सं० 720/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह जिस्त्रास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और सन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिचित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण लिकिश में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी भाग की वाबत उक्त अभिनियम के अभीन कह दोने के जन्तरक जे सामित्य में कामी करने या उससे वचने में सृथिभा के शिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा से विष्ट;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षप ु---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः-- इसमें प्रयुक्त कार्बों और पर्दों का, को उक्त स्पिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहा अर्थहोगा, जो उस अध्याय में किया गया हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर मकान डोर नं० 32, क्लेमन्स रोड, पुरणवाक्कम मद्रास, लेख सं० 720/84।

> ें प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

नतः नन, उन्त निभिन्यम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त निभिन्यम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 30-11-1984

मोहर :

प्ररूप वार्षः टी. एत्. एस्.,------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 0 नवम्बर 1984

निदेश सं० 48/भ्रप्नेत, 84/रेंज-II-भ्रतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 497 तथा 498, पूनमल्ली है रोड, ग्राहम्बाक्कम, है नथा जो मद्रास में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारों के कार्युलिय को कोडबाकम मद्रास, लेख सं० 906/84 में रजिस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक ग्राप्ति, 84,

को पूर्वो कि सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिशी (अन्तरिज्यों) के यीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदियों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्त्रिविश रूप से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की वायत उक्त निध-नियम की नधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उल्से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

लतः बंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण कें. मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीय, ('नम्निसित क्यिक्तियों', अधीत ह— 1. श्री पी० एस० नंद गोपालन, श्रीर अन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ज्योति स्वामीनाथन ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना प्रारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कासवाहियां करता सूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तांगील में 20 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मों सका ता होती हो, के भीतर पूर्वेक्त काक्नियों में में किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिवर्शन के हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किल गया है।

अनुस्की

भूमि ग्रौर मकान डोर गं० 497 तथा 498 पूनमरुली हैरोड, ग्ररूप्वाक्कम, पदास, लेख सं० 906/84।

> प्रेम नालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 30-11-1984

मोहरः

प्ररूप आइ". टी. एन. एस.-----

जासकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 3 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 53/म्रप्रैल, 84/रेंज-II----मृत: मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि श्रौर मकान डोर नं० 142, नुगम्बाक्कम है रोड, है, तथा जो मद्रास-34 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय थाँसंडलैंट्स, मद्रास लेख नं० 151/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रमेल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित याजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षस , निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण सिक्षित में बाक्क विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमित्रम के जभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में तृतिभा के सिए; औड/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा जस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्हें अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तिरिती बुधारा त्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना थाहिए जा कियाने में स्विधा के निए;

कतः अथ, उक्त ज्रीभीनयम की भारा 269-म के बनुसरक मो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, बर्धात् ६—— 26—39 6GI/84 1. मैसर्स कांतिनंदन, बिल्डर्स.

मद्रास ।

(ग्रन्तरक)

2. 2. मैंसर्स स्टिक द्रावल्स,

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ्लिए फार्यवाहियां करता हूं।

उच्च सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ६—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर क्यक्तियाँ में से किसी स्यक्तिस दूरारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्थित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची ं

भूमि भ्रौर मकान डोर नं० 142, नुंगम्बाक्कम, है रोड मद्रास-34, लेख सं० 151/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 3-12-1984

मोहर:

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस . -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्तक)

म्रर्जन रेंज-[[, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं अगर एस वर्ग 126/5, हिस्सा नुगम्बाक्कम, है, तथा जो मद्रास-34 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ईरजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय थौसंउलैट्स, मद्रास, लेख सं वर्णित है के ग्रधीन दिनांक ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रील, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देष्य से उक्क अन्तरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्र—

- (क) अभ्यारण संहुई किसी आय की शबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दवने में सुविधा के सिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियः को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उच्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में सविधा को लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती ग्रार० सरस्वती, कृष्णामूर्ति

(भ्रन्तरक)

2. श्रीएस० ए० हुसैन ग्ररीफा

ಸರ್ವಿಸುವಿದ್ದಾರೆ ಮುಸ್ತಿಸಿ ಎಂದು ' ಕ್ರೇಟ್ ಭಿಟ್ಟಿಸಿದ್ದು ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಮುಸ್ತಿಸಿಕೆ ಮುಸ್ತಿಸಿಕೆ ಮುಸ್ತಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಸಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಸಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಸಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್ಕಿಸಿಕೆ ಸಿಸ್

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सुजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पथ्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उन्तर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि, श्रार० एस० ्नं० 126/5, पार्ट, नुगम्बाक्कम्, मद्रास-34, लेखा सं० 202/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षमं प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक: 30-11-1984

मोहर :

प्ररूप बाइ . टी. एन., एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० 89/ब्रप्रेंस, 84/रेंज-II—श्रतः मुझे, प्रेम मासिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० लेख सं० 771/84 का शेड्युल में दी हुई सम्पति है तथा जो श्रोरैयूर, ट्रिक्नी मैं स्थित है (ब्रौर इससे उपाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रोरैयूर, ट्रिक्नी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रमैल, 1984

को पूर्वक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गह है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

नतः जन, उत्तत अधिनियम, की धारा 269-ग के जन्मरण भें, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधाराः (1) के अभीन, गिम्नतिकित स्पक्तियों, जनति ह— 1. श्री भ्रार० सुद्रामणियन

(अन्तरक)

2. श्रीमती एस० नीला।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनता सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

असमाची

भूमि लेख मं० 771/84 का गोड्यूल में दी हुई सम्पति भोरैयूर/ ट्रिच्ची ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

विनांक: 30-11-1984

ोहर:

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के द्वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25 000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 252, नीलगिरि, तंजाबूर, डिस्ट्रिकट, में स्थित है (ग्रौर इससे "पाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, तंजाबूर, में लेख सं० 628 एंड ७29/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ग्रेप्रैल, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान बितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्य में अभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने कें सुविधा के लिए;

नंतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सम्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, न्मिनलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्रीमती श्राई० जे० नच्चलिग्म,

(भ्रन्तरक)

2. श्री बी० श्रीनिवासन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संवधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ती।

स्पष्डोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जिमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होंगा जो जक्त अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रनुसूषी

भूमि :---भ्रार० एस० नं० 252, नीलगिरि, तंजाधूर, लेख सं० 628 एंड 629/84 ।

प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज -. मद्रास

विनांक: 4-12-1984

मोहर:

प्ररूप बार्ष, टी., एन., एस.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

मारत संस्कार

कार्यासय, सहायक गामकर गामकत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज 11, मद्रास मंद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 100/प्रप्रैल, 84/रेंज-11----श्रतः मुझे प्रेम मालिनी वासन,

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उषित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये स अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 41-5, सी० नं० 1671/ 96/1, है, तथा जो शेदीपेठ गांव, पांडिचेरी, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिप्रकारी के कार्यालय विलियनूर, लेख मं० 346, 347, 348, तथा 349/84 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक ग्रग्रैल, 1984

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रितिफल से, एसे इश्यमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथात नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय को बायत उक्त भांभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या है कसी धन या जन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., कियाने में मृतिभा के लिए;

अशः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के जनुसरण कें, औ, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीत, निम्निसिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

1. श्रीमती लक्ष्माम्बाल, श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरक)

2 मैसमं लोट्स रूफिंग्स, प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि:- ग्रार० एस० नं० 41-5, सी० नं० 1671/96/1, शेदीयपेठ, गांव, पांडिचेरी, लेख सं० 346 से 349/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

दिनाक 5-12-1981 **भोहर** ॥

प्रस्प नाइ .टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, II, मद्रास मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर, 1984 निदेश सं० 107/ग्रप्रैल 84/रेंज-II---श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सी० 241/1 बी, (श्रार० एस० नं० 119(3), 241/3 बी, सी० नं० 241/2, सी० नं० 241/4/1 बी, श्रार० एस० नं० 119/3 है, श्रार० एस० नं० 119/3 है, विश्लियनूर गांव नूनीपेठ में स्थित है (श्रौर इस उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय विलियनूर, /पांडिचेरी, लेख सं० 350 से 353/84, में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रग्रैल, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— 1. श्री गणेशन,

(भ्रन्तरक)

 श्री सदानन्व रान, मैनेजिंग डाइरेक्टर, दी वेनहक्स एगते इन्डस्ट्रीज प्राइवेट सिमिटेड, मद्रास-83

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यित्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुर्यो

मूमि:- क्रुंबि, मूमि सी० नं० 241/1 बी, 241/2, 241/3-बी, तथा 241/4/1 बी,सी० सर्वे नं० 119/3, बिल्लनूर गांव, तूतिपेठ, (पांडेचेरी), लेख सं०:- 350 353/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर बायुक्त** (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

विनांक 4-12-1984 मोहर: प्रकप नाइ ुटी, एन, एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज II, मद्रास मद्रास दिनांक 5 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 104/श्रप्रैल 84/रेंज-II—श्रतः मुझे, प्रेममालिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 7 वी कास स्ट्रीट, रेनबो स्ट्रीट, है, तथा जो पांडिचेरी में स्थित है (श्रीर इस उपायद्ध श्रनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय ग्रोसुगरे, (पांडिचेरी), लेख सं० 817/84, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरणुसे हुई किसी शाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए थां, छिपाने में सविधा के लिए:

कतः कवा, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, पिश्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री तंबु मल्ला, रामलिंगम्।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गणपति।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकरी।

स्पव्यीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि श्रौर मकान:- 7 की क्रांस स्ट्रीट, रेइन्बो नगर, पांडिचेरी, लेख सं० 817/84-85 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक 5-12-1984 मोहर : प्रक्ष्प. बाइं. टी. एत. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

निदेश सं० 110/अप्रैल 84/रेंज-II---अतः मुझे, प्रेम मालिनीः वासन

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० भूमि: टो० एस० नं० 15ए, 16, 18, 19 तथा 20 है, जो पूर्जलकरपुरम्, ईरोड, तालुक, पेरियार डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के हार्यालय, ईरोड (पेरियार डिस्ट्रिक्ट/लेख सं० 1522 तथा 1523/84 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक अप्रैल 1984

को प्राेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रोकर्ता के कार्यालय फड़्र में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मुह विश्वास करने का कारण है कि यद पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान के सिद्धा

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, बैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्रो सी० ग्रंगमुत्तु, मुदलियार, ग्रीर अन्य । (अन्तरक)

 - 2. श्री एम० जगन्नाथ मुदलियार के पुत्र

ंश्रो जे० सुद्धानन्दन,

प्रेजिडेन्ट,: ,ईरोड, वावर्स को-आपरेटिव प्रोडक्शन ग्रौर सेल; सोसायटो लिमिटेड, ईरोड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उनत सम्बक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसंची

भूमि'- टो॰ एस॰ नं॰ 15/ए 16 18, 19 तथा 20, गुंजे लक्कपुरम्, गांव, ईरोड, तालूक/पेरियार, डिस्ट्रिक्ट/लेख सं॰ 1522 तथा 1523/84 ।

प्रेम मालिनो वासन स्प्लम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

दिनांक : 30-11-1984

मोहर

ब्रक्स बाई. टी. एन्. एस. ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वादा 269-म (1) के मधीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० 114/अप्रैल 84/रॅज-११--अतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रा से अधिक हैं

भौर जिसको सं० सर्वे नं० 263/1, सौथ कोई, स्ट्रीट, है, जो विरूक्यांचलम्, साउथ आरकाठ डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूच में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिहार के कार्यालय वृध्यचिलम् साउथ आरकाट डिस्ट्रिक्ट लेख सं० 838त या 839/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्ध है और मृत्रे यह विद्वास करों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सुम्पत्ति का अचित बाजार पृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) इस त्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उबसे बुधने में सृत्यिथा चे निए; बौर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में इतिया खे निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधान निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात्:—— 27—396GI|84 1. के॰ जयरामन

(अन्तरक)

2. श्रो नरेण चेट्टियार

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु

सक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी बन्य स्थितर द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया।

THE RES

भूमि:- आर॰ एस॰ नं॰ 263/1, सौथ कोई स्ट्रीट, वृक्षाचनम्, लेख सं॰ 838 एंड 839/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज II, मब्रास

दिनांक 6-12-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकार आयुक्त (निरुक्षिण)

धर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० 122/अप्रैल 84/रेंज- -अतः मुझे, प्रेम मालिनी बासन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० 26, रेलवे स्टेशन, रोड, जो पोल्लाच्चा में स्थित है (प्रोर इउते उपाबद्ध अतुमूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय पोल्लाच्चा, लेख सं० 730/84 में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक अप्रैल 1984

की पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बश्विरितियों) के भीष ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्तिविक्त उद्देश्य से उनते सम्बर्ग लिखत में बास्त-

- (क) प्रश्तरण से तुई जिली भाग की बाबत शक्त छि-विषय के प्रधीन कर वेने के प्रश्तरण के बांबिस्य में कर्म। करने या इससे अचमे में सुविधा के खिए। बौर/धा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, फिपाने में स्विभा के लिए;

श्रो कुबेन्द्रन, चेट्टियार।

(अन्तरक)

2. श्री एत० पनानिस्वामी, चेट्टियार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूजांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविक्त स्थासत्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्साक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में गिरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स् धो

भूमि: भीर मकान डोर नं० 26, रेलवे स्टेशन रोड, पोल्लाच्ची लेख सं० 730/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

अतः अव, उवर अभिनियम की भाग 269-म के वन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ■ अधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक 30-11-1984 मोक्टर : प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. - - 4 ६---

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण) अर्जन रैंज-II, मद्रास

मद्रास दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 145/श्रप्रैल 84/रेंज-॥—श्रतः मुझे, प्रेम मालिनी यासन,

आयकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिकियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 9/396, 398/4, शोर नं० 10, रामतगर हैं जो की पबटूर में स्थित ह (और इससे उपार्बंद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, को यम्बत्तूर लेख सं० 1508/84 रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक श्रप्रैल, 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान व्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल् से, एसे दश्यमान प्रतिफल् का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत् में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण संसूध किसी भागकी भागत, उनक अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे जनने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

भतः जब, उथल अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उदल अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (!) के अधित निम्नोलिसिस व्यक्तियों, वर्ष्याह हु---- (1) श्री एच० वेंकटरामंत ।

(भ्रन्तरक)

(2) डा० के० रंगनाथन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के सूर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त काक्षों और पदों का, जो उक्त अधिनित्तम्म, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

टी॰ एस॰ नं॰ 9/396, 398/4, होर नं॰ 10, रामनगर कीयम्बत्र ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज⊶U, मद्रास

साराख : 5-12-1984

मोहर:

प्रकण मार्च ु दर्भ पुन ् एस ्नन्न-नन्न

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासयः, सहायक जायकर आयुक्त (निर्शक्षण)

मद्रास, विनांक 5 विसम्बर 1984

निदेश सं ० 1 4क | भ्रत्रेल 84 | रेंज--II-भतः सुक्षे, प्रेम मालिनी वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से बिधक है

भौर जिसकी सं शोर नं 6/37 (न्यू टी एस व नं 1/1359 हिस्सा पुलियंकुलम् गांव है, जो रेस कोर्स रोड, कोयम्बसूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बसूर लेख सं 1540/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्वर्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्वर्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसीं जाय की वाजत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूविधा के सिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों. अधित् दे—- (1) श्री बी॰ सडगोपाल नायड्

(अन्तरक)

(2) श्री पी० एस० नागराजन।

(धन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संप्रित के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्षितयाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्वयद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त अन्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान :—6/37, हिस्सा टी॰ एस॰ नं॰ 1/135 हिस्सा पुलियंकुलम् गांव, रेस कोर्स रोड, कोयम्बत्तूर लेख सं॰ (1540/84)

प्रेम मालिनी वार्सन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-॥, मद्रास

दिनांक: 5-12-1989

मोहर :

प्रस्य बाइं.टी.एन.एस., =-----

भाषक ुष्पिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भ (1) के स्थीन स्थना

भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक आयकर वाय्वत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं ० 148/प्रप्रैल 84/रेंज ।।—-प्रतः मुझे, प्रेम मालिनी। वासन,

भायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक है

ूष्मौर जिसकी सं० टी० नं० 1/1314, ओल्ड टी० एस० नं० 311/5), है, जो ट्रिच्बी रोड, कीयम्बलूर टाउन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, कोयम्बलूर लेख सं० 1545/84 रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन दिनांक ग्राप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं क्रिया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा है जिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृश्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधील, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अभित् ह--- (1) श्री एस० रामक्कष्ण नायडू।

(भन्तरक)

(2) श्री एम० ग्रार० देवराजन.

(प्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :~--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूर्जेंग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: -- ६ समें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमृत्या

टी॰ एस॰ नं॰ 1/1314 (पुराना टी॰ एस॰ नं॰ 811 5), दृष्टी रोड, कोयम्बस्र लेख सं॰ 1545/84)

> प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-॥, मन्नास

दिनांकः : 5-12-1984

मोहर:

प्ररूप 'आइ': टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 150/प्रत्रैल 84/रैंज-॥--भ्रतः मुझें, प्रेम मालिनीः वासनः

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. स जीधक हैं अपेर जिसकी सं० 18, सेल्लप्प गींडर स्ट्रीट, कंट्र य, कोयम्बा हैं, जो कोयम्बत्तूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण स्पूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रोधकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 993/84 रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीत, दिनांक अप्रेल 1984 को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य स उक्त अत्तरण लिखित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अंतरक के सायत्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय यो किसी धन या कृत्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जारा साहिए था जिलाने में सुविधा के लिए;

कतः वयः, उकतः अधिनियमं की धारा 269-ग के वन्सरण में, में, उकते अधिनियमं की धारा 269-भ की अपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, संधीत् :---- (1) श्री टी० वी० राममूर्ति ।

(ध्रन्तरक)

(2) श्रीमती ग्रमलोर्मलतम्माल ग्रौर श्री एस० स्वामिनाथ पिल्लै

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाद्रिया अपन करना हाँ।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 मूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जा भी
 अवधि बाद मों समाप्त हीती ही, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जर सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यासी हैं।

प्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान:--- डोर नं० 18, सेल्लप्प गौंडर स्ट्रीट, काठ्ठूर, कोयम्बत्तूर लेख सं० 993/84।

> प्रेम मालिनी वासन राक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निर∴क्षण) श्रर्जन रेज–॥, मद्रास

दिनांक : 5-12-1984

मोहर :

प्रक्रम आह: टी. एन. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1989 :

निदेश सं० 151/अत्रैल 84/रेंश-11--श्रतः मुझ, प्रेम मालिनी वासन

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उन्तर सिंधनियम' कहा गया ही, की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति देणबन्धु रट्टीट, राम नगर है जो नीयम्बन्द में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्ध में श्रीर पूर्ण क से विणित है), रिजिट्टीकना श्रीधनारी के कार्यालय, कीयम्बन्दर लेखा सं० 994/84 में रिजिट्टीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रील 1984,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्न किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याग प्रकट नहीं किया गरा पा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 260-म के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन --- (1) श्री टी० बी० राममूर्ति

(धन्तरक)

(2) श्री एस० ग्ररपुदम पिल्ले

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

एवत सम्मिल्त के अर्थंत के सम्मन्ध में कोई भी वासंप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी स्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है।

जग्स्ची

भूमि श्रीर मकान :--देशबन्धु स्ट्रीड, रामनगर, कोयबम्बसूर लेख सं० 994/89 ।

> त्रेम भालिनी वासन सक्षम प्राधिकारो महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्चन रेंज-II, मद्रास

दिनांक : 6-12-1984

मोहर:

प्रकृष् बार्ड ् डी ् युन् ् युन् ु----

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत क्ष्यना

धारक सहस्वार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 विसम्बर 1984

निदेश सं० 152/अप्रैल 84/रेंज्ञ--अतः मुक्तें, प्रेम मालिनी बास्तः,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/-रु. से अधिक है

औरित्सिकासं० क्षीरनं० 11/15, देशबन्धु स्ट्रीट है, जो कोयम्बस्र टाउं में स्थित है और इसते उपाबद्ध में और पूर्ण का से विषय है), रिजिन्द्रा उर्ती अधि अरो के सार्यात्मम, कोयम्बस्र लेख सं० 995/84 में भारताय रिजिस्ट्रा अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अजान, विजाब अर्जेल 1984,

को श्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षत को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्ष्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षत का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्ष्रीयत नृहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावता, उथस जिथितियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अभने से सुविधा के सिष्टु; बर्डिं/बा
- (थ) ऐसी किसी आयं या किसी पत्र या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्श अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था था था किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा की सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण भी. भी, उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग की उपधार्य (१) ो अधीन, निम्नसिंखित व्यक्तियों, ज्याति ह— (1) श्री टो॰ वी॰ राममूर्ति

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० जें० बरनत

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त संपृत्ति वें वर्षन के बिद कार्यवाहियों कारता हो।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी माक्षेप 🖫 —

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबीध, जो भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवांकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः - इतमें प्रयुक्त सन्तों मौर पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

संगत्त की

भूमि और मञ्चान — डोर नं ० 11/15, देशबन्धु स्ट्रीट, रामनगर, कोयम्बन्ध्र - लेख सं ० 995/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II, मद्रास

विमान 1 6-12-1984 कोइर इ प्ररूप आर्ड, टी. एन. एस. ------

अनायफार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 6 विसम्बर 1984

निवेश सं० 159/अप्रैल 84/रेंज-II--अतः मुझें, प्रेंम मालिनी वासनं,

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

िं और जिसकी सं० टी० एस० नं० 8/995/सी, कोवेली क्रोन रोड, कोयम्बत्त्र है, जो भद्रास में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तर लेखसं० 1848/84 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरममान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और **अ**न्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गुर्मा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया नवा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के मधीन कर वोने के बन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (**व**) एेसी किसी जाय 'या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम भी धारा 269-ग के अनमरण में, में अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

28-396GI 84

(1) श्री एम० पोब्स्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री आर० के० सियेंलाल

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथे क्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थाधर सम्परित में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कों गं।

ल्पब्टीकरणः—–इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **उक्ट** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि :---टी० एस० नं० 8/995/सी, कोवेर्स: क्रोर्न स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर--- 9 लेख सं० 1848/84 ।

> प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांका : 6--12--1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, भन्नास

मद्राम, दिनांक 30 नवम्बर 1984

· निदेश सं० 165/अप्रैल 84/रेज-II---अतः मुझें, प्रेम मालिनी बासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं अम्पत्ति आर एस ० नं ० 691 तथा 692 है, जो कूनूर में स्थित है (और इसमे उपाध उ में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीसर्ता अधिकारों के आर्यालय, कूनूर लेख सं ० 365/84 में रिजस्ट्रीसरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984,

करें पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है अन्तरक और (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निस में नास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जोर्/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में ध्रितिधा के लिए।

कतः अब्, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित् क्षान्त (1) জনি স্মত কাতে কালাৰ

(अन्तरक)

(2) श्रो वी० के० जयप्रकाश

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (र्घ) इस शुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क में परिश्वित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अगस्त्री

भूमि और मनाम :--आर० एस० नं० 691 तथा 692, कृत्र लेख सं० 365/84 ।

> श्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अनंत रॉज∼II, मद्रास

विनांब : 30-11-1984

प्ररूप आर्°.टी. एन्. एस . -----

शायकर श्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के स्पीन स्पना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 166/अप्रैल 84/रेंज-JI---अतः मुझें, प्रेंम मालिनी वासन

नायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 999, 1002/1, कुनूर टाउन है, जो कुनूर में स्थित है (और इसपे उपाषद्ध है और पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्रीसर्ता अधिसारी के जार्यालय, कुनूर (नीलिंगिरीस) लेख सं० 470/84 में भारतीय रजिस्ट्रीसरअ अधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन, दिनास अप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूक्य, उसके दर्यमान प्रतिफान के एसे दर्यमान प्रतिफान के पंकाद प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरण (अंतरकार) बार अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- छच, निम्नु निश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिचित में बास्तविक स्थ्य से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तर्भ चंद्रुवं किसी बाग् की वाब्स्, उक्क जीत्रिक्ष के अभीत कर वोने के बन्तरक के वाजित्य में कृती कर्त्य वा उक्के ब्यूचे के बृहिशा के के लिए; जीट/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गुवा वा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में मृतिधा के लिए;

कतः अव, उक्त विधीनवन की धारा 269-ग के अनुबर्ष में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) अधीन, निक्तनिविद व्यक्तिवार, वर्षातः :--- (1) श्रीमती डो० सामु

(अन्सर्क)

(2) मेससं दं रें सिवसेस इण्डिया प्रा० लिमिटेड कुन्नूर (नीलगिरीस)

(अन्तरिती)

का यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के निरु कार्यवाहियां शुरू करता क्ष्मा

उन्त संपृत्ति के भूषेत के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की बारीबा से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए जा सकरी।

नग्रु स्थी

भूमि :—सर्वे नं ० 999 तथा 1002/1, कुनूर-लेख सं० 470/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधि कारी सहायक आयक्तर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेज-11, मद्राम

दनांस : 6-12-1984

प्रकल बार्ड टी. एत. एस.- - - =

नाव्कार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत संदुष्टार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० 167/अप्रैल 84/रेंज-II--अतः मुझें, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि खेती सर्वे नं० 97/7, 97/10, 94/4 97/12 है, जो येडपिन्ज, कुनूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इससे उनावड में और पूर्ण रूप सं विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुनूर निलगिरी लेख सं० 451/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यद्दें हैं बीर मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह् प्रतिशत्त से बिधक हैं बीर अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कृथित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उन्त निविध्य में बधीन कर दीने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उबसे बुखने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (ब) एँसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिस्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बॉधनियम, या बन-कड बॉधनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोचनार्ण बन्तिरती ब्रुवारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, नवाँत ध ---- (1) श्रीमती वोई बी० मधन और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्री एम० बी० तंजन और अन्यों

(अन्तरिती)

च्चे बहु सूचना बारी करके प्वॉन्त सम्मृत्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुई ।

जनत सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में खोड़ों भी बाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनभि पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी अमिप बाद में समाप्त होती हो, के भीएर पृश्वित व्यक्तियाँ में से किसी क्यांचित व्यक्तियाँ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दीकारण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एवा हैं।

अनुसूर्यी

कृषि भूभि :---सर्वे नं० 97/7, 97/10, 94/4 और 97/ 12 येउपल्लि कुनूर तालुक/नीलगिरिस/लेख सं० 451/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--11, मद्रास

दिनांक : 30-11-1984

प्रकृप बार्ष ही एन एक

भावकर माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भादा 269-भ (1) के मधीन सुचना

शाहर शहराह

कार्यालय, सह्यक बायकर बायकत (निर्देशक) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निवेश सं० 168/अप्रेल 84/रेज-II--अतः मुझे, श्रामती प्रेम मालिनी वासन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० आर० एस० नं० 371 है, जो नीलगिरी में स्थित है (और इसने उपाबद्ध है और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोक्त अधिकारी के कार्यालय, कुनूर लेख सं० 631/84 में भारतीय रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वेक्ति सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिश्रेश के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से एसे क्रयमान प्रतिकल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के <u>वारि</u>यत्व वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहा को सिए;

शतः सब ु उक्त अधिनियम की धारा 2,69-ग के अनुसरण औ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीका निम्निसिंकत व्यक्तियों अर्थात् ध—

- (1) श्री एस० गिरिराज
- (अन्सरकः)
- (2) श्री पी० टी० वरगीस

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिथ् कार्यनाहियां करता हुं।

ंडमक् बुम्बरित् मी अर्थान् के तम्बन्ध् में न्योदी भी लाक्षेत्र:--

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के
 पास निविक्त में किए वा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पश्चों का, यो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गया हैं।

जन्**त्र**ी

3.93 एमर्स कृषि भूमि:——आर० एस० नं० 371, नील-गिरि लेख सं० 631/84/कुन्र ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांन : 30-11-1984

प्ररूप काई, टी. एन. एस., -----

जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्शक्षण) । अर्जन रेज-II, मब्रास

मब्रास दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश मं ० 173/अप्रैन 84/रेंज्-II---असः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी॰ एस॰ नं॰ 440/3/1, बंगारा रोड एक्सटेंगन है, जो तिरूप्य में स्थित है (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, तिरूप्य लेख सं० 951/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984,

को पूर्वेक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह बिहवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसक द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि किस में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क), वंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्नियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राना चाहिए था, छिपाने में सचिधा के लिए;

जत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकत क्यिनस्था, अधीत्--- (1) श्री एमः मुन्बाराय गाँडर और अन्यों

(अन्तरम्)

(2) श्री ए० जयसिंग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यमाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जे. भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (क) इस सूचना क शजपत्र मा प्रकाशन का तारी का से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति माँ हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति मां किए जा सर्वोध ।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नम्स्यो

भृमि टी० एस० नं० 440/3/1/बंगार रोड एक्सटेंशन तिरूप्र-लेख सं० <math>951/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, मद्रास

तारीख: 5-12-1984

प्रकृष कार्ष. टी. एवं. एवं. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज $-\Pi_{i}$ महास

मद्रास दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं र्वे 174/अप्रैल 84/रेज-II---अतः मुझे, प्रेम मालिती वासन्

भायकर किंशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उन्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थानर संपर्तित, जिसका उचित बाजार न्स्य 25,000/ रा. से अधिक है

और जिसकी मं० सर्वे नं० 665, एल० एन० एस गांव, करूर तालुक है, जो द्रिज्नो डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसमे उपावद में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करूर (पिक्समें) लेख सं० 894/84 भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल, 1984.

को पूर्वों कर संपरित के जियन बाजार मृस्य से कम के क्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मृस्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंबरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अञ्चलक के हुन्दं किसी नाय की कावल, उनस्य अधिनायन की संयोग कर दोने के अन्तरक की शामित्व में कमी करने वा उनसे व्यान में सुविधा को सिए; और/मा
- (क्) ऐसी किसी नाय या किसी भून या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनक विभिनियम, या घर-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अधिनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना जाहिए था, छिपान में क्षिका के बिह्म,

(1) श्री टो० ए० पंतिसामि और अन्यों

(अन्तरक)

(2) श्रो कि चन्द्रशेंकरत, मैनेजिंग डाइरंक्टर, मेसर्स पी० कालियप गौंडर चेक्स्टैल्स, कुरूर । (अन्सरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मारित के मर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजपण में प्रकाशन की नारीय है 45 विन की मन्धि मा तत्सम्बन्धी व्यानतयों पर स्वाम की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

श्यास्त्रीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्विसम्, के नृष्याम 20-क में पृरिभाष्टि ही वहीं वर्ष होगा वो उस मध्याम में निका क्या ही ।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 665, एल० एन० एस० गांव सरूर तालुम/ लेख सं० 894/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम शाधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-11, मद्रास

न्त अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुबहुक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र-

दिनांग : 30-11-1984

प्र**क्ष्य बाह् .टॉ .एन .एस** . जन्मवस्था

अध्यक्त र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-प (1) के अधीन सुपना

मारत चडन्तर

कार्यात्म, सहायक नायकार नामुक्त (निरीक्ण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 30 नवम्बर 1984

निर्देश सं० 175/अप्रैल 84/रेंज-II---यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एस० नं० 426, 435/ए, एल० एन० एस० गांव है, जो करूर तालुक (द्रिज्यी डिस्ट्रिक्ट) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के सार्यालय, करूर (पिष्वम) लेख सं० 916/81 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अप्रैल, 1984,

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अवसान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाना गवा प्रतिफल निम्निलिस्ति उद्योदय से उन्नत अन्तरण निस्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी बीव भी बावत उपत ब्रिजियन के अवीच कड़ बोने के अन्तरक के सामित्य में कभी करने वा वसने बचने में सुविया के सिंह, बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्याधिनियम, या धन-कर व्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में श्रीवंश के लिख;

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ते, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री के० रंगस्वामि गौंडर और अन्य ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्री ई० सुम्बरायन

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी कारके पूजांक्य स्थातित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त दम्पतित के वर्षन के सम्बन्ध में नहेंचे औं बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जनिष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिष, जो भी अनिष बाद में सजाप्त होती हो, के मीलर पूर्वों कर स्थानियों में से किसी स्थानिस बुवारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में द्वितवृष् किसी मन्य स्थिति ह्वारा म्थाहस्ताक्षरी के शब्द निविद्य में किए का सकरेंगे ।

स्यव्यक्तिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम को कथ्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्यास में दिसा ववा हैं॥

वनस्त्री

भूमि: --सर्वे नं ० 426 तथा 435/ए, एल ० एन ० एस ० गांधः भक्तर तालुक, दिचकी डिस्टिक्ट--सेख सं ० 916/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II (आई0सी0), मद्रास

दिनोक : 30-11-1984

प्रस्य आहें. ट्री. एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकार बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, विनांक 4 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 184/अप्रैल/84/रेज-II-यतः, मुझें, श्रेम मालिनी वासन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकें। सं० टी० एस० नं० 314 तिसी, 874 मो, सामिक-तापालयम गांव है, जो मेठुपालयम तालुक, नोलिंगरो डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (और इसते उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोनित अधि हारा के खार्याजय, मेटुपालयम (लेखसं० 739 से 741/84) में रिजस्ट्राक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16) के अधान, अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित माजार मूल्य से कम के बरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके बरयमान प्रतिफल से, एसे बरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक इप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाव की बाबत, अवस अधिनियम के बधीन कुछ दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उद्यसे बचने में सुविधा के बिहा; बॉर/बा
- (च) एँसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के से प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म कं, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ■ अधीत: निम्तिलिखन स्यक्तियों, अधीत:——

29 - 396GI 84

- (1) श्रो पोरैया अलैयास शिवराज और अन्य । (अन्तरक)
- (2) श्री आर**ः म**णि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-..

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी स्पन्तित द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों, और पर्वो का, जो उक्त अभिनयम के अध्याय 20 का प्रशिक्षाधिक हैं, वहीं अर्थ होता. जो उस अध्याय में दिया नगा हैं

मन्ष्यी

भूमि :--टी० एस० नं० 314/1-सी; 874/बी, काशिकता-पालयम नीलगिरि डिस्ट्रिक्ट-लेख-सं०739, 740, 741/84)।

> प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिसारी सह।यक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸II, (आई०सी०) मद्रास

विनांबा: 4-12-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.----- (1) श्रीमती मेलवरत्नम ।

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्(1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक जायकर जाय्मत (पिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मब्रास, दिनांक 5 विसम्बर 1984

निर्देश सं० 204/अप्रैल 84/रेंज-II--यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रापये से अधिक **हैं**

भ्रौर जिसकी सं० भ्रो० एस० नं० 572, कालपट्टि है, जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम् कोयबत्तूर (लेख सं० 1362 84 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के भ्रधीन, भ्रप्रैल 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एोसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरच सं हुइ किसी बाय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; मार/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथस्त अभिनियम, या **धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)** को प्रयोजनाथं अन्तरिली दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) 💐 वधीन, निम्मसिश्चित व्यक्तियर्थे, वर्धात् ध----

- (मन्तरक)
- (2) श्री पीं० जी० जयगोपाल ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ू।)

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- **[क] इब सूचना को राज**पत्र में प्रकाशन की तररी**ख** स 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पा सकरें।

स्पच्टोक रण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का., आ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा आजे उस अध्याय में विया गला ह^।

बन्स्ची

भूमि :--टी० एस० नं० 572 कालपट्टि, कोयम्बत्तूर लेख-सं० 1362/1984 L

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II, (आई/सी) मद्रास

दिनांक : 5-12-1984

प्रस्य नार्वे ही, एन् एस्

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 म (1) को सभीन सुभना

भारत सरकाड

कार्याजय, सहायक नायकर आयुक्त (निर्शिक्षण) ग्रजीन रेज-II, महास

मब्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 206/ग्रप्रैल 84/रेंज---II-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जी० एस० नं० 197, 198 तथा 200/2, टाटाबाद 11वी स्ट्रीट है, जो संगनूर गांव, कोयम्बत्तूर तालूक में स्थित है (श्रीर इससे उपाब्द में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम, कोयम्बत्तूर लेख सं० 1364 तथा 1365/849 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण, श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य जसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक उद्विक्य से सकत बन्तरण जिचित में बास्तविक रूप से कंथित नहीं किया गया है :- -

- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बायत, उक्त विधियवय में अर्थीय कर दोने में अम्बरक के वादित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा में किए। बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तियित्री द्वारा प्रतट नहीं विशा गया था या किया आता चाहिए था, कियाने धें सविधा के लिए:

कतः अस, उकत अधिनियम, की धारा 269-ण के अन्सरण मं, मं, उकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निमनसिणिक व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती जी० सरोजिनी श्रीनिवासन ग्रौर भ्रन्य। (श्रन्तरक)
- (2) मेसर्स के० टी० बेंकटराम रेड्डी ग्रण्ड को० (अन्तरिती)

का यह स्कृता कारी करके प्रविक्त संपृत्ति के अर्थन के निष्

उन्दर सम्परित की नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी जानोए।--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध को भी खबी बार्य में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तिस में हितमबूध किसी अन्य स्थित द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, आ अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि: — जी॰ एस॰ नं॰ 197, 198 तथा 200/2, संगनूर गांव, टाटाबाड, 11वी स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर तालूक (लेख सं॰ 1364 तथा 1365/84।

> त्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, (ग्राई/सी) मंब्रास

दिनांक : 5-12-1984

्राक्ष्य आर्थ. टी. एन. एस.

(1) श्रीमती नगम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा ।

(ग्रन्तरिती)

बागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 207/म्मप्रैल 84/रेज-11-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

नायकर एधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख है अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास धरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 25..000 /- रु. में अधिक है

स्रोर जिसकी सं० टी॰ एस॰ नं० 2 (प्लाट नं० 35) बार्ड 'के' जो दिन्नी टाउन में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिन्नी लेख सं० 2036/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम. 1908 (1908 का 16) के स्थीन, अर्थन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, एसक्ने दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्युद्धिय से उक्त अंतरण लिखित में गुरतिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अनुसरण से हुई किसी आय की शायत, उक्त ऑभीनयम को अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिल्पान में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के गथीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार —

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिनतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाग अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्थाव्यक्तिरणः ---- हममें प्रयूक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मभूस्ची

भूमि :--दी० एम० नं० 2 (प्लाट नं० 35) बार्ड के०, द्विच्ची टाउन लेख सं० 2036/84 ।

प्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-11,(आई/सी) मद्रास

दिनांक : 5-12-1984

प्ररूप बाइ. टी. एस. एस. -------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 5 विसम्बर 1984

निर्देश सं० 208/भ्रप्रैल 84/रेंज—II—म्रत: मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 7/61, ब्लाक नं० 29, वार्ड के है, जो के० ग्राभभषेगपुरम गांव, (ट्रिच्ची) में स्थित है (ग्रीर ग्रामस्थी इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय, ट्रिच्ची लेख सं० 1183/84 में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, ग्राप्ति, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नुष्ट्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृत्यिधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मदनलाल ।

(भन्तरक)

(2) श्री श्रोमप्रकाण ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी. व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित ब्रुष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए। जा सकोंगे

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन संपी

भूमि :—डी॰ एस० नं॰ 2/61, ब्लाक नं॰ 29, वार्ड 'के' ग्रिभिषेगपूरम गांव, ट्रिच्ची लेख सं॰ 1183/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्राधुक्त (िर्रक्षण) अर्जन रेंन-II,(आई/सी), मद्रास

विनांस : 5-12-1984

प्रकप आहे. टी. एन. एस.-----

भागफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 269-म (1) के सभीन स्पना

शारत सरकात्र

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- मद्रास
मद्रास दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्वेश सं० 194/अप्रैल 84/रेज--II-यतः मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्लाका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं० 74. आर्य गौडर रोड एक्सर्टेशन है, जो वेस्ट मोम्बलम, मद्रास-33 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोशित अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 381/84 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप्रल, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्नतिवित उद्देश्य से उन्त अन्तरण सिवितत में वास्तिवक क्ष्य से कवित नहीं किया गया है ।---

- (क) बन्दरण वे हुए फिसी बाब की बाबस उक्त श्रीभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसते वचने में सुविधा के निए; और/वा
- (का) एसी किसी नाम या किसी भन या कत्य नास्तियों की, जिन्हें भारतीय नामकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तं निधिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा एक जाना जाना चाहिए था, छिपान में मृजिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्तः— (1) श्रीमती एन० ।

(अन्तरम)

(2) श्री पी० श्रीविशासन और अन्य।

(अन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पृशाधित सम्परित के भर्जन के निष्

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप --

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकरेंगे।

स्थान्द्राकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वी स्वत्त्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मम्स्यी

भूमि और मकान :-- · 74, आर्य गौडर रोड एक्सटेंशन, वेस्ट म(म्बलम, मद्रास-33-लेख सं० 381/84।

प्रेम मालिनी वासन
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, (आई/सी) मद्रास

विनांस : 10-12-1984

प्ररूप कार्षः, टी , एन <u>,</u> एस<u>ः, सन्न-धन्त्रव</u>ध

श्रायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 193/म्रप्रैल/84/रेंज-II---यतः मुझें, प्रेम मालिनी वासन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5, बालकृष्ण रोड, मैलापुर है, जो मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 370/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, श्रप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उप्देश्य से उपल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुइ किसी आय की जाबत, अक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और या/
- (भ) एसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत ः— (1) श्रीमती घांडालम्माल घौर ग्रन्य ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स स्विपट कन्स्ट्रनगन कंसार्दियम् प्रा० लिमिटेख ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपरिस के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करसा हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

annelli.

भूमि श्रौर मकान :--- 5, बालकृष्णा रोड, मद्रास-4 लेख सं० 370/84 ।

प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, (ब्राई/सी) मद्रास

दिनांक : 11-12-1984 ⁻

प्रकृष बाह्र हो. एतः एस.,------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्वता

पारत रहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-॥, मद्रास
मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1 तथा 7, श्राभिरामपुरम् स्ट्रीट, मैलापुर है, जो मद्रास-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं० 371/84 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक श्रप्रैस, 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेद्य से उन्त अन्तरण लिखित में बाइतिकक स्प से कथित नहीं किया पया है :—

- (क) अन्तरण से हुन्दै किसी बाय को वानत उपत अधि-विक्रम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्यने वा उन्हों बचने में सुनिधा के सिए; क्रीप्र/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, व्यक्तिसार व्यक्तिकों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती बी० श्रार० श्रोडालम्माल श्रीर श्रस्य। (श्रन्तरक)
- (2) एन० कृष्णवेणी और ग्रम्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप े-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उतत जिमित्रमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया पया है।

भूमि और मकान : डोर नं० 1 तथा 7, अभिरामपुरम स्ट्रीट, मैलापुर गांव, मब्रास-4-लेख सं० 371/84 ।

> प्रेंस मालिनी नासन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेम रॅज--II, (आई०/सी०)मद्रास

दिनांक: 11-12-1984

प्रकृप बार्ड .टी. एन .एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) \mathbf{g} र्जन रेंज $-\mathbf{U}$, मन्नास

मद्रास, दिनांक 11 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 193/ग्रप्रैल 84/रेंज—II—यतः, मुझें, प्रेंम मालिनी बासन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका निचत बाजार मूस्य 25.000/- रू. से बिधक है

श्रीर जिसकी सं० 19-सी, वारत रोष्ट, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची म ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रूजिस्ट्रीकर्म ग्रीधकारी के कार्यालय, मद्राम सेंट्रल लेख सं० 312/

- 84) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का
- 16) के मधीन, प्राप्रैल, 1984,

को पूर्वोक्स संपर्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निकराम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के सिए; बाँड़/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा अकः नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. उद्याने में स्विधा के लिए।

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसर्ण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित स्पिक्तर्यों. अर्थात:——
30—396GI|84

- (1) श्रीमती बी० श्रार० श्राष्टालम्माल ग्रौर ग्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० चंद्रिका रमा और श्रन्य । (श्रन्तारेती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

ननसर्वी

भूमि श्रीर मफान :—-होर नं० 19-सी, वारन **रोड**, मद्रास-लेख रां० 372/84 ।

> प्रेंम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहावक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-II (आई०/सी०),मद्रास

दिनांक: 11-12-1984

प्ररूप आई. ट. एन. एस. - - ---

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रोज-11 मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 192/ग्रप्रैल 84/रेज-II-यत:, मुझें, प्रेम मालिनी वासन,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से **अधिक हैं**

श्रौर जिसकी सं० भ्रार० एस० नं० 3940/3, तथा 3940/13, मैलापुर गांव है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. मद्रास सेंट्रल (लेख सं० 338/84) में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1984,

को पूर्वों करा सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके कायमान प्रतिकल से, एसे कायमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उदयोग्य से उदत अन्तरण जिखित में बास्तितिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की अबित उबत अधि-नियम के अधीन कार दाने के अन्तरक के वाधिया 🖃 कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **भन-कर अधिनियम, 1957** (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था छिणने में मिथिया के लिए:

जतः वक, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अस्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अथाति:--

(1) श्रीमती एस० शेतु ।

(ग्रन्तरक)

(2) डाक्टर एस० मुत्तीया ।

(भ्रन्तरिती)

. को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या सदसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी **य** णस लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया शका है,

भूमि और मकान :---आर० एम० नं० 3940/3 तथा 3940/13, मैलापुर गांव, मद्रास-लेख सं० 338/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आर्क्ड (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, (ग्राई०/मी०), मद्रास

दिनाक : 10-12-1984

प्रकार बाही, दी, एन, एक्, -----

भागकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

RIVE TOUR

कार्यालयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणं) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निर्देश सं० 191/ग्रप्रैल 84/रेंज-II--यतः, मुझें, प्रेम मालिनी वासन,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं० 3, श्रव्पास्त्रामी स्ट्रीट, टी० नगर है, जो मद्रास— 17 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल (लेख सं० 329/84) में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक अप्रैल, 1984

को पूर्वे फिर सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिम्स के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिल्क फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वा) एची किसी बाग वा किसी भन या अस्य बास्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किर्दा गया धा या किया जाना चाहिए था। छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः भव, उक्त विधिनियम् की धारा 269-ग की, अनुसरण मो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीत, निस्तिविधिण व्यक्तितर्मों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जे० दुर्गानंदिनी देवी ।

(भ्रतरक)

(2) श्रीमती एम० श्रार० राधिका अलैयास राधिका पोतन ।

(भवतरिती)

स्ते यह सुमना चाड़ी करके पृश्तित सन्परित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत सम्मृतितं के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः -

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से
 45 विन की जनभि या तत्संस्वन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजॉक्त
 व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राष्ट्रपन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्रभू किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निर्माक्ष्य में किस् वा सर्कांग ।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भूमि ग्रौर मकान :—डोर नं० 3, ग्रप्पास्त्रामी स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17 लेख सं० 329/84 ।

> प्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, (आई०/सी०), मद्रास

विनांक : 10-12-1984

प्रक्ष कार्द्र, दी. एन. एस. ------

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज--II मद्रास मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984

निदेश सं० 186/अप्रैल 84/रेंज-II--अतः मुझे, प्रेम भालिनी वासन

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ,09 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ,5,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 477 से 484 मींट रोड नन्दनम है, जो मद्रास— 35 में स्थित है (और इससे उजबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि गरी के गर्भालय, मद्रास सौथ लेख सं० 951/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण लिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय काँ आशत, उक्त आभिनियंश के अभीन कर देने के अन्तरक कैं दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के जिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखिद्ध व्यक्तियों, अर्थीष् अ--- (1) मेपर्स कि राज मोटार्स लिमिटेंड

(अन्तरक)

(2) मैसूर सेल्स इण्टरनेशनल लिमिटेड ।

(अन्तरिसी)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यवित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

भूमि और मकान — डोर नं० 477 में 484 मीट रोड, नन्दनम मद्रास-35 लेख सं० 91/84 ।

> प्रेममालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 10-12-1984

मोहर .

प्रस्प नाइं.टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत त्रकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-ग, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 183/अर्थेल 84/रेंज-11---अतं मुझें, श्रेम मालिनी बासन.

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रीरा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिश, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिल्लाकी सं 13, पुराना हूंक रोड, पल्लावरम् है, जो मद्रास-43 में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लावरम् मद्रास-43 लेख सं 1306/84 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अति, दिनांक अर्थन, 1984,

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नृतिद्वित उद्देश्य से उनत अंतरण निम्नृतिद्वित उद्देश्य से उनत अंतरण निम्नृतिद्वित उद्देश्य से उनत अंतरण कि कि से नास्त्रिक रूप से कि थित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अंतरक के द्यित्व में कभी करने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राज्ञार्य अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्थिम के निए;

भतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विमाणिकिंग व्यक्तियां स्थात्ः—

- (1) श्री के० सुन्दरम् और श्री के० रंगस्यामी (अन्तरक)
- (2) श्रीपी० रमेशा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---हसमें प्रयुक्त प्रकार कार पर्यों का, जो उक्त किंपियम् के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, बहु बर्ध होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान --(एस० नं० 15/2) और नं० 13 पुराना ट्रंक रोड, पल्लावरम्, मद्रास-43, लेख सं० 1306/84।

> श्रेम मालिनी वासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनोंक : 10--12--1984

मोहर

प्ररूप बाइ .टी. एन्. एस. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- , मद्रास मद्रास, दिनांछ 10 दिराम्बर 1984 निदेश सं० 2 /अप्रैल 84/रेज-धा--अत मुझे, प्रेम मालिनी वासन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 तथा 34, वसुल्ला रोड, टी० नगर, मद्रास— 17 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री हर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास—17 लख सं० 428/84 में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, दिनांक अधैल, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह (अन्तरित्यों) के बीच एंसे अन्तरण-के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है क्रिन

- (क) बन्तरण के हुई किसी बाब की बावत, उनक विधिनयम् के वधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में मृविधा के मिए; बार/या
- (स) एसे किसी जाय का जिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुनिधा के निए;

ज्तः भ्व, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन्, निस्तिजिक्त स्पृतिस्यों, अवित् के (1) श्रीमती जयस्ती ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ज्योतिप्रकाशम्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सर्म्यात्त के वर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्स अरू

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविभ, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूच्छा की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अव, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्ट्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची'

भूमि और मकान ——कोर नं० 33 तथा 34, बसुल्ला रोड, टी० नगर, मद्रास—1 लेख सं० 428/84 ।

> त्रेम मालिनी बासन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास,

दिनांक : 10--12--1984

मोहर .

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-11, मद्राम

मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निदेश सं० 2/अप्रैल 84/रेंज-IJ--अत मुझें, प्रेंम भालिनी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 295, सातवां सेक्टर, 38वीं स्ट्रीट, है, जो के ० के ० नगर, मद्रास – 8 में स्थित हैं (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्तीं अधिकारी के कार्यालय, मद्रास सेंट्रल लेख सं ० 299/84 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अप्रल.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्ममान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और के यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों ग्रारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खेलिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अधीत :---

(1) श्री बी० आरूम्गम चेट्टियार

(अन्तरकः)

(2) श्री सी० भुरूगेशन पिता और गार्डिया आफ मैनर विजय लक्ष्मी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

अवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 सिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्वों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 120-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नम्स्यी

भूमि और महान प्लाट नं० 295, सातवा सेक्टर, 38वीं स्ट्रीट, के० के० नगर, मद्राय-78 लेख सं० 299/84।

> श्रेम मालिनी वासन नक्षम प्राधितारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, महास

दिनांकः । 10~12--1984 मोहर पंडया.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज—II, ग्रहमदावाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर, 1984 निदेश सं० जी० ग्रार० नं० 3155/JI:—-ग्रतः मुझे, जी० के०

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उवल अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार राज्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं0 दुःगन नं0 12 3103 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 27-4-1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रित्तिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नसिखित उद्देश्य से उसते बन्तरण सिखित में अस्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (का) जन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त जिमित्वम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तसे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के निए!

अतः अवः, अवस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, वर्धात् ।——

(1) मै॰ रभणनाल जसवंतनाल, हसमुखलाल रणछोड़लाल यानीयाधारी, सूरते।

(म्रन्तरक)

(2) रोटरी सन्स, भागीदार--प्रकाणचन्द्र श्रर्जुनलाल और धन्य, चरत।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त संपरित के कर्मन के सिए जायभाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी ज्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 धिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचन। के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 3646 नम्बर पर दिनांक 27-4-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक भ्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज—II, ग्रहमदाबाद ।

दिनांक: 17-11-1984

प्रकृप बार्च. टी. एन. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाय 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं ० जी ० ग्रार० नं ० 3156/II:--ग्रत: मुझे, जी ० के ० पंडया,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अ**धिक ह**ै

श्रीर जिसकी सं० ध्रकान नं० 3165, ब्लाक नं० श्रार-4 है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-4-1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मुख्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित दाजार मृल्प, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रेष्ट प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कः निरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फलः, निम्नलिसित उददोश्य सं उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्त्रिक कप से कचित नहीं किया गया हैं:--

- (क) जन्तरम् से धुइं किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा कं लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्यक्र आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त किंपिनियम, या धन-कर सिंपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वास प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :---31-396GI 84

(1) मैं० भारत सिल्क मिल्स, श्री केशवलाल भामारेनलाल, सलसतपुरा, सूरत ।

(प्रन्तरक)

(2) पाशाकुमार बी० जैन, सलसतपुरा, सूरत ।

(ग्रन्तरिती)

को बहु अनुवा बाटी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्थन को लिए कार्यवाहिया करता हूं।

अवत सम्पृत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप्:--

- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यविश्व बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- र, इ.स.स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसर ब्यापनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया न्या 🗗 🕼

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में ि3508 मंबर पर दिनांक 25-4-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सेहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-, श्रहमदाबाव

तारीख: 17-11-1984

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) को अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जनरेज—II, प्रहमदाबाद

मद्रास, दिनांक 29 अक्तूबर 1984

निदेश स० $243/मार्च/84/रॅज-<math>\Pi$ --वतः मुझे, श्रोमती जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 346, डमरा, है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इमसे उगान्नद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन गारीख 11-4-1984

को पृथोंकत सम्मत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंकत सम्मत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग को जन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्री जयश्रीबह्न विलिदिलिपकुमार भव्यभार,26, मथुरेशनगर,मूरत ।

(श्रन्तरक)

(2) संजीव रमेण भाई पानवाला दालीया शेरी, सूरता

(भ्रतरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में डिल-बहुभ किसी बन्य स्थितित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्दिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नमुखी

मिलकत जो सूरत में स्थित हैं । सब रजिस्ट्रार सूरत में 3126 मंबर पर दिनोक 11-4-84 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~I^I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-11-1984

मोहरः

प्रक्ष आहे . टी . एत् . एस _-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-॥, प्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनाक 17 नवम्बर, 1984
निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3158/I¹:—-श्रत: मुझे, जी० के०

आयकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 6 है तथा जो पींपेला शेरी, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 मार्च,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, दिवपाने में प्रविद्या के लिए।

जतः अयः, उन्तं अधिनियमं की धारा 269-ण के अगुतरण मं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा ं्रें के के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधित ह— (1) नारणभाई श्रवानभाई, द्विकमनगर, सूरत,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बसन्तीलाल भगुभाई पटेल, छापरा, भूरता।

(भ्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अजन का संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशत की तारी का से 48 विन की सर्वाव या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी अविध्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के मीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति में हिहबद किसी मन्य क्यक्ति द्वारा, प्रधोहरूनाक्षरी के पान लिखित में किये वा मुक्ति।

स्वक्तीकरण :--- बसमें प्रयुक्त अस्त्री भीर पद्धी का, जी उक्त प्रक्रि-नियम के अध्याय २०-४ मे परिवाधित है, बही सर्थ होगा, जो उप प्रवस्त में दिया गया है।

and the

मिलकत जो सुरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, सूरत में 2406 नंबर पर दिनांक 26~3~89 को रजिस्टई की गई है।

जी० के० पंड्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-।।, भ्रहमदाबाव ।

तारीख: 17-11-1984.

प्रकार आहाँ. टी. एन. एस.-----जायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-, अहमदाबाद

अहमदाबाद $\sqrt{$ दिनांक17नवम्बर $\sqrt{1984}$

निर्वेश मं०पी० आर० नं० 31 59/II —–अतः मुझे,जी० के०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया है, को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बागर मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं नं 35 हंस सोसायटी है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबंद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्टकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अबीन तारीख 24 अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्षण के लिए प्रंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिक्षल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्षल का पण्डह प्रतिशत से ग्रीष्ठक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितयों) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रल, निम्मलिखित उद्देग्य से उच्त ग्रम्तरण कि जिल्ल में बास्तिक अप के लिए तथ पाया गया प्रतिक्रल, निम्मलिखित उद्देग्य से उच्त ग्रम्तरण कि जिल्ल में बास्तिक अप के लिखत नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने की बन्तरुक औ दायित्व में कमी करने या उससे वचने में कृषिधा के सिए; बॉड/या
- (ह) एसे किसी आय या िनसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नसिधित व्यक्ति में, अधित क— (1) श्री जगुभाई रणछोड़जी देसाई । सूरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री गणेशभाई बेचारभाई पटेल हंससोसायटी सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकृश्यन की सारीक से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

ि मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 3515 नबर पर दिनांक 24-4-1984 को रिजस्टर्ड की ग**६** है।

> जी व के व पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-II अहमदाबाद

तारीख 17-11-1984 मोहर प्रकृप आई. टी. एम. एस्.------जावकट अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सुम्बना

भारत सरकार

काबालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज⊸!ा, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० आर० नं० 3160--अतः मुझे, जी० के० . पंडया,

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारत 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूस्व 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 2 वार्ड नं० 7 है तथा जो है रामपुरा सूरत में स्थित है (और इतने उपायब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विभाग है) जिन्ह्यी क्वा अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिनिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बीजापूर में धारा 269 ए. बी. के अंतर्गत सक्षम अधिकारी के सम्मूख/के पास रिजस्ट्री-कृत किया गया है मुफे विश्वास करने का कारण है कि पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उराके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शावत उक्त लिए व नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी कड़ने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वार, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग कौ जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रवीपभन्द्र ईश्वरलाल लाल वरनाजा गाहनशेरी सूरता

(अन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल ईश्वरलाल अन्नकानीवाला मे० वहन डाईग एण्ड प्रिटिंग वक्से लाल दरवाजा सुरत।

(अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (व) इंस' सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किस जिल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बद्ध किसी अस्य स्यक्ति वृजारा अधोहस्ताकारी के हैं।

मन्त्र्या

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 3426 नवर पर दिनांक 21-4-1984 को रजिस्डई कीगईहै।

> जी० के० पंद्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अ्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज – , अहमदाबाद

तारीख: 17-4-1984. मोहर प्ररूपः बाहै दी, प्ना एस्, -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाभाद

अहमदाबाद दिनांक 17नवम्बर 1984

निर्देश सं० जी० आर० नं० 3161/II — अतः मुझे, जी० के० पंडमा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 439 है तथा जो गांव — हुमरु में स्थित है (और इससे उपाब ह जनुसूची में और पूर्ण क्य दे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12 अप्रैल 1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्य प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत- (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया कल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में विक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्त्रण से हुइ किसी आयु की वावत्, उक्त बिधिनियम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बिध/वा
- (ख) ऐसी कैसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: जब,, उप्तत अि. नियम, की भारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (!) के अभीन∡ निम्नसिक्त व्यक्तिओं, वर्णात् ■— (1) श्री हंसमुखलाल ग्रेनाभाई पटेल इमरु ता०——चोर्त्यासी जि——सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री नरसोम भाई लक्जीभाई पटेल 109, जी० आई० खी० सी० खटोदरा सिंह सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तसस्वन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृविकत स्वित्यों में से किसी स्वक्ति इसारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकांगे!

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त भव्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुसूची

मिन हत जो इमह में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में
3158 नंबर पर दिनांक 12-4-84 को रजिस्टर्ड कि गई है।
जी० के० पंडया
' सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख: 17-11-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बाइ. टी. एव. एस.-----

भागकड मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

नारत प्रसार

कार्यालय, सम्रायक कायकर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज \sim l $^{
m I}$, अहमदाबाद $^{
m I}$

अहमदाबाद, दिनांक 17 अप्रैल 1984

निर्वेष सं०जी०आए०नं० 3162/II---अतः मुझे, जी०के० पंडयाः

कायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 322/2 है तथा जो अधामा ता० बलसाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीएती अधिकारी के कार्यालाय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29~4~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ग्रीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्स-धिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबल उक्त अधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायिल में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा के लिए;

(1) श्री जगदीशचन्द्र बालुभाई मेहता तिथल रोड बलमाड।

(अन्तर्भ)

(2) सीडमें क लेबोरेटरीज (इंडिया) प्रा० लि० डायरेक्टर श्री जितेन्द्र बी० देसाई बलमाड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जार मकेंगे!

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों आरे पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमस्थी

जमीन जो अश्वामा बलक्षाप्ट में स्थित है। सब राजिस्ट्रार बसलाड में 3004नंबर पर दिनांक 23-4-1984 को राजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक्षकायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

श्रतः प्रवः, टेक्स श्रीभिनयम की भारा 269-ग के अनूसरण गें, मैं, उक्त श्रीभिनयम की भारा 269-थ की उपभारा (१) के ब्राधीन, निम्निति**यत् व्यक्तियों, स्थात्** क्र-रू

तारीखाः 17−11−1984

मोहर '

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-II, भ्रहमदाबाद भ्रहमदाबाद, दिनांक 17 नवम्बर 1984

निदेश सं० जी० भार० नं० 3163/:II—भातः मुझे, जी० के० पंड्या,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीय जिसकी सं० फ्लैट नं० 801 से 808 है तथा जो टैक्सटाईल्स माकिट, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता धिष्ठकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख 27 ग्राप्रैल, 1984

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उष्दश्य से उथत अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः— मै० संजीव बिल्डर्स प्रा॰ लि०, संगरोड, सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं पायल एन्टरप्राईज, हारा स्वाति प्रिन्टर्स, सूरत।

(श्रन्तरिता)

को ग्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृंक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास टिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्धों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

आयंकर प्रधिनियमं की धारा 37 ईई की सूचना सार दिनांक 27-4-1984 को 37 ईई का कार्यालय फोर्म पर कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 19-11-1984

प्रसप बाइ . टी. एन . एस , -----

मायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के सुधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यांत्रय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, विनांक 14 नवम्बर 1984

निर्देश सं० जी० ग्रार० नं० 3164/II :—-ग्रत: मुझे, जी० के० पंडया.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43)- (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की आरा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3314 है तथा जो सूरत टैक्सटाईल्स मार्किट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 श्रप्रैल, 1984

को प्रबंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किनी भाव की मावत, उन्तर अधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्वास्त अधिनियम, विश्वास्त अधिनियम, विश्वास्त अधिनियम, विश्वास्त अधिनियम अधिक विश्वास्त विश्वास विश्व

(1) श्री श्रतुल प्रोडिन्टिबिटी लि० कं०, चैयरमैन-श्री सिद्धार्थ कस्तूयभाई, अतुल, ना०-बलसाड ।

(अन्तरक)

(2) मैं • दुर्लभजी भगवानजी, थोप, दिए बलसाङ ।

(भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात हिसबिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, **वां उक्ष** अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा भूषा हैं।

नगस्पी

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रजिस्ट्रार सूरत में 2617 नंबर पर दिनांक 2-4-84 को रजिस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के लधीन. निम्निसिश्वास व्यक्तियों, अर्थात् ः—
32—396GI|84

तारीख: 17--11-1984

शस्य आहाँ .टी . एन . एस . -----

आधकार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, घहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर, 1989

निर्देश सं० जी० ग्रार० नं० 3165/II:—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण क्री कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाबार मृत्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ए-2, गोडाउन है तथा जो सूरत टैक्सटाईल्सज मार्किट, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने को कारण है कि श्याप्योंक्त सम्परित का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रांतशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य से शस्तविक रूप प्रे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः. उक्तः अधितियमं की धारा 269-गं ते अन्सरण भौ, भी, **उक्तः अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1)** भौ अधीरा, निम्नित्रियतं व्यक्तिस्यों, अर्थातः— - (1) श्री रामस्वरूप चरणवास, दूसरा मंजला, सूरत टैक्सटाईल्स मार्किट, सूरत।

· (ग्रन्तरक)

(2) नेन्दलाल सिल्क मिल्स, रामावतार नेदलाल, चन्दनवन ग्रंभार्टमेंट्स, सूरत।

(अंतरिती)

के यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

शक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (स) इप मूचना र राजाज में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की संबंधि पर तत्स्मकांधी व्यक्तियों पर सूचना की नागीत में 30 दिन की संबंधि, जो भी श्रवशि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों भें में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा गर्केंग ।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मिलकत जो सूरत में स्थित हैं। सब रिजस्ट्रार, सूरत में 2937 नंबर पर दिनांक 3-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-11, भ्रहमदाबाद

तारीख: 19-11-1984

श्रुक्य नार्चं ही . एन . एस . ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्(1) के मुभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 नवस्बर, 1984

निर्देश सं० जी० ग्रार० नं० 3166/II:---श्रत: मुझे, जी० के० पंडया,

कानकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ् उदयपुर, ता ् सावली है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रीर इसेस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सावली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24 ग्रिप के 1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, असके इत्यमान प्रतिफल सं, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्न प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा चैया प्रतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक स्पूर्त कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलायण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तारक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; अरि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्ही भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर विधिनयम, या धन- विधन विधन प्रकट वहीं किया यहा कर कर किया विधन वास्तियम वास्तियम कर सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिबित व्यक्तियों, अधीत ६—

(1) श्री मनुभाई चुनी भाई घौर ध्रन्य जानीपुरा, ऊदलपुर, ता० सावली।

(अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार जयन्तीलाल शाह, श्री इन्दिरा सरन वासुदेव, टींसा, ता॰ गोदरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल्ला कार्यनाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों दर मूचना की तामीन से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्थितवारों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत व्वारा अधोहस्ताक्षरी क बास निवित मों किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, ओ उक्त विश्विम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याम में दिका गया है।

वनुसूची

जमीन जो उदलपुर, ता० सावली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सावली में, 534 नं० पर तारीख 24-4-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-II, महमदाबाद।

तारीख: 20-11-1984

प्रेरूप आई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-।।, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 31.67/।।:--प्रतः पृषे, जो० के० पं**ड**या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० जमीन खंछा में है तथा जो ता० पाछोडीय है। जि० बड़ीदा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में भीर पूणे रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, बाछोडिय में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्दोदय से उक्त अन्तरण लिक्तिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया ही है—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक कें दासित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दार्थित्य के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निस्नितिकत अधिनत्यों, अर्थात् ः—

(1) श्रो कोरोटभाई भाईलालगाई पटेल, गनपतपुरा, जि॰ सङ्गीदा।

(श्रन्तरक)

 श्री मांतिलाल डाहयाभाई पटेल, घरतीनगर को० स्रो० हा० सोसायटी, द्वारा लक्ष्मी स्टूडियो, बडीसा।

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के । पास लिखित में किए जा सकेंगे। गया है।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सू प्री

जमीन जो खंछा, जि॰ बड़ौदा में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 5 एकड़ 15 गूंठा है। सब रिजस्ट्रार, बाछोडिया में 187, 188, नंबर पर दिनांक 11-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-॥, श्रहमदाबाद

तारीख : 20-11-1984.

मोहर 🛭

प्रका बाही, दी_य एवं, एक्_{रस्थ------------}

श्रायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के श्रभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद

श्रहभदाबाद, धिनांक 20 नवम्बर 1984

निदेश सं० पो० म्रार० नं० 3168/।।:—म्रतः पुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट गरह विभाग है तथा जो बड़ौदा में स्थि है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में राजस्ट्रीकर श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारोख 27-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किबित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुकी वाज्य, उक्क अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक उनिष्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा अल्ड नहीं किया गया था या किया जानी शिहए था, छिपान में सुविधा विषय:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--- (1) श्री भोखाभाई भूलाभाई, ताराबाग, चर्चरोड़, बम्बई-4.

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सतरामदास चेलाराम निहालाई ते, गारदा सोसायटी, बढ़ौदा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मुस्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में / कोइं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में श्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या त स्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 किन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होते हैं हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क शिक्त व्वास्;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के श्रीसर उक्स स्था इर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाया, अधाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सर्वेचे ।

न्यध्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों की र पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

मन्त्र स

जमीन जो सीरी दिभाग, बड़ौद 1 में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 4284 नंबर पर दिनांक 27-4-1984 की रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंड्या, सन्नम प्राधिकारी; सहाय क ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रेज-11, महमधाबाष

तारीख: 20-11-1984

मोहर 🚁

प्र**क्ष नाइ[‡]. टी. एन. एस.-----**

नावकर निर्मित्वमें, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-में (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जनं रेंज $-\Pi$, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1984

निर्देश सं्० जी० श्रार० नं० $3169/I^{I}$:—-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमको पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000∕-रात्त से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० फ्लैट सयाजीगंज, है तथा जो बड़ीश में ध्यित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय, बड़ीश में राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारोख 5 ग्राप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के श्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तारित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उच्य अंतरण सिखित में आस्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बस्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत; अक्छ अधिनियम के अभीन कहु दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; बीड़/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अभीष, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री प्रतापसिंह जामदास, रजनीकाम्त रणछोड़लाल पटेल, शिराली सोसायटी, फतेहगंज, बड़ौदा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेन्ब्रसिंह प्रतापसिंह जामदेव, शिवाली सोसायटी, बडीदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45- दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकीं।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त जीभनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लैट जो सयाजीगंज, बड़ौदा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, बड़ौदा में 2445 नंबर पर दिनांक 5-4-1984 को रजस्टिर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण,) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहुमदाबाव

तारी**य**: 20-11-1984

प्रकम् आहे, टी. एन. एसं.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्भना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, ग्रहमवाबाद

महमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1984

निर्देश सं०पी० प्रार० नं० 3170/II:---ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान-रायपुरा है तथा जो बड़ीश में स्थित (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 4 श्रील 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्वयमान मित्रफल के निए कन्तिरत की गई है और मुक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-रुस, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उसत अन्तरण निश्वत में वास्त-

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बानत सकत निध-निमम में भवीन कर दोने के बच्चारक के दानित्य में कमी करने ना कस्त्रों नवने में सुनिधा के सिचे; नौर मा/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा शकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सूजिथा के सिए;

कसः. असः, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्धीत्ः—

(1) क्रेसन्ट कोपॉरेशन, भागीदार—श्री श्रब्दुल गफ्फार, श्रब्दुलसतार, श्रमदीप सोसायटी, फतेहगंज, ' श्रदीदा।

(प्रन्तरक)

(2) श्री रसीदाबेन सुलेमानभाई, मजीद एस० मेमन, मांडकी पास, बडीवा।

(ग्रसरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के सूचन है सिए कायवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अविस्त द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया बना है।

वनस्थी

मकान जो रायपुरा, बड़ौदा में स्थित है। सब रेजिस्ट्रार, बड़ौदा में 2430 नम्बर पर विनांत 4-4-1984 को रेजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीणण) ृश्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

तारीख: 20-11-1984

प्ररूप आइ. टी. एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269-व(1) के प्रक्षीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रैंज-2, प्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाध, दिनांक 20 नवम्बर, 1984

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० :- ऋपतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्बन्धि जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रुपए में अधिक है

श्रीर जिसकी सं । शड समोयाला है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रन्सूचो में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, बड़ौदा में रिजस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारोख 9 श्रशैल,

को पूर्वोक्त संस्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिपाल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रियमान प्रतिफाल से एसे द्रियमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफाल, निस्तिलिखत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबल, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; बीट्/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय बाग्रकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वाधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रें. में., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के कभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, कथीत :---

(1) मैं० विजय इण्डस्ट्रीज लि०, पादरा रोड़, समीयाला, जि० बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) ग्रपेक्ष ईलैक्ट्रो स्टेटिक्स, विजय इण्डस्ट्रीयल एस्टेट, पादरा रोड़, समीयाला, जि० बड़ौदा।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (स) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ध होगा, जो उस अध्याय के दिवा गया है।

तन्स्या

शोड जो समीयाला में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 459 नंबर पर दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो, सह्यक प्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण), स्रजन रैज-II, स्रहमदाबाद।

तारीख: 20-11-1984

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रैंज-ा, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 20 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 3172-ाः →-श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उजिन बाजार मृत्य 25.000/- रू. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं ० शेड समीयाला, है तथा जो जि० बड़ीदा में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद स्रतुस्ची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय. बड़ीदा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 9 स्रप्रैल, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उचित अजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्रुन्तिशत से अधिक है और अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मृह सस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) विष्यारण से हुई किसी बाय की बाबत उकत बर्मिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तस वचने में सुविधा के लिए; बाँद/या
- (स) एंसी कियो अप या किसी थन या जन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सृतिधा के सिए।

अतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) से अधीन, निम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—— 33—396GI|84

(1) मै॰ विजय ईन्डस्ट्रीयल एम्टेट प्रा॰ लि॰ पादरा रोड़, समीयाला, जि॰-बड़ौदा।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ समोयाला मेटल श्रीर इंजीनियरिंग वस्सं, बडौदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिखा गया हैं।

नन्स्चीं

शेड जो समोयाला जि॰ बड़ौदा में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 716 चौ॰ मो॰ है। सब रजिस्झर बड़ौदा में 957 नंबर पर दिनांक 9-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण), अर्जन रैंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 20-11-1984.

प्रक्य जार्द. टी. एत. एस., -----

मायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-क (1) के अधीन सुकता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर भाग्यत (निर्वेक्षण)

ध्रजंन रेंज-IJ, श्रहमदाबाद

<mark>ब्रहमदाबाद, दिनांक 2</mark>6 नकावर - 1984

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3173/II:——श्रतः मुझे, जी० के 👧

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संग्वार्ड नं ० ६ है तथा जो स्रत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, स्रत में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-3-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, ससके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में वास्तरिक एम से किश्वत महीं किया गया है :---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्षत आधि-रियम के जभीन कर धने के अस्तरक के दायित्व में रूजी करने या उत्तरे यवने में सुविधा के सिए; और/या
- (ब) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नर अधिनियम, या धन-लार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को. मी., उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) है सधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, सुधार :--- (1) श्री मतो सविताबहन कान्तीलाल ग्रौर अन्य, महोघरपुर, मुरत ।

(श्रन्तरक)

(12) श्री करुणाबहन बी० दोरीवाला, बेगमपुरा, मूरत ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तार्चित से 45 विस की अवधि सा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तालील से 30 विस की अवधि, यो भी जबधि बाद में सनाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाबन की तारीज के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम सिस्ति में किए जा सकारी ।

स्थाकीकरण ह---ध्रसमे प्रयोजत सम्बा और वर्षों का, वा उन्हर अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांता वा उस अध्याय में दिया स्वा हैं।

वन्त्र्यो

मिलकत जो सूरत में स्थित हैं। सब रिजस्ट्रार सुरत में 2662, नंबर पर दिनांक 30-3-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ज्ञायुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-II, श्रहमदाबाद ।

सारोख: 26-11-1984.

शरूप मार्च टी. एन. एस. - - -

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-च (1) के निधीन सुमना

मारत सरकाह

कार्यातय, सहायक नायकर नायुक्त (निहर्शक्त) श्रर्जन रेज-II, ग्रहमदानाद

महमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 3174/III—म्प्रसः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर निभिन्मम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,010/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 3, नोंय नं० 299 है तथा जो शीवम अपार्टमेंट, सूरत में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में झीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारों के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधोन, तारीख 19-4-1984

करे प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नायत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के नन्तरक के स्वित्य में कमी करने ना उससे अपने में सुवित्य के सिक्ष; बारि/वा
- (क) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भताः अक्षा क्षाप्ति विभिन्नियम का भारा 269-म के अनुसरक हो, जी, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) की अभीन्ह निम्निलिखित स्मितिस्तों, स्मित् हे— (1) श्री बाबूलाल अम्बालाल पटल, णीवम अपार्टमेंट, अथवा लाईन्स, सुरत।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नंदलाल मनसुखलाल मेन्सस, पो॰ रामपुरा, सूरत।

(म्रन्तरिती)

को यह भूषना जारी करके पृशेंक्स सम्पत्ति के अर्जन के िलए कार्यमाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई आक्षोप हा---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख र 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टोकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों आर वदों का, जा उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया है।

नन्स्ची

मिलकत जो सुरत में स्थित है। मब रिजस्ट्रार सूरत में 3372 नंबर पर दिनांक 19-4-84 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज-धा, स्रहमदाबाद।

तारीख: 26-11-1984.

प्रकण वार्ड दी एच एस . -----

जायक ह अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) . धर्जन रेज-II, श्रष्टमदाबाद

· श्रहमदाबाद, दिनांक 26 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० 3175/II:—प्रतः मुझे, जी० के० पंडमा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सीटी वार्ड नं० 87, है तथा जो घुड़वीड़ शेड़ सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से, विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सूरत में राजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख 16-4-1984

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषति से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोच एसे अंतर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है।

- (क) नंतरण से हुइ किसी नायू की वायतः, स्वयः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; नारु/या
- (क) ऐसी किसी लाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ करें, जिन्हें भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में बृशिया के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में बृशिया के प्रयोजना के प्रयोजना

नतात जब उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त जिधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्धात क्रिक्त

(1) मै० भ्रन्नपूर्णासदन भ्ररविदशाई जरोवाला, लींबुशेरी, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

(2) वेस्टर्न कन्स्ट्रनशनस, भागीक्षार--श्री एम० डी० जादव, श्राम्बा लाईन्स, सुरस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामीस से 30 दिन की संबंधि, को भी अविध बाद में समाप्त हाती हो. के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति व्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्षि से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृतारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकी।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वारेग जो उस अध्याय में विका गमा है।

मिलकत जो सूरत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार सूरत में 3251 नंबर पर दिनांक 16-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जो० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रज–॥, श्रहमदाबाद ।

साराख: 26-11-1984.

मोहर 🖟

प्रकप नाइं, टी. एन. एस. -----

बाधकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-॥, अहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 27 नध्मबर, 1984

निदेश सं० पी० आर० 3176/।।:—- प्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम', कक्ष गया है, की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्राफिस नं 629. है तथा जो ग्रजन्टा शोपींग सेन्टर, सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रधिकारी कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 37 ईष्ट के श्रधीन, तारीख 12-4-1984

को प्वोंक्स सम्पृति के उचित बाजार मृत्य से काम शे खब्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि संभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अत्ररण लिखित में वास्तिक के प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्व शैं कसी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; वरि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन-वा अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृथिधा के निए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उथल अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम, निम्बेनिकिस व्यक्तियों, अधित :---- (1) श्री गांति बिल्डर्स, रिगरोड, सुरत।

(अन्तरक)

(2) श्री लिलित द्वारकादास ठक्कर, भाम्बा लाईन्स, भूरत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकासन की तारी के हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्तेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयंक्त गर्दों और पर्धों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रोफिस नं० 629 जो अजंता मोपींग मेस्टर, सूरत में स्थित है। ग्रायकर ग्रांधिनियम की धारा 37 ईई के प्रानुसार फोर्म यह कार्यालय में पेश किया गया है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-।।, ग्रहमदाबाद

तारीख: 27-11-1984

प्रकप् आर्थं . डी. एस । यस .-----

स्नायकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत सरकार

आर्थालय, समायक आयकार जायुक्त (निरीक्तक)

. श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमधाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० ३१ ७७/II:—ग्रातः मुझे, जी० के० पंड्या.

नायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है'), की धारा 269- के अधीन सक्षम !गिधकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका जीवत बाजार मृख्य 25,000/- रा में अधिक है

स्रोर जिसकी मं० स्रोफिस नं० 434, श्रजन्ता णोपींग सेन्टर, है तथा जो रिंग रोड़, सूरत में स्थित है (स्रोर इससे उपावद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणतहै) रिजस्ट्रोकर्ता सहायक स्रायकर प्रायक्त स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदावाद में रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 37 ईई के स्रधोन, तारोख 12-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफाल से, एसे रहयमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तम गामा गया प्रति-फल निम्निसित्त उद्वेषम से उक्त अन्तरण निस्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है ::—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अक्ट अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अज़ने में सुविधा के तिए; बीट/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कर्य आस्तियों का, पिनहां भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए,

जतः अब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरक में, में उक्त बिधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, ोनम्निलिखित व्यक्तियों, अभात ः— (1) मैं० शान्ति चिल्डर्स, रिंग रोड़, सुरत।

(भन्तरक)

(2) मैं० प्रतिमा ट्रेडर्स, बांको बारेडी, सैयदपुरा, सुरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्त संपरित के अर्जन के किस कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप [---

- (क) इस सूचना कें राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्मण्डि मों हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्तित मों किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, वो उनस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्ची

आयकर अधिनियम की धारा 37 ईई के अनुसार का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 12-4-1984 को पेश किया गया है।

> जीं० के० पंड्या, मक्षम प्राविकारो, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाय।

तारीख: 27-11-1984.

मोहर 🙄

प्ररूप बाह्री टी एन एस -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-थं (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक करा कर बाय्यत (निरीक्षण) अर्जन रेज-II. श्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर, 1984

निदेश सं०पी० ग्रार० नं० 3178/II— प्रतः मुझे जी० के० पंडया.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के सभीन सक्षम श्राधिकारी को, यह निष्यास कारने का कारण हैं कि स्थायन सम्मितन, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000 र के अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० श्रोफिस नं० 321, श्रजन्ता गोंपिंग सेन्टर, है तथा जो सूरन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रिष्ठकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठितियम 37 ईई के श्रधीन, तारीख 12-4-1984

को पृथेक्ति सम्परित के उचित याजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई हैं बाँर मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित याजार मुख्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सं, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक हैं जौर अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिकाल निम्निलिखित उद्योचय से उचत अन्तरण विवित्त में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरक ते हुए किसी बाव की जानत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के निए; और/वा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्सियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। बा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के निए;

मत: अथ, उन्तत अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उवत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को सभीन, निकासिश्वास व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) मैं० लाहिनो रंबल्डर्स, रिंग रोड़, सुरप्त।

(अन्तरक)

(2) श्री रमेण प्रग्रवाल, श्राम्बा लाईन्स, स्रत।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना <mark>पारी करके पृथाँक्तः संपर्तित के कर्पन के जिए</mark> कार्यवाहियां कारता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 रिवन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वमा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्परित में त्रित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया स्या है।

स्रनुसूची

म्रायकः शिंधनियम की धारा $37 \ \$\$ \ की मित्रुसार का फोर्म यह कार्यालय में दिनांक <math>12-4-1984$ की पेण किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, महीयक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज-II, सहमदाबाद ।

तारीख: 27—11—1984.

मॉहर 🖫

प्ररुप् कार्षं ही . एन ृ एवं ,न्डम्प्रनाम

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-न (1) के अभीन स्वना

बाह्य बहुकाडु

कार्याभव, सहायक नावकर नायका (निर्देशक)

अर्जन रेंज-11, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर नं० 3179/I[---अल: मुझें जी० के० पंडया

गामकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आफिस न० 543, अजन्ता गोणिंग सेन्टिर है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपायब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता सक्षम आयहर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण के अधीन नारीख 12-4-1984

को पूर्वेक्त तम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के द्रायमानं प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और भूभें मह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का सचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकास से, एसे द्रावमान अतिकास का पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकास मिम्निचित स्ट्यदेश से उच्छ अन्तरण किश्वत में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किशा गया है एन्न

- (क) अन्तरण वे शृह किसी बाव की बावता, अन्त भीविषयम के सधीन कर देने के संन्तरक के बायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के बिहा; जीट/बा
- (स) एंबी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के बिए।

नतः सन, जनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनते अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (६) के अभीन, निम्मिलियत स्वन्तियों, अर्थात् :--- (1) मे० शान्ति बिल्डर्स,निगरोड, सूरल ।

(अन्तरक)

(2) परागन टेक्सटाईन्स, सवाबन, मूरन ।

(अन्तरिती)

का श्रष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याथ में दिया। गमा है।

सम्बद्धी

आयकर अधिनियम की धारा 37ईई के अनुसार का फार्म पर कार्यालय में दिनांक 12-4-1984 की पेश किया गया है।

जो० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-- 2, अहमदाबाद

दिनांक : 27-11-1984

प्ररूप आहर्ष, टी. एन. एस. 😕 🕾 -

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 27 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3180/II—अत: मृझें जी० के० पंडया

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० अनिकस नं० 323, अजन्ता शार्षिण सेटनर है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता सहायक आयकर आयुक्त अधिकारी के कार्यालय अञ्चलाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 37ई ई के अधीन तारीख 12-4-1984

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान इसके पश्चात् 'उनक अधिनियम' नहा गया हैं), की धारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती '(अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिचत उच्चेष्य से उच्य अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त विधीनयम की धारा 269-न के वनुहरण वें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, वर्धात् :----34---396GI(84 (1) मे० णान्ति बिल्डर्स, रिंग रोड़, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री घमश्याम तोशनीवाल, के/ग्रॉफ बोसदन पूरनचन्द सोशनीवाल, पास-नोखा (राजस्थाम)

(अम्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय से सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी जन्य व्यक्ति व्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

जनुस्ची

आयकर अधिनियम की धारा 37ईई कि अनुसार का फार्म पर कार्यालय में विनांक 12-4-1984 को पेश किया गया है।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

दिनांक : 27-11-1994

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.------

भायकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-छ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3181/II--अतः मुर्झे, जी० के० पंडयाः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का , कारण हैं कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

ष्रौर जिसकी सं० वार्ड नं० 12, नीध नं० 2651 है तथा जो सूरत में स्थित है (ग्रौर इससे उपाग्रद अनुसूची में ग्रौर पूर्ज रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंगरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विवा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, जक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकिं अविकासों, अभीत् क्ष्री

- (1) वारावशाह आरामशाह मोरेना, यूनियन पलैट 19, धोडवोड रोड, सूरत (अन्तरक)
- (2) श्रो रतिलाल आत्माराम मेलागाला, सैयदपुरा, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाम्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं बैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसुधी

मिल्कत जो सूरत में स्थित है । सब रजिस्ट्रार, सुरत में 3394 नं० पर दितां है 21-4-1984 को रजिस्टर्ड की गई है ।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) \ अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

दिनांक : 28-11-1984

प्रकप बार्च : दी. एन : युस : ::::::::::::::

बायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कृष्टी भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3182/II—अतः मुझे, जी०के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु, से अधिक है

भीर जिसकी सं० मकान निजामपुरा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रौर पूर्ण क्स्म से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गढ़ें हैं और मुफ्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रसृष्ट प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (क) ब्लाउय से हुई किसी बाय की बाबत, उबके अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के रायित्व में कमी करने या तससे वसने में सुविधा के लिए; बांद्र/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

आत: शव, उत्का अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रा जगदाशचन्द्र ही रालाल और अन्य, सहकार अपार्टमेंट, बडौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जयासरन पी० ५टेल, के०/श्रो० डा० जगदीशचन्द्र हीरालाल बडौदा ।

(अंन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अपिश्र या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभीनयम, के अध्याय 20 के मा परिप्राधित हैं, वहीं अर्थ होंगा और उसा अध्याय मा न्दिका गया है।

अनुसूधी

मकान जो निजामपुराः, बडौदा में स्थित है । सब रजिस्ट्रारः बडौदा में 2985 गॅ० पर दिलांत 23-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

दिनांक : 30-11-1984

संहर 🗓 🔒

प्रकृप वार्डाः, टी., एतः, एतः,-****

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत बहुकार

कार्याकव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवस्वर 1984 निदेश सं ० पी० आर० नं० 3183/II—अतः मुझे; जी० के० पंडया,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), जी भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अभिक है

ग्रीर जसको सं० मकान तेतालपुर है तथा जो बडौदा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूचो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अप्रैल 1984

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिरित का उचित बाजार ब्रूख, असके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट महीं किया थया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ट—र (1) श्री मफलतलाल मोहनलाल कडीया कांडीया बाजार बड़ीदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रो रमनलाल अम्बालाल पटेल नक्षीयाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (च) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणु:--इसमें प्रमुक्त कन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में क्या गया है।

वन्सूची

मक्तान जो तेतालपुर बड़ीदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार बड़ीदा में अप्रैल 84 में रजिस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडयाँ सक्षम प्राधिकारो सह।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद

विनांक : 30-11-1984

प्ररूप वार्षः दीः एन . एसः । -------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन स्वना

भारत सहकार

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अनुमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3184/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक हैं

भीर जिसको सं० जमोन मकरपुरा है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारो के कार्यालय, बड़ौधा में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक 2-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूच्य, उसके स्थयान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) से बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उब्बेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क)) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त जिमीनयम के जभीन कर देने के जम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए। जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छै प्रयोजनार्थ अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

(1) श्रो रजनीकान्त छबभायी रबारी शिवयाहाल बड़ौदा ।

(अन्तरक)

(2) श्रां पी० एम० वेंकटाचलम दिनेशमील रोड, बड़ीदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्श्व निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्तों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

जमीन जो मकरपुरा, बड़ीदा में स्थित है। सब-रिजस्ट्रार, बड़ीदा में 2303 नम्बर पर दिनांक 2-4-84 को रिजस्टर्ड की गयी है।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज- , अहमदाबाद

कतः वय उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ग भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अ व्यक्ति [नम्मनिवित व्यक्तियां अधित् :--

दिनांक : 30-11-1984

प्ररूप बार्च, दी, एन, एस, -----

आयक द अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3185/II—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उफ्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० मकान श्रीर जमान फतेहपुरा, है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूचा में श्रीर पूर्ण- रूप से विणित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनांक 26-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्कृति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे कि पान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्थ (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है कि—

- (क) जन्तरण से हुड़ किसी आय की बावत्, उक्त क अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; औट्र/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अंत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् भो, भी, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्नितिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) धा जकायुद्दान टामा रिकमुद्दान और अन्य आमलाकुया, गाधेरा ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० गेंख टजर्रन अपार्टमेंट फलहेपुरा, बज़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है औं 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबब्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिव। गया है।

ग्रन्मुची ।

जमोन ग्रीर मकान जो फतेहपुरा, बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 2172, 2173 नम्बर पर दिनांक 26— 4—84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जा० के० पडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनोक : 30-11-1984

प्रकार कार्याः द्योः एवः, द्याः, ----

बावकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-भ (1) यह अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3186/II---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषसे इसमें इसके प्रशास 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च की अधीन मक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारणे हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी जमीन सम्बद्ध है तथा जो बड़ौदा में स्थित है (श्रीर श्रीर इस में उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-1984,

का पृत्रों नत संपत्ति के उचित बाबार भूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रित्कन, निस्निसियां उद्योक्यों से अस्त अन्तरण निविध में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है !——

- (क) बलारण वं हुई कियों बाब की बावस्त, क्यस विधिनर्व के बधीन कर वंगे के बलारक के स्थित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; वृदि/वा
- (क) ऐसी किसी जान या किसी प्रतिया अस्त आस्तियों को जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत निधीनयम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुनिधा की सिक्ट;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निक्नीलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) श्री चन्द्रकान्त ईन्दुलाल गांघी ग्रंसा माता के मन्दिर के पास, बड़ौदा ।

(अन्तरकः)

(2) श्रीः कृष्णा अपार्टमेंट बड़ीदा ।

(अन्तरितो)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुम्मीत के कर्णन के चित्र कार्यवाहियां सूरक करता हुं।

उनत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस भूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरि के पास निवित में किए वा सकेंगे।

स्वयद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों शौर पर्दों का, वो सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा भी उस् अध्याय में दिका चुना हैं।।

मन्स्यो

जमीन जो साबद, बड़ौदा में स्थित है। सब-रजिस्ट्रार, बड़ौदा में 473 नम्बर पर दिनांक 18-4-84 को रजिस्टर्ड की गयी है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-11-1984

मोइर :

प्रकप् बाह्री, टी. एनं. एस. ----

जायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्मसम, सहायक बायकर बायुक्त (जिरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाव

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3187/II—अतः मुझे जी० के० पंडया

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-तः. से अधिक है

प्रक्षर जिसकी सं० 471 दसेरा सीकि। मोरा है तथा जो सिलीमोरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कार्यालय गनदेवी रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है द्र--

- (क) अन्तरम् से इन्द्रं किसी जाव की बाबत, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिएक, में कनी करने या उससे अभने में सुविभा के सिए; और/या
- (या) एसी किसी बाय मा किसी धन या बन्य बास्तियों को जिस्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में संबिधा के सिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के वनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री नरभेशम नाथ जी राजल देसरा सीलीमोरा ।

(अन्तरक)

2. शिवकृषा कारपोरेशन ईश्वर लाल पो० गाँधी देसरा सीलीमोरा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हु। अ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बक्तोप हु---

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य न्यक्ति ब्वाच अधोहस्ताकरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्वो बाँद्र पृथों का, वा उन्नत विश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिश्वावित हैं, वहीं वृधी होगा को उस अध्याय में दिवा स्या हैं।

मन्स्पी

मिलिनियत जो देसरा में स्थित है। सबरिजिस्ट्रार गणवेश में 359 नम्बर पर दिनांक 27-4-1984 को रिजिस्टर्श की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरा**क्षण**) अर्जन रजि-II अ**हमदाबाद**

दिनांक: 30-11-1984

प्रकप नाहरे, भी, एता, एस, -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश स० पी० आर० न० 3188/II—अतः मुझे जी० के० पंड्या.

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी स० नौंद नं० 1690 1691 है तथा जो आठवां लाईन्स स्रत में स्थित है (श्रौर इस उपाबक्ष अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से धर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23.4-1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्से यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकित सम्पत्ति का उचित बाजार उसके दृश्यमान प्रतिकल सें, एसे दृश्यमान प्रतिकल ं का पंद्रह प्रतिशत से अधिक

है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नमीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरका मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —— 35—396GI|84

 मैसर्स प्रियासी भिल्डर्स कपल्ला टा. गोपालीया टटेन्क, बम्बई ।

(अन्तरक)

 मोधा भाई, नानुभाई देसाई, स्टिंड माला शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृष्ठोंक्त सपित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए. आ सकरो।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^र, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

मिलिकयत जो आठवा लाईन्स सूरत में स्थित है। जिसका रिजस्ट्रेंगन न 5 3435 है, जो दिनांक 23-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण⁾ अर्जन रेंज-II, अदमदा**र**

दनांक: 30-11-1984

प्रस्य साह .टी.एन.एस. ------

नायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुवता

आरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्ण)

अर्जन रेज,-II, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनाँक 30 नवम्बर, 1984

निदेश मं० पी० आर० मं० 3189/II—अत: मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूज. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 17/1-2 है, तथा जो निथल रोड, बलसाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारा के कार्यालय बलसाड में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-4-1984

को पृशेक्त सम्पत्ति के उणित गाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मृग्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवींक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रस्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 10,20 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 जनार्वन सायु भाई, देसाई निथल रोड.
 बलसाड ।

(अन्तरक)

 श्रंकुर की-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी निथल रोड सूरत ।

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

मिलिकियत जो बलसाड में स्थित है । सब-रिजिस्ट्रार बलसाड में 1910 नम्बर पर दिनांक 6-4-1984 को रिजिस्टर्ड की गई है।

> जी०के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

प्ररूप आइर्. टी. एन्. एस. ------

शायकर श्रीभीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के श्रीन त्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,-I1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

निदेश स० पी० आर० नं० 3190/II—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं नीथं नं 1950, वार्ड नं 7, है, तथा जो सैयवपुरा, राम पुरा, सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण से रूप विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 37-ईई, के अधान दिनांक 15-11-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह्म प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिएति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बृत्तुरण से हुई किसी बाय की बाबत्, उच्छ बृद्धित्व है अपीत कुर देने के बृत्युरक है बार्टियय में कृती कर्तु या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर्ट्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकड अधिनियम, या धनकड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में ब्रिया के लिए;

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ड--- श्री टो० आर० वाडीया,
 1/1950A, कोटपालनी वाडी,
 सैयदपुरा,
 सूरत ।

(अन्तरक)

 श्री नाथ जी कन्स्ट्रनगन, नानपुरा, सुरत ।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिल कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, धरों भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ,राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकों।

स्थळीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जा उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मिलकियत जो सूरत में स्थित है। आयकर अधिनियम की धारा अनुसार 37 ईई का फार्म दिनांक 21-4-1984 को यह कार्यालय में पेश की गई है।

> जौँ० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज , अहमदाबाद

विनाम : 30-11-1984

इक्य बाधु हो , एन . युव _-----

नायकड निधिनियम्, 1961 (1964 का 43) की भाड़ा 269-व (1) वी सधीन स्वना

HIVE STORY

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3191/II—अतः मुझे जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मंति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 638—630 अलीयार है तथा जो जीरवली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चीरवली में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि जिसा गया है है—

- (क) जन्तरण हे हुई किसी नाव की वावत्त, उत्तर वीधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्मिश्व में कमी करने या अवसे व्यन् में स्विधा के विष्: कीर्/वा
- (क) एसी किसी काव या किसी अन वा अन्य जास्तियों को, चिन्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अडकर अधिनियम, या अडकर अधिनियम, या अडकर अधिनियम, वा अडकर अधिनियम, विश्व के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्वा आ वा किया जाना आहिए था कियाने में स्विधा के विश्व किया है विश्व हैं

कतः कय, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:— 1. श्री अहमद सुलेमान सादक अलीपोर ता० चीरवली।

(अन्तरक)

 रामुभाई सी० पटेल डाह्या भाई सी० पटेल दुर्लभभाहै सी० पटेल, वांसणा, तह० चीरवली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासेषु :--

- (क) इस स्वा के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की जबाभ या तत्सक्त्रन्थी व्यक्तियों पर
 स्वा की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंतित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नगत्त्रची

मिल कयत जो चिरवली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार चिरवली में 326 नम्बर पर दिनांक 7-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया
स्वयम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, अडमधाबाद

विनांक: 30-11-1984

मोदुर:

'म्ह्यू जार्<u>द', टो...पन्...पस्...------</u>-----

नावकड विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व(1) के वभीन सुव्या

बाइव ब्रह्माड

कार्यांचय, सहायक जायकार जायकत (किर्योक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984 निदेण सं० पी० श्रार० न० 3192/II—श्रतः मुझे, जी० के० पाँडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें , इसके परवात 'उनेत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 258 है, तथा जो सारडोली जिला सूरत में स्थित है (श्रौर इस उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है).रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सारडोली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियण, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन विनाक ं 30-4-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक स्मृ से कथित नहीं किया गया है है--

- (क) जन्तरण वं हुई किथी आयु की बाबत, उसस् अभिनियन के जभीन कर दोने के वस्तरक के बाबित्य में कभी करने ना उससे व्यन में सुविधा के सिष्कु और ना
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ध्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया धाना आहिये वा, कियाने में हविधा की तिए:

बतः भ्यं, उक्त निधिनियम की भारा 269-म के ननुसरण में. में', उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नविधिक व्यक्तिमों,, समृद्धि— श्री राम भाई रण छोड़ भाई पटेस, नपसारी ।

(भ्रन्तरक)

 हरिराम खेतुराम मिस्त्री शास्त्री नगर, सारडोली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उनत संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह-

- (क) इस श्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्वक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उन्त अधि-जियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मपस ची

मिलिकियत जो सारडोली में स्थित है। सब रिजस्ट्रार, सारडोली, में 301 नम्बर पर दिनौंक 30-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

मोहरः

प्रस्मा, बाहाँ है दी , एक् , एव , ----

नाम्कार निध्नियम्, 1961 (1961 का 43) की पाउर 269-मु (1) के नधीन सूचना

मारत चडकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिय) श्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं०पी० श्रार० नं० 3193/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित आजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नागलपुर है, तथा जो तह० महेसाणा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय महिसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9-5-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की सामत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर्-्र/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

श्री ग्रंसालाल प्रभुदयाल, पटेल द्वारा: डी० स० पटेल, नागलपुर, तह० व जिला महेसाणा।

(ग्रन्तरक)

2 श्री दया भाई मोहन लाल स्वामी सिमाधर को-ग्राप० हा० सोसाय ट नागलपुर जिला महेसाणा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करको पूर्वीक्त संस्पत्ति को नर्बन को जिए कार्यज्ञाहयां शुरू करता हुं। जन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोड़ थी आक्षेप ः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (त) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, चो उस अध्याय में दिया गया है.

वन सची

जमीन. जो नागलपुर, जिला महेसाणा में स्थित है। रिजस्ट्रार महेसाणामें 1128 नम्बर, पर दिनांक 9-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाद

अतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुतर्ण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६——

दिनांक: 30-11-1984

प्रकव बाहाँ, टी. एन. एस. -----

भारतकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- मृ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, म्रह्मदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेण सं० पो० श्रार० नं० $3194/\mathrm{II}$ —-श्रप्तः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं नागलपुर है, तथा जो तह । महे साणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्ड सम्पत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गासाविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियुम के अधीन कर्दु दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविधा के लिए;

अतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मिनिसित व्यक्तियों, अधीत :-- श्री रामचन्द्रभाई ईश्वरभाई पटेल और अत्य ृनागलपुर, [मरेसाणा ।

(भ्रन्तरक)

 मनीष कोरपोरेशन, राहुल कुमार एन० शाह, ृंमहेसाणा ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 बिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूषी

जमीन जो नागलपुर में स्थित है। सब रिजस्ट्रार महेसाणा में 1196 नम्बर पर दिनांक 30-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 30-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आहूर.टी.एन.एस. -----

नायकर मुभिनियम्, 196। (1**961 का 43) की** भारा 269-व (1) के श्वीत त्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-11, महमदाबाद महमदाबाद, दिनांक 30 नवस्वर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3195/II—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया

नायकार निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त निर्मियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन महेसाणा है, तथा जो महेसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाध द श्रनुमूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अवस्मान प्रतिफल से एसे अवस्मान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया प्रा प्रतिक्षत के निम्निलिसित उन्देश्य से उन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरुष से धुर्द किसी बाय की बाबत, उन्तर विभिन्नियम के वृशीन कर दोने के अन्तरक के दास्तिक में कमी करने या उससे वचने में सुविशा के सिए; बीट/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उसत अधिनियम, या धन-कर जधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ह्यांचनार्थ क्लारिती ह्यारा प्रकट नहीं किया बना वा वा किया जो के लिए;

वतः वन, उक्त विधिन्यन की भारा 269-न के वनुभारक हो, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के वभीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्थात् :--- श्रो महेन्द्र प्रसाद, गौरो शंकर णुक्ल, कसोई, नगर, ¦महसाणा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मफतलाल चतुरभाई पटेल, कांसा, तह० दिसनगर ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना बादी कड़के पूर्वोचन कम्परित के नर्जन के जिए कार्यनाहरूमं करता हो ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫 🗋

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधः, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यूप किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अभीहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जमीन जो महेसाणा में स्थित है। सब रिजस्ट्रार 'महेसाणा में 1248 नम्बर पर दिनांक 30-4-1984 को रिजस्टडं की गई है।

> जी० के० पडमा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ाा, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3196/II—भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं महेसाणा है तथा जो महेसाणा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय महेसाणा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तर्ण संहुई किसी आय की भागत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थे
 प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (⁴) के अधीन. निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—→ श्री महेन्द्रप्रसाद, गौरीणंकर शुक्ल, ृकंसोई नगर सोसायटी, महेसाणा।

(भ्रन्तरक)

 श्री कांती भाई मगनलाल पटेल, बिजापुर, तह० चाणस्मा।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां धुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो और अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति ह्वारा;
- (छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

महस्यी

जमीन जो महेसाणा में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 1292 चौ० है। सब रजिस्ट्रार महेसाणा में 1249 नम्बर पर दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड को गई है।

> ्जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

मोहर:

36---396GI|84

प्रकप बाई. टी. एम. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुधना

भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश सं० परे० आर० नं० $3197/\Pi$ —अतः मुझे, जा० के० पंडया

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकः सं० छन्नाल है, तथा जो तह० रुलोल, जिला मटसीना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारः के कार्यालय कलोल में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 17-4-1984

का प्रविक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नूल्य, प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचल अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय को बाबत, उबस बीधिनियम के अधीन कर दाने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अपने में सृविधा के स्वरूप बीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वररा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के सिए;

करः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के जबसरण बो., में उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा के अधीन, निम्नलिखित स्थितस्यों, बर्मात् क्ष--- श्रा अमृतलाल लल्लु भाई पटेल, छत्राल, तह० कलोल ।

(अन्तरक)

 श्रो भाग भाई रामदास पटेल, छन्नाल, तह० कलोल।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के ग्राज़्यूच में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाग्न अथोहस्ताक्षर) के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

,ŭu⊾,

जमीन जो छन्नाल में स्थित है जिसका कुल क्षेत्र फल 2 एकड़, 39 गूंठा है। सब रजिस्ट्रार कलोल में 492 नम्बर पर दिनांक 17-4-1984को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक : 30-11-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-11, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेशमं ० पा० आर० नं० $3198/\Pi$ —अतः मुझे, जा० के० पंड्या,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

ग्रीर जिसका यं कलोल, है, तथा जो कलोल में स्थित है (ग्रीर इसने उपावड अनुसूचों में ग्रीर जो पूर्ण चप से ग्रीणत है) रिजस्ट्राएको अधिकारों के कार्यालय कलोलल में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्मान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कारण हु कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) थः छोटानाल मगनलाल पटेल, श्रौर अन्य एलोल ।
 - (2) मै॰ दोपक कारपोरेणन, शहास्त्राम, अहमदाबाद।
 - (3) मैंसर्स विजय लेण्ड, कारपोरेशन,, कलोल ।

(अन्तरक)

2. मोतानगर को-आप० हाउ० सोसायटो, चैयरमैन, : श्री एन० एस० पटेल,, कलोल ।

(अन्यरितः)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को है भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सक्तम की

जमोन जो कलोत में स्थित है। सब रिजस्ट्रार कलोत में 498, 499, 500 तम्बर पर दिनांक 18-4-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

त्रक्या वर्त्राच **टो**., युन्, युन्, प्रवासनस्य

बायकर स्पितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीत स्पता

भारत धुरुकार

कार्यांनय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, अङ्गदाबाद अङ्गदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1984 निवेश सं० पीं० आर 2० नं० 3199/II---अत: मुझें, जी० के० पंड्या,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मैईज ग्राम है तथा जो कलील में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूणं रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलील में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दनांक 17-4-1984

को प्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम कमा प्रतिफल, निम्निसिकत उद्देश्य से उक्त बृन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिगिय्व के लुभीन कर दोने के जन्तरक खें यायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बॉड/या
- (च) हुरी किसी नाय या किसी भने या अन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा के निए;

शतः बंग, उन्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध— श्री पटेल, माया भाई मगन भाई पटल, शंभु भाई मगन भाई पटेल, रमेश भाई मगन भाई सईज, ता० कलोल।

(अन्तरक)

2. श्री नाथ जो को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी, कलोल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों वस संपरित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत संपरित के वर्णन के संबंध में कॉर्ड भी जाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासः सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., बहु अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया। इ.।

अन्सूची

जमीन जो सईज ग्रामता० कलोल में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 3509 चौ० पर है। सघ-रजिस्ट्रार, कलोल में 410 नम्बर पर दिनांक 17-4-1984 को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

ंदिनांक 30-11-1984 मो**हर**्ड

प्रकृष बाई . टी . वृत् . एक: -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289व (1) के अधीन सुचना

शारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3200/11——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर मितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मितियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- द० सं अधिक है

ग्रौर जिसकी स० कलील है, जो कलील में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण कप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलील में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 6-4-1984 को पूर्वीक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से खन के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गर्ड ही और महो यह विख्वास करने

का प्वाक्त सपाल के उपित बाजार मूल्य से क्षेम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य में अन्त चन्तरण विकित में बास्तिक क क्ष्म से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रविनियम के सधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में स्वमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्; और/या
- (ख) पुरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें पारतीय प्रायकर प्रश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्चितियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविक्षा के लिए ;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह पटेल माधव लाल अमधालाल कल्याणपुरा, कलोल ।

(अन्तरक)

गणेश भाई नाथाभाई प्रजापति,
 आश्विन नगर, को-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
 कलोल ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ना बारी करके पृत्रा कि सम्पत्ति के नर्बन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बन्द सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृज्यक्त स्थितियों में से किसी स्थित हुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- स्थानर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

वमुस्ची

जमीन जो कलोल में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 35 गूटा है। सब राजिस्ट्रार कलोल में 473 नम्बर पर दिनांक 6-4-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

दिनांक 30-11-1984 मोहर: प्ररूप . अरह् . टी . एन . एस . - - - - -

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-9 (1) के तथीन सुबना

भारत महबार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज , अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984 निदेश सं० पी० आर० नं० 3201/ [—अत: मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- क. से अधिक हैं

भीर जिसक: स० छवाल, है, तथा जो ता: कलाल में स्थित है (और इसके उपाबंद्ध अनुपूजी में प्रोप जो पूर्ण का में वर्णित है), रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकार। के कार्यालय कलील में रिजस्ट्रेंकरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत दिनांक 6-4-1984

को पूर्विवत सन्विति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरुग से हुई किसी भाव की बाबत, छक्त अधिनयम के अभीज कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कारी कारने या अक्षरों बचर्च में मृथिए। के निए: और/या
- (ख) एंसी किसी आप या किसी भन या कत्य आस्तियां की. जिन्हीं भाग्यीय कार-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तीत्वी स्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया आना साहिए था, खिपान' मी स्विभा से स्वारा

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :— श्री परपोत्तम दास, लाल दास पटेल छत्राल, ता० कलोल।

(अन्तरक)

गायविकाप को०-आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
 श्री रितलाल और पटेल,
 छवाल,
 ता० कलोल।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

इक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन कि अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थानकारों में कि की बदारा;
- (स) इस सूचना क राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी . अन्य स्थावत द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिमित से किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

बरस सी

जमान जो छन्नाल में स्थित है। सब राजिस्ट्रार कलोल में 455 नम्थर पर दिनांक 6-4-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज II अहमदाबाद

दिनांक 30-11-1984 मोहर: प्रस्य भाषे.दी.एम् एष . ------

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेज-II, प्रष्टमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

निदेश मं० पी० भ्रार० नं० 3202/11/84-85—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं पाटण है, तथा जो पाटण में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्री- कर्ता श्रिश्वारों के कार्यालय पाटण में रिजस्ट्रीकरण श्रिश्वारयम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनांक 30-5-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्रे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुख्यमान प्रतिफल से एसे रुख्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रुख्यमान प्रतिफल से एसे रुख्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकत से बिए क्षेत्र अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेशों से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में मुक्तिया के सिए; और/या
- (स) एसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-अर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान भे सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- श्री अमानुदोन, गुलाम हुसेन, फाटुको श्रीर अन्य ्गणवाडी, तह्र्मिद्धपुर ।
- पटेल, बाजीभाई बाजीदास, जल चौंक पाटण ।

(भ्रन्तरितोक्ष)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्त मंपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन का अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुवत शब्दों और नदों का, जो उक्त अधिनियम, क्षेत्रध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होना को उस अध्याद भी दिखा गमा है।

अनुसूची

जमीन जो पाटण में स्थित है। सब रिजस्ट्रार पाटण में 1156 नम्बर पर दिनांक 30-5-1984 को रिजस्टिङ किया गया है।

> जो० के० पंडया हैसक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रैंज II, श्रहमदाबाद

दिनांक : 30-11-1984

प्रारुप भार्ड, टी. एत. एस.,-----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-II, श्रहमेदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर, 1984

नितेश सं० पी० श्रार० नं० 3203/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पाटण है तथा जो पाटण में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीक्षकारी के कार्यालय पाटण में रिजस्ट्रोकरण ग्रीक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राक्षीन विनांक 15-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरितो (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः जवः, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण जः भाँ, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निनि**यस व्यक्तियों, अभीत्** :---- श्रोमती पल्लवो बेन, मणोलाल, सुपुत्रो श्रो मणोलाल कन्हैया लाल, ।
 द्वारा: श्री मूलचन्द नागरवास पटेल, सबरीपाड, पाटण ।

(ग्रन्तरक)

 श्रौ मूल चन्द भाई, नागरदास पटेल, अवेरी पाड, पाटण ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्त्रकी

जमीन जो पाटण म स्थित है। सब रिजस्ट्रार पाटण में 1341 नम्बर पर दिनांक 15-4-1984 को रिजस्टर्ड की गई है।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रख-[I, ग्रहमधाबाद

दिनांक 30-11-1984 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एसं. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3204/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं:

ग्रीर जिसकी संवीमहीज ई, तथा जो तह० महेमदाबाद, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय महेमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 18-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के म्ल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और मंत्रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्रय की बाबत, उक्त अधिभियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातं :----37—396GI|84 श्री छना भाई, जेठाभाई पटेल, महीज,
 तह० महेमदाबाद ।

(अन्तरक)

 श्री विष्णुभाई जशभाई पटेल, महोज, तह० महेमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

न्सत सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास- निष्यत में किए ला सकेंगे।

स्परटीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तं अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनसंबी

ं जमीन जो महेमदाबाद में स्थित है। सब रजिस्ट्रार, महेमदाबाद, में 530 नम्बर, पर दिनांक 18-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जो० के० पंडया, सञ्जय प्राधिकारो सहायक ग्रापकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रुक्त रेंज्-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 6-12-1984

ं प्रकल् भाद[±]. टी. एतः **एस**ः- - - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० ग्राप्त्र्नं० 3205/[[--ग्रन: मुझे, जी० के० पंड्या,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं महीज, है, तथा जो ता अहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिशितयम, 1908 (1908 का

16) के प्रधोन दिनांक 18-4-1984

कां पृथांबत संपरित कं उचित बाजार मृत्य सं कम के रश्यमान प्रतिफ न के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापृवींक्त संपर्तित का उजिल बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भाषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उभत अन्तरण निवास यो गरतिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के निए:

बतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग कं अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ कं उपधार (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात क्र— श्री श्रमोक कुमार छनाभाई पटेल, महीज, ता० महमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

 श्री नन्दुभाई फुलाभाई पटेल, सारेजा, ्ता० अहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्थाव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन सूची

जमीन जो महीज तुष्टि अहमदाबाद में स्थित है। गर-रिजस्ट्रार अहमदाबाद में 531 नम्बर पर दिनांक 18-4-1084 की रिजस्टर्ड की गई है।

> जो० के० पंडमा, संज्ञम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रैज-II, ग्रहमदाबाद

घिनांक 6-12-1984 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं ० पी० धार० नं ० 3206/II--ग्रतः मुझे, जी० के ० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,00%/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं नडोदाद, है, तथा जो नदोदाद में स्थितर (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकिती ग्रीधकारों के कार्यालय नडोदाद में रिजस्ट्रोकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 को 16) के ग्रीधीन दिनांक 19-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-इस निम्निलियत् दृद्देश्य से उन्त बन्तरण विश्वित में बास्य-विक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (अ) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबस उच्त अधि-फिर्म्स के ब्यान कड़ दमें के बन्तरक के दावित्य में कशी कड़ने वा अबसे न्यूने में बृतिया के लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में सुविधा के लिए;

सत अब, उबत अभिनियम की भारा 269-न के जुनुबहुक म, मी, उबत अभिनियम की भारा 269-व की उन्भास (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री हिरेनकुमार बन्सीभाई पटेल श्रीर श्रन्थं काश्मीर पार्क सोलायटो, नडोदाव ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रकेनाथ को-श्रापरेटिव हाउमिंग सोसायटी, गिरोण कुमार नटवर लाल दवे, नडोदाद ।

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में दित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमाँ प्रमुक्त शब्दों और पवर्ष का, जो उवस मिनियम के मध्याय 20-कः मा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय माँ विमा गया है।

अनुसची

जमीन जो अहमदाबाद में स्थित है जिसकी कीमत रुपये 85000 की है। सब राजस्ट्रीर ग्रहमदाबाद में 1891 नम्बर पर दिनांक 19-4-1984 को राजस्टर्ड जिया गया है।

> जी० के० पंडया, भक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्षरण्यायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-11, श्रहमदाबाद

दिनांक 6-12-1984

अरूप बार्च, टी. एन. एस. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ं श्रर्जन रेंज-11, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पो० ग्रार० नं० 3207/II—प्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं जानावात, हे तथा जो नहायाद में स्थित है (श्रीर इसस उगावद अनुपान में श्रीर जी पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रीय कारा के कार्यालय नहायाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23-4-1984

का पूर्वोक्षत सम्मत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण हु। के यन्तर्वात्वत सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के बीच एस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधान कार दोंने के अंतरक के दायित्य मा कमा करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 ,1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा कृद नहीं किया गया भा या अध्यो जाना भारति या हुए या, छिपान मी सुविधा के लिए।

श्रतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ः—

 श्री रमणभाई सोमाभाई पटेल, चकलासी, तह० नडीयाद । (ग्रन्तरक)

 गुरूकृपा को-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी,
 श्री चंदुभाई ग्राणाभाई पटेल, श्रीर श्रन्य चकलासी,
 तह० नडीयाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (₹) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर अपन्त स्थाबर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी, के पास लिखित में रिष्णु का सकीयें।

स्थाध्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त कच्या आर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज़ब्स् परि

जमीन जो नडीयाद में स्थित है जिसकी कीमत रू० 1,13,815 है। सब-रजिस्ट्रार नडोयाद में 2110 नम्बर पर दिनांक 23-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ज़ा० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 6-12-1984

प्रकृष बाह् . टी . एव . एस . -----

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, $\mathbf{I}^{\mathbf{I}}$, श्रहमदाबाद

् श्राह्मक्षेत्रचः वितासु है सिन्स र 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० नं० 3208/II——भ्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं० श्रानन्द है, तथा जो श्रानन्द में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण का से विणित है) रिजिल्ला-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय आनन्द में रिजिस्ट्रो-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 26-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्व है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का अचित बाजार मृत्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पेन्न्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) मृत्युरण से हुंहैं किसी जाय की बाबस, उक्स अभिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायिएम में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/दा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा से लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिम्स व्यक्तियों, अर्थात् श्री मगीसटन मगीलाल कालावास पटेल, द्वारा: महावीरप्रसाद, जे० पंड्या, पंड्या फली, श्रानन्द ।

(भ्रम्तरक)

श्री नरहिर जे० पंडया,
 प्रणय को-म्रापरेटिच हाउसिंग मोसायटो,
 म्रानन्द ।

(ग्रन्सरित

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में काई भी आक्षाप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रो 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किंदी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्राणंद में स्थित है जिसकी कुल को मत रु० 1,79,940 है। सब राजस्ट्रोर श्राणंद में 792 नम्बर पर दिनांक 26-4-1984 को राजस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 6-12-1984 मोहर:

प्रकृष बाह' टी .पन .पब .-----

बायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सुचना

मार्ठ तरकाइ

कार्यालय. सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

महमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3209/II--ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) ,इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० चिखोदरा है, तथा जो श्राणंद में स्थित हैं ं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूचो मैं ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) 🗸 र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आणंद में र्राजस्ट्रोकरण श्राधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन दिनांक 12-4-1984

का पूर्वों क्य सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नुल्या उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तरितया) क बाच एस अन्तरण क लिए तय पादा गया प्रतिफल निम्नोलांखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्दित में बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरम सं हुई सिसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे- सुविधा के लिए; बार/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयु-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कराः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्ते अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

1. श्रो चंद्र लाल सोभाभाई ग्रौर ग्रन्य एल० जो० पटेल, तथा श्रन्य चोखोदरा, ता० ग्राणंद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री शांतीसटन विष्य भाई पटेल ग्रौर ग्रन्य डोली. ता० चेटलाद । हलों, भ्रार्यनगर, सोप्तायको, भ्राणंद ।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्टित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित है, वही नर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिवा ब्या है।

जमीन जो चिखोदरा में स्थित है; जिसकी कीमत ६० [90,000/- है। सब रजिस्ट्रार ऋाणंद में 344 नंबर पर दिनांक 12-4-1984 को रजिस्टर्ट की गई है r

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद.

दिनांक 6-12-1984 मोहर:

प्रश्रूष बाहाँ. टी. एत. एस. ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन मुचना

मारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद श्चहमदाबाद, दिनांक 7 दिसस्वर, 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 32.10/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या.

अध्यक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें असके पदमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पन्ति, असका अधित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मकान रामपुरा है, तथा जो अडौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनुस्ची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय बडौदा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक श्रीजन, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह िण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का गंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दायित्य में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/वा
- (व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में युष्यिया के लिए;

लगः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्त

 श्री भानुभाई छोटाभाई पटेल श्रीर श्रन्य 94, कुंज मोसायटी, श्रल्कापुरी, बड़ौदा।

(अन्तरक)

2. श्री श्रार० एन० जैन,

जनरल मैनेजर:

(1) गुजरात को भ्रामिटिय पाईन जैम्बर्ग एम्ड ब्राइमें फैडरेशन, लिसिटेड, निलमसाँग,

ताः भावनगर।

(2) संत्यको

चैम्बर्म रायप्रा,

बडौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृश्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यचाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्सि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपथ में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से िंडसी स्विवत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **स** 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पारटोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याग में दिया गया है।

अमस्धी

मकान जो मीसको चैम्बर्स बडौदा में स्थित है जिसकी कुल कोमत ६० 6,90,000/- है। सब रजिस्ट्रार बडौदा में 3254 नंबर पर दिनांक 30-4-84को रजिस्टर्ड की गई है।

> जी० के० पडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेज II, स्रहमदाबाद

दिनांक 7-12-1984 मोहरः प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, धहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० श्रार०नं० 3211/II—श्रत: मुझे, जी०

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संध्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जमीन श्रौर मकान श्रार० सी० दत्त रोड, हैं जो मडौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रौल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित ने वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी थन या बन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :— निर्मल को-श्राप० हार्जीसग सोसायटी बढौदा।

(अन्तरक)

2. दिनशा श्रंसालाल देसाई, A/2, स्टलिंग अपार्टमेन्ट, रेस कोर्स रोड, बडौदा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

नमुसुची

जमीन श्रौर मकान जो बडौदा में स्थित है जिसकी कीमत रु० 2,10,000/- है। सब-रजिस्ट्रार बड़ौदा में 3222 नंबर पर श्रप्रैल, 84 में रजिस्टार्ड किया गया है।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सेहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I¼ स्रहमदाबाद

दिनांक : 7-12 1984

मोहर 🖫

प्रकृष काह². टी. एन्. एस. - ---

आध्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वन।

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज,-U, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० भ्रार० न० 3212/[I—श्रत: मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 - क से अधिक है

ष्ठीय जिसकी सं जमीन थौर आफिस बिल्डिंग है, तथा जो सावली, जिला, बड़ौदा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्द्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय सावली में र्राजस्द्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-4-1984 .

को पूर्विधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का क्टूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कत, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्त-बिक स्प ले क्रिथन नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी बाब की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कामी कारने या उससे बचने में सृष्टिभा के लिए; बाह्य/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों करों, जिन्ही भारानीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अल्लीरिती दूर 13 प्रकट नहीं किया गया धा दा किया लाग जांत्र जा, छिपाने में सुविधा अ विद्

बतः सब. उपल विभिन्यम की धारा 269-ए के अनुबर्ध भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभाग (1) हो वाधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :— 38--396GI|84 त्रिमलाबहन, के० शाह, फुटणा को-ब्राप० हाउसिंग सोसायटी, हारसा, ग्राणंद ।

(ग्रन्तरक)

श्री कृष्णा भाई प्रभुदयाल ठक्कर.
 पोली प्रोफेसर.
 भालज रोड़,
 श्राणंदः।

(भ्रन्तरिति)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहिया करता हो।

उनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कार्द भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्यों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा मकरें।

स्पष्डीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

बन्तु 🐃

जमीन जो सावली में स्थित है जिसकी कीमत रु० 2,55,000/- हैं। सब रजिस्ट्रार सावली में 302 नंबर पर दिनांक 2-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> जी० के० पं**ष्रया,** सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर त्र्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-II**६ अहम**वाबाद । ्र

दिनांक 7-12-1984 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (रिरक्षिण) अर्जन रेज-II, अहमदाबाद अहमस्तबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3213/II—श्रतः मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिमकी सं जिमीन पेथापुर है, तथा जो गांधीनगर, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गांधीनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 23-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो। पाया समा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उपन अन्तरण निष्टि के बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे उक्ते में मृतिभा के लिए; और/वा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ वा किया जाना चीहिए था छिपाने में सर्विधा अ किया जाना चीहिए था छिपाने में सर्विधा अ किया जाना चीहिए था

कतः जब, जुक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री पूजाभाई खोडीदारा पटेल, पेथापुर, गांधीनगर।

(ग्रन्तरक)

 श्री के० टी० प्रजापित,
 चेयरमैन, उमियानगर, को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी पेथापुर,
 गांधी नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध पा तत्त्वस्थित का त्या पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध की में के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुराक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाए।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन के शीतर प्रकार गावित कि हिंदी बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसा अपिका स्वार्थ

स्पद्धिकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो तस जायास का दिला मुंबा है।

बनस् ची

जमीन का दस्तखत 14.95 नंबर पर दिनांक 23-4-84 को सब-रजिस्ट्रार गांधीन गर में दिया गया है जिसकी की तत् का 2,64,000/- है।

जी ं के ० पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-II, झहमदाबाद

दिनांक ! 7-12-1984

मोहर 🕾

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -

भाषकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- $I_{\rm I}$, ग्रहमदाबाद-ग्रहडदायाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1984 निदेश सं० पी० भ्रार० नं० $3214/I_{\rm I}$ —ग्रत : मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त गिधिनियम' कहा गया हैं, की धारा 269-ख के अधीन शक्षम माजिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर शम्पित, जिसका टीचत बाजार भूल्य -25,000/- रह. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० मकान गांधीनगर, सैक्टर नं० 21, है, तथा जो गांधीनगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिनगरों के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 30-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जारण है कि एथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत्व सिन्निविद्य उद्देश्य से उक्त अन्तरण विक्ति में बास्तिविकृत्व से किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त रोधीनका के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/भा
- (स) एसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियाँ की जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ळिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः है। उन्ते पिरियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्निस्तिव व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री नाथुभाई मजीलाल मिस्ती द्वारा पोपटलाल कचरा भाई शाह, प्लाट नं० 87, सेक्टर नं० 21, गांधीनगर ।

(अन्तरक)

 श्री पोपटलाल कचरा भाई शाह, प्लाट नं० 87, सेक्टर नं० 21, गांधीनगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुखना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के बुर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थब्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अगस ची

मकान जो गांधीतगर में स्थित है जिसकी कीमत रु० 90,000/- है। सब-रजिस्ट्रार गांधीतगर में 1529 नंबर पर दिनांक 30-4-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ं जींं कें ॰ पंडया, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक 7-12-1984 मोहर 🛭 प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय-, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धाण)
श्रिजेन रेंज-II, श्रहमदाबाद
श्रहमदाबाव, दिनांक 21 नवम्बर 1984
निवेश सं० पी० श्रार० नं० 3423/श्रत: मुझे, जे० के०

पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एन० ए० जमीन अमरेली में थार० स० नं० 331 है, तथा जो क्षेत्र फल 1 एकड़ 26 गुंटा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरेली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-4-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—- श्री पटेल, हरीनाई शमनीभाई, लखानी, मुखनाथ रोड. ग्रमरेली:

(ग्रन्तरक)

श्री बसन्तराय प्रभुदास संघवी,
 सेक्रेटरी, सारम्बत को ज्याप० हार्जासग सोसायटी,
 4, हार्जिसग सोसायटी,
 बस स्टेंगन के नजदीक,
 अमरेली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँक्स सम्पत्ति के वर्धन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उदत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शासेंद्र:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 40 विकास के भीतर उक्त स्थावर मध्यन्ति में हिटबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरणः:---६समी प्रयुक्त शब्दी और उदों का, को उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

जमीन अमरेली में म्यूतिसिक्त लिमिट में आर० एस० नं० 331, क्षेत्र फल, 1 एकड़ 26 गुंठा रजिस्ट्रेशन, नं० 610/ 25-4-1984 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ।

विनांक : 21-11-1984

अरूप आहें.टी.एन.एसं.------

भायकर अधिनियर्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, श्रह्मदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 21 नवस्वर, 1984

निदेश र्रं० पी० श्राए० नं० 3424—अतः मुझे, जी० के० पंडया

अग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. ये शिधका है

श्रीर जिसकी मं जमीन श्रमरेली में श्रार एम नं 276 पैती है, तथा जो प्लाट न 1. से 36 क्षेत्रफल 10953 वर्ग मीटर में स्थित है (शौर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणित ै) रिजिस्ट्रीकरण श्रीधकारी के कार्यालय श्रमरेली में रिजिस्ट्रोकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिनांक 3-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके ध्व्यमान प्रतिफल से एसे द्व्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्विक्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922क्रिका 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित किन्तियों अधीत :---- श्री पटेल तपुभाई हीरजीभाई की श्रोर से कुल मुख्तयार: पटेल परणोत्तम तघुभाई, फेरिया रोड, वाडी. ग्रमरेली ।

(श्रन्तरक)

2 श्री कांतीलाल पोपटलाल ठक्कर,
 उप प्रमुख : श्री सत्यनारायन, को०-श्राप० मोसायटी,
 हरी रोड, श्रमरेली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षित्रके सूच्य करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

बन्स्ची

एन०ए० जमीन, श्रमरेली में स्थित है म्युनिसिपल सीमा में श्रार० एम० नं० 276 पैकी प्लाट नं० 1 से 36 होटल क्षेत्रफल 10953 वर्ग मीटर (नया दस्तावेज) रिजस्ट्रेशन नं० 465, 468, 470, 471, 472, 474, 475, 476, 477/3-4-84।

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I, भ्रहमदाबाद

दिनांक 21-11-1984 मोहर : प्रकर् ,जार्च . वीं . एम . एम . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-II, सहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3425----श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृल्य 25,000/- रह से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 541, तक्षिला सोसायटी, है, तथा जो रेसकोर्स राजकोट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) राजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 21-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का जिच्न बाजार मृल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाब की बाबत, उसे अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्षः और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं विश्या गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के मिए;

जतः अब, उक्त आधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण को, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के सभीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थाद्य ——

 श्रीमती रजनीबेन बसन्तराय कच्चालिया, 541, तक्षशीला सोसायटी, रेसकोर्स के नजदीक, राजकोट ।

(ग्रन्तरक)

2. करसनदास भगवान जी घोडासरा, 541, तक्षिला, सोमायटी, रेसकोर्स के नजदीक, राजकोट।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्मान्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में बार्डि भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन बने प्रविध, जो ने अविध बाद में समाप्त होती हो, के अनिष्य पूर्वाया व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति हुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को काराज में 45 दिन के भीतर उनके स्थाबन रामारित में इस्त-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहानाकाने के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माष्ट्रीकरणः - इसमें पगुलत शब्दां और पड़ों का, जो उक्त अधिनियम के शक्त्याम 20 ा में परिशासन है, वहीं अर्थ होगा. जो लग अक्ष्राम भें दिया गया ;

जनसर्ची

प्लैट नं० 541, चौथा मंजिल, तक्षिला, सोसायटी, रेसकोर्स के नजदीक, राजकोट में स्थिक् । रजिस्ट्रेशन नं० 1058/21-4-1984 है।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजनी, श्रहमदाबाद

दिनांक: 21-11**-8**4

मोहर 🖁

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकारी

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद .

श्रहमदावाद, दिनांक 21 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3426, ग्रतः मुझें, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260-ख के अधीन मुक्रम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- या के अधिक है

भीर जिन्न ती तं एन एन ० जमीन रैया में राजकोट सर्वे नं ० 133/ 138/139 है तथा जो क्षेत्रफल 1194 वर्ग यार्ड में स्थित है (बीर इन्नो उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 3-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-जल विश्वतिस्ति उद्वेद से उद्दे अंतरण लिखित में तास्त्रिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उपत विधिनियम के अभीन करः देगे की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
- (स) एमी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का प्राप्त अवन्य अधिनयमः १५०० (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण हैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

(1) श्रीमती मुक्ताबेंन छोटालाल बोरा जोली सेण्टर, सेकण्ड फ्लोर, लोकमान्य तिलक रोड, शान्ताऋज (वेस्ट) वम्वई-54-40005/ ।

(अन्तरिती)

(2) मेसर्स ग्रशोक बिल्डर्स 'यशमीन' 2 नरेष्ट्रनगर, ग्राजकोट ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

बनस्ची

एन० ए० जमीन रैया में राजकोट सर्वे नं० 133/138/ 139 क्षेत्रफल 1194 वर्ग यार्ड (राजकोट्ट्) रजिस्ट्रेशन नं० 2184/3-4-84 ।

> जी० के० पंडयां सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक : 21-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-।, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर् 1984 निवेश स० पी० श्रार० न० 3427—श्रातः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उभित बाजार मूल्य 25.000/- ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० एच० पी० राजकोट में सरवार नगर मोरी नं० 11 है तथा जो सर्वे नं० 432 पैकी प्लोट नं० 95 जमीन क्षेत्रफल 168 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय. राजकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक अत्रैल 1984.

को पूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुज्जिन के लिए।

कतः अबः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण म, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातः :--

(1) श्रीमतो निर्मलार्थेन इरीधनाद भट्ट जागनाथ प्लोट, राजकोट ।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्री मिलनकुमार अनन्तराय रानपुरा अनन्त इन्टरनेशनल कारपोरेशन रानपुरा भवन, माडवी चोक, राजकोट ।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजादा होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान मिहका जो सरदार नगर णेंरी नं० 11 में स्थित है, सर्वे नं० 432 पैकी जमीन क्षेंत्रफल 168 बर्ग याई रिजस्ट्रेंशन नं० 51/ग्राप्रेल 1984 ।

जी० के० पंडया सक्तम प्राधिकारो, सहायस आयुक्त (निराक्षण,) श्रर्ज, रेज-।/, ग्रह्मदाबाद

दिनांक : 21-11-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1.984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 2428, ग्रत: मुझें, जी० के० पंडया,

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ये 25,900/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० जमीन, गोंडल राजकोट में सर्वे नं० 335 है, तथा जो एलोट न० 81 क्षेत्रफल 565 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुचची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक 9-4-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मृत्य में काम क स्वप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह त्रिश्वास करने का कार्ण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दीच एसे अंतरण के निम्मान प्रांतिक का निम्मानिश्वत उद्देश्य से उक्त आंतरण जिक्ति में शासनिक रूप से बाधन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उसस हुई है किसी के तिए। और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियू। को, जिन्हों भारतीय अयकार विधिनिश्म, 1922 (1922 का 11) या उन्त असिनिश्म, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरे। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
39—396GI|84

(1) श्री महेशकुमार भूयतराय पारेख 'मधुकर निकेतन' दिग्विजय रोड, राजकोट ।

) (ग्रन्तरक)

(2) श्री गोविन्दलाल जेंगलाल नायवानी परशोत्तम तुलशीदास संगानी गायवीनगर, शेरी नं० 2 राजकोट ।

(श्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां श्रूक करता हूं।

जक्त सभ्यत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मों समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िताका में, निरुष जा सकति।

स्पष्टीकरण:---इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया क्या हाँ।

S. 7.8. W.

जमीत राजकोट में गोंडल रोड, सर्वे नं० 335 प्लोट त० 81 क्षेत्रफल 565 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेंशन नं० 2296/9-4-84 ।

> जील के० पंडया सक्षम प्राधि हारा सहायक आयारर आसुक्त (निरोक्षण), अर्जन रेज-।, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 21-11-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.----

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २69-च (1) के श्रीम स्वना

भारत लरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-।, श्रहमदाबाय
ग्रहमदाबाद, विनाक 21 नवम्बर 1984

निवेश स० पी० म्रार० न० 3429—म्प्रतः मुझे, जी० के० पंजया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'जंक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मृल्य 25.000/- रह. से अधिक है श्रीय जिसकी सं जिमान राजकोट से जामनगर रोड है तथा जो सर्वे नं० 488 क्षेत्रफल 611 वर्ग मार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्थ से वर्णित है), रजिस्द्वीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 13-4-1984, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शहसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित साजार मुख्य, उसके रूपमान प्रतिकत से, एसे रूपमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रिशिस से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरिभियों) के बीच एेसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्।लिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अंतरण से हुई किसी बाग की बाबए, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दाबित्य में कभी करने या उससे यक्षी में सुविधा के सिए; जॉर/बा
- (क) एसी किसी बाग या किसी एन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उबत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

सत:, अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तें, गैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधी: निम्नलिखित स्थिक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती इन्दिराबेंन हिमतलाल दोशी की ग्रोर से कुल मुख्तयार बाबूलाल रेवार्णकर दोशी दीवानपरा, राजकीट ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मजुलाबेंन किशोरचन्द बोरा रतछोड़नगर सोसायटी, राजकोट ।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कांक्सियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयास्त शब्दों और परों का, जो उक्त जिभीनयमं के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

जमीन राजकोट में जामनगर रोड, सर्वे न० 488 प्लोट न० 23 क्षेत्रफल 611 वर्ग यार्ड, रिजर्स्ट्रेंशन नं० 2405/13-4-1984 ।

जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 21-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज~।, श्रहमदाबाद

महमदाबाद, विनोक 21 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी॰ श्रार० न० 3430— श्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीय जिसकी सं जमीन—कल्स्ट्रक्शन प्लीन्थ तक रैया में है तथा जो सर्वे न 136/1, जमीन क्षेंक्रफल 732 वर्ग यार्ड में स्थित है ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, . 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, विनाक 16-4-1984,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ६६यमान प्रतिफल से एसे ६६यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ग्या प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुइं किसी आय की बाबस, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तिकों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः भवः, उद्भत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्ननिचित व्यक्तियों, अर्थात् ≟— (1) श्री मनुभाई भगवानजीभाई पटेंल प्रभावती मनुभाई पटेंल सी-92, क्वीन ब्लोक-ए-7 महीम बाम्बें।

(भन्तरक)

(2) श्री जगदीस मनीलाल ठक्कर
20-कैलाश प्रकाश
श्रीडीयन सिनेमा के नजदीक
बाम्बें---77 ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नंग संची

जमीन—कन्स्ट्रक्शन प्लीन्थ तक रैया राजकोट में सर्वे न० 136/1 प्लोट नं० 4, जमीन क्षेंद्रफल 732 वर्ग यार्ड—कन्स्ट्रक्शन रिजस्ट्रेंशन नं० 2415/16-4-84 ।

जी० के० **पंडया** सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-।, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 21-11-1984

प्ररूप भाई . टी . एन . एस : -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-I, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3431—ग्रत: मुझे, जी० के० गंडया,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीनत बाहार मूल्य 5,000/- रह, से अधिक है

भौर जिसकी सं० थोन नं० 2 की सेंट बिल्डिंग में है तथा जो नेल कोर्स रोड, राजकोट में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित, है). रिजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 37ईई/12-3-84 राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12-3-1984

प्यांक्त सम्पत्ति के उचितं बाजार मृत्य से कम के द्श्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मृभ्ने ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को, एसे दश्यम प्रतिफल को पन्तर प्रतिक्रत से अधिक है और जत्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्मण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश से उक्त अन्तरण कै सिंह स्थान के सिंह स्थान स्थान के सिंह स्थान स्थान

- (क) अन्तरण सं हुई शिक्षमी आध की बांबत, उक्त अधिनियम के अधीन अर दोनें को अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिल्ला भारतीय अवन्य अधित्यम, 1922 (1932 का 11) या उपाय अधितियम, या धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोजनाथ बन्दिनी बवार प्रवन नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेमर्स जें० एस० कारपोरेशन 48-इन्द्र नारायन रोड, शान्ताकुज-वेस्ट-बोम्बें-54 ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कोकिला धीरजलाल क्कर के०/ग्री० ग्रार० जें० कारपोरेशन क्रिसेंट ए शोप-2, रसकोर्स रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त है। किसी स्पृतित द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

बिल्डिंग शोप नं ० 2, किसेंट बिल्डिंग 37-ईई दिनांक 12-3-1984 को फाइल किया है ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 22-11-1984

प्ररूप बाह⁴. टी. एस. एस. - - - ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्ज. रेंज-I, अहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं ० पी० ग्रार० नं० 3432——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षण अधिकारी भी, दर विकास बाजार कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रु...से अधिक है

स्रौर जिसकी सं ० जमीन कृष्णनगर में प्रभुदास तलाब है तथा जो णिशु विहार के नजदीक प्लोट नं ० 2638 भावनगर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्णरूप से वर्णित है),रजिस्ट्री-कर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के ग्रंघीन, दिनांक 8-4-84, को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह जिश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपीत का उपित कारण मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया मणा प्रतिफल, निम्निविसित उद्देश्य में इक्स अन्तरण कि निर्मत में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त जीपनियम के अधीन कर गर्न के उन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए: और के
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी गर पा का का किसायों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धेनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्विभा के लिए।

ं अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, िंह (1) श्रीमती फरीदार्वेन ग्रब्दुलमजीद अलाना रूपायारी रोड, साढीयावाड, भावनगर !

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाव्भाई हरजीभाई होनारिया लालजीभाई रामजीभाई मोराडीया, प्लोट नं० 443, ग्रानन्द भवन, प्रभुदास तलाव, कृष्णनगर, भावनगर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य प्रश्निक करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्मे :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविशे या तराम्बन्धे व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में निया गया है।

अन्स्ची

मिल्कत जमीन प्रभुदास तलाव पर, कृष्णनगर प्लोट नं० 2638/रजिस्ट्रेशन नं० 1201/8-4-84 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद।

दिनांक : 22-11-1984

प्रस्य बार्ड . की . हम . एस . -----

जानभर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-।, म्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० न० 3433—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात्. जिस्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 25,000/- रा. संअधिक है

भौ र जिसकी स० जमीन जेल रोड पर है तथा जो वार्ड नं० 7 भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण- रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 11-4-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित ब्राजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे बह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब्राजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल भा, एस दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच एसे अन्तरण, के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण जिल्ला में कार्तिक कर से किया नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरक से हुइ किसी जाय की दावता, उसस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शिवरक में कमी करने या उससे अचने में सविधा के शिरार, और/भा
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में संविधा के लिए;

ब्रुत्तक, ब्रुब, उन्त विभिनिष्य, की भारा 269-ए को बनुसरक को, मी, एक्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) की स्थीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों, वर्थात् ६--- (1) उर्मिलाक्षेन जयन्तीलाल ऊषाबेन महासुखराय कुल मुख्त्यार-प्रतापराय,पी० संघवी हवेलीवाली घोरी, बगा तलाब, नीलकंठ महादेव के सामने, भावनगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रसीकलाल भगवानजी सोनी जगजीवनदास बी० सोनी जगबन्तराय भगवानजी सोनी परस्ट-लावीबाद, तालूका बाड़ौदा जिला-भावनगर ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरहै के पास लिखित में किए था सकोंगे।

स्पट्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिवा नया है।

नम्सूषी

जमीन जो बार्ड न० 7 जेल रोड, भावनगर में स्थित है, रजिस्ट्रेगन न० 1235/11-4-84 ।

> जीं० कें० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, भहमदाबाद

विनांक : 22-11-1984

प्रकल शार्षा, दी. एन. एसं. नव सन्वन आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा र् 269-ण (1) के अभीत् सुचना

भारत तरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3434-अत: मुझें, जी० के० पंडया.

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-इ के अधीन संक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ि मिल्कत लाल बाया मठ गेड पर है तथा जो भावनगर शोट नं 62 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 12-4-1984,

को पूर्वों कर सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी अध्य की बाबत, उक्त जिमित्रियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के जिए; बॉर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्यान में स्विधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं की उपभारा (1) के अधीन, निम्ब्दीसम्बद्ध व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रा जणवन्तराय अमृतलाल मोनो 'ज्योतिश्वर विद्यानगर, भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्रो गांधी ईशवरलाल लक्ष्मी अन्द गांधा प्रभुदास लक्ष्मी चन्द विरेन्द्र लक्ष्मी चन्द अरिबन्दकुमार लक्ष्मी चन्द हरेश लक्ष्मी चन्द कानी क्यांनी खांची, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाणन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

.सब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और बदों का, को उक्त श्रीभीनयम् के बध्याय 20-क में प्रिशाधित है, बही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया सबा है।

अनुसूची

मिल्कत, भगा-तलाम विस्तार लाल यात्रा मठ रोड भावनगर में स्थित है रिजिस्ट्रेगन नं० 1250/12-4-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-, अहमदा बाद

दिनांक : 22-11-1984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वें (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3435---अत: मुझे, र्जं:० के० पंडया,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्त अधिनियम वस्त गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकः सं० जमान चित्रा में सर्वे नं० 260, 261, 262 है तथा जो प्लोट नं० 22, भावनगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूच में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रें कर्ता अधिकार के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रें करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 16-4-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकृत के लिए अन्तिन्ति की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकृत से एसे स्थमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बासत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ज़्बी बिल्की जाय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ करो, जिल्ह् भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिल्हियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ स्वर्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन . निम्निसित व्यक्तियों. अवित :— (1) श्री पूर्वतानअली कसमअली लादीवाला नगर गांधा स्मृति के नजदीक, लादीवाला मंजिल, । भावनगर ।

(अन्तरक)

(2) 1. हायलभाई कालूभाई वाघानी हरीयाद—तालुका—वलभापुर, जिला—-भावनगर ।
2. श्रा वालूभाई जयराम भाई गोलरामा तालुका—उमराला, जिला—-भावनगर ।

(अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षरेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमोन जो चित्रा में स्थित है मर्बे नं० 260, 261, 262 जोट नं० 22, रिजस्ट्रेशन नं० 1296/16-4-84 ।

जी के पड़ियां सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्त आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 22-11-1984

प्रस्थ वार्षे ही एनं एस ------

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कापलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमवाबाव, विनांक 27 नवम्बर 1984

निवेश सं० पी० आए० नं० 3438—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' क्रहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

कीर जिसकी सं० एन० ए० जमीन, जूनागढ़ में है तथा क्षेत्रफल 2361 वर्ग यार्ब में स्थित है (भीर इससे उपाब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकार के कार्यालय, जूनागढ़ में रिणस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, िर्मक 2-4-1984

की प्रविकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय नाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उच्क अन्तरण जिल्हित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आसिसयों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था-या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री नूरमोहम्मद सूलेमान दखरा उभर सुलेमान दखरा धाल रोड, जूनागढ़ ।

(अन्तरक)

(2) केलाशनगर को० ग्रो० हा० सोसायटी चेयरमैन श्रो हाठन उमर धाल रोड, जुनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की श्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पाख लिखित में किए जा सकोंगे।

रुष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस गया है।

अनुसूची

एन० ए० जमीन जो जूनागढ़ में स्थित है सर्वे नं० 259 क्रोकफल 2361 वर्ग यार्ड, रजिस्ट्रेशन नं० 677/2-4-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 27-11-1984 मोहर : अहमदाबाद

प्ररूप <u>भार है हो एन एस .-----</u>

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक गायकार आयुक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-], अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनांक 27 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3437---अतः मुझे, जी० के० गंक्या

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/~ रह. से अधिक हैं

न्नीर जिसकी सं 5 शोप—हारकेश चेम्बर्स है तथा जो महालक्ष्मी रोड, जूनागढ़ में स्थित है (न्नीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

जूनागढ़ में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-4-1984

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वे क्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बारशिवक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (४) अंतरण से हुई किसी नाम की वावत, उक्त प्रिधिनियम के नधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वज्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों थो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रमोदराय हरीलाल सेवक भौर अच्य अम्बाई कालया • रतछोड़जो मन्दिर के नजदोक, जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री मायुरदास मुलजीभाई महालक्ष्मी स्ट्रीट जूनागढ़।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्तिक सम्मित् की कुर्जन और जिल् कार्यशाहियां करता हुई ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की क्वीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति हो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पहिशानित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है ॥

व्युत्यी

अनुसूची

5 शोप जो द्वारकेश चेम्बर्स महालक्ष्मी रोड जूनागढ़ मैं स्थित है, रजिस्ट्रेंशन नं॰ 637/4-4-84 ।

> जी०कै० पंडस । सत्तम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--!, अहमदावाद

दिनांक : 27-11-1984

अक्यु **मार्ड**्य द्वीत् **एत**्र एक्ष्रु ८ व व स स

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहाय्क आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3438—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं उपलेटा, जमीन सर्वे नं 307/1 है तथा जी क्साट नं 23-25-27 क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर ससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-4-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रिक्शन शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते मह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रियमान प्रतिफल से, ऐसे क्रियमान प्रतिफल सा पन्तर प्रतिफल से कि विकास में कि विकास है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पामा वैद्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेयों से उक्त बन्तरण लिखित के बालादिक कम से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) जलारण से हुई किसी वाय की बावस, अवस् वीवनियम के वर्षीन कर दने जैं जलाइक के वायित्व जेंग क्रमी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के सिए; श्रीद्व/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्याय प्रकट महीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए 1)

बतः वन, उसत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रो गोरधनदास नाथाभाई थुमार वड चोक-प्लाट, उपलेटा ।

(अन्तरक)

(2) आसोचालय को० भ्रो० हा० सोसायटी लिमिटेड चेयरमन चन्द्रकान्त वफलभदास वद चोक प्लाट, उपलेटा।

(अन्तरिती)

का यह स्वानं बारीं करके पृथींकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यविहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख हैं. 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कींभीनयम् के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

बन्स्की

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमवाबाद

्विनांक : 27-11-1984 मोहर : अहमदाबाद

ध्रम् बाह् ः बी<u>श</u> प्रश्न प्रस्तानका

थायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43)्रकार्ड भारत 269-न (1) के अभीत तुम्बा

नारव चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनोक 27 नवस्वर 1984

निर्देश सं० पो० आर० नं० 3439——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० उपलेटा जमान एन० ए० प्लाट नं० 22-24-26 है तथा जो सर्वे नं० 307/1 क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, उपलेटा में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 27-4-1984

को पूर्णेक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कम के क्रसमान
प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने
का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य
उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्त उप से हुई किसी जाय की वानत जनत अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तर्क के सायत्य में कभी करने या उसने वचने में स्विभा के लिए; भीर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कृत्रिती ब्यारा प्रकट नहीं किया प्या था वा किया बाना चाहिए वा, क्षियाने के ब्रुविया के किए;

नक्षा तथ, उन्त निथिनियम की पारा 269-व की विश्वप्रेश की, में उन्त अधिनियम की भारा 269-व की उपेशारा (1) विज्ञानित्र नियमित्र व्यक्तियों, अभारत ह——

(1) श्रो हायालाज नाथालाल थुमार वड चौक-प्लाट, उपलेटा ।

(अन्तरक)

(2) आसोयालय को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटेंड ज वेयरमन श्री चन्द्रकान्त बस्लभदास प्लाट वड चोक्ष, अपलेटा ।

(अग्तरितो)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिम् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्त क्यांति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी च से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्वाक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त सकते बीए पर्को का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नपृत्र्यी

एन० ए० जमीन जो उपलेटा में स्थित है , सव नं० 307/1, ण्लाट नं० 22-24-26 क्षेत्रफल 600 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 555/27-4-84 ।

> जो० के० पहरा सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 27-11-1984

मोहर 🛭

मुक्ष्यः **वाह**े<u>. स्त</u>्रीः एष् . पुत्र , =========

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत बरकार

कार्यांस्य, सहायक भायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-[, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निर्देश सं० पी० आर० नं० 3440--अतः मुझे, जी० के० पंडया.

कामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं जमीन एन ए ए जेनपुर में सर्वे नं 39/1 है तथा जो क्षेत्रफल 2944 वर्ग यार्ड में स्थित है (प्रौर इससे उपाधक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जेतपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 23-4-84

को प्वांक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूंच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रतिक्र प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक कम से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनियुत्र, को बचीन कर दोने को अन्तरक को वाधित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी शाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविका के लिए;

बतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के बनुसरण में, में उक्त अभिनियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्:— (1) श्री नानजीभाई जेठाभाई मौर श्री वल्लभदास नानजीभाई मौर अन्य के० घो० जगदोण वस्त्र भंडार, , मंगनाथ रोड, जुनागढ़ ।

(अन्तरक)

(2) केडीला श्रोसेसर्स श्रीजी नगर, नेमनल हाइवे, जेतपुर-360370

(अन्तरितो)

की यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निर् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभिधा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इन्हें सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की वारीन हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा ब्याहस्ताशङ्की के पाल सिनित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नित्र, के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, वहीं वर्ष होगा, को सस अध्याय में दिवा क्वा हैं।

वनुत्रुची

एन०ए० जमीन जेतपुर में, सर्वे नं० 39/1 क्षेत्रफल 2944 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 1278/84 दिनांक 23-4-84 ।

> जो० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 27-11-1984

मोहर 🕄

प्ररूप भार्य, टी. एन. एस. 🖯 😑 😑

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्मना

शारत सरकाड

कार्याचय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ज अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद ,

अहमवाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निवेश सं० पा० आर० नं० 3441---अतः मुझे, जो० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

घौर जिसकी सं जिमान वेजलपुर में सर्वे नं वि 1176/1 है तथा जो 1 एकड़ 23 गुठा तालुका मोरवी में स्थित है (घौर इससे उपाबद अनुसूचा में घौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मीरवी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात किया जिया है किया गया है :---

- (क) नन्तरण वे हुई किनी बाव की बावत उक्त अधिनियम में अधीन कर देने के अन्तरक के द्यायस्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; और√या
- (च) एसी किसी नाय वा किसी धन या अन्य आस्तिनों की, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती स्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुनिधा की लिए;

(1) श्रोमती धनीबेंन गोवा भौर अन्य गांव-वेजलपुर । तालुका--मोरवी ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जगदीण चन्द्र हिमतलाल महेता महावीर सोसायटी मोरबी, (सीराष्ट्र)

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पूछ सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो धी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृताहा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में श्रकाशन की तारीब औं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मरित में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोहस्ताकारी के वास लिखिए में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः --- इतमें प्रयुक्त खब्यों और पूर्वों का, यो उक्तां विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस बच्चाय में दिवा मुबा है।

मगृस्थी

जमीन, गांव-त्रेजलपुर में तालुका, मोरवो सब नं० 1176/ 1 क्षेत्रफल 1 एकड़ 23 गुठा रिजस्ट्रेंशन नं० 1945/24-4-1984, ।

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अजन रज—I, अहमदाबा**द**

दिनांक : 27-11-1984

मोहर:

अतः अव, उक्त अधिधियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अधित् ु— प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकाड

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निवेश सं पी० आर० न० 3442—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परपात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य भौर जिसकी सं० जमीन गांव मकनसार तालुका मोरवी है तथा जो सर्वे नं० 115 और 116 टोटल 30250 वर्ग मीटर में स्थित है (प्रीर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोरबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 22-4-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यज्ञान प्रतिकल के तिए अंतरित की गई हैं और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके उद्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्छह नेतिसत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तक पाया जया प्रतिकल, पिन्नलिकित उद्विश्यों से उसत अन्तरण निकित में बास्सीयक क्ष्य से किया नहीं किया नवा है !----

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मिनियम के अभीन कह देने के अन्तरक के बाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; जौर/वा
- (क) एसे किसी बाय या किसी भन या अस्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सर्विधा की किया

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्री पराक्रम सिंह गजराज सिंह सर वैया ब्लोक नं० एल-255 हाउसिंग बोर्ड कोलोनी मोरबो ।

(अन्सरक)

(2) मनीष इण्डस्ट्रीज भागीदार मनसुखलाल वल्लभदास श्रीर अन्य 2, महेन्द्रपरा, मीरबी-363641 (अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुई।

सकत सम्मति के अर्थन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजप्रथ में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकने।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही कर्य होगा जो उस कथ्याय में निज्ञा सवा है।

अनुसूची

एन० ए० जमीन गांव मकनसार तालुका—मोरखी सर्वे नं० 115 और 116 टोटल क्षेत्रफल 30250 वर्ग मीटर (7 एकड्र-19 गुंठा) रिजस्ट्रेंशन नं० 1793, 1794, 1795/12-4-1984 ।

> र्जा० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजना, अहमदाबाद

दिनांक : 27-11-1984

प्रक्ष्य वार्षः हो । एतः एतः ------

ल्खकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

नारत तरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण). अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 नवम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3443---अत: मुझे, जी० के० पंडया,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच्ये 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह किक्वास करने ऋ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जित्रकी सं व्या विवाद विवाद सो सायटी है तथा जो धोराजी में स्थित है (और इसमें उपाबद जिल्लुमूची में और पूर्ण रूप ने विणित है), रजिस्ट्री कि विधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांक 7-4-84,

को पूर्वोक्षा सम्मित्त के अजित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उजित बाजार मृत्य उसके करवमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्निजिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण विविद्य से वन्तर अंतरण विविद्य से वन्तर अंतरण विविद्य से वन्तर अंतरण विविद्य से वन्तर अंतरण विविद्य से वास्तरिक स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, स्थत बिधियम के बभीन कर पोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीट या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, डिपाने में सुविभा के निए;

बतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के बनुतरण म, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री किसोरकुमार नानालाल पछानी स्टेशन प्लाट, गार्डन के पीछें, धोराजी ।

(अन्तरक)

(2) रभावेन हरजीभाई कर्निरयाकी और से बहीबरतकर्ता और कुल मुख्त्यार श्री मोहनलाल जीवाभाई ढीलवा, बी० नं० 1 पंचणील सोसायटी, रेलवे क्रोसिंग के नजदीक, स्टेशन प्लोट, घोराजी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रीप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीन से 45 विन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्रस् स्वान की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हिए-ब्र्भ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वक्षीकरण :---इसमें प्रपृक्त शब्दों आहे पदी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही जुने होना को उस अध्याय में विशा गवा है।

भनुसूची

एच० पी० घोराजी में बी० नं० 1, पंचशील सोसायटी, रेलवे कासिंग के नजदीक, घोराजी, रिजस्टेगन नं० 778/7-4-

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-ा, अहमदाबाद

विनांक : 27-11-1984

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

i samanun untua il koralikkolakka alla sama isti sala haritualisia. Di berberi eta eli ili ili ili ili ili ili

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निदेश संव पीरु आरवनं अ444---अतः मुझे, जीव के पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० जमीन पोरबन्दर में बोर्ड-3 है तथा जो सर्वे नं० 2433 क्षेत्रफल '525 वर्ग यार्ड में स्थित है और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोरबन्दर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-4-84

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गृह है और मूक्ते यह निद्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे बृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकास अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तर्श लिखत में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कभी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एरेंसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर, अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

(1) श्री हीरेनकुर्मार विनोदकुमार सरजुकुमार विनोदकुमार के/ओ प्राव्यभाई उर्फ गोपलजी गोरधनजी ठक्कर प्लाट, पोरवन्दर फोन नं० 307 ।

(अनारःः)

(2) श्री वल्लभदास जन्कल्यान द्रस्ट गोविद निकेतन-भाटिया बाजार, पीरमन्दर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टोकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

जभी प्रारवन्दर में कमलाबाग के सामने, सी० एस० नं० 2433 बोर्क-3, क्षेत्रफल 525 वर्ग गार्ड रजिस्ट्रेशन नं० 1623/ 27--4-84 ।

> जी० के० पंष्टया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग--।, अहमदाबाद

दिनोंक: 28-11-1984

मोहरः

इक्ष्य मार्च हो . एवं . एवं .----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाड

कार्मालय, सहायक **आयकर मायक्त (निर्दाक्षण)** अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवस्बर 1984

निदेश मं० पी० आर० नं० 3445—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उचत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० खेतीकी जमीन दोलतपरा में तम्लुका-जूनागढ़ है तथा जो सर्वे नं० 10/3 क्षेत्रफल 3 एक -5 गुंठा में स्थित है और इत्तसे उपायक अनुसूची में और पूण रूप से विणित है), है रजिस्ट्रीक्ति अधिकारी के कार्यालय, जूनागढ़ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 30-4-1984,

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है। और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इय से किथत नहीं किया गया है ध—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त भीकानयम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बादित्व में कमी करने या उत्तसे वचने के सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी अन वा अस्य जास्तियाँ का जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया बाना वाहिए था, क्रियान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जनसरण में. पैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्री शान्तीलाल व्रिभोवन दास भट्ट महालक्ष्मी कालोनी मोतीबाग के नजदीक, जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल गोरधनवभाई भाडजा तलाब गेंट जूनागढ़ । श्री गांडालाल मेघजीभाई छोंगानी गांव-वरेल्ला, तालुका उपलेटा श्री नटवरलाल हरजीभाई तिलबा गांव-वंथली, जिला जूनागढ़ । श्री गोपालदास रतनभाई लंडानी गांव-नन्दरख, तालुका मानावदर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध ना तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की बामीन से 30 दिन की अविध, को भी अवाध नाव मा समाप्त हाती हो, को भीतर प्रावस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के शायपत्र के प्रकारत की तारीं वे 45 किन के बीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के हितबहुद जिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकेंगे।

स्पाइडीकरुणः—इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्यों का, वां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है नहीं सर्थ होगा जो उस स्रध्याय में दिया भूबा हैं कि

अनुसूची

खेती की जमीन दोलतपरा तालुका-जूनागढ़ में सर्वे नं ० 10/3 क्षेंत्रफल 3 एकड़ 5 गुंठा रिजस्ट्रेशन नं ० 963/30-4-1984 ।

> जी० के० पंडमा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

विनांक: 28-11-1984

प्रक्यः, बार्षः, श्री. एमः, एसः,--------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1984

ं निदेश सं० पी० आर० नं० 34.46~⊶अत' मुझें, जी० के० इया.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

25,000/- क से अधिक हैं
और जिसकी सं ० एन० ए० जमीन वरावल में सर्वेन० 86-87
त्वा जो जें जेकल 1112 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के नार्यालय, वेरावल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-1984,,
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की महं हैं और मुफ्ते यह विद्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और
कंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
वया प्रतिफल निम्नितिचित उद्देष से उक्त अंतरण मिवित में
नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं द्व---

- (क) जन्तरण से हुइ जिस्सी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आरितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

लतः अर्थः उस्त सधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण े, मे, उसर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री तुरक अध्येमान वलीमामद और अन्य तुरक चोरा, वेरावल ।

(अन्तरक)

(2) श्री शक्तिनगर को० ओ० हा० सोसायटी लिमिटेंड उप प्रमुख कमलेष हेमराजभाई कारिया स्टेंशन रोड, वेशपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की सारींख के 45 दिन की जबीध या सत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- सक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, ओ अकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

वन सर्वी

एन० ए० जमीन वेरावल में, सर्वे नं० 86-87 क्षेत्रफल 1112 वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन नं० 1125/17-4-84:।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, अहमदाबाद

विमांक: 28-11-1984

मोहर 🕄

प्ररूप बार््ः टी. एन, एस.,-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1984

निदंश सं० पी०, आर० नं० 3447--अतः मुझें, जी कें० पंड्या,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन पुराना बेरायल में सर्वे नं० 372 है तथा जो एन० ए० क्षेंब्रफल 892 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूण कप से वर्णित है), रजिस्द्र कर्ता अधिकारा के कार्यालय, बेरावल में रजिस्द्र करण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक 9-4-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्षत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अग्र या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा डै किए;

भतः जब, उक्त जाधानयम की भारा 269-ग के जनुसरण भौ, मौ, उक्त जिधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्रो तुरक रहेमान गुलाम हुसेन सोमनाथ टाकोज के सामने, तलाला रोड, वेझवल जिला—-जूनागढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गदादी को० ओ० हा० सोसायटी निमिटेंड, चेयरमैन -नूरमोहम्मद ए० रहेमान विसमिना महल आराधना सिनेमा के सामने, वेरावस (जिला--जूनागइ)

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षर :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र वो प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वनित क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में निया गया हैं।

ननसनी

एन० ए० जमीन ओल्ड बरायल में सर्व नं० 327 पैकी प्लाटस क्षेत्रफल 892 वर्ग मोटर रिजस्ट्रेशन नं० 1052/9-4-84 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 28-11-1984

भोहर :

प्रस्प मार्ड टी.एन.एस. ...-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर् बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवम्बर 1984

. निदेश मं० पी० आर० नं० 3448——अतः मुझें, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

यौर जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 18, अमरेली; ——हेंमीले स्ड हाउस है तथा जो जमान क्षेत्रफल 535 वर्ग यार्ड में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अमरेला में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 17-4-84,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पया प्रतिफल कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अध्ययण से हुई किसी भाग की बानता, उनस विधिनसभ से अधीन कर धेने के संतरक से बायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए; वरि/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या तस्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसदण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) भै अधीय, जिस्तीविक व्यक्तियों, अर्थाद के (1) श्रीमता एल० के० बोरा 602, सूरज एपार्टमेंट छठा मजला एस० वी० रोड, मलाड (वेस्ट) बोम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्रोवीसा श्रीमाली वनिक सोनी गांति उत्कर्ष ट्रस्ट मनसारा बजार, अमरेली ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त संपर्तित के सर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्षप:---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिंश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-विधा किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ंस्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

यगसर्च

जमीन क्षेत्रफल 535 वर्ग यार्ड + मकान, डेंमोलिस्ड पोजीशन, सर्वे नं० 18 (सब-सर्वे नं० के साथ) रिजस्ट्रेंणन नं० 559/17-4-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आक्युत (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

विनांक: 30-11-1984

त्ररूप बाइर् टी ु एन ु एवं ु******

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी॰ आर० नं० 3449—अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसके सं भिल्कत विश्वजय प्लोट पर है तथा जो शेरी नं 17 जामनगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19-4-84,

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत से बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंबरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त जिथिनियम के अभीन कार दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्पीबधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिवों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 कि 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए।

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-न के, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंबर व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हसमुखलाल नारनवास मन्।यार वासुमनोबेंन हसमुखलाल मनीयार 17-ए, दिग्विजय प्लोट । जामनगर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहीनी बेन लीलाराम तहलराम जवेरी जांयो, जामनगर । गोरी नं० 17 दिग्विजय प्लोट, जामनगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उकत विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिल्कत जामनगर में दिग्विजय प्लोट भोरी नं० 17, राजस्ट्री-कर्ता राजस्ट्रेंशन नं० 1310/19-4-84।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 1-12-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 30 नवस्थर 1984

निदेश मं० पो० आए० नं० 3450---अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दैसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मिल्कत पलतेजमे, वनश्री को० ग्रो० सोसायटी है तथा जो प्लीट नं० 7 में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 9-4-84,

को पूर्वेचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे रायमान प्रतिफल का अंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिता (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उच्त अन्तरण कि बिखत में बास्तियक रूप से किथान गया है:---

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी भाष की वासत, जनक विधिनियम के क्षीन कार दोने के अन्तरक को दासित्थ में क्षमी क्षरते या चन्त्रे क्ष्यने में मृत्यिभा के लिए; और/या
- ें ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः शत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269- के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपभारा (1) के अधीन जिम्मितिस्ति अधिकतथाँ, अर्थात् :-- (1) श्रीमती देवीन्द्रावेंन सी० घोतपाला 1732-खुवावाला खांची, कापदीवाड, सारंगपुर, अहमदावाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री जगजीत कुमार बलवन्त सिग बी-1 सुभद्रा फ्लेट, मीनल पार्क के सामने, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना भारी करके पृत्रा क्या सम्बद्धि के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सन्तिस्त के वर्तन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी अयिक्तिया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत स्थानितयों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास क्रिक्ति तो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 का में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

जन्स्ची

मिहकत थलतेज सीम में सर्वे नं० 46, रिजस्ट्रेणन नं० 5340/9-4-84 ।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक: 30-11-1984

Tigatione in <u>medical de</u> representations and participation of the second sec

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 30 नवम्बर 84

निदेश नं० जी॰ आर०नं० 3451—-अतः मुझे, जी॰ के० पंडया

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 369-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रहे. से अधिक हैं

25.000/- रह. से अधिक हैं और जिंचकी सं ० भोप० भेखपुर खानपुर में टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 187-2 हैं तथा जो भोप नं 17 नेमानल चेम्बर्स आश्रम रोड़ अहमदाबाद में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय मृत्य से कम के ख्र्यमान प्रतिफल के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्र्यमान प्रतिफल के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इक्टमान प्रतिफल से एसे इक्टमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर बने के बन्तरक के सामित्व के कभी करने यू उससे जवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिका के अपूर्

सतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) प्रकाश जुमरोमल शेववानी इशिता अपार्टमेंट शामर्भ शानेज होस्टेल के पीछे नवर्गपुरा अहमयावाद~9 ।

(अन्तरकः)

(2) फारगो मोटर्स लिमिटेड 119-बी जीन्दल हाउस असाफली रोड न्यु दिल्ली शोप नं० 17 नेशनल चेम्बर्स आश्वमरीड अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मील्कत-शोप नेशनल चेम्बर्स में टी० पी० एस० 3 एफ० पी० 187-2 रिजस्ट्रेशन नं० 550/12-4-85

जी० के० पं**डया** स**क्षम** श्राधिकारी स**हायक आय**क्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-1. अहमदायाद

तारीख: 30-11-1984

भोहर:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज अहमदाबाद

जहमदाबाद दिनोंक 30 नवस्थर 1984

निदेण नं० पी० आर० नं० 3452---अत: मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव वोडकदेव सीम सर्वे तव 38, 210, 209, 208 है तथा जो खती की जमीन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-84

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित अजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधित्:—— 42—396 GI|84 (1) मेनावेन बालाभाई गिरधरभाई बारोट गांव थलतेज तालूका दसकोम जिला अहमदाबाद ।

(अन्तरहा)

(2) श्री गोविंदभाई मफतलाल पटेल 9-ए० अमरदीप निवास हिन्दु कालोनी सरदार पटेल स्टेडियम के सामने नवरंगपूरा अहमदाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि यो तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्ची

म्बेती की जमीन वोडफदेव सीम में सर्वे नं० 38 208; 209, 210 रिजस्ट्रेशन नं० 5308, 5311, 5317 और 5314/9-4-84।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

नारीख: 30-11-1984

प्रकप आई.टी.एन.एस.----

आभक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अनेग जेल-1,अहमदात्राद

अहमदाबाद, दिनां 6 28 नवम्बर 8 4

निदेश नं० पी० अ।र० नं० 3453---अतः मुझे जी के० पंडया

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिलकी सं० फ्लट नवरंगपुरा में सीम एफ० पी० नं० 196 है तथा जो गोल्ड फोरन सोसायटी अहमदाबाद में स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुसूची में और पूणकप से वंजित है) रिजस्ट्रकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-4-84

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिंग्ली दवारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री सुर्यक्षान्त के० शाह देवभूमि अपार्टमेट फर्स्ट फ्लोर नवरंगपुरा अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री संजय मधुकान्त शाह गोल्ड फोरन सोसायटी नवरंगपुरा अहमदीबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदात स्थात्रर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

रयष्ट्रीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया ही।

अम्स्ची

प्लट नवरंगपुरा∰ गोल्ड फोरन सोसायटी में एफ० पी० 196-बी० रजिस्ट्रणन नं० 6341/27-4-84 ।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अजन रेंज-1, अहमदाबाद

ता**रीख**ः ें 28~11~1984 मोहरः ंं

प्रकथ् नाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अहमदाक्षाद अहमदाक्षाद दिनांक 28 नवस्त्रर 84 निदेश नं० पी० आर० नं० 3454---अत : मुझे, जी० के० पंडया

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं महकत टी पी एस 19 एफ पी 330 पर है तथा जो नवरंगपुरा सीम में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमवाबाद में रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-4-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विदेय से उचत अन्तर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अंतरण वे हुइं किसी जाब की बाबन, उक्त अधिनियुत्र के अभीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिभा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

असः अन्त, अन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) भे दन्तीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) प्रियवदन कस्तुरभाई नगररौड (स्व०) एक्सक्यूटर ट्रस्ट
 - श्री पंकज एस० णेट
 - एम० के० शेठ
 - 3. ए० सी० शेठ
 - 4. एच० ए० जवेरी
 - घी कांटा जेशगभाई की वाडी अहमदाबाद

(अन्तरः)

- · (2) नीगम फेमिली दूस्ट दस्ट --
 - 1. निगम राठोड परीख
 - श्रीती निगम परीख
 वासुदेव अपार्टमेंट नवरंगपुरा मादिल के लामने अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक पूर्वाक्तः सम्प्रासः क अजन क जन क

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों का स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारोक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थिक द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये पा सकरेंगे।

स्थाकीकरण: इसमें प्रभूकत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय भी दिया ग्या ही।

भनुसूची ं

मीरकत टी० पी० एस० 18 एफ० पी० 330 पर राजिस्ट्रे-शन नं० 6082/24--4--84

> जीर कि पंड्या मक्षम पाबिहारी महायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1,अहमदाबाद

तारीख: 28--11-1984

मोहरः]

प्रस्प नाह¹त दीं तु एवं . एस् ,------

नायकड़ निधनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमयाबाद श्रहमदाबाद; दिनांक 28 नवम्बर 1994

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3455—स्त्रत: मुझे, जी० के० पंडया

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- का से अधिक है

श्रौर जिसकी सं मोस्कत टी० पी० एस० 19 पर एफ० पी० 330 है तथा जो 1/2 बीन बहेचणी किया मोस्कत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बाणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक 24-4-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान शितफान के लिए अन्तरित की गई ही बार मूफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार कृष्य, उसके रायमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का क्टूह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और कृत्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निश्चत में वास्तविक रूप से किथा नहां किया गया हैं

- (क) वन्सहण से हुई किसी नाम की नावत उक्त विभिनियम के अधीन कह देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए: वरि/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिभिनियम, या भन्-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा स्वे भिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की भार 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधाय (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्धात् :——

- (1) प्रमीला कस्तुरभाई णेड (स्व०) इस्टी-
 - 1. पंकज सुधाकर गोड
 - 2. एम० के० जेड
 - 3. ए० सी० गोड
 - 4. एच० ए० जवेरी

के०/ग्रो० घी कांटा, जेणोजभाई की वाडी, ग्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) नीगम फीमली ट्रस्ट ट्रस्टी--1 नीगम रतीलाल परीख
2 प्रीती नोगम परीख
वसुधा प्रपार्कमेंट, नवरंगपुरा
अष्ठमदाबाद

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपत्ति को वर्जन को संबंध में काई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविकास पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारिंख स 4.5 दिन के भीतरे उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्योकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्याः

मील्कप्त, टी० पी० एस० 19 पर एफ० पी० 330, एस० पी० 1, 1/2 बोन बहेचणी किया मुल्कित रिजस्ट्रेशन नं० 6084/24-4-85

जी० के० पड़िया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, ग्रहमदाबद

तारीख: 28-11-1984

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - -

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश तं० पो० ग्रार० नं० 3456—— प्रत: मुझे, जी० के० पड़िया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीर सञ्जन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 900/- रु. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (195) और 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 26.9-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रो जातेन्द्र प्रानलाल भाई 17, गारदा योजायटो, एलीसक्रीज ग्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) सवीताबेन नटवरलाल शाह 22, शान्ती कार्माशयल सेन्टर, घी काटा, नगरशेड वंडो, श्रहमदाबाद

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ्वना की ताभील न 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य क्योंका द्वारा अधोहस्ताक्षरी! के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीलाण --इनमा प्रावत शादो और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बड़ी अर्थ हांगा, जा उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्स्चो

शोप ग्राउन्ड फ्लोर शान्ती कार्माशयल सेन्टर में शोप व नं० 22, रजिस्ट्रेशन नं० 4993/3-4-84

> जो० के० पड़िया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रं ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीखः: 3-1-2-1984

महिर 🚁

प्ररूप बाई.टी.एन.एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 3457——श्रत : मुझे, जी० के० पंडया,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परघात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसको सं० शोप शान्तो कार्माशयल सेन्टर में शोप नं० 22 है तथा जो ग्राउन्डपलोर, नगरशेष्ठ बंडी, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याखय, श्रहमदाबाद मे राजस्ट्रीकरण श्रीधांतयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, दिसांक 3-4-84

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पागा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिवक रूप से कथित नहीं कया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269∉ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् ः—— (1) श्रो जीतेन्द्र प्रानलाल भाई के 17-शारदा सीसायटो, एलीस क्रिज भ्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) जामुदबेन भान्तीलाल 22, णान्ती कार्माशयल मेन्टर ग्राउन्ड फ्लोर, नगरणेड वंडी घो लांटा श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाह्यस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—हरमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनस्वी

शोप नं० 22, णान्तो कार्माशयल सेन्टर रजिल्ट्रेणन नं० 4995/3-4-84

जो० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्तर प्रापुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

वाराष: 3--12--1984

मोहर 🔃

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. ..---

आयकर अधि। नण्यः, 1961 (1961 का 43) की भार 269 व (1) के अधीन मुजरा

भारत मरकार

कार्यात्यः, सहायक आयकार आयुक्तः (निरक्षिण) श्रजैन रेंज-1, श्रहमदाबादः श्रहमदाबादः, दिनांकः 3 दिसम्बरः 1984 निदेण नं० पी० श्राप्ट० नं० 3458—श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं गगन बिहार को श्रा० सोसायटी में खानपुर है तथा जो फ्लैट नं बी-80, सर्वे नं 4221-11, 4222-80, ध्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध ध्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-4-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूल्य उसके ध्रथमान प्रतिफल सं, एसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरल (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितार्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया श्रीतफल, निम्नसिचित उद्देवयों से उक्त अन्तरण निम्यस्थ में वास्तिक स्था से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: क्षेप्रिंगः
- (च) एसं िकसी आय या िकसी धन या अन्य जास्तियां कां, जिन्हें शारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं िकथा शया या या किया आना शहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त लिपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, स्थात ह

(1) श्री जातेन्द्र मनसुक्षनात्र णाट
 एफ० ९, देशना अपाटेमेंट,
 मीरास्त्रिका हाई स्कूल के नजदीक,
 नारनपुरा रोड़, ध्रहमटाबाद

(प्रतर्क)

(2) श्रो बृजलाल ढोलामाई णाह पलैट बॉ--80, गगन बिहार को० ग्रा० मोसायटो खानपुर, श्रहमदाबाद

(श्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्णि के अर्जन के लिए कायंबाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में काहिई भी आक्ष्मेप '----

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्में वंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीब में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्ते स्थायर गम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्यारा, अभीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मवीय।

न्यष्टीकारणः --- इसमाँ शयुक्तः अन्दाँ और पदाँ का, जो जक्तः अधिनियमः, के अध्यायः 20-क माँ परिशाधितः ही, वही अर्थः हारेगा औ उस अध्याय मी विगा नयाः ही।

गगभनी

फ्लैंट ब्राहपुर गगन I^{J} विहार को० भ्रा० सोसायटो \mathbf{v} लैंट ब्री-80, रजिस्ट्रेशन नं० 5658/17-4-84

जीर्ज केंठ पंड्या सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारी**ख**: 3-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3459—-ग्रतः मृझे, जी० के० पड़या,

आयकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन राजक पाधिकारी को, यह बिध्वाम करने का कारण है कि स्थावर यस्पेसि, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

गीर जिसकी सं जमीन शेलामे तालूका सानंद है तथा जो ज्लाक नं 632 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधिकारी के कार्यालय, सानंद जिला-अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 3-4-81 को पूर्वीकर सम्पत्ति के जिल्ह शाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापयाँकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पंतह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत जब्दिश्य से उक्स अन्तरण लिखत में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियाल में कमी अपने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या रक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियों दशरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्त्रिका के लिए:

अतः मब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर, निम्निजिक्त स्मिनियों, अर्थात् अ— (1) <mark>णान्ताक्षेत्र मुल्</mark>यक्षजी आलूजी र्यमार-पासूचा जनवेद, जिला कष्टमक्षाचाद

(ग्रन्तरक)

(2) स्ट्रांग फाउन्टेशन नन ट्रेडिंग एसोसिए्शन प्रमुख बिनोद हरीलाल मेहता मेहता बदर्स फर्स्ट फ्लार स्नानंद चेम्बर्स रायपुर दरवाजा बाहर, मेकेटरी कुंदनलाल रमनलाल गोराडिया 88, स्रन्नयुना सोसायटी बापुनगर, स्रहमदाबाद

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्त सम्योल के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी ममिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्पल्लियों हो से किनी स्पल्ति द्वारा;
- (खं) इस सुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित के बिक्क आ सकींगे।

स्पब्हीकरण:----इसमा प्रमुक्त शन्ता और पद्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में भौरभाषिश हाँ, वहां अथ श्रोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

जनसर्वी

जमीन भेला में ब्लाक नं० 632 रजिस्ट्रेणन नं० 400 श्रौर 401/3-4-84

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजंन रेजी-, श्रहमदाबाद

तारीख: 3—12—198।

मोहर 🗧

प्रकृप आहुँ. टी, एन. एस.------

काषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधील सुचना

भारत चरुकार

कार्यासय, सहायक कायकर कायुक्त (निर्ाक्षण)

श्चर्जन रेंज, अहमदाबाद

श्रहमदाबाद, विनांक 3 विसम्बर 1984

निधेण नं० पी० भ्रारं० नं० 3460——श्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा ?69-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन शेला में तालूका सानंद है तथा जो ब्लाक नं० 632 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सानंद जिला श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 3-4-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दरयमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापुनोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उन्तरे दरयमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पन्तह श्रीत्वात सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया दितफल निम्निएकित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिकित में गम्लिक रूप म किशन नहीं किया गया है इन्तर अन्तरण लिकित में गम्लिक रूप म किशन नहीं किया गया है इन्तर अन्तरण लिकित

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के शियत्त्र में कभी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; बॉर/मा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तिओं की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, ,1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, वर्षात् च—— 43—396GI/84 (1) श्री लखाजी धोराजी ग्रेला, तालूका सानंद जिला ग्रहमवाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) स्ट्रोंग फाउन्डेशन नन ट्रैडिंग एसोसिएशन बी० एच० मेहता, मेहता ब्रदर्स श्रानंद चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रष्टमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप ;---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृथाकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भेंदिया गया हैं।

भनुसूची

जमीन गांव मोला में, कलाक नं० 632 रजिस्ट्रेणन नं∙ 405, 406/3-4-84

> जी० के० पं**ड्या** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रह्मदा**बाद**

तारीख: 3-12-1984

प्रस्य **नार्ः** .टी. **एन् .एस्** ,,----वरक्षका प्रतास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के स्थीन स्चना

भारत धुरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्षिण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 विसम्बर 84

निवेश नं० पी० प्रार० नं० 3461—प्रात: मुझे, जी० के० पंड्या,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम'क हा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर स्थपित, जिसका उवित कारण मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जमीन शेला में सानंव है तथा जो ब्लाक नं० 602 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सानंव जिला श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, 3-4-84

को पृष्ठिक्स संपरित के उल्लित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्स संपरित का उल्लित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नलिखित उद्देश से उद्या अन्तरण लिखित में वास्मिक रूप से किथान नहीं किया गया है ह—

- (क) कत्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उसत विधिनियम के अधीन कर दोने के अत्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा औ लिए; बीर/मा
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भ्रंम, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जै अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) सुरजबेन नाश्राजी जीवाजी शेला, तालूका सानंद जिला श्रहमदाबाद

(श्रन्तरक)

(2) स्ट्रोंग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसोसिएशन फैं०/ग्रो० वी० एच० मेहता

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अजन के लिए कार्यजाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की बदिश मा तत्सं दें भी क्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन को अविध, हो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त प्रक्रियों में से किसी स्विक्त बुबारा;
- (सं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- द्व्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन शेला में ब्लाक नं० 602, रजिस्ट्रेशन नं० 410 श्रीर 411/3-4-84

जी० के० पंड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

नारीख: 3-12-1984

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

अभय भद्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-[, ग्रहमदाबाद

श्रह्मदाधादः दिनांक 3 दिसम्बर 84

निदेश नं० पी० झार० नं० 3462—श्रत: मुझे, जी० के० पंड्यकृ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन शेला में क्लाक नं० 637 है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सानंद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रप्रैल 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्तिक सम्पत्ति का डाचत वाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रात्तफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयां) के बीच एसे अंतरण के सिए दृष्ट पाया भया प्रतिफल, जिम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण कि बित में नास्तांविक रूप से किथ्त नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से बुद्ध किसी शाय की नायत, जनस् अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाशित्व के कभी करने या सबसे अधने में सुविधा के सिए; सौर/ना
- (५) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना वाहिए वा जियाने असे स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वो, मी, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को वधीनः निम्निचिक व्यक्तियों शर्थात ६(1) श्री मानाजी श्राताजी गांव शेला, तालूका सानंद जिला श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) प्रमुख स्ट्रोंग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसोसिएशन के/श्रो श्री विनोद हरीलाल मेहता फे/श्रो महता ब्रद्सं श्रानंद चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके प्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुक करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पक्ष नचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत शिक्तयाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर गरणित में हित- बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे पाइ सिविद में किस वा सकों ।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स् जी

जमीन शेला में ब्लाक नं० 637 रजिस्ट्रेशन नं० 414/84

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-12-1984

मोहरः

श्क्ष बाद', दी. एव. एव......

अध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के विधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यां नय, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण)

मर्जन रेज, महमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1984.

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3463---ग्रतः मुझे, जी० के० पड्या,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'उबत अभिनियम' कहा गया ही की भाष 269-च के अभीन सभाम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाचार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० जमीन गांव शेला में है तथा जो ब्लाक नं० 631 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सानव में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, श्रील 1984

का श्वींकत संपत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के द्रायमान गातफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाषार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल सं, एसे द्रायमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति-कस निम्नीसित उद्युष्य से उक्त अन्तरण किश्वत में वास्तु-विक रूप से कृष्यित नहीं किया गया हुं।--

- (क) बन्दरण से हुई किन्दी नाय की शावत करत विन-तियम के जभीन कर कोने के जन्तरक के बायित्व में कनी करने या कच्छी क्षने में सुनिभा के जिने; जौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम ऋी धारा 269-म के अनुसरण मं मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म का उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री चंदुजी युलाजी गांव शेला, तालूका सानंद जिला श्रहमदाबाद

(भ्रन्तरक)

(2) स्ट्रोग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसोसिएशन के | आ० बी० एच० मेहता मेहता अवस, फर्स्ट फ्लोर, श्रानंद चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद

(श्रन्तरिसी)

को यह सूर्चना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई मीं नाक्षेद् ध---

- (क) एस स्वां के राज्यन में प्रकाशन की तारीं व दे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना जित तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ववधि वाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवादा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकावन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो जक्त ं अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

ग्रन्सूभी

अमीन गांव णेला में तालूका सानंद, ब्लाक ने० 631 रजिस्ट्रेणन नं० 303/84

> जी० के० पंड़या सक्षम प्राधिकारी सहायकप्रद्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3~12~1984

प्रकृष काई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, श्रहमदासाद

म्रहमदाबाद। दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेण सं० पी० ग्रार० नं० 3464—-ग्रतः मुझे, जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० जमीन शेला में तालूका सानंद है तथा जो ब्लाक नं० 589 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सानंद जिला श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 23-4-84 को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वेष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिलक हुए से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण से हुइ किसी बाय की बायत उसन अधि-नियम के बधीन कर दोने के बत्तरक के दायित्य में सभी करने या उस्से बचने में सुविधा के लिये; बीप/बा
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी अन बन्ब बास्तियों की, जिन्हों भारतीय सायकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, या धन-कर बाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यवा वा या किया बाबा बाहिए था खियाने में युविधा के बिय;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-न को अनुसरके में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री मोमाजी मोहनजी गांव णेला, तालूका मानंद जिला ग्रहमदाक्षाद

(भ्रन्तर्क)

(2) स्ट्रोग फाउन्डेशन नन द्रेडिंग एमोसिएशन बी० एच० मेहता मेहता श्रदर्स, धानंद चेम्बस, रामपुर दरवाजा बाहर, श्रहमदाबाद

(ग्रन्सरिती)

को यह युचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्परित को अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

ग्रनुसूची

जमीन गांव शोला में तालूका सानंद; ब्लाक नं 589 रजिस्ट्रेशन नं 506/25-4-84

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज 1, भ्रहमदाबाद

तारीख: 3-12-1984

मोहर ः

प्ररूप आर्ष. टी, एन. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रहमदाबाव

श्रहमदाबाद, दिनांक 2 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० म्नार० नं० 3465—-म्नतः मुझे, जी० के० पंड्या

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन शेला में, ब्लाक नं० 590 है तथा जो रियत है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सानंद जिला श्रहमदाधाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 23-4-84

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि सभापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबल, उन्हर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सूर्यका की लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम वा धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपान में सुविधा के जिए;

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री शफाजी घीराजी गाव शेला, तालूका सानंद जिला श्रहमवाश्वाद

(ग्रन्तरक)

(2) स्ट्रोग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसोसिएंशन त्री० एच० मेहता, मेहता ब्रदर्स ग्रानंद चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा बाहर, भ्रहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्जीच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागतः;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वक्रिकरण:--इसमें प्रयुक्त कक्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन् सूची

जमीन, ब्लाक नं० 590 शेला में, राजिस्ट्रेशन नं० 512/84/23-4-84

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 3-12-1984

प्रस्य बाह्री, ट्री. एन ्र एस््≝----

भायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 3 विसम्बर 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3466——ग्रतः मुझे, जी० के० पंडया

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६० ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25.000/- ग. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या जमीन गैलामे ताल्लुका सानद है तथा जो इसाक नं 592 में स्थित है (श्रीर इससे उताबद श्राभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सानंद जिला, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23-4-1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त प्रम्पत्ति का उवित याजार मृत्या, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का बेक्ट प्रतिफल के बेक्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया बितिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उक्षये उचले का स्विधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राना चाहिए था, कियाने में मुविधा के निए:

भतः सम, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

(1) श्रो णिवाजी म्नात्मा **राम** शेला, ताल्लुका, सानंद, जिला, म्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) स्ट्रोंग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसीसियेशन, पीठ एचठ महता महता अदर्भ, राषपुर दरवाजा बाहर, श्रानन्द चैम्बर्भ, श्राहमवाबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अयि या तत्यं बंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तांमील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृष्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए ना सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और क्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा को उस जावाद में दिया स्था है।

अग्युपी

जमीन, णेलामे ताल्लुका सानंद, ब्लाक नं ० 592, रिजस्ट्रेशन नं ० 592/23-4-84।

> जी० के० पंडया, संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर क्रायुक्त (तिरोक्षण), अर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद।

मार्चि : 3-12-84

मोहर 💵

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 84

निवेश सं० पी० ग्रार० नं० 3467---ग्रतः, मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या जमीन, गांव, शेलामे ताल्लुका सानंद है तथा जो ब्लाक नं० 634 में स्थित है और इससे उपावद श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सानंद जिला श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रील, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के क्सिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री लखाजी धुराजी, गांव णेला, तालुका सानंद, जिला म्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)ू

(2) स्ट्रोंग फाउन्डेशन (इन्डिया) प्रा० लि० मार्फत बो० एच० मेहता, ग्रानंद चेम्बर्स, रायपुर दरवाजा श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बर्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ, में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य ऋक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन गांव घोलामे सालुका सानंव, ब्लाक नं ० 634, रजिस्ट्रे गन नं ० 423/84 ।

> जी० के० पंडया सञ्जम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, प्रहनदाबाद

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- तारीख : 3-12-1984

मांहर :

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ⊮भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

महमयाबाद, दिनांक 3 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 3468——ग्रतः, मुझे, जी० के० पंडया

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) / (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं जमीन शेलामे तालुका सानद है तथा जो स्लाक नं 634 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सानद जिला ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 23 अर्पेल 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सृविधा के जिए; आर/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्त किसिन्यम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रावसार्थ अतिरिधि देएसा प्रकट नहीं किया गणा धा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृत्रिधा के सिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ के प्रभारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 44—396GI/84 श्री लाखाजी घीराजी गोला ताल्का सानंद जिला श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) स्ट्रॉग फाउन्डेशन नन ट्रेडिंग एसोसिएशन बी० एच० मेहता मेहता बदर्स, फर्स्ट फ्लोर, रायपुर दरवाजा बाहर, श्रानंद चेम्बर्स, श्रहासाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के अर्जन के

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर संघन। की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सरपत्ति में हिलाबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

हमस्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिरा गया है।

बन्स्ची

जमोन प्रेलामे, तालुका-सानंद, ब्लाकनं० 634, रिजय्द्रेशन नं० 424/ स्रप्रैल 1984।

> जी० के० पंडया सप्तम प्राधिकारा सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

विनांक : 3-12-1984

प्रकृष वाही. टी. एव. एव. -----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के स्थीन स्थना

भारत चडुकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेण सं० पी० झार० नं० 3469—— झतः, मुझे, जी० के० पंडया

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- गर्म से अधिक है

भीर जिसकी सं० दरीयापुर काजीपुर सीम फ्लेट अफ 17 है तथा जो रसीफा अपार्टमेन्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30 अप्रैल 1984 को पूर्वीक्त सम्परिश के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान अतिफल से, एसे क्यमान अतिफल का पंद्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के धीच एपे अन्तरण के जिए तय पाया प्या अतिफल, निम्मसितिक अब्बद्ध से सकत क्नरण निचत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत अवस् मधिनियम के नधीन कर दोने के बन्तरक की बाविरण में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; जौर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर किविनयम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् :---- (1) मीनाक्षोबेन हर्षवराय भट्ट नन्नाकुटीर बी० नं० 1, रमननगर सोसायटी स्वामी नारायण स्कूल के सामने, मनीनगर, महमदाबाद ।

(मन्तरक)

(2) मंजुबेन हरभानभाई शाह पलैट ए० जो० एफ० 17 रूपोका ग्रपार्टमेंट, शाहीबाग, ग्रहमवाबाव ।

(मन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्मित्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी अविधियाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक्त कांबिस्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाग के राजपन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इकार अधाहस्ताक्षरी के वास स्थिति में किए जा सकेंगे।

स्पळ्डिकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों और पवाँ का,, की क्या अधिनियम को अध्याय 20-का के परि-भाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, को एक कथ्यान में दिवा क्या है।

श्रमुची

प्लैट बरीयापुर काजीपुर में सीम, सर्वे नं० 49/1 द्याका श्रपार्टमेंट, रिजस्ट्रेणन नं० 6659/30 अप्रैल 1984।

> जी० के० पंडमा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) भजैन रेंज-1, श्रद्धमदाबाव

दिनोक : 4-12-1984

हरू नार्य्य दर्शित पुरुष्ट पुरुष _{विका}रण स्थापन

नायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन स्थान

सारद सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-I, हमवाबाद

भ्रहमदाबाद दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 3470—मतः मुझे, जी० के० पंडया,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिक परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने के कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव दरियापुर-काजीपुर टीव पीव एसव-8 है तथा जो बोव नंव 74 में स्थित है (भीर इससे उपायड़ अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-4-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके दूरयभान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के धीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्तीयक कप से कथिस नहीं किया गया है ।——

- (क) बस्तरण सं हुइ किसी भाष की वानस, उक्स जिथानिका के जनीम कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के सिह; क्रीड़/का
- (व) एसी किसी बाय ना किसी भन या अन्य नास्तियों की, बिन्हें भारतीय वायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या जनत निभिनयम, या भनकर न्यापित्यम, या भनकर न्यापित्यम, या भनकर न्यापित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना नाहिए वा कियाने में सुनिया के निए;

नतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अभूतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) में स्थीन, दिस्निसित स्थितवाँ के स्थान म्यान (1) शान्तागौरी चन्दुलाल वाडोलाल पटेल, पदमा पोल, वाडोगाम, दिरयापुर, ग्रहमदाबाद ।

(मन्तरक)

(2) जीवनमल कुशलचन्द छाजेड, 85, गिरधर नगर सोसायटो, शाहीबाग, अहुमदावाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचन। बारी करके पून्येक्त सम्पत्ति को अर्चन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जकत् क्रमक्ति के वर्षन् के सुम्बन्ध् में कोई भी आक्षेत् हु—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्कारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकर्ग

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

मिल्क्स वरियापुर-काजीपुर में टी० पी० एस० न०8, बी० नं० 74/1 रिजिस्ट्रेशन नं० 5356/9-4-84।

> जी० के० पडया सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज-1, अहमदाबाद

विमांक : 4-12-1984

प्रेंख्य बाई, टी. एत. एक. - - - ----

बाय्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, महमवाबाद

महमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश संव पो० ग्राट० नं० 3471--ग्राहः, मुझे, जो० कें पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० बिल्डिंग 38 श्रिष्णोदय पार्क सोतायटो है तथा जो नवरंगपुरा, श्रह्मदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रृत्भूचो में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिकार, के कार्यालय श्रह्मदाबाद में रिजस्ट्रोकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन 7-4-1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्द है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वां क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल सं, एसे उश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशाद से अधिक है और अन्तरिक के जिस सम्बद्ध के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आयकी बाबत, उबक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना भाहिए था खिपाने में स्विधा के सिष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियम की धररा 269-ग की सपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) णाह भावनाबेन रसोकलाल,9, सहकार निकेतन सोसायटो,नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9 ।

(भन्तरक)

(2) णाह प्रफुलचन्द्र गभीरभाई, 38, घरणोदय पार्क सोसायटी, नवरंगपुरा, अहमदाबाद-9।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हूं।

उक्त सम्पृतितु के नर्पन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अभिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाग;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्धारा नभांहस्ताक्षर् के पास लिक्ति में किए का सकेंगें।

स्यख्दीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त निधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भनुसूची

बिस्डिंग 38, भश्णोदय पार्क सोसायटी में रिजस्ट्रेशन नं॰ 5273/7-4-1984

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्स प्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

विनांक : 4-12-1984

प्रस्य बाह्र . टी. एन . एस . ------

न्यस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकहर

कार्यालय, सहावक जायकर यामुक्त (निरक्तिण) प्रजीन रेज-1, श्रहमवाबाद श्रहमवाबाद, विनाक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० घार० नं० 3472—घतः मुझे, जी० के० पंडया

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिल्ली इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/-से अधिक है

भीर जिसको सं जिमान टो॰ पी॰ एस॰ 21 वासना सोम है तथा जो एफ॰ पी॰ 604 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारा के कार्यलय, अहमधाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताराख 9-4-1984 का पूर्वांक्त संस्थित के उचित् वाचार मृस्य से कम के स्वयान अधिका के स्थित के उचित् वाचार मृस्य से कम के स्वयान अधिका के तिए बन्तरित की पहिं हैं, और मृत्रे यह विश्वांक स्थान अधिका के तिए बन्तरित को पित्र वाचार मृस्य, उद्युक्त समान प्रतिका से पूर्व अन्तरिक संपत्ति का प्रविक्त का पढ़ शावांक से साथक हैं बार अन्तरिक (बन्तरिक) और अन्तरित (बन्तरित्रों) को बीच एस अन्तरिक के लिए तय पाया ग्या शावका, निम्नानिक उद्युक्त से उक्त अन्तरण निवित्र में वास्तिवाक स्थान से कार्यक सम्तरण निवित्र में वास्तिवाक स्थान से कार्यक सम्तरण निवित्र में वास्तिवाक स्थान स्

- (क) बन्तहरू वं हुई किसी बाय कर्ड बायद अवत लिए-हिस्सून के अधीप कड़ वाने के बन्तहरू के बायित्व में कभी कहने या उन्नसे ब्यन में बृद्धित के लिए; बीट/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या लग्य अस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कड विधिनयम्, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनयम् या प्रकड़ विधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के भ्रम्यचनार्थं वृत्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना जाहिए आ, जियाने में सुनिका के लिए;
- अतः कव, अक्त अधिनियम, क्री धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त बिधिनियम की बारा 269-च की उपभारा (1) के बचीण, जिस्तितिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री जयन्ती लाल मगनलाल ठाकुर, स्टेंशन रीझ, मोहसाना, (नार्थ गुजरात)

(म्रन्तरक)

(2) शाह भरतकुमार बाबुलाल, 13-की नरानारायन मोसायटी, पंजाबी हाल के नजदीक, नवरंगपुरा, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की अयिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो., को भीतर पूर्वों क्ल स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास सिखित में किए जा सकांगे।

न्यक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याद में किया गुरा हैं।

जन संची

जमीन वासना में, वासना सीम टी॰ पौ॰ एस०-2/ एफ पी॰ 604 रजिस्ट्रेगन नं० 5322 दिनांक 9-4-1984।

> जो० के० पंडया मश्रम पानिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रह्मदाबाद

विनांक : 4-12-1984

प्रस्य कार्यः टी. एवः एकः, न्यान्यान्यान्यः ...

नावकर मीपनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारव स्टब्स्ड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

प्रहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० झार० नं० 3473—स्रातः मुझे जी० के० पंडया

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परणाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रुट से अधिक हैं

भौर जिसकी सं िमित्कत खडिया में -3 सर्वे नं 904 शाप है तथा जो गाउन्ड फ्लोर पर, ग्रहमदाबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूचो में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्राधकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीक्ररण भाषानियम 1908 (1908 का 16) के भाषीन तारीख 3-4-1984

भन्ने पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निस्निलिखत उद्वेदय से उद्य अन्तरण सिखित में आस्त-विक रूप स कथित नहीं किया गया है ः—

- (दर्ज भ्रतिष्ठण से हुए किसी प्राप्त की शक्त, उपक्ष अधिनियम के स्पीन कार दोने के नृत्युरक की शासित्य में क्रमी करने या जबसे न्यूने में गरिन्थर के सिए; ब्रोडि/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य जारितयों को, फिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनाथ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए

बत: ब्रह्म, उनत नीर्थीन्त्रम की वाच 269-ण के अनुतरण में, में, उक्त निधिनियम की धारा 269-च उपधारा (१) के निधनिन, निध्नितिक्त व्यक्तिवर्ष, कर्मात् ह— (1) श्री विनीत रमनलाल शाह, बी०-5, श्यानगंगा फ्लैट, धूमकेतू मार्ग, पालडी, ग्रहमदाबाद-7 ।

(भन्तरक)

(2) श्री सीनी श्रनश्याम मनीलाल, सोनी श्रप्यिन मनीलाल, सॉकडी शेरो, गंगाजोया को पोल, श्र**त्**मदाबाद ।

(भन्तरिता)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्स सम्पक्ति अर्ज के लिये कार्यवाहियां कारता हुां।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के सम्बन्ध में जारेड भी वासीस ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखं के 45 दिन की जब्भि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ हुनारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज थें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्दु किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

ज्याकरणः ---- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, को उपका निधिनयम्, के अध्याय 20-क में परिशाविक् है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गुना हैं।

नपूर्वी

शाप ग्राउन्ड फ्लौर पर खाडिया-3 में रिजस्ट्रेशन नं० 4971 दिनांक 3-4-1984

> जी० से० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजैन रेज-!, महमवाबाद

विनोक : 4-12-1984

प्ररूप बार्ड हो . एवं . एस , जनना------

नायकर विभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

<u> बारक बरकार</u>

कार्यांतय, सहायक मायकार भाग्यत (निर्शेक्षण)

अर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद अहमवाबाद, विनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3474——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० फ्लेट वाइज में सर्वे नं० 129/1 फ्लेट बी-8 है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोंकर्ता अधिकारों के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधोन तारोख 12-4-1984 को पूर्वोंक्स संपर्तित के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रनिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (जंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गम प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्तित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की शावत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए और/या
- (च) एसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्तिशा के शिए:

नतः अन उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (ः) के मधील, निम्निजिसिङ व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) श्रा हसमुख नारनभाई पटेल, बी०-8, कफकल्यतरु प्लैट, नारनपुरा, अहमदाबाद-13।

(अन्तरक)

(2) श्री: चन्द्रकांत एन० रावल, बी०-8, फल्यतर फ्लेंट्स, नारनपुरा, अहमदाबाद-13।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ज्यन्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचमा के राजपत्र में प्रक्राणन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसबुध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैट वाध्ज सीम में सर्वे नं० 129/1, फ्लैट बी-8, रिजस्क्रेशन नं० 5542 दिनांक 12-4-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारा । सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंजे—1, अहमदाधाद

दिनांक : 4-12-1984

प्रकल् बाही. टी ु एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक सायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 4 दिसम्बर 1984

निदेण सं० पो० आर० नं० 3475—अतः मुझे, जो० के० पडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० फ्लैट नवरंगपुरा माम में ए० पा० 148, सब है तथा जो प्लाट 11-सा० मिक्त अपार्टमेंट, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ती अधिकारा के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-4-1984

को प्वांचित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल निम्निलिश्वित उव्यंश्य से उबस अंतरण लिश्वित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ज़न्तरण से हुई किसी जाय की वावर, अक्त अधिनियम के जधीन कार दोने के जन्तरकः के वायित्व में कबी करने या उससे जचने में सुविधा के (ज़ए; बॉट/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपभारा (1) के अभीन, निकालिक्त व्यक्तियों, अधीव :---

(1) श्री भरत इन्दुलाल भई, 8, णिक्त अपार्टभेंट, सरदार पटेल कालोनी, नारनपुरा, रोड अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नामजी वीषाराम, रमाबेन नानजी, 8, प्रक्ति अपार्टमेंट सेकस्ड फ्लोर, सरवीर पटेल कालोनी, नारनपुरा, अहमवाबाद ।

(अन्तरितः)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, वो भी बस्थि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोचल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थळकिरण: ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवाँ का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया न्या हैं।

अनसूचा

फ्लैट नवरंगपुरा में शेखपुर—खानपुर, 8 शक्ति अपार्टमेंट सेकन्छ फ्लोर, रजिस्द्रेशन नं० 5534/12-4-1984 ।

जं ० के० पडया सक्षम प्राधिकारी भहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 4-12-1984

प्रकृप जाइ². टी. प्रनृ. प्रकृ_{ष्ट्रमण्डलसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धसम्बद्धस}

धायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन ध्वना

बाइल बर्चाइ

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं 34.76—अतः मुझे जी० के० पंड्या,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर मध्यित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- राज्य से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं जिसके हैं। विश्व पि एस 8 पर दिखापुर कानीपुर है तथा जो एफ विश्व पि 16 में स्थित है (ग्रौर इसके उपाबद अनुसूर्वा में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-4-1984

को पृश्नेंतन सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपरित का उचित राजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का शन्दह प्रतिणत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल का नम्निलिखित उद्देश्य से एकत बन्तरण सिचित में शस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (फ) अन्तरक सं हुई किवी मान की वायत, कवा अधिनियंत्र में अधीन कर दोने के जन्तरक में वायित्य में कमी करने या उत्तरे वचने में सुविधा में सिष्; जीर/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विषा के लिया

ं कतः अव, उक्तु अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुकरण
भं, मैं, उक्कु अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1)
- अधीय, जिस्सीस्तिक अधीकतर्गी, चर्चात् म——
45—396GI/84

 (1) श्रा लक्ष्माप्रसाद प्रवालाल रावल, पामवाटिका, बैंक आफ बड़ादा के सामने, शाहीबाग, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) भुवन सोम श्रोनर्स एसोसिएशन, के०/ग्रो पटेल चीनुभाई नारनभाई, आसोधालय अपार्टमेंट, शाही/बाग, अहमदाबाद i

(अन्तिष्ति)

को यह सूचना बारी कर्कु पूर्वोक्त सम्परित के वर्षभ के सिष् कार्यश्राहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेष् :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब सें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा मर्कोंगे।

स्मष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीह पूर्वों का, वो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अससूची

जमीन दरियापुर कानीपुर टी॰ पो॰ एस॰ 8, एफ॰ पो॰ 16, रजिस्ट्रेशन नं॰ 2002 विनांक 2-4-1984।

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिनांक : 5-12-1984

मोहर 🛭

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. ---- ---

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज,-1, अहमदाबाद

' अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पा० आर० नं० 3477—अतः, मुझे जी० के० पंड्या,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-म के अधीन गडम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 24.000/- रुप्त में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जमान टा० पा० एस० 22 एफ० पी० 369-1 है तथा जो सब प्लाट 4 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूच में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रे.कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रे.करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 37 जी अप्रेल 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तार प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलितित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निम्नितित में वास्तविक इप में किया गया है :---

- (क) अन्तरभ से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी फारने या उससे बचने में सुविधा के लिए; औद/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खें लिए:

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधाप (1) के अधीन, निम्नलिसित स्विक्तयों, अर्थात :----

 (1) नन्दाधेन नटवरलाल गिरजाशंकर, कुल मुख्यधार-हरसुखभाई एम० जोशी;
 वाम्बे ।

(अन्तरक)

(2) श्रा नरेन्द्र सिंह अगर सिंह जाला, 10, श्रेयस सोसायटो, वासना, अहमवाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीस्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रश्नुकत शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन वासना में टी० पी० एस० 22, ए० पी० 369—1, सब प्लाट 4 र्राजस्ट्रेशन नं० 15735।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

दिसांक : 5-12-1984

प्ररूप कार्डं टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक <mark>सायकर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जन रेंज-1, अहमदाक्षाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निवेश सं०पी० आर० नं० 3478 — अत मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज्ञोप-काल्पुर-3 में सर्वे नं० 2565-। है तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इतसे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री के अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-1984

को पूर्वेक्स संपर्ति के उधित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है देन्ने

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभार ।—

(1) श्री परषोक्तम बूजलाल (एच० यू० एफ०), मंगलदास मार्केट, फर्स्ट गली, बोम्बे--2.

(अन्तर्क)

(2) श्री शान्तीनाथ कार्पोरेशन, महासुखलाल मनीलाल देसाई, 2,3, म्यूरी फ्लैंट, घी काटा, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबदः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

गन्स्ची

गोप, कालुपुर--3, में सर्वे० नं० 2565 -। ग्राउन्ड फ्लोर, रजिस्ट्रेशन नं० 4933/2--4-84.

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

तारीख 5-12-1984-बोहर इ प्ररूप वाहें <u>.टी.</u>एन.<u>एस.</u> -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-थ (1) के बभीन त्याना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्धिण) अर्जनरेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

निदेश सं०पी० आर० नं० 3474 — अत मुझे, जी० के० डया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संव बिस्डिंग शेखपुर खानपुर में है तथा जो एफव पीव 390, बीव नंव 3, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से अणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 अप्रैल, 1984

को पूर्वोक्त सम्पोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तिरित की गई है और मुक्ते यह निश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बित्फल, निम्निलिखत उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाव की वाबत जकत अभि-वियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्सियों को, धिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त्व अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में खुविशा हो लिए;

भतः नव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, नभीत है— (1) श्री मुधाकर हरीलाल. ग्रान्तागॅरी हरीलाल, प्रानकुंज हरीनिवास, कांजरिया, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीकृंग्नलाल ताराचन्द, श्रीमती इन्द्रनादेवी कृग्नलाल, श्री संजय कृग्नलाल, 7677. दादाग्रेठ, अगीयारी लेन, यालबादेवी रोड, बोम्बे-2

(अन्तरिती)

की यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां करेता हुं।

ेउक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि ग्राण्यत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संयत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किल्ला राजिस स्थावर राजिस

स्थब्दोकरण: ---- इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है: एया है।

ननुसूची

बिल्डिंग गेखपुर-खानपुर में सीम, एफ० पी० नं 0 390, बी० नं 0 3, रिजिस्ट्रेशन नं 0 6452/30--4-1984.

> जी० के० पंडया, सक्षम प्रीधिःगरी, सहायबाआयःग्राध्युक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-I, अहमदाबाद

तारीख 5-12-1984. मोहर प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 348 0 ---अत मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सद सिल हा, सिडल" में प्लीट नं ० 2569 है तथा जो इसमेड जी , भाषतगर में स्थित ह (और इसमें उपाबंड अनुसूर्या में और पूर्ण कर से विणात है), प्रजिस्ट्री जी अधिकारी के कार्यालय, भाषतगर में प्रतिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 पर 16) के अधीत, कारीख 17-4-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिफल से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- (1) श्री हरीभाई रामभाई पटेल, बारा ऑपसीज सिल्ल मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, बारी -साना कंपाउन्ड, यामी देवती मूरत--4.

(अन्तुरक)

(2) श्री गोहीलबंद लेउबा पाटीदार (पटेल), केलपनी मंडल ट्रस्ट, 'मेरुल' प्लोट नं० 2569, डायमंड चौक सकेल, किल्तनगर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उंकत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष ह², बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया ह³।

ममसपी

मिलकत, फ्लोट नं ० 2569 डायमंड चौक सक्ल भावनगर में, रजिस्ट्रेशन नं ० 1317/17-4-1984.

> जी० के पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रॅज-॥,अहमदाबाद

तारीख 6--12--1984. मोहर :

प्रकथ आहे, दी. एम. एस,-----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमवाबाद 🗸

अहमदाबाद, दिनांकः ६ विसम्बर, 1984

निवेश सं० पी० आर० नं० 3481 — अतः मुझे, जी० के० पंडया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं किल्हात लोट एफ । 48-सी लखते स्वर भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण क्य से विगत है), रिजस्ट्री जिसी अधिकारी के कार्यालग, भावनगर में रिजस्ट्री सरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 2-3-84 37 जी अप्रैक 84 में मिला

को पूर्वोधन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण हिस्बत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कार दोने के अतरक के सायित्य में कामी कारते या उनसे बचने में सुविधा के निर्मा; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या भिता जाना मालिए था, कियाने यो स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री चानक्यकुमार सुखदेवभाई भई, 'केंतु निवास', तत्यनारायन रोड, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) अधरगाम पंचीली अहीर रानी, सेवा समाज तलाजा, प्लीट-नं० एफ-43-सी, नखतेश्वर, भावनगर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना आरी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु: ।

उसरा सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति से हितवद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास तिसिता में किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतां का, को उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिया गवा है।

अनुसूची

मिलकत भावनगर में रजिस्ट्रेशन नं०642/2-3-84, 37-ज़ी; अप्रैल, 1984 में मिला।

> जी० के**० पंड**या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज--¹, अहमदाबाद।

नारीख: 6-12-1984

प्ररूप वार्ड .टी . एन . यस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

गारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज--ा अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश सं०पी० आर० नं० 3482 ---अतः मुझे, जी० के० पंड्रया

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं किलकत प्रभुदास तलाब फलोर 2604 पर है तथा जो किश्ननगर (साउथ) भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4-1984

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उबत जिपिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हियारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छियाने मी स्विधा के निष्

कतः अब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री रामजीभाई जेठाभाई दवे श्रीमती जेठाबाई हामजीशाई दवे जीवराज जस्टिस खांची दांतीयापाली शेरी भावनगर।

(अन्तर्क)

(2) 1. श्री कालुभाई अहमदभाई पठान 2. राजुमियां बी० सैयद 3. इझाडीम मारतीया घोरी 4. अलीसा बीबी ए० काजी 5. मरजाहा ए० कुरेशी 6. अब्दुलवहीम के० कुरेशी 7. रशीयरवानु आर० शंख 9. अहमद अकबर खोखर 9 मुमताज मोहम्मद कुरेशी 10. इलामुद्दीन बी० कुरेशी हारा उपाचारी सचीन निवास.

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकर्राह्यां करता हो।

उक्त समाहित के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में में किसी कावित द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के धीतर उस्त रणावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किन्। अन्य व्यक्ति द्वारा अभोत्रस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत प्रभुदास तलाब, फ्लोर नं० 2604, किण्ननगर (साउथ) भावनगर में स्थित है। रिजस्ट्रेशन नं० 1569/27-4-1984

जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

नारीख: 6-12-1984.

प्रकृष भाष्ट्रं, टी. एन. एस.-----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, गहायक आयकर आय्वतः (निरीक्षण) अर्जनरेंज-।, अहमदाबाद

्अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेण मं० पी० आर० नं०' 3483 ⊶—अतः मुझो, जी० के० पंडयाः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा में प्रधिक हैं

और जिसकी सं किलकत, तखतेश्वर फलोर एफ | 48 ए० पर है तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से तिण तहै), रिजस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्री हरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-3-1984 37 जी के में मिला।

को पृथींक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल में, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक को और अंतरित (अन्तरितिया) के बीच एभे अन्तरण के लिए तम पामा गमा दितफल निम्निचित उद्देष्य से उक्त कन्तरण जिन्ति में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण के हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के ज़लारक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंगी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के कन्सरण भा, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) भी अभीन, निम्मिसिक्त स्थित्यों, अभीत् :---- (1) श्री मुखदेनमार्द योगणंगर शह, फलार एफ० 18 त्वनेण्यर, भावनगर।

(প্ৰকাশ্কা)

(2) अठार गत्म पंचोली अठार यानी, सेत्रा समाज, फलोरनं०एफ०-48, तखनेक्वर --भागभगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ सर्पात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षेप•:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधा या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधा, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी त्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए आ सकांगे।

स्थल्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनसर्ची

मिल हत। फलोर एफ० 48/ए० पर तखतेश्वर रजिस्ट्रणन नं० 640/2 ~ 3 $\sim 84/37$ जी०, अप्रैल, 1984 में मिला ।

जी० के० **पंडया.** सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (तिर**ाक्षण),** अर्जन रेंज-न, अहमदाबाद ।

ता**रीख** : 6~12~1984.

प्रकप आर्ड . टी . एन . एस . -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्चना

भारत बरकार

कार्यातय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-।, अहमदाबाद

अहम शवाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पो० आर० नं० 3484 — अतः मुझे, जी० के० पंडमाः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मिलकत एफ०-48बी० तखतेम्बर में है तथा जो है भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीजिती अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16) के अधीन 2~3-84 के अपन 84 में मिला

को पूर्वोक्ट्स सम्पन्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टों यह विश्वास करन का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कि धिस नहीं कि या भणा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उम्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कासी कारने वा उससे वचने में मृतिका के लिए; बहिर/मा
- (क) एसी विज्ञमी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

्म रा एक अधिनित्म की भारा 269-मं की मन्दर्भ में, में, उदल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विक्लिनिया व्यक्तियों, कर्थात् :--- (1) को भीतिक कुनार स्यतंक्ष्माण सह (की) शेयर्स कोठ ओठ साक्षायटी, कालानाला, भावनगर ।

(অন্যাপক্ষা)

(2) अहार गाम पंचोली अहीर शाली, मेना समाज (नालाजा) फलोर एफ० 48-जी, तक्तेश्वर, भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए अर्थवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त वर्षीकार्यों में के किसी अविध्य द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तारीखं वें
 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबहुध
 किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित मों किए को सकीये।

स्वक्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्क जिलियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

क्षा भागवस्त्रीत

निल्कात लाट नं० एफ०/48-बी० तस्तेष्वर, पर, रिजस्ट्रेशन नं० 641/भावमगर।

जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज -1, अहमदाबाद

दिशंक : 6-12--1984

मोहर :

स्थम बार् हो एवं एक ,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अं (1) के मुधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर, 1984

निदेश सं० पी० आर० नं० 3485—अतः मुखे, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य के उन्हें (पंनर सं अधिक है

अंग् िंमिकी सं० फ्लैंट टी० पी० एस० ऐलिसिअज एफ० पी० 763 पर है तथा जो उमा अपार्टमेंट फ्लैंट बी०-4 अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-4~1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिभात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसिखत उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरच से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनिवस के अधीन कर दोने के अन्तरकः अने दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (खं) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ अन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपन में सृक्षिमा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

(1) श्रो जीनेन चिमनलाल कर्चारिया, 722, बीठ नीरमान तुलसीबाग, परिमल रेलवे क्षीसिंग के नजदीक, राजनगर कल्ब के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती वासुमती विनोदभाई शाह, विनोदभाई बीठ शाह, फ्लैट बीठ--4, उमा अपार्टमेंट, एलिस अज, अहमदाबाद।

(अन्तरितीः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यगाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है

यम्स्ची

फ्लैंट उमा अपार्टमेंट में फ्लैंट बी०-4, एलिसक्रिज, अहमदावाद रजिस्ट्रेशन नं० 6378/27-4-1984।

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

दिनांबः : 6--12--1984

मोहर:

त्ररूप् आद्दै . टी . एन . एस . -----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-मु (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर बायुक्त (निर्कालय)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 84

निदेश नं० पी० आर० नं० 3486—अत: मुझें, जी० के० पंड्रया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० जमीन मेमनगर सीमा में, तीरथनगर है तथा जो सब प्लाट 5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से बाँणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, 29-12-83 37/जो अप्रैल-84 में मिला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से क्रियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुए जिस्सी आग की कावत, उत्तर बीधनियम के अधीन कर बने के बन्तर्क की दायित में कमी करने या उत्तरसे वसने में सुविधा के सिए और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम निम्मसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) बतुनारे । जाति भावतार मनुराम निवास, नीरंजन निवास के सामने । बहार मेन्टर, मील कंपाउंड, शाहपुर-अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री उा॰ मनीलाल केणवलाल पटेल 8-श्रंबिका सोसायटी, उम्मानपुरा अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपात के अर्थन के सबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचमा के राजधन में प्रकाशन की तारीस से ,5 दिन की जन्निय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तामील से 30 दिन की जन्मि, जो भी वर्षा बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीय व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (य) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिर बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेष्ठश्ताक्षरी क पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इते, वहीं अर्थ होगा जो अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

जमीन मेमनगर में तीरथनगर विभाग-1, सब प्लाट-5 रजिस्ट्रेशन नं० 18400/37 जो अप्रैल 1984 में मिला।

> जी० के० पंद्रया सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुग्तं (निरःक्षण) अर्जन रेंज-1, अहगदाबाद

明 許爾: 8-12-1984

ħŢ.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बावकर विधित्तिसम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्याच्य, सहायक भायकर जाग्यस (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विनाक 6 दिसम्धर 1984

निदेश नं० पंरि आर० नं० 3487--अतः मुझे, जी० के० पंडयाः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं शाप शाहपुर में सर्वे नं 1653-6 1653-7 है तथा जो 1677 ब्राउन्ड फ्लोर में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में ब्रीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकार। के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रा-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 26-4-84

को न्वेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य इसके दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितिया) के बीच एंस अन्तर्श के तिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित अम्बास्तिक रूप से किया गवा है:---

- (क) मन्तरण से पूर्व किसी मान की बानत, बक्त बॉफ्रांतरण के अपना अन्य में के मन्तरक के दायिस्य में कमी करन या बसमें यभने भी मृतिभा के सिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के नियः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीर, निग्निसित व्यक्तियों, अधित् ---- (1) मैसर्स रसोकलाल बुधालाल एण्ड कंपनी मानेक चौंक, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) हसभुखलाल बाङ्गलाल डो-८, नोरज अपार्टमेंट शांतिवन-पालडी, अहमदाबाद

(अन्तरितो)

को यह स्चना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ईं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्द और पदों का, जो उनस अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

शोप म्राउन्ड क्लोर पर, शोप नं० 61 शाहपुर-2 में रिजस्ट्रेशन नं० 6207/26-4-84

जीत के पडया सक्षम प्राधिकारा सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

नारीख: 6-12-84

सा हुँग ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 84

निदेश नं० पं7० आर० नं० 3488---अत: मुझी, जी० के० पंडया,

जायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्रसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीर सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं में में स्कित टीं पीं एसं 4, एफं पीं 64-1, पर है तथा जो राजपुर-होरपुर में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप वर्णित है), रिजस्ट्रो-कर्ता अधिकार। के कार्यालय, अहमदाावद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, 30-4-84 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरिद्यों) वो बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येदेय से उक्त अन्तरण निवित में वास्तरिक रूप से कार्यन नहीं किया गया है:--

- (बा) अन्तरण से हुई किसी आयकी भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियां आ, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर अधितायभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के निए;

कतः भन्ने, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के, अस्तर्थ में, मैं, इक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधिन, निष्यितिकत व्यक्तियों, अभीत् :--- ं (1) श्रा चैतन्य प्रसाद नवनीतलाल पाठक प्रोतो सोसायटी, भैरवनाथ रोड, कांकरिया, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री विनोद कुमार विश्वनाथ बंका रामावतार विश्वनाथ बंका चेतन क्लाथ मार्किट, सारंगपुर दरवाजा बहर, अक्षमदाबाद

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जबिध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसर्ची

मीफकत राजपुर-हीरपुर में टी० पी० एस० 4 एफ 64-1, रजिस्ट्रेशन नं० 6601/30-4-84

जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

तारीय: (-12-1984 मो**हर**्व अस्य भार्ड, टी. प्न. एस.--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा भारा 269-व (1) के अधीन स्वका

मारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-3 अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3489—अतः मुझे, जी० के० पंड्या,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उपन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के प्रथीन अपन प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित याजार मूख्य 25,000/- ए. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० जमान टी० पी० एस० 19 एफ० पी० 125 है तथा जो एस० पी० 70 पर स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रो-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30—4—84 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंगरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिक में बास्तिकल कप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री द्वारंकावास गंगाराम पटेल अहमदावास ।

(अंसरक)

(2) श्रीमती शाताबेन भगवतप्रसाद पटेल 258 सुधारवास, सिविल अस्पताल के सामने असारपा, अहमवाबाद ।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्णिक्त स्थितहरूपों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए का सकरेंगे।

स्पर्ध्वीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ann al

जमोन टो॰ पो॰ एस॰ 19 एफ॰ पी॰ 125 पर सब प्लाट 70, रजिस्ट्रेशन नं॰ 6665/30-4-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक अयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1, अहमदाबाद

अक्षः अक्ष, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधील, निम्मीसिकत व्यक्तियों. अधील :---

तारींख: 6-12-84

महिंद 🙏

प्रसम् आहे. टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यासय,, सहायक जायकर आयुक्त (निर्काश)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबादः दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं पार आर० नं 3490 — अतः मुझे, जी व के पंड्या

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

25,000/- रा. स नामक ह श्रीर जिसकी संव फ्लैट टोव पीव एस 19 पर है तथा जो एफव पाव 280-एव नवरंगपुरा में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारा के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, 30-4-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके द्ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्ध्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्हों किया गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबद, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित स्पिक्तियों, स्थात् ः— (1) इन्दुबेन महेन्द्रकुमार बो/10 अध्व:ता फ्लैट नवरंगपुरा अक्षमदावाद

(अन्तरक)

(2) श्रो मकलचंद केशवलाल प्रमोलाबेन मनोजकुमार चंद्रकला बिल्डिंग महात्मा गांधी रोड, कांदियला वेस्ट, बोम्बे-67

(अन्तरितंत)

की बहु सुवाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के निए कार्यप्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
 - (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकीयें।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

नग्स्ची

फ्लैट टा॰ पा॰ एस॰ 10, एफ॰ पो॰ 280-ए पर रजिस्ट्रेशन नं॰ 6617/30-4-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारोख: 6-12-1984

मोहर:

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'भारा 269-थ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

ार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमवाबाद दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश नं० पो० आर० नं० 3491——अतः मुझे, जी० के० पंडया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका 'उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह, से अधिक हैं

ग्रीर जिसका सं० माल्कत 40, भुलाभाई पार्क में है तथा जो वहेरामपुरा, अहमशबाद में स्थित है (ग्रीर इस उपाबड़ अनुभूच: में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-4-84

की प्रविता सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्ति उद्दोहयं से उक्त अन्तर्य विश्वत में याम्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स प्रुर्ड किसी आम की भावत, उक्त मधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, अधिनियम अधिनियम अधिनियम अधिन विवास अधिन विवास

जतः मस्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-धं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रः नागनाथ केशवल्।ल भेहता संभाद-श्रंबारखाड जिला खेटा

(अस्ट्रिंग-८)

(2) श्री किराटकुमार आत्माराम ठक्कर श्रामनी प्रामिलावेन के० ठक्कर 40, भुलाभाई पार्क गोसायटा बहेरामपुरा अहमदाबाद

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उबस संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकारी।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्पी

मीहकत 40 भुलाभाई पार्क सोमायटो में रिजस्ट्रेणन नं० 5126/5-4-84

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तार ख: 6-12-1984

मोहर :

प्रस्प बाहै, टी, एन. एस.----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सधीन सूचना

भारत सहकार

अर्जन रेंज अहमदाबाद

अहमदाबाद विनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश नं० पी० आर० नं० 3492---अत: मुझै, जी० के० पंड्या

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 का के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव मीलकत टीव पीव एसव 6 पर, एफव पीव 6, बीव, बीव नंव 12 है सथा जो सुरसंगम सोसायटी पीव टीव कालेज, रोड़ पालडी अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रो-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28-2-84, अप्रल-94 में मीला

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्सिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुए किसी जाय की बाबन उक्त विध-जियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व वें कमी करने या उससे दचने में सुविभा के लिए; वरि/दा
- (क) एसी किसी जाव या किसी थन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्तः अब उक्त अधिनियम काँ धारा 269-ग के अन्मरण में, में, उक्त अधिनियम काँ धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री रसीकलाल हीरालाल भाटिया 12-सुरसंगम सोसायटी, पा० टा० कोलेज रोड़ के सामने, पालडों, अहमदाबाद-7

(अन्तरक)

(2) मफतबेन लक्ष्मीचंद मोदी बीठ नंठ 12, सुरसंगम सोसायटी, पीठ टीठ कालेज के सामने, पालडी अहमदाबाद-7

(अन्तरितो)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब धे 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधि-नियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मोलकत पालडो टं ।० पो० एस० 6 एफ० पी 6, मुर संगम सोसायटो में बं० नं० 12, रिजस्ट्रेशन नं० 3027/ 28-2-84 37 जो० अप्रैल 1984 में बोला।

> जी० के० पंड्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 6-12-1984

मोद्दर:

मुक्त नाही हैं हैं है हुए हुए का कार्य

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-म (1) के मधीन कुमा

मारत बरकाव

कायतिय, सहायक आयश्वर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद अहमदाबाद दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पो० आर० नं० 3493---अत: मुझें, जी० के० पंडया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचन्त् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जित्तको सं० मोतकत दरोयापुर कार्जपुर सीम है तथा जो एफ० पो० 69 मोतकत हिस्सा 69-को में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ष्मीर पूर्णरूप से विणत है) रिजिस्ट्रोक्ती अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रोक करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-3-84 37 जो अञ्चल-84 में मिला

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मंबह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्धेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं बाय की बाबत उक्त अधि-गियम के अधीन कर दोनें की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अव, उस्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो मणाजो इडाजी रामजी मंदिर के नजवीक, महेदो कुषा, शाहपुर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) मैसर्स फोजदार द्वदर्स, लुहारनगर, दुवेग्वर रोड़, अहमदाबाद

(अन्तरिसी)

क्यों यह सूचना जारी करके पृक्तिक सम्मिरित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

ं बनत् सन्यारत के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नंपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकरें।

स्मर्व्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

वन्स्ची

मोल्कत दरीयापुर काजीपुर सीम में एफ० पी० नं० 69 रजिस्ट्रेशन नं० 3284/5-3-84 (37 जी अप्रैल 1984 में मिला।

> जी व के पहचा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख: 6-12-1984

मोहर : '

प्रक्षः भारां ्टी. एन. एस. ------

नायकः र निभृतियमं, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-इ (1) के नभीन सुन्ता

भारत संरकाड

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाक्षाद अहमदाकाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3494--अतः मुझे, जी० के० पडमा ।

भायकर विधिवयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रू. से अधिक है

मौर जिसको सं० फ्लैंट भाहपुर-2 में बोरसली अपार्टमेंध है तथा जो नं० ए/101 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में भौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 22-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया मृतिफल निम्निवित्त उद्देश्य से उसत मृत्यरण कि वित्त में बालाविक स्पूर्व के बिन्त न्या है है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग का शबत, उच्छ निवन में बधीन कड़ दीने के बन्तरक के शायित्व में कती कड़ने वा उच्चे बच्चे में सुद्विशा के निद्; नीर/वा
- (स) ऐसी किसी जाव या किसी घन था अन्य जास्तिवाँ की, जिन्ही अस्तिवाँ जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, सा धन-कर जाधिनियम, सा धन-कर जाधिनियम, सा धन-कर जाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के हवीचनार्थ अन्यरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वामा जाहिए था, कियाने में सुविधा की शिवर

मतः अत उक्त मधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियमं की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मधीन ह—

(1) श्री प्रमोदकुमार मंगलदास संबदी 'सार सदन', थर्ड फ्लोर, घासाराम पोल, सारगपुर अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री दोशी छोटालाल हाशीचंद पर्लंट ए०/101 बोरसली अपार्टमेंट, खानपुर, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्छ संपरिश्व के वर्षन के शिष्ट कार्यनाहियां कारता हो।

बक्द बन्परित् के श्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध वाद के समान्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रति में हिंत- बद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभाहस्ताक्ष्री के पास मिवित में किए वा सकोंगे।

स्वाकरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्यों और पवाँ का, को उक्छ जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गमा है।

वन्त्रकी

पलैट बोरसली अपार्टमेंट में फ्लैट ए/101 रजिस्ट्रेशन नं० 5952/22-4-84 ।

> जी० के० पंड्रया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 6-12-1984

मोहरू 🛭

प्रकल नाइ. टी. एम. एस. ------

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संडुकार

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 दिसम्बर 1984

मिदेश नं० पी० आर० नं० 3495——अतः मुझे, जी० के० पंडया,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से बिधक हैं

भीर जिसकी सं० जमीन बोडकवेश सीम में सर्वे नं० 251 है तथा जो प्लाट नं० 14, 6, 4, 3 हिस्सा नं० 2, 12, 5 जमोन में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, 5-4-84, 6-4-84 भीर 11-4-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिखत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकार्रे) और अंतरिती (अन्तरित्रों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेय से उक्त अन्तरण 'लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) जन्तरण यं हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त वृधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बौरू/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तिथों की, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था किया स्विधा के सिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्री हरगोपनदास गोकल पटेल विवेकानंद सोसायटी, जवाहर सोसायटी नजदीक, वीसनगर
 - श्री बाबुभाई गोकलभाई पटेल सुभाष सोसायटी, स्टेशन रोड, बीसनगर (एन० जी०)

- 3 त्रिभोवनदास रधरलाल पंटेल, भाटपाडोत, बासर रोड, वीसनगर
 - भोजःलाल चेलावास पटेल भाटवाडो, बाबर रोड, बोसनगर
 - 5 अधिन कचटाभाई पटेल भाटनाडो, नाबर रोड, वीसनगर
 - प्रह्लाद भाई रघरभाई भाई पटेल मफतामपुर, तालुका सिधपुर
 - रनछोड़भाई आई० पटेल सेटेलाईट रोड, अहमदाबाव

(अन्तरक)

(2) चेयरमेन-सेक्नेटरा-सागर को० आ० सोसायटी सेक्नेटरा के० की० की० आजय रमनलाल शाह धातो सोसायटी, सेंट जेवियर्स स्कूल रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद चेयरमेन-हरजोवनभाई करमयोभाई देसाई वसुधा अपार्टमेंट, नवरंगपुरा स्युनिसिपल मार्किट के सामने अहमदाबाद-9

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी कएके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी ध्वक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास लिकित में किएं जा सकोंगे।

स्पक्तीकर्णः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में पर्धिशावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन ओडकदेव सीम में सर्वे नं० 251 प्लाट नं० 14, 6, 3, 12, 5 ग्रीर अन्य रिजस्ट्रेशन नं० 5047, 5048, 5049, 5050, 5058, 5429, 5436/अप्रैल 1984

जी० के० पं**ड**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 5-12-1984

मोहर 🖫

प्रकल नाहाँ, क्षी. एस्. एस्., र हा - -- 🖭 🗷

नायकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3496—-अतः मुझे, जी० के० पंडया,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आगण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसको सं० जमान पेजलपुर सोम में सर्वे नं० 1142~ 1127 है तथा जो सत्याग्रह छावना सेक्टर नं० 1 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबंड अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से बणित है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारा के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रांकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, 12~4-84

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा मृतिफल, निम्नितियों उद्देश्य से उच्छ अन्तरण निम्चित में वास्तिक हम की यह निम्नित में वास्तिक हम की स्राप्त की साम

- (क) बंतरण ते हुई किती बाव की बावक, अवस् जिथिनियम के जभीन कर बेने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- [क] ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना शाहिए था, जिनाने में सुविधा के विषः;

अतः अप, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाड़ा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री गोरधनदास प्रभुदास पटेल फुल मुख्तयार-समीर किशीरभाई शाह
गुलबाई टेकरा, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री रोशन एस० शोधन पराग आर० शोधन 16-केम्प अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि 'या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

जमीन पेजलपुर सीम में सर्वे नं० 1142-1127 सेक्टर नं० 1 प्लाट नं० 12 रजिस्ट्रेशन नं० 5215/12-4-84

> जी० कें० पं**ह**या सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-**I, अहमदाबाद**

तारोख: 6-12-1984

ं मोहर 🛭

प्रकार नाइ. दी. एत. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वता

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

नियेश नं पी० आर० नं 3497—अत: मुझें, जी० के० पंडया,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जिमान बेजलपुर सीम में है तथा जो सर्वे नं 1176 एस पी 3 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, जसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किचत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरम सं हुई जिसी जाय की बाबत उक्त निधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा में लिए। जीड़/बा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

नतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीत, [मस्निसिंदा स्वित्वर्ग] अर्थात् [——

(1) सुबोलाबेन लालभाई जोधपुर टेकरा, सेटेलाइट स्टेशन के सामने, अहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री अरवीय एम० देसाई भारतीनेन ए० देसाई एलीस बिज, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप -- ह

- (क) इस स्थम के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का संकेंगे।

स्पक्किक्ण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितुं है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसर्वा

जमीन बेजलपुर में सर्वे नं० 1176 एस० पी० 3 रिजस्ट्रेगन नं० 5063/5-4-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 6-12-1984

मोहर 🛭

प्रक्ष नाइ". टी. एन. एस.,-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकाह

कार्याक्य, सहायक वायकर भागवत (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, अहमवासाद

अहमदाबाद, विनांक 6 दिसम्बर 1984

निवेश नं० पी॰ आर० नं० 3498—अत: मुझें, जी० के० पंडया,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमीन बोडकदेव सीम में सर्वे नं० 251 है तथा जो प्लाट नं० 1, 8, 10, 10, 11 में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमवाबाद में रिजस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का अचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का भेन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बैंकन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियत के वधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (च) प्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जतः वाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीन, क्ष्म-

- (1) 1. चेमरभाई गोबरभाई राजनगर सोसायटा, जेल रोड, महेसाना
 - 2. सोमाभाई कल्यानभाई शयका महेसाना
 - 3. अरजनभाई गोबरभाई शयका महेसाना
 - 4. हमीरभाई कल्यानभाई शयका महेसाना
 - 5. चकुभाई मेवाभाई बोडकदेव-तालुका-दसभोर जिला अहमदाबाद

(अन्तरक)

- (2) सागर को० आ० सोसायटी
 - तरजोभाई करमशोभाई देसाई वसुधा अपार्टमेंट, नवरंगपुरा म्युनिसिपल मार्किट के सामने अहमदाबाद-9
 - अजय रमनलाल गाह स्वातो सोसायटा, सेंट जेवियर्स स्कूल रोड़ नारनपुरा, अहमदाक्षाव-9

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हुः।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में दिये जा सकर्ग।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

नग्राची

जमीन बोडकदेव सीम में सर्वे नं० 251 प्लाट नं० 1, 8, 13, 10, 61 रिजस्ट्रेशन नं० 6525, 6521, 6534, 6537, 6542/30-4-82

> जी० के० पं**डया** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 6-12-1984

मोहर:

प्ररूप भाइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 विसम्बर 1984

निदेश नं० पी० आर० नं० 3499—अतः मुझें, जी० के० पंडया,

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसको सं प्लैट गेंखपुर-खानपुर में सीम है तथा जो एफ पी 166 में स्थित है (ग्रौर इस उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देहरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

(1) श्री उमाकान्त गजेन्द्रलाल मजुमदार चीर तृष्ती सोसायटा, हाईकोर्ट के पीछे नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद

(अन्सरक)

(2) श्री अरविंद भ्रंबालाल ठनकर ए०-12, यशपाल अपार्टमेंट विभाग-2 नवरंगपुरा, अहमदाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की, तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित। हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

फ्लैंट शेंखपुर-खानपुर सीम में एफ॰ पी॰ 166 रिणस्ट्रेंशन नं॰ 6711/30-4-84

> जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

जतः अब, उक्त आधोनयम की धारा 269-व को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीख: 6-12-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पं:० आर० नं० 3500—अत: मुझे, जी० के० पंडया,

भारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दसमें परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट जी 10 देवसी सोसायटा आंबापाडी है तथा जो पंचवटा अहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसरो उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्री करण अधिनिमम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 21-4-84 को पूर्वों क्य सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्षके रूपमान श्रीतफल से एसे रूपमान श्रीतफल का पन्द्रम् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया ग्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अपूतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमतः लाः मंत्रीद दुतानः जी/10 देवसी सोसायटी पंचवटो, आंचापाडा अहमकाबाद।

(अन्तरक)

(2) रमादेश नाराचंद मनमुखानी जा-10 देवसी सोसायटा, पंचवटी, आंबुपाडी अहमदावाद।

(अन्तरित्र})

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की उविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्या,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नगसर्ची

फ्लैट जा०-10, एफ० या० 682, आंखापाडी पंचयटी में स्थित है रिजिस्ट्रेशन नं० 5945/21-4-84 ।

> ्र जी० के० पंडया सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निर्देक्षण) अर्जन रेजनी, अहमदाबाद

तारंख: 6-12-1984

मोहर:

48-396GI|84

प्रकप नाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पो० भार० नं० 3501—अत: मुझे, जी० के० पंड्या,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकः सं० शोध नेशनल वेम्यर्स में टिं० पी० एस० 3 है तथा जो एफ० पा० 187-2 आश्रम रोड़ अहमदाबाव में स्थित है (श्रीर इससे उपाग्रब अनुसूनः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्राकृती श्रीधकारों के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्राकृरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17-4-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल के वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित व बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण संहुइं किसी वाय की वायत, उथ्य अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के सभीन, निम्नतिभित्त व्यक्तियों, वर्भात् :— (1) श्रोमतो रुडामनीसेन जुमरोमल भेचपानी श्रोमतो मोनोकाबेन ए० सोचपनी इशोता अपार्टमेंट, नवरंगपुरा अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) कारगो मोटर्स लिमिटेड़ 1-9-वीं० जीन्दल हाउस, असलानी रोड न्यु दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत् :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिभ बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के साथाय में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इतार अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकेंगे।

स्वष्टिकरण १--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वगुलको

मोप नेशनिल चेम्बर्स में टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 187-2, मोप न० 16, रिजस्ट्रेमन न० 5659/ 17-4-84 ।

> जी० कै० पंडया सक्षम प्राधिकारी महायक आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंजबी, अहमदाबाव

नारांख: 6~12−1984

मोहर:

प्ररूप आहाँ, टी. एन. एस.,----=---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर वायक (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-ा, श्रहमदाबाद

श्रहमबाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3502-श्रत: मुझे, जी० के० पाडया

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जिमीन दी पी एस 21 एफ पी 135 है तथा जो भाजाद सोसायटी प्लाट 12 महमदाबाद नें स्थित है और इससे उराबद मनुसूची ने और पूर्ण रूप सं विणित हैं); रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कारौलय भ्रष्टमदा ने रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम; \$1908 (1908 का 16 के भ्रष्टीन 19-4-84

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक कप से क्षित नहीं किया गया है :—

- (क्क) अन्तरणं ते हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाभित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीट/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिली ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विभा के लिए;

(1) श्री गीरीश मनुभाई चोकसी जानकुंज सोसायट, भ्रटीश नजदीक श्रांबावाडी भ्रहमदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र गुलाबभाई देसाई उमाबेन राजेन्द्र देसाई 5, पारुल शोनींग सेन्टर उमीया विजय सोसायटी के नजदीक, एस० एम० रोड, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टौकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया चैंग है।

धनुसूची

जमीन माजाब सोसायटी में टी॰ पीक् एस॰ 21 एफ॰ पी॰ 135 रजिस्ट्रेशन नं॰ 76के/19-4-84

> जी० के० पंड़या, सक्षम प्राधिकारी स**हायक भायकर भायु**क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, भ्रहनदाह्याद

कर: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, माँ, एक्त अधिनियम की धारा 269-म की रुपधारा (1) के अधीर े निकासियिक व्यक्तित्यों, व्यक्ति उन्न

सारीख: 6-12-1984-

मोह्यूद्र :

प्ररूप आई. दी, एन्, एस. -----

बायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्शेक्षण), प्रजं. रेंज ${f I}$, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3503—ग्रत: मुझे, जो० के० पंड्या

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसवी सं मिलवर टीट पी० एस० 19 पर र्प० पी० 283-284 है तथा जो ग्याली को० ग्रा० सोसायटी ब प्लाट-5, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, श्रहमवाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधी न, 2-4-14

को प्रोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण तिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त निधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नौर/या
- (क) एते सिंदी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा दा किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः कतः, उनतः किशिनियमं कौ भाषे 269-गं के जनसरण मों, मौ, उन्ततः अधिनियमं की भारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् (1) श्री चतुयभाई शंभुभाई घाडीया 4-ए०, श्याली को० ओ० सोसायटी, इश्वर भुवन के नजदीक, नवरंगपुरा श्रहसदाबाद

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीतचंद्र चुनीलाल सोनी मनुभाई चुनीलाल सोनी 4-ए०, श्याली को० ओ० सोसायटी, जईश्वर भुवन के नजदीक, नवरंगपुरा, श्रहमदाबाद ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तह्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्थव्होकरण: ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

बन्य क

मिलकत टीं॰ पी॰ एस॰ 19 एफ॰ पी॰ 283-284 सब प्लोट 5 पर रजिस्ट्रेशन नं॰ 4974/3-4-84

> जी० के० पंडया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेंन रेज-I, ग्रहमधात्राद

ता**रीख** : 6—12—1984.

मोहार 🖫

प्रसम नाई. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के अभीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-I, धहङदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 6 दिसम्बर 1984

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 3504--श्रत: मुझे, जी० के० पंडया

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000ं- रह. से अधिक हैं

श्रीय जिसकी सं० जमीन मेमनगर में टी० पी० एस० 1 है तथा जो एफ० पी० 246 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-2-84 37 जी० श्रप्रैल-84 में मीला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल सो, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी मात्र की बावत, उक्त विधिनयम के बभीन कर वाने के जन्तरक के वादित्व में कमी करने या उक्को अचने में सुविधा के सिए; ब्रीट/बा
- (क) एसे किसी जाम या किसी भन या जन्म जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभिनियम, या भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए !!

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की लपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् ध--- (1) श्रक्ताबे. घंसीलाल भावसार पत्रकाय कालोनी, विजयनगर ग्रहमदाबाद-13

(श्रन्तरक)

(2) कृति फ्लैट थोनसं ऐसोसिएशन कं श्री राजश्री नीमेशभाई शाह 10, प्रीतमनगर, एलिस ब्रिज ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्नोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

जमीन सेमनगर में टी॰ पी॰ एस॰ 1 एफ॰ पी॰ 246 रजिस्ट्रेशन नं॰ 2497/18-2-84 37 जी॰ ध्रप्रैल 1984 में मील ।

> जीं० कें ० पंड़या सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2 श्रह्मदाबाद

ता**रीख**: 6-12-1984

मोहर :

प्रस्तेष आहु¹, टो , एन , **एस** , ------

भावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायक्त (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-I, महज्जदाबाव श्रहमदाबाद, दिनांक 6 दिसम्बर 1984 निदेश नं० पी० भ्रार० नं० 3505—भ्रत: मुझे, जी० के० पंड्रया

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के अधीन संसम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आकरण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट हीरल दर्शन पालडी सीम में है तथा जो भट्टा नजदीक, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 37 जीठ ग्रील-84

को प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास भारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृन्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, होसे दृश्यमान प्रतिफल का पृम्बह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंत्रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ स निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में समिधा के दिन्द; और/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया पया धा या किया जाना जाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती लताबेन बालचंद्र ठाकोर 1, हीरल दर्शन फ्लैट, भट्टा नजदीक, पालडी, भ्रह्जदाबाद

(भ्रन्सरक)

(2) गैलेष चीम नलाल देसाई फ्लैट नं० 1, हीरल दर्गन फ्लैट भट्टा नजदीक, पालडी, ग्रहमदाबाद

(श्रन्तरिती)

की यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राधपन में प्रकासन की तारीत वें
 45 दिन की सर्वाध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामीस से 30 दिन की सर्वाध, को भी
 ववीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रसिंह
 स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ण) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्मंत्रि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्वकातिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो स्वक्त विधिनिया, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गवा है।

मनस्ची:

फ्लैट पालडी में हीरल दर्शन फ्लैट, रजिस्ट्रेशन नं़ 12677-37 जी० भप्रैल 84 में भीला।

> जी० के० पंड्या सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजन रेंज I, ग्रहमदाबाद

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखिए व्यक्तियों, जर्मात् क्रिक्क

तारीख : 6-12-1984

महिल्ह

प्ररूप बाइ . टी . एम् . एस् .-----

बाधकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन स्वना

भारत सडकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद दिनांक 6 विसम्बय 1984 निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 3506—ग्रत: सुन्ने, जी० के० प्रथा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित दावार मृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग तीलक नगर पालडी में है तथा जो एफ० पी० 988 सब प्लाट नं० 21 श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 374ईई अप्रैल 84 में फाईस्ड

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से प्रक्त मंतरण लिखत में वास्तिवक रूप से किंगत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की वाबत, उक्त अभिनियर के अभीत कर दोने के अन्तरक के सरिय्य में कमी करने या उससे अवभे में सुविधा के लिए; बार्/शा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जतं क्व, उक्त विभिनयम की भारा 269-ग के अनुसरक में, गैं, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

- (1) 1. श्री हरीप्रसाद एल० व्यास
 - 2. भ्रनील हरी भ्रसाद व्यास
 - 3. भरत हरीप्रसाद व्याम
 - 4. की राट हरी त्रसाद व्यास
 - 5. नीरंजन हरीश्रसाद व्यास
 - 21, तीलकनगर को० श्राम सोसायटी पालडी, ग्रहमदाबाद-7

(भ्रन्तरक)

(2) ताराकुमारी हरखचंद कांकरिया 269, न्यू क्लोय मार्केट अहमस्बद्ध ।

(भ्रन्तरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, खो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

मी कत तीलकनगर में एफ० पी० 988 सब प्लाट 21, टी० पी० एस० 3, रिजस्ट्रियन नं० 5956/21-4-84 3711 27-4-84 की फायल कीया

जी० के० पंड्या सहायकं ग्रें।यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहडदाबाव

तारीख: 7-12-1984

मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर शायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 दिसम्बर 1984 निर्देश सं० ए० सी०-96/एक्यू० रेंज-11/कलकत्ता/84-95-यतः, मुझे, एस० के० बनार्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25, (100/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० पी०-76/ए है तथा जो सी० ग्राई० टी० रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 18-4-1984

को पूर्विक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात के अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का. 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थातः - (1) श्रीमनी कत्तायनि दन और प्रन्य।

(श्रम्तरक)

(2) श्री काणी प्रसाद गुप्ता भीर भन्य।

(भ्रन्ति)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शरू करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकात में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :----हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्ची

जमीन: 2 कठा 9 छटांक, 34 वर्ग फुट जमीन का साथ मकान । पता': पी--76/ए, सी० श्राई० टी० रोड़, स्कीम नं० VI एम०, कलकत्ता, थाना-फलबागान । दलील संख्या : श्राई--4529 ।

> एस० के० बनार्जी, गक्षम प्राधिकारी, गहासक स्रायकर धायुक्त, (निरीक्षण), श्रजेन रेंज II, कलकला ।

तारीख: 10-12-1984...

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 20th November 1984

No. A.32014|1|84-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri Y. P. Dabas, Section Officer of the C.S.S. cydre of the Union Public Service Commission, on ad-hoc basis, to perform the duties of Desk Officer in the office of the Union Public Service Commission for the period from 15-10-1984 to 28-11-1984 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri Y. P. Dabas shall draw a special pay @ Rs. 75/p.m. in terms of Department of Personnel and A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS(1), dated 11-12-1975.

M. P. JAIN, Under Secretary (Admn.) Union Public Service Commission

New Delhi, the 4th December 1984

No. P[1792]Admn.II].—Consequent upon his having been relieved from Q.S.S. Officers State Executive Training in Tamil Nadu State w.e.f. 12-11-84 (AN), Shri K. P. Iyer, Section Officer of C.S.S. cadre of Union Public Service Commission has reported for duty w.e.f. 24th November, '84 (FN) after availing joining time as admissible under the rules.

No. A.32014/1/84-Admn.III.—In partial modification of this office Notification No. A.32011/1/84-Admn.III. dated the 20th July. 1984, the President is pleased to appoint Shri G. T. Ramnani, Assistant of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission with effect from the 12th January, 1984, until further orders.

S. BANERJEE...
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 11th December 1984

No. DK-PRS-61—The Central Vigilance Commissioner hereby appoint Shri D. C. Gupta, IAS (OR: 1967) as Director in the Central Vigilance Commission in an officiating capacity in the scale of pay of Rs 2000-2250]—with effect from the forenoon of 26th November, 1984, until further orders.

K. L. MALHOTRA.
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-3 the 10th December 1984

No. P VII-2/84-Estt.-I —The President is pleased to appoint on promotion the following Dy. S. P. of CRPF to the rank of Assistant Commandant in a temporary capacity till further order.

They took over charge of the post on the dates indicated against their names.

Sl. Name of the O	Date of taking over			
1	2	 		3
S/Shri		 ,		*
1. S. Mukherjee				30-6-84
2. Nath Ram				21-7-84 AN
3. V.P. Shukla				10-7-84
4. R.S. Yaday				20-7-84
5. J.P. Thapliyal				30-6-84
6. Kishan Chand				27-7-84 AN
7. Ram Singh				27-6-84

1 2		3
8. V.P. Mathur	<u>-</u> -	. 18-7-84
9. Shri J.F.D'Souza		. J0-7-84
10. Anthony Tharakan		. 11-8-84
11. Pritpal Singh Dilwari		. 28-7-84
12. Ravindra Tomer		. 10-8-84
13. P. Manimutha Rao Lingam		. 29-9-84 AN
14. A.S. Chetra .		. 29-9-14
15. Hem Raj		. 25-9-84

The 13th December 1984

No. O.II-1764 82-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Bhabani Prasad Hazarika as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 5th November, 1984 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

M. P. JAKHMOLA Assistant Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 14th December 1984

No. P.VII-2|83-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri A. K. Narula, Dy. S. P. of CRPF to the rank of Asstt. Commandant in a temporary capacity till further orders.

2. He took over charge of the post in the unit on 23-7-83 (FN).

No. P.VII-7|84-Estt-I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri G. L. Sharma, JAD (Accounts) of CRPF to the rank of Assistant Director (Accounts) for Auxiliary Bus in the Directorate General, CRPF purely on ad-hoc basis from the date of taking over charge of the post for the period upto 31-1-1985.

2. He accordingly took over charge of the post in Dte. General on 5-11-84 (FN).

The 15th December 1984

No. O.II-1972 84-Estt.—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Rabindra Nath Kaman as Junior Medical Officer in CRPF on ad-hoc basis with effect from the forenoon of the 5th October, 1984 for a period of three months or till a regular incumbent joins whichever is earlier.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI, Assistant Director (Estt.)

DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR CFNTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th December 1984

No. A-19021|16|82-AD.V.—The services of Shri Vijay Shankar, IPS (IIP: 1969) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, CIU (I) Branch are placed at the disposal of Ministry of External Affairs with effect from the forenoon of 5th December, 1984.

R. S. NAGPAL, Administrative Officer (E) C.B.I.

New Delhi, the 12 December 1984

No. A.22020|71|80-AD.III.—On attaining the age of superannuation, Shri Sugnomal. Sr. PA (Grade 'B' Stenographer) CBI Head Office retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th Nov., 1984.

DWARKA NATH, Supdt. of Police (HQ.) CBI (HO.)

BUREAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 001, the 5th December 1984

No. 3 36 84-Adm.l.—Consequent upon his appointment as Joint Director in the Central Bureau of Investigation. Shri A. K. Banerjee IPS (UP-1955) has relinquished the charge of the post of Director (Research & Development), Bureau of Police Research & Development, New Delhi on the after-noon of 3rd December 1984.

S. K. MALLIK, Director General

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110 003, the 5th December 1984

No. E-16016(3)|2|84-Pers I.—Shri S. N. Arora, Assistant is promoted to the grade of Section Officer purely on ad-hoc basis and temporarily against the leave vacancy with effect from the forenoon of 26th November 1984 in Directorate General, CISF Hqrs., New Delhi.

No. F-16016(3) |2 |84-Pers I.—The following Assistants are promoted to officiate in the grade of Section Officer with effect from the forenoon of 26th November 1984 in Directorate General CISF Hqrs., New Delhi,

- 1. Shri S. C. Gambir,
- 2. Shri V. Changrani.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General|CISF

MINISTRY OF FINANCE DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 10th December 1984

No. 475 A.—On his retirement from Government Service due to superannuation, Shri P. B. Rajesth relinquished charge of the Office of the Accounts Officer, India Security Press, Nasik-Road with effect from the afternoon of 30th November 1984.

P. S. SHIVARAM General Manager,

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461005, the 7th December 1984

No. 7(57)|8|39.—In continuation to this office Notification No. 7(57)|368 dated 6-4-1984, the appointment of ShruM. N. Shreeranganathan as Administrative Officer on deputation basis in this organization is extended for a further period upto 15th December, 1984.

The 13th December 1984

No. 7(57)18831.—On completion of the deputation period, Shri M. N. Shreeranganathan, Administrative Officer will be relieved from this Organization with effect effect from the afternoon of 15-12-1984 to enable him to report back to his parent department, Bank Note Press, Dewas,

S. R. PATHAK, General Manager

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 13th December 1984

No. N-77-M|5902.—The General Manager, Currency Note Press is pleased to appoint Shri M. V. Ramkrishnarao, Jr. Accounts Officer of P.A.O. Unit, to the post of Accounts Officer on deputation basis in the Currency Note Press with

effect from 1st Dec. 1984 for a period of one year in the first instance.

S. D. IDGUNJI, General Manager

INDIA GOVERNMENT MINT

Bombay, the 30th November 1984

Dairy Order No. 240.—On the recommendations made by P. C. (Group 'B') in its meeting held on 7-11-84, the General Manager, India Govt. Mint, Bombay is pleased to promote Shri S. R. Patwardhan, Asstt. Assay Supdt. as Assay Supdt. (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-FB-40-1200 with effect from 7-11-84 on ad-hoc basis in the vacancy of Shri S. C. Saha, promoted as Manager, Gold Collection Centre, Abmedabad. On promotion the services of Shri S. R. Patwardhan are placed on deputation in the newly sanctioned nost of Assay Supdt. in the Gold Collection-cum-Delivery Centre at Ahmedabad. The deputation of Shri Patwardhan to the Gold Collection-cum-Delivery Centre Ahmedabad shall be in accordance with the instructions contained in the Govt. orders dated 4-5-1961 as amended from time to time and shall be for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The ad-hoc promotion will not entitle him to any claim on seniority, Confirmation, future promotion etc.

The 1st December 1984

Diary Order No. 241.—On the recommendations of the D.P.C. (Group B) in its meeting held on 28-11-84, the General Manager, India Govt. Mint. Bombay is pleased to promote Shri S. D. Damle. Asstt. Assay Supdt. to officiate as Assay Supdt. (Group 'B' Gazetted) in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28-11-84 until further orders on purely ad-hoc basis in the vacancy caused by ad-hoc deputation of Shri S. R. Patwardhan Assay Supdt. to the Gold Collection-cum-Delivery Centre of India Govt. Mint, at Ahmedabad.

The ad-hoc promotion will not entitle Shri Damle to any claim on senioirty, confirmation, future promotion etc.

G. R. KAHATE. General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT): II. MADHYA PRADESH

Gwalior, the 3rd December 1984

No. O.E.XXI|Gr I|AG(A)I|PF|RBT|36.—Shri R. B. Tiwari (01|303) Audit Officer, of the Office of the Accountant General (Audit: II Madhva Pradesh will retire from Central Government Service on 30-11-1984 AN on his attaining the case of superannuation.

(Sd.) ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 11th December 1984

No. AN-I/1419/4/Vol.1.—Shri Atul Kumar Saxena has been confirmed in the Junior Time Scale of the Indian Defence Accounts Service with effect from 06-07-1984.

A. K. GHOSH,
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-16, the 6th December 1984

G. N. No. 60|G|84.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri D. R. Iyer, DDGOF Level-1, retired from service with effect from 30th November, 1984|AN. V. K. MEHTA, DDGOF|Estt.

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER

New Delhi, the 23rd September 1984

No. Adm.I[4(9)[84(1).—On transfer Shri A. C. Narang, relinquished the charge of the office of the ALC(C), Chandigarh on 15-10-83 (FN) and assumed the charge as ALC (C), Delhi-1 on 15-10-83 (AN).

No. Adm.I|4(9)|84.(2).—On transfer Shri Ramayan Singh relinquished the charge of office of ALC (C) at CLC's Hqrs. on 10-10-83 (AN) and assumed the charge in the same capacity at Hazaribagh on 22-10-83 (AN).

No. Adm.I[4(9)][84.(3)].—On transfer Shri H. C. Moolchandani relinquished the charge of office of the Al-C (C). Hazaribagh on 22-10-83 (AN) and assumed the charge in the same capacity at Bhopal on 29-10-83 (AN).

No. Adm.J|4(9)|84.(4).—On transfer Shri K. C. Luke relinquished the charge of office of the ALC(C), Ernakulám on 31-3-84 (AN), and assumed the charge of office of the ALC(C), Delhi-I, on 26-4-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(5).—On transfer Shri A. C. Narang, relinquished the charge of the ALC(C) Delhi-I on 2-2-1984 (AN), and assumed the charge in the same capacity at Hazaribagh on 18-2-84 (AN).

No. Adm.I[4(9)]84.(6).—On return from deputation, Shri P. N. Chinnaswamy has assumed the charge of office of the ALC(C) of CLC'S Hqrs. on 2-1-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(7).—On reversion from the post of RLC(C), Shri H. Topno has assumed the charge of office of ALC(C), Jabalpur on 12-5-83 (FN).

No. Adm.1|4(9)|84.(8).—On transfer Shri S. N. Srivastava has relinquished the charge of office of ALC(C), Kanpur on 14-12-83 (FN), and after availing of leave he assumed the charge in the same capacity at CLC(C)'s Hqrs. New Delhi on 19-4-84 (FN).

No. Adm.1[4(9)]84.(9).—On transfer Shri R. N. Srivastava has relinquished the charge of the ALC(C), Jabalpur on 2-12-83 (FN), and assumed the charge in the same capacity at Kaupur on 14-12-83 (FN).

No. Adm.1|4(9)|84.(10).—On transfer Shri Sita Ram has relinquished the charge of office of the ALC(C), Asansol on 28-11-83 (AN), and assumed the charge in the same capacity at Jabalpur on 2-12-83 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(11).—On transfer Shri V. K. Gupta has assumed the charge of office of the ALC(C), Chandigarh on 26-12-83 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84(12).—On transfer Shri Ramayan Singh has relinquished the charge of office of the ALC(C), Hazaribagh on 6-2-84 (FN), and after availing of leave assumed the charge in the same capacity at CLC(C)'s Hqrs. on 18-5-84 (FN).

No. Adm.I[4(9)]84 (13).—On return from deputation and after availing of leave, Shri S. S. Choudhary has assumed charge of office of ALC(C), Delhi-I, on 13-2-84 (FN).

No. Adm.I[4(9)]84.(14).—On transfer Shri S. S. Choudhary relinquished charge of office of ALC(C), Delhi-I on 26-4-84 (FN), and assumed charge in the same capacity at CLC(C)'s Hqrs. on 26-4-84 (FN).

No. Adm.1|4(9)|84.(15).—On transfer Shri C, Narayan relinquished charge of office of ALC(C), Dhanbad on 21-4-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at Rourkela on 7-5-84 (FN).

No. Adm.I[4(9)]84.(16).—On transfer Shri G. P. Joshi relinquished charge of office of ALC(C), Pune on 21-5-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at Bombay on 22-5-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(17).—On return from leave from 18-5-84 to 2-6-84 Shri S. S. Choudhary ALC(C) was posted as ALC(C) at CLC's Hqrs. Shri Choudhary assumed charge of office of ALC(C) at CLS's Hqrs. on 4-6-84 (FN).

No. Adm. 1|4(9)|84.(18).—On reversion as LEO(C), Shri R. V. Baloor relinquished the charge of the office of the ALC (C), Ahmedabad on 18-6-84 (AN).

No. Adm.1|4(9)|84.(19).—On transfer Shii Suraj Prakash relinquished the charge of office of Al.C(C), Chhindwara on 24-4-84 (AN) and after availing leave, assumed the charge in the same capacity at Mancherial on 16-6-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(20).—On transfer Shri S, P. Pipal relinquished the charge of office of ALC(C), Goa on 14-6-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at Ministry of Labour on 25-6-84 (FN).

No. Adm.1[4(9)][84.(21).—On transfer Shri S. P. Devrani, relinquished the charge of office of ALC(C), Dhanbad on 22-6-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Delhi-II on 25-6-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(22).—On transfer Shri M. R. Nagar relinquished the charge of office of $\Delta LC(C)$ -II on the forenoon of 11-6-84 and assumed charge in the same capacity at Allahabad on the forenoon of 21-6-84.

No. Adm.I|4(9)|84.(23).—On reversion as LEO(C) Shri R. K. Shukla, relinquished the charge of office of ALC(C), Allahabad in the forenoon of 21-6-84 (FN).

No. Adm.I[4(9)]84.(24).—On transfer Shri B, N. Jha ALC (C), Rourkela, availed leave and assumed charge of office of ALC(C), Chhindwara on the forenoon of 27-6-84.

No. Adm.I|4(9)|84.(25).—On transfer during leave and after expiry of leave Shri D. N. Mahale ALC(C), Chaibasa assumed charge of ALC(C), Ahmedabad on 25-6-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(26).— On trasnfer Shri Sita Ram ALC (C), Jabalpur relinquished the charge of office of ALC(C) Jabalpur in the afternoon at 25-6-84 and assumed charge in the same character at Gauhati on 4-7-84 (FN).

No. Δ dm.I|4(9)|84.(27).—On transfer Shri K. Rama-krishnan relinquished charge of office of ALC Vijayawada on 11-6-84 (AN) and assumed charge in the same capacity at Ernakulam on 18-6-84 (FN).

No. Adm, I/4(9) |84.(27).—On reversion as LEO Shri B. K. Kapoor ALC(C), Bhubaneswar relinquished charge of office of ALC(C), Bhubaneswar on 23-6-84 (AN).

No. Adm.1|4(9)|84.(29).—On transfer Shri S. S. Mundra relinquished charge of office of ALC(C) Gauhati on 4-7-84 (FN) and assumed charge in the same capacity at Jabalpur on 18-7-84 (FN).

No. Adm.I|4(9)|84.(30).—On Consequent upon his attaining the age of superannuation on 31-8-84 Shri A. C. Nag relinquished the charge of office of the ALC(C) Calcutta on 31-8-84 (AN).

M. L. MEHTA Administrative Officer

MINISTRY 'OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 4th December 1984 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6|937|71-ADMN(GJ|9092.—On attaining the age of superannuation, Shri Radha Kishan, Dy. Chief Controller of Imports & Exports in this office retired from Government Scrvice with effect from the afternoon of the 30th November, 1984.

No. 6|986|72-ADMN(G)9100.—On attaining the age of superannuation, Shri M. L. Jayant, Dy. Chief Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 30th November, 84.

The 5th Decomber 1984

No. 6|1100|75-ADMN(G)|9108.—On attaining the age of superannuation, Shri S. L. Nangia, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 30-11-1984.

No. 6|302|55-ADMN(G)|9115.—On attaining the age of superannuation, Miss S. K. Grewd Joint Chief Controller of Imports and Exports (Grade I of Central Trade Service) in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 30th November 1984.

NIROTI LAL,

Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports & Exports.

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAETS)

New Delhi, the 12th December 1984

No. 36/1/83-Admu.-I—The President is pleased to appoint the following Group 'A' Officers, of the Office of the Development Commissioner (Handierafts) in a substantive capacity to the posts and with effect from the dates shown against each :—

SI.	No. Name of the Officer			Post against which confirmed	Date from which confirmed				
1	2			·	 	 		 3	4
	S/Shri	•							
1.	S.N. Schgal							Deputy Director (Exhibition)	4-6-1983
2.	R.P. Chugh							Deputy Director (Technology)	29-3-1980
3.	L. Hatzaw							Deputy Director (Cooperative)	11-2-1982
4.	T. Lokanadha S	arma						Deputy Director DCMI, Madras.	31-7-1 9 81
5.	D.D. Mane							Deputy Director (WR), Rombay	31-1-1981
6.	V.D. Francis							Deputy Director (NR), New Delhi	12-2-1982
6.	S.K. Sinha							Director (RD&TDC)	1-7-1982
8.	Tapan Ghosh							Director (RD&TDC)	1-7-1982

SHIROMANI SHARMA, Development Commissioner for Handicrafts

(DEPARTMENT OF TEXTILES) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 30th November 1984

No. A-12022(2)|84-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Vasudev (IRTS) as Additional Development Commissioner for Handlooms in the National Handloom Design Centre and National Handloom Museum, (Weavers Service Centre) Delhi under the Office of the Development Commissioner for Handlooms with effect from the afternoon of 20th November, 1984 until further orders.

V. K. AGNIHOTRI.
Additional Development Commissioner
for Handlooms

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

New Delhi-1, the 15th December 1984

No. A-1|42(34).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Aggarwal, a permanent Director (Grade I of Indian Supply Service), substantively to the post of Deputy Director

General (Supplies & Disposals) (Super-time scale of I.S.S.) of that Service with effect from 12-7-1984.

RAJBIR SINGH, Dy, Director (Administration)

(KHAN VIBHAG) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-16, the 6th December 1984

No. 8198B|A-19012(4-PKC)|19B.—Sri P. K. Chakraborty, Driller, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 31st July, 1984 (Afternoon).

The 11th December 1984

No. 8220B A-32013(AO) 84 19A.—Shri A. K. Biswas, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed by the Director General, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12-11-84 until further orders.

No. 8210B|A-32013(AQ)|84-19A.—Miss Rama Gupta, Superintendent, Geological Survey of India has been appointed

by the Director Genetal, GSI on promotion as Administrative Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200|- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 16-10-1984 until further orders.

A, KUSHARI, Director (Personnel).

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th December 1984

No. A-19011(364)|84-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri C. G. Sumbha, Senior Technical Assistant (Geology) to the post of Assistant Mineral Economist (Int.) in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th November, 1984.

P. P. WADH! Administrative Officer for Controller General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 12th December 1984

No. C-6143 PF(K.R.).—As a result of disciplinary action under the CCS (CC & A) kules, 1965 Shri Kishan Ram, Officer Surveyor, Survey of India is removed from service with effect from the 19th November, 1984.

G. C. AGARWAL Major General Surveyor General of India

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 8th August 1984

No. 1/14/84-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri K. Balakrishnan Nair, Accountant, AIR, Madras to officiate as Administrative Officer on ad hoc basis with effect from 25th July 1984 until further orders.

2. Shri Nair assumed charge of the post of Administrative Officer, AIR, Silchar on the same date.

MOHAN FRANCIS
Deputy Director Administration
for Director General

New Delhi-1, the 11th December 1984

No. 4(36) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. J. Shakuntala as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 4th September, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

No. 4(39)|84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri R. Sreekandan Nair as Programme Executive at All India Radio, Trichui in a temporary capacity with effect from the afternon of 27th October 1984 and intil further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB 1200.

No. 4(40) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Ganesan as Programme Executive, gramme Executive at AIR, Tiruchirapalli in a temporary capacity with effect from 12th November, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

No. 4(57)[84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri K. Ganesan as Programme Executive, All India Radio, Coimbatore in a temporary capacity with effect from 24th September, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200

No. 4(76) 84-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Arthur as Programme Executive at Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from 29th October, 1984 and until further orders, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-1200.

Dy. Director of Administration for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 12th December 1984

No. A-32013|2|83-NICD|PH(CDL).—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Y. P. Bhatia to the post of Administrative Officer in the National Institute of Communicable Diseases, Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 12th November, 1984 and until further orders.

NARAIN SINGH Dy. Director Administration (PH)

New Delhi, the 4th December 1984

No. A-32014|1|84-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri R. L. Mathur, Research Assistant (Nutrition) to the post of Research Officer (Goitre) in the Directorate General of Health Services, New Delhi, in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 19-11-1984 and until further orders.

The 7th December 1984

No. A-31014|6|81-M(F&S).—The President is pleased to appoint Shri G. S. Moni in a substantive capacity to the post of Lecturer in Health Education and Family Welfare, at the Jawaharlal Institute of Post-Graduate Medical Education & Research Pondicherry, with effect from the 11th June, 1980.

P. N. THAKUR Dy. Director Administration (C&B)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th December 1984

No. A.21012 | 1 | 1084.ES.—On attaining the age of Superannuation, Shri Phillip Mathew, Controller of Airworthiness in the Civil Aviation Department relinquished charge of his duties in the afternoon of the 31st October, 1984.

No. A.32014|3|83-ES.—The Director General of Civil Aviation is pleased to allow the continuance of ad-hoc appointment of Shri T. C. Verma. Store Assistant as Store Officer for a further period with effect from the 6th December, 1984 to 31st January, 1985 in the office of the Controller Central Radio Stores Depot. Netaji Nagar, New Delhi.

The 11th December 1984

No. A.32013/1/82-ES, ... The President is pleased to continue ad-hoc promotion of the following officers to the grade of Dy, Director/Controller of Attworthiness in the Civil Aviation Department for a further period as indicated against their names upto 30-5-1984 on usual terms and conditions:

Name		Extension of period of ad-hoc appointment upto
1 2		 3
1. Shri A.N. Mukherjee 2. Shri S. G. Goswamy	,	
3. Shri S.R. Das4. Shri C.D. Kolhe	•	1-5-84 to 30-5-84 1-5-84 to 30-5-84
 Shri R.N. Dosajh Shri S.S. Das 		16-3-84 to 30-5-84 28-5-84 to 30-5-1984

B. BHAUMIK

Assistant Director of Administration.

Now Delhi, the 26th November 1984

No. A, 32013/7/83-EC.—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers in the Civil Aviation Department to the grade of Technical Officers on ad-hoc basis for a period of six months w. e. f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each:

SI. No.	Name				Present Stn. of posting	Station to which posted	Date of taking over charge.
1	2				3	4	· 5
\$/S				7	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ماد دون و دون میشود درستان سازه در است. از	^ ^ ^ ^ ^ ^ ^_
1. N.	S. Khaira .				. Bhavnagar	RCC, Bombay	30-8-84 (AN)
	N. Viswanathan .	·	Ċ		. Coimbatore	Coimbatore	30-6-84 (FN)
_	R. Sharma	Ċ			Jodhpur	Jodhpur	30-6-84 (AN)
	S. Ahluwalia	•	•		. RCDU. Delhi	RCDU, Delhi	29-6-84 (FN)
	lbir Singh	·			. ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (AN)
	L. Kapoor .				ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
	S. Grewal	-			. Ludhiana	RCDU, Delhi	16-7-81 (AN)
	O. Rastogi	-			ACS, Delhi	ACS, Delhi	20-7-84 (FN)
	K. Sandilya .				ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
10. H.S	S. Dua ,				. ACS, Dolhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
11. R.S	S.S. Lota				. ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
12. K.I	K. Gandotra	:			. ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
13. P.F	C. Sarkar .				. Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
14. G.1	N. Saha				. Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
15. D.I	D. Patil				. Aurangabad	Aurangabad	9-7-84 (FN)
16 B.K	. Bhasin .				CRSD, New Delhi	RCDU, Delhi	21-7-84 (FN)
17. S.N	N. Sen Gupta				Calcutta	Cacutta	30-6-84 (FN)
18. R.S	. Randhawa				. Mohanbari	Calcutta	20-7-84 (FN)
19. V.C	C. Kulshreshta				. Agartala	Agartala	30-6-84 (FN)
20. Bis	hwanath Duta				Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
21. H.I	P. Ghosh				. Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
22. P.T	ľ. Gujarati				Bombay	Bombay	30-6-84 (I/N)
	V. Nambiar				, Madras	Madras	30-6-84 (FN)
24. Y.J	K. Kaushik .				. Bombay	Bombay	130-6-84 (FN)
25. Go	opal Misra , .		,		. Gaya	Patna	12-7-84 (FN)
26. K.	M. Suryanarayanan				. Madras	Madras	30-6-84 (FN)
27. B.	D. Bengali				. CATC, Allahabad	CATC, Allahabad	2-7-84 (FN)
28. N.	Јауагат .				. Tríchy.	Trichy	30-6-84 (FN)
29. R.	K. Hazra				. Ranchi	Ranchi	30-6-84 (FN)
30. M.	.L. Saini	,			. CRSD, Delhi	RCDU, Delhi	18-7-84 (FN)
	K. Bhanot .		•		. Calcutta	Calcutta	9-7-84(FN)
32. S.V	V. Pillay				. Bombay	Bombay	30-6-84 (FN)
33. V.:	S. Nanda				. Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
34. T.I	K. Ghoshal .				. Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
35, K.	L. Bajaj				. Gauhati '	Bhuvaneshwar	31-7-84 (FN)
	S. Warrier .				Madras	Madras	30-6-84 (FN)
37. T.S	S. Nair				Trivandrum	Trivandrum	30-6-84 (FN)
	S. Motwancy .				. Bo mbay	Bombay	30-6-84 (FN)
	A.N. Murthy	-			. Visakhapatnam	Visakhapatnam	6-7-84 (F·N)
	K. Verma				. Gauhati	Gauhati	3-7-84 (FN)
	K. Nayyar .				. Porbandar	Nagpur	26-7-84 (AN)
	L. Bhatia .				. Вольыу	Bombay	30-6-84 (FN)
	Venkataraman .	-			. Madras	Madtas	30-6-84 (FN)
	N. Singh .				. Bhuvaneswar	Bhuwaneshwar	2-7-84 (FN)
	S. Chauhan .		٠.		. ACS, Delhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
	S. Jahagirdar .	•			. Nagpur	Nagpur	4-7-84 (FN)
	; Jit Singh .				. ACS, Dolhi	ACS, Delhi	28-6-84 (FN)
	S. Kumar				. CRSD, Delhi	CRSD, Delhi	29-6-84 (FN)
	C. Goswamy				Lucknow	RCDU, Delhi	'24-7-81 (FN)
	nalondu Dutta	-			Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)
	K. Taneja		-	. ,	Bombay	Bombay	30-6-84 (FN)
	ırbhajan Singh .				RCDU, Delhi	RCDU, Delhi	29-6-84 (FN)
53. La	xman Ram				Calcutta	Calcutta	30-6-84 (FN)

The 5th December 1984

No. A 32013/2/84-EC—The President is pleased to appoint the following Sr. Technical Officers to the grade of Assistant Director of Commn, on ad hoe basis for a period of six months w.o.f. the date of taking over charge of the post or till the post is filled up on regular basis whichever is earlier and to post them to the Aeronautical Communicatio Directorate in the Office of the Director General of Civil Aviation New Delhi.

S. No. Name	Date of taking over charge
1 2	3
 Shri K. Surrender Shri Roop Chand 	. 14-11-184 (FN) . 15-10-84 (FN)

2. The ad hoc appointment of the above officers in the grade of Assistant Director of Common shall not bestow on them any claim for regular appointment in the grade and service so rendered on ad hoc basis will neither count for seniority nor for egilibility for promotion to the next higher grade.

The 14th December 1984

No. A.35018|6|79-El.—In continuation of this Office Notification No. A.35018|6|79-El, dated the 21-7-84 the President is pleased to sanction continuation of deputation of Shri K. K. Nagar, an Officer of the Intelligence Bureau to the post of Assistant Director of civil Aviation Security (Pay scale Rs. 1200-1800 plus Rs. 300|- Special pay per month) in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department for the period from 1-11-84 to 31-12-84.

V. JAYACHANDRAN Assistant Director of Administration.

MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 10th December 1984

No A.19027|2|80-A.III.—The ad hoc appointment of Shri D. P. Bandooni to the post of Hindi Officer in this Directorate at Faridabad has been extended up to 30-9-1984.

The 12th December 1984

No. 31014/3/81 A.1.—Shri S. J. Kamble is hereby appointed substantively to the permanent post of Assistant Marketing Officer (Group-II) in the Directorate of Marketing & Inspecttion with effect from 18-3-84.

The lien of Shri S. J. Kamble in the lower post, if any, stands terminated with effect from the date of his substantive appointment to the post of Assistant Marketing Officer (Group II).

J. KRISHNA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NUCLEAR FULL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 8th December 1984

No. NFC|PAR|0704|2868.—Further to this office notification No. NFC|PAR|0704|2514 dated 8-11-1984, the appointment of Sri V.R.N. Iyer Selection Grade Clerk as Assistant Personnel Officer in the scale of Pav of Rs. 650-30-74Q-35-880-EB-40-960 on ad hoc basis is extended unto 7-1-1985 or until further orders whichever is earlier.

V. R. VIJAYAN Asst. Personnel Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 13th December 1984

No. AMD-16|3|84-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. R. Gupta a permanent Superintendent and officialing Assistant Personnel Officer. Atomic Minerals Division on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of August 28, 1984 until further orders.

Sr. Administrative & Accounts Officer

HFAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th December 1984

No. 05012|R3|OP|5875.—Chief Executive Heavy Water Projects, appoints Shri S. C. Nandwana, Upper Division Clerk, Heavy Water Project (Kota) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same projects in a temporary capacity, on adhoc basis from October 3, 1984 (FN) to November 7, 1984(AN) vice Shri R. K. Saini, Assistant Personnel Officer granted leave.

SMT. K. P. KAILYANIKUTTY Adminstrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 19th November 1984

No. RRC[A 32023|1|84-R|17237.—Director. Reactor Research Centre hereby appoints Killikulangara Maman Velayutham, a permanent Assistant Accountant of this Centre as Assistant Accounts Officer in the same Centre for the period from 19-11-84 to 31-12-84 or until further orders whichever is earlier, in an efficiating capacity on an ad-hoc basis.

KUM. S. GOPALAKRISHNAN Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

Rembay, the 13th December 1984

No. E(I)00696.—Shri D. V. Subramanian, Officiating Director, Regional Meteorological Centre. Bombay, India Meteorological Department was granted Half Pay I eave for 36 days from 13-8-1984 to 17-9-1984. On expiry of the leave he has voluntary retired from the Government service with effect from the afternoon of 17-9-1984.

K. MUKHERJEE
Meteorologist (Establishment)
for Director General of Meteorology

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE Bombay the 11th December 1984

No. 1/20/84-FST.—The Director General Overseas Communication Service hereby appoints Shri B. H. Khemchandani Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager, in the same Branch, in an officiating capacity. With effect from the forenoon of 22nd October, 1984 and until further orders, on a regular basis.

R. K. THAKKAR Dy. Director (Admn). for Director General

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune-411 024, the 11th December 1984

No. 608/146/84-Adm.—On attaining the age of superannuation, Shri J. P. Vidwans Special Officer (Documentation) Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24 retired from Central Govt. service at CW&PRS with effect from 30-11-1984 (AN).

B. G. PATWARDHAN Administrative Officer for Director

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 14th December 1984

No. 27-E/B(10)/69-ECII—The following officers of the Contral Public Works Department on attaining the lage of Superanneation (58 years) have been retired from the Govt. Service with effect from the date as mentioned against each of the officer:

S. No. Name of Officers .	Date of retirement	Designation & last posting station.
1 2	3	4
S/Shri		
1. D.P. Bhardway	30-6-1984 (AN)	E.E. (Elect) Surveyor of Works (Elect.) o/o the S.E., Delh. Cent. Circle No. VIII. New Delhi.
2. R.S. Bhalla	. 31-10-1984 (AN)	Executive Engineer (Civill) 'P' Divn., CPWD New Delhi.

No. 27-EE|G(17)|77-ECII(Vol.III).—In pursuant of Min. of Works & Housing order No. C-13:15 781-AVIII dated 16-8-84 it is notified that Shri R. K. Construction Ingines: (Elect.) did not maintain absolute integrity & devotion to duty while in Govt. Service. The President has ordered the penalty of dismissal from Govt. Service with effect from 29-8-1984 (AN). Shri R. K. Goal has been disqualified for any future Govt. Service.

LACHHMAN DASS Dy. Director of Administration for Director General (Works)

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of the Circars Lakshmi Mill Stores Company Private Limited.

Hyderabad, the 12th December 1984

No. 75 TAIII 560.—Notice is hereby given puruant to subrection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that he name of the Circars Lakshmi Mill stores company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 15th December 1984

No. F.48-Ad(AT) 1984.—Shri S. K. Biswas, Superintendent Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches, Bombay who was continued to officiate as Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of 3 months with effect from the forenoon of 29th Sept. 1984 vide this office Notification No.F.48-Ad(AT) 1984, dt 20-9-1984 is permitted to continue in the same capacity as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Amritsar Bench, Amritsar for a further period of 3 months with effect from the forenoon of 29th December, 1984 or till the post is filled up on regular basis, whichever is earlier.

The above appointment is ad-hoc and will not bestow upon Shri S. K. Biswas, a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on ad-hoc basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

T. D. SUGLA President. Income-tax Appellate Tribunals

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, **CALCUTTA**

Calcutta, the 10th November 1984

Ref. No. AC-96|Acq.R-II|Cal|84-85.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. P-76 A.

situated at C.I.T. Road, P.S. Phoolbagan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 18-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to ralieve that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-50-396GI/84

(1) Smt. Katyani Dutta & Ors. of P-76|A, C.I.T. Road, Scheme-VIM, Calcutta.

(Transferor)

(2) 1. Sri Kashi Prasad Gupta.

Sri Mukesh Kumar Gupta.
 Sri Mahesh Kumar Gupta.

all of 36, Ezra Street, Calcutta.

5. Smt. Shanti Devi Gupta of 49B, Ram Dulal Sarkar Street, Calcutta.

(Transferee)

(3) 1. Adhir Dhar.

Ramesh Ch. Agarwal.
 Gajanand Agarwala.

(Person in Occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 Cottahs 9 Chittacks 34 sft. of land with building situated at P-76|A, C.I.T. Road, Scheme-VI M, Calcutta, P.S. Phoolbagan. More particularly described in Deed No. I 4529 of S.R.A. Cal. of 1984.

S. K. BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 10-12-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 1st December 1984

Ref. No. IAC|Acq|53|20|84-85.—Whereas, I,
M. C. JOSHI,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereisaster referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
10 Factory building
situated at Great Naga Road,
Imambada Laout, Nagpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been tra family under the Poelst stion Act, 1908 (16 of
1908) in the May of the Registering Officer
at Nagpur on 4-4-1984
for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Godbole Gates (Pvt) Ltd. 28, Buty 1D|D|5, Dhurampeth, Nagpur.

may be made in writing to the undersigned:-

(2) Simplex Bererages 10 Great Nag Road Imambada Layout Nagpur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Factory building on Plot No. 10, admeasuring 10500 sqr. ft. and building area 2075, situated at Great Nag Road, Imambada Layout, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 1-12-1984

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME, TAX,

ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR \

Bhubaneswar, the 5th December 1984

Ref. No. IAC|ACQ|PURI-2|84-85|1630-31.—Whereas, I, R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|c and bearing No. 14357

situated at Sea-Beach Puri Mouza-Balukhand Khasmabal (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Makhanlal Haldar
 Bo Bholanath Haldar, 2. Kumar Haldar, 3. Nishan Haldar and 4. Raj Haldar
 Makhanlal Haldar of 'Ranishree Puri Hotel, Sea-Beach, Puri (Orissa)
- (2) M|s. Puri Hotel Private Ltd. Sea-Beach Puri Dist. Puri (Orissa).

(Transferee)

(Transfeor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hotel Building Will situated from of the lease hold plots of land being Plot No. 495, containing to belie of Ac O. 600 Dec. under Knata No. 110-44 offer any 407 v. 14019 dec and plot no. 402/1300 contoining one Ac. 147 v. 14019 dec Khata no. 546 ford architecture (v. 755 d. 1500) dam.cappilit. Ward no. 13 and Moure-Bolei band Khatana, bal. P. S. Puri town Touzi-549. Disit. 1997 (c. 1881.)

P. C. SFTHI Completed Authority Inspecting As I of Cymmusione of Incomplex Acquisation Runge, Bhukanesyai (Orissa)

Date : 5-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHUBANESWAR-9.

Bhubaneswar, the 3rd December 1984

Ref. No. IAC|Acq|84-85|Puri-1|1605-06.—Whereas, I, R. C. SETHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 -. and bearing

No. 1421

situated at Gaurabada Sahi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

Registration Act, 1908 the Registering Officer at Puri on 16-4-1984 (16 of 1908) in the office of

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid baceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimati Chinmayee Devi Wo Late Mahendralal Karanjai, P-19, Dr. Suresh Ch. Banerjee Road, P. S. Baliaghata, Calcutta-700085.

(Transfeor)

(2) Smt. Bijaya Laxmi Sahoo Wo Raghunath Sahoo, Talanua Sahi Puri town Distt. Puri-7520001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lease hold land with building area Ac O. 250 Dec. Khata No. 1, Puri Municipality bearing town Survey Plot No. 2154 (Previously) at present Hal plot No. 136, Ward No. III-Circle No. IV-louzi No. 268-Puri thana No. previously 95 at present No. 97-Holding No. previously 713 at present No. 737-Jamabandi No. 155., Mouza-Gaudabad Sahi, Dist. Puri (Orissa).

> R. C. SETHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhubaneswar (Orissa)

Date: 3-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 26th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|1984-85|957.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Plot No. 448, Part-2, Ulhasnagar-5.
situated at Ulhasnagar.
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at I.A.C., Acqn. Range, Pune on October 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M|s. J. K. Builders, Shop No. 19, Opp. Prabhat Talkies, Ulhasnagar.

(Transferor)

(2) Shri Manghani Ladikram Atmaram, 17 Raju Society, Opp. Old Tel. Exchange, Ulhasnagar-3.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immrovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Plot No. 448, Part-2, Ulhasnagar-5. (Area 560 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 940|84-85 in the month of October 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date ', 26-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX .

> ACQUISITION RANGE, _ PUNE

Pune, the 28th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|4757|941||84-85.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Flat No. F2 on the 4th Floor in Building of Hermes Grace Co-operative Housing, Society, Proposed H. No. 1974 West Street Pungal.

Street, Pune-1.

situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--

(1) M|s. Ramesh Builders, 618 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mrs. Kamala Phatechand Fabiani & Mr. Phatechand Tejumal Fabiani Mira Society. Flat No. 168, Building No. 10, Salisbury Park, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E2 on the Fourth floor in Building of Hermes Grace Co-operative Housing Society. Proposed H. No. 1974 West Street, Pune-1. (Area 1208 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4757|83-84 in the month of May 1984.).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 28-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|4736|940|84-85.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000]- and bearing
Shop No. 2 on the Ground Floor alongwith mezzanine No.
2 over it in the building "Hermes Grace" proposed to
constructed at H. No. 1974 Gufferbeg street Pune.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1984 at I.A.C. Acqn. Range, Pune on May 1984
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ms. Ramesh Builders, 618 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Mr. Hajee U. M. Mohammed Musa, Kayani Restaurant, 385 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atorisand persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as EXPLANATION: are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 on the Ground Floor alongwith mezzanine No. 2 over it in the building "Hermes Grace" proposed to be constructed at H. No. 1974 Gufferbeg Street (West) Pune-1. (Area 402 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under ment No. 4736 83-84 in the month of May 1984.

> ANIL KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Pune

Date: 28-11-1984 Seal ;

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ΛCQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|4130|937|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat admeasuring 1740 sq. ft. Area at Plot No. 62, CTS 761 ldeal Colony, Kothrud, Pune-4. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceus of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of causing with the object of the consideration.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M|s. Bhadakamkar and Sons. Builders 1373 Shivajinagar, Pune-5.
- (2) Dr. Ashok Rangarao Deshpande, Mrs. Dr. Sulbha Ashok Deshpande, 478 Soukhyada Colony, Parvati Darshn, Punc-9.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1740 sq. ft. area at Plot No. 62, CTS 761 Ideal Colony, Kothrud, Pune-4. (Area 2405 Built up)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4736 83-84 in the month of May 1984.

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Pune

Date: 29-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|5580|938|84-85.--Whereas,

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|5580|938|84-85.—Whereas, I, AIND, RUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Property at F. P. No. 135, sub-plot D, Toddywalla Road, instead of Pune.

stuated at Punc-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), for been (unsferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of J.A.C. Acquisition Range, Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 477 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

51-396GI/84

(1) Pallonji Ardeshir Talati-in his capacity as the sole surviving Executor of the Last Will and Lestment of Kaikhshui Hormusji Vakil, B. A. Talati Clo F. P. Tawadia, 1st floor, Al4, Rustom Baug, Near Masina Hospital, Mustafa Bazar, Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Ghevanchand S, Mehta, Smt. Patan S. Mehta,
Ghewarchand B. Nahr, Rewachand A. Jain
Smt. Sheela R. Mehta, Partners of
M|s. Apollo Development (Poona)
Commerce House, Nagindas Master Road.
Fort, Bombay-400 023. and

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Final Plot No. 135, sub-Plot 'D', Toddywalla Road. Poona. (Area-3301 sq. meters).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5580 83-84 in the month of May, 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date : 29-11-1984

FORM ITNS-----

(1) Karia Builders, 2 Hermes Nest. 844 Dastur Mehar Road, Pune-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMUTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nirmala M. Malani & Raju R Hira, 12 Guruprasad, 24 Bund Garden Road, Pune-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 28th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|4841|936|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No.

Flat No. 16 on the 1st floor in Konack Apartments, at 175 Dhole Patil Road, Pune-1.

situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on June 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 on the 1st Floor in Konark Apartments, at 175 Dhole Patil Road, Pune-1. (Area 840 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 484(184-85 in the month of June 1984).

ANIL KUMAE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-11-1984

Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|4131|835|84-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat admeasuring 1000 sq. ft. area at plot No. 62, CTS 761 Ideal Colony, Kothrud, Punc-4 situated at Punc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:-

 M|s. Bhadkamkar and Sons. Builders, 1373 Shviajimgar, Punc-5.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Sulbha A Deshpande, Medical Practioner, 478 Soukhyada Colony, Parvati Darshan, Punc-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat admeasuring 1000 sq. ft. area at Plot No. 62, CTS 761 Ideal Colony, Kothrud, Pune-4. (Area 1150-Built up). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4131 83-84 in the month of April 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Date: 29-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ms. Raj Constructions. 1 Nirmal, 119 Shivaji Park, Road No. 3, Bombay-28.

(Transferor)

(2) Chief Promoter. Sea Rock Employees Co-operative Housing Society Sea Rock Hotel, Band Stand, Bandra-50.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37EE|5858|934|84-85.---Whereas. ANIL KUMAR,

I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing By package Deaf Agreement. Plot No. Nos. 5, 6 & 7 of Pranjivan Nagar. Tulinj Village, Nallasopara East, Vasai Taluka, Thane District. situated at Vasai Tal. Dis. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on May 1984

at I.A.C. Acquisition Range. Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

By Package Deal Agreement. Plot Nos. 5, 6 & 7 of Pranjivan Nagar, Tulinj Village. Nallasopara East, Vasai Taluka, Thane District.

(Area 8,800 Sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the J.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5858/83-84 in the month of May 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Pune

Dute: 28-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **PUNE**

Poona, the 28th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|5147|84-85|933.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. C 1 on the 11nd floor in the building Hermes
Grace situated at H. No. 1974 Guffarbeg Street (West Street)

Pune-1, situated at Fune

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on June 1984

for an apparent consideration which is less athan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed, to between the parties als not been truly stated in the said instruwent of transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tha Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

(1) M/s Ramesh Builders, 618 Sachapir Street, Pune-1.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Shyam Punjabi, 5 Veejay Apartments, 1st Floor, 39D Shankershet Road, Pune-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C|1 on the IInd Floor in the building Hermes Grace situated at H. No. 1974 Guffarbeg Street (West Street) Pune-1.

(Area 1570 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 5147/84-85 in the month of June 1984.

ANIL KUMAR Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 28-11-1984

Seal: '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE PUNE

Poona, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|8840|84-85|932.—Whereus, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

office No. 107 & 108 on first floor in "NIRMAN, VYAPAR KENDRA", Plot No. 10 Sector 17, DBC, Vashi, New Bombay-400 703

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I. A. C. Acqn. Range, Pune on Sept. 84

at I. A. C. Acqn. Range, rune on sept. 64
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than freen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Ms. Nirman Builders, 40/41 Vishal Shopping Centre, Sir M. V. Road, Andheri-Kurla Road, Andheri (East) Bombay-69.

(Transferor)

(2) Smt. Jacinta Gasper Serrao, Swati Manor Bldg, 5th Floor, Flat No. 501, H.C. Kelkar Road, Dadar, Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 107 & 108 on first Floor in "NIRMAN VYAPAR KI-NDRA" Plot No. 10, Sector 17, DBC, Vashi, New Bombay-400703.

(Area 1495 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, pune, under document No. 8840 84-85 in the month of September 1984.)

ANII KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 29-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE **PUNE**

Poona, the 28th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|8514|84-85|930.—Whereas, ANIL KUMAR.

Being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

rnovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing Flat No. 1, A-Wing, Anand Deep Bldg. No. 4, At Pendse Nagar, Road No. 2, Chole Village, Dombivli (E) Dist. Thanc.

Situated ut Chole Village, Dombivli (E)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

I. A. C., Acqn. Range, Pune on Sept. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mis J., V. Patel & Co. 9-Kapo) Wadi, M.G. Road, Ghatkopar (W) Bombay-86.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Jagannath Indolikar, 9 Parijat, Building No. 1, Ganesh Mandir Road, Union Bank Co-operative Society, Dombivli (E), Dist. Thane.

(Transferec)

Objectitons, if any, to the acquisition of the said property , may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Flat No. 1, A-Wing, Anand Deep Bldg, No. 4, At Pendse Nagar, Road No. 2, Chole Village, Dombivli (E) Dist. Thane. (Area ———)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 8514|84-85 in the month of September 1984).

ANII. KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date · 28-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

PUNE

Poona, the 28th November 1984

IAC ACQ|CA-5|37-EE|20|84-85|931.--Whereas, Ref. No.

I, ANIL KUMAR,

... cing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedits. 25,000|- and bearing
No. CTS 1713 E-Ward, Rajarampuri, 7th Lane, Kolhapur exceeding

situated at Kolhapur (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on May 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason the lieuw that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has been truly stated in the said intrument the parties has been transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C or the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Dattatraya Narayah Pradhan, 1713 E-Ward, Rajarampuri, 7th Lane, Kolhapur,

(Transferor)

(2) Arvindkumar Jugaraj Punamiya 289 B-Ward, Gujari, Kolhapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CTS 1713 E-Ward, Rajarampuri, 7th Lane, Kolhapur. (Area 289.9 Sq. Mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Y. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 20183-84 in the month of may 1984.)

ANIL KUMAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange Poona

Seal:

Date: 28-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE "PUNE

Poona, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|84-85|929.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land & Building at survey No. 4, Prince of Wales Rd., (Nehru Marg) Ghorpadi situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acqn. Range, Pune on May, 1984

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

52-396GI/84

 Mr. Jacob S. Shashoua No. 4, Prince of Wales Rd (Nehru Marg) Ghorpadi, Punc-411001.

(Transferor)

(2) 1. Major Damodarrao V. Panse, 2 Smt. Anuradha D. Panse, 712|A-1, Shankarshet Road, Pune-411 002.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 4, Prince of Wales Road (Nehru Marg) Ghorpadi, Cantonment of Pune, Dist. Pune. (Area-6296 sq. meters)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, Pune, under document No. 4264 83-84 in the month of May, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 29-11-1984

Seal

FORM ITNS- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
SAKSERIA BHAVAN,
106[107, KOREGOAN PARK,
PUNE-411 001

Poona, the 28th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|9210|84-85|928.--Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 17, First Floor measuring 771 sft approximately, carnet area of building KUBER Plot No. 43, Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay, situated at New Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I. A. C., Acqn. Range, Pune on October 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Billimoria Constructions Pvt. Ltd. Wankhede Stadium, North Stand, D Road, Churchgate, Bombay.

(Transferor)

(2) Mr. Vinod Dahyalal Trivedi, B|10 Type Building No. 40, Room 2-1 & 2-2, Sector 15, Vashi, New Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein state defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, First Floor measuring 771 sft. approximately, carpet area of building KUBER Plot No. 43, Sector 17 at CIDCO, Vashi, New Bombay.

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1. A. C., Acquisition Range, pune, under document No. 9210|1984-85 in the month of October 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 28-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the second s

(1) Mis Makwana Bros & Co. 441 Somwar Peth, Punc-1.

(Transferor)

(2) Kishor Mangharam Sonpar. laresh Mangharam Sonpar, 312, M. G. Road, Pune-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-ACQUISITION RANGE SIONER OF INCOME-TAX SAKSERA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE 411 001

Poona, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|1984-85|956.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Flat No. 302, situated on 3rd Floor at House No. 2416, East Street, Pune-1, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at I.A.C., Acqn. Range, Pune on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act. 11respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Islat No. 302, situated on 3rd Floor at H. No. 2416, East Street, Pane-1. (Area 11.511 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the l. A. C., Acquisition Range, nune, under document No. 3968 83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date 26-11-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Poona, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|1984-85|955.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 4, Guruprasad Kunj, 112|6 Erandwana, Pune-4

(Under Construction) situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922-(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Tojal Builders,
 1|3 Chandralok Apartments,
 976 Shivajinagar, Gokhale Nagar Road,
 Pune-10.

(Transferor)

(2) Maj. Hemant Dinkar Sathe, 76|14 Shantisheela Co-operative Society, Erandwana, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Guruprasad Kunj, 112|6 Erandwana, Pune-4 (Under construction) (Area 1400 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, pune, under document No. 4070 83-84 in the month of April 1984)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Poona

Date: 26-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411001

Poona, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37-EE|84-85|954,-Whereas .I. ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. A-22, Atreya Co-operative Housing Society, 88|8A|2 Kothrupd, Pune-29, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune on Sept. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Angal & Co. 775|2 "Anujit" Deccan Gymkhana. Opp. Kamala Nehru Park, Punc-4.

(Transferor)

Shri Laxman Balaji Landge, Sou, Chhaya Laxman Landge, Clo Shri M. B. Gharpurary, 838 Shivajinagar, Punc-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-22, Atreya Co-operative Housing Society, 88 8A|2, Kothrud, Pune-29.

(Area 691 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, pune, under document No. 6511|84-85 in the month of September 1984)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 26-11-1984 - Seal:

(1) M|s Makwana Bros & Co. 441 Somwar Peth, Punc-411 001.

(Transferor)

(2) K. S. B. Pumps, Ltd. Pune, Pimori, Pune-18.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> · ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411001

Poona, the 26th November 1984

Ref. No. IAC|ACQ|CA-5|37-EE|1984-85|953.--Whereas, I, ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Flat No. 9, situated on 3rd Floor Bldg. I, at S. No. 1092/A,

situated at Pune

Final No. 473A, Hari Krishna Mandir Road.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C. Acqn. Range, Pune on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same, meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 9, situated on 3rd Floor Bldg, I, at S. No. 1092[A Final No. 473A, Hari Krishna Mandir Road. (Area 2960 sq. ft.)

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I. A. C., Acquisition Range, pune, under document No. 4230 83-84 in the month of April 1984)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poona

Date: 26-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107. KOREGOAN PARK. PUNI 411/001

Punc-411 001, the 17th November 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37-FE[84-85]952.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 114, 1st floor, KPT 2, Plot No. 4, Hissa No. 6 situated at Pune

Nea: Bhairoba Nala, Wanowari

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in August, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concentinent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Parmar Constructions, 321|3, New Timber Market Road, Pune-411 002.

(Transferor)

(2) Mr. Andrew Corosini, Clo Mr. S. R. Bhat, 1009/2 Vinod Bldg., Deep Bungalow Chowk, Punc-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 114, 1st floor, KPT 2, Plot No. 4, Hissa No. 6 Wanowari, Pune. (Area—790 sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 5976 in the month of August, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 17-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107. KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411-001, the 22nd November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|951.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Flat No. 7, Nishigandh Apartments, S. No. 43|2A|1A,

Parvati situated at Pune-411 009

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. K. Gomraj and Co., Lali Bhavan, 557-A/1, Plot No. 23B, Gultekadi, Pune-37.

(Transferor)

(2) Mrs. Shailaja G. Mungale, 2275, A-Ward, W.T. Road, Kolhapur-416002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, Nishigandh Apartments, S. No. 43/2A/1A,

Parvati, Pune-9. (Area—806 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune under document No. 19 83-84 Kolhapur in the month of April, 1984.)

> ANTL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakscria Bhavan 106|107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, ' PUNE-411 001

Pune-411-001, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5|37FE|84-85|950.—Whereas, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 9.666% undivided share in Plot No. 13, F.P. No. 536, T.P. Scheme No. 1, Shivajinagar, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), thas been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Runge, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
53—396GI[84]

(1) M/s. Chokshi Builders, 159 Sheikh Memon Street, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Tara Kantilal Chokshi, 1102 Chandanbala Building, R.R. Thakkar Road, Walkeshwar, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.666% undivided share in Plot No. 13, F.P. No. 536, T.P. Scheme No. 1, Shivajinagar, Pune. (Area....)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 6488[84-85 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan
106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 26-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Prince and to the Statement of the Cold (in the control of the Cold of the Col

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Bharat Farth Movers Ltd., Unity Buildings, J.C. Road, Bagatore-560 002.

(1) M|s. Makwana Bros. & Co. 441 Somwar Peth,

Pune-1,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 27th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CΛ-5|37EE|1984-85|949.—Whereas, I. ANIL KUMAR. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Flat No. 21, on 3rd floor, at S. No. 1092 A, Final plot No. 473 A. Off Hari Krishna Mandir Road, Pune situated at Pune (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, on 3rd floor, at S. No. 1092 A, Final plot No. 473 A, Off Hari Krishna Mandir Road, Pune. (Area— 2960 ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 4087[83-84 in the month of April 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106, 107, Koregoan Park, Pune-411 001

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. ing persons, namely --

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 27th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1984-85|948.--Whereas, I, ANII. KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Bi3 on First Floor of Femina Apartment, Plot Survey No. 21, H. No. 8 of Village Dombivli, Ghanshyam Gupte Marg, Vishnu—Nagar Dombivli (W) situated at Dombivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in August 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pussuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :--

(1) Smt. Vidya Chandrakant Rege, B|3 Femina Apartment, Ghanshyam Gupte Marg. Vishnunagar, Dombivli (W).

(Transferor)

(2) Shri Ramchandra Vinayak Kale, B|3 Femina Apartment, Ghanshyam Gupte Marg. Vishnunagar, Dombivli (W).

(Transfe:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever pexiod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date at the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 8|3 on First Floor of Femina Apartment, Plot Survey No. 21, H. No. 8 of Village Dombivli, Ghanshyam Gupte Marg, Vishnu Nagar, Dombivli (W).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune, under document No. 8057/84-86 in the month of August, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106]107, Koregoan Park, Punc-411 001

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-41! 001, the 27th November 1984

Ref. No. JAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|947.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), nave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. All that piece or parcel of land lying and being at Nasik Road—Devali Municipal Council, bearing CTS No. 108-Al 6-C-2 & admeasuring 1897 Sq. Mts. situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than ilfteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Parvatibai R. Patel,

2. Rajnikant R. Patel,
3. Kishorkant R. Patel,
508 Poonam Apartment,
Dr. A. B. Road, Worli, Bombay-18.

(Transferor)

(2) Bimal Jayantkumar Patel, 713 Farekh Market, 39. Kennedy Bridge, Bombay-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land lying and being at Nasik Road—Devali Municipal Council, bearing CTS No. 108-A 6-C-2 & admeasuring 1897 sq. mts.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC, Acquisition Range, Pune, under document No. 335|84-85 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106|107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 27-11-1984

(1) Atul Enterprises, 31 Sheelavihar Colony, 'Ruturaj', Paud Phata, Erandawana, Pune-411 038.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikas Shankar Patil, Sisheela Vihar Colony, 'Ruturaj', Paud Phata. Erandawana, Pune-411 038.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411.001

Pune-411 001, the 17th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|946.--Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot 53, Survey No. 121, 122, Rambag Colony, Kothrud, Pune situated at Pune-29

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqu. Range, Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parasis, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot 53, Survey No. 121, 122, Rambag Colony, Paud Road, Kothrud, Flat No. 6, Pune-29, (Area: 533 Sq. ft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC Acquisition Range, Pune, under document No. 37EE 5213 84-85 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 17-11-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Pune. (2) Shri Kirhar S. Larure,

and Kalpana K. Laruré, 442 Shiyaji Nagar,

(1) Nikhil Enterprises,

(Transferor

Pune-411 005.

14 flombay Fune Road, Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shiyaji Nagar,

(Transferee

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 17th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|5235|84-85|945.—Whereas, I. ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovto as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 16, B 1 Bldg. Cliintaman Nagar, S. No. 128[1, Aundh situated at Pune-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Rauge. Pune in July, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said A shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 16, B Wing, B 1 Bldg, Chintaman Nagar, S. No. 128 1 Aundh, Punc. (Arca: 535 Sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC. Acquisition Range, Pune under document No. 37FE|5235|84-85 in the month of July, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Punc-411001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons items. ing persons, namely:-

Date: 17-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHA♥AN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 17th November 1984

² Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EH|5234|84-85|944.—Whereas, I. ANIL KUMAK,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 10, A 2 Bldg., Chintaman Nagar, 128|1, Aundh, Pune situated at Pune 7

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acon. Range, Pune in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between The parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Nikhil Faterprises. 14. Bombay Pune Road. Near Bajaj Auto Showroom, Wakadewadi, Shiyaji Nagar, Pune.

(Transferor)

(2) Smi Anant G. Nadkarni, Flat No. D 5/2, H.D.F.C. Colony, Pimpri, Punc-411 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 48 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10 in A 2 Building, Chintaman Nagar, S.N. 128|1 Aundh, Pune-7. (Area: 960 Sq. Ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC. Acquisition Range, Punc under document No. 37EE 5234 84-85, in the month of July, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 17-11-1984

(1) M/s. Shri Sai Builders, Anant Apartments, 1145, Sadashiv peth, Pune-411 030.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. G. Padmanabhan and Mis. Usha Padmonabhan, E-2, 'Swapna Nagari' Karve Road, Punc-411 004.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|4072|84-85|943.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 6, 2nd floor, Plet No. 48, CTS No. 99, Erandawana, situated at Pune-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Runge, Pune in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ablect of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Plot No 48, CTS No. 99, Frandawana, Pune-4. (Area-940 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4072 83-84 in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106/107, Koregoan Park, Pune-411 001

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-11-1984

Scal:

PCLM TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106 107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|842.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immove the immove the immove the immove that the immove t as the sale very, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land & Building at Matheran, Plot No. 59MP bearing Land & Building at Matheran, Plot No. 59MP bearing . C.S. No. 200 situated at Matheran, Dist. Raigad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

54-396GI 84

- Mrs. Sehera Jehmasp Kothavala,
 Mrs. Galdys S. Kothavala and
 Mr. Arsasp Jehmasp Kothavala,
 Volkart House, Westfield Estate,
 Off Bhulabhai Desai Road,
 Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Nariman Mackey Doctor, 2. Mrs. Dilshad Nariman Doctor Navyug Chambers, Opp. Minerva Cinema, Linington Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXELANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Building at Plot No. 59-Belvedere Lodge, Matheran Dist. Raigad (Area—10831.4 sq. mtrs.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. Raigad 84-85 in the month of September, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Sakseria Bhavan 106|107, Koregoan Park. Pune-411001

Date: 29-11-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|84-85|959.—Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000lg and bearing No.

25,000]- and bearing No. Part Flat—A2]12 Priyadarshan Co-operative Housing Society, Koregaon Road, Pune-1 situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acqn. Range, Pune in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Maharookh Farrokh Cooper Huntworth, Camp, Satara-415 001.

(Transferor)

(2) Mr. Vazdi P. Daruwalla Huntworth, Camp, Satara-415 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part Flat—A2 12 Priyadarshan Co-operative Housing Society, Kolegaon Road, Pune-411 001. (Area—1078 sq. ft)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune under document No. 4172 83-84 in the month of April 1984).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Sakseria Bhavan
106]107, Koregoan Park, Pune-411 001

Date: 26-11-1984

Scal:

. .

FORM ITNS-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Punc-411 001, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1984-85|958,—Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 7 on IInd Floor, "Devi Shelter", Plot No. 1 & 2, S. No. 589, Munjeri, Bibwewadi, Punc-9, situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqu Range, Pune in September, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ravi Estate Corporation, 1161|10, Devi Niwas, Shivajinagar, Pune-5.

(Transferor)

(2) Shrì Bhagwandas Chetandas Mulchandani. Clo C. Prakash, 343|6, Bhawani Co-op. Hsg. Society, Pune-411 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7 on Hnd Floor "Devi Shelter", Plot No. 1 & 2, S. No. 589, Munjeri, Bibwewadi, Pune-9. (Area 819 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Punc, under document No. 6528 84-85 in the month of September, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan
106 107, Koregoan Park,
Pune-411001

Date: 26-11-1984

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411-001

Pune-411 001, the 27th November 1984

Ref. No. 1AC ACQ|CA-5|37G|84-85|1208,---Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Land at C.S. No. 71 (Pt) & 66 (Pt.) Charai situated at Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. hane in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M. Machhindarnath Vishnupant Kadav,
 Sm. indirabai Vishnupant Kadav,
 At Dhobiali, Tembi, Thanc.

(Transferor)

(2) Mrs. Swati N. Joshi, Charai, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. No. 71 part & 66 Part, Charai. (Area 540 Sq. Mts.) (Half share)

(Property as described in the sale deed registered under document No. 698 in the office of the Sub-Registrar, Thane, in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhovan
106/107, Koregoan Park,
Pune-411001

Date: 27-11-126-1

FORM ITNS----

(1) Shij Jimmy Manocher Master & Others. 122, Maker Tower "H" Cuffe Parade, Colaba, Bombay-5.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUESTION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, TUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. [AC ACO|CA 5[57G]84-85[511]1207. -Whereas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Property situated at Trans-Thana Creek Industrial Area Plot No. D-140, village Shirvane, Registration Sub-District & Dist. of Thane, admeasurement \$885 sq. metres, situated at Trans-Thana

at Trans-Thana (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Bombay in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market 'value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(2) Ritu Chemical Complex Pvt, Ltd., Atlanta, Nariman Point, Bombay-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Trans-Thana Creek Industrial Area, Plot No. D-140, Village Shirvane, Registration Sub-District & District of Thane admeasurement 8086 sq. metres with building & structure standing thereon.

(Area 28,000 sq. (i.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay, under document No. 911 in the month of April, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Sakseria Bhavan 106|107, Koregaon Park, Punc-411001

Date : 29 11-1984 Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 100/107, KORFGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. ACQ|CA-5|37-G|84-85|716|1206.—Whoreas I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000l- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing Land at C. S. No. 2683, Jalgaon situated at Jalgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Jalgaon in April, 1984

at S.R. Jargan in April, 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sakharam P. Dani, at Chaitraban Housing Society, Near Mahabal Colony, Jilla Peth, Jalgaon. (Transferor)
- (2) Shri Jawaharlal G. Pandit, At & Post Kochur, Khurd, Tal. Kaver, Dist. Jalgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at city survey No. 2683, Jalgaon, (Area—250.9 sq. metres.)

(Property as described in the sale deed tegistered in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon under document No. 370 84 in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakscria Bhavan
106|107, Koregaon Park,
Punc-411001

Date: 29-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 27th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|853|84-85|1204.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and benring C. S. No. 533|2|1|C|11, C. S. No. 3793, Nasik Municipal Corporation situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Nasik in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the //transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Champalal R. Shah, 594, Chhaya Building, Block No. 20, 3rd Floor Jam Jamshed Road, Matunga, Bombay.

(Transferor)

(2) 1. Shri Deochandbhai K. Patel,
 2. Shri Tulsibhai K. Patel,
 Gajanan Society,
 Panchvati, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C. S. No. 533[2-1]C]11 C. S. No. 3793, Nasik Municipal Area.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 853 in the office of the Sub-Registrar, Nasik, in the month of April, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan
106 107, Koregoan Park,
Pune-411001

Date: 27-11-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ[CA-5]37-G[821]84-85]1203.—Whereas I, ANII, KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing No.

R. S. No. 827 A1, Plot No. 5, Shivaji Nagar, Miraj situated at Dist. Sangli

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at S.R. Miraj in July, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income armine from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dadasaheb Annasaheb Langade,
 R. S. No. 827 A1, Plot No. 5, Shivaji Nagar,
 Miraj.

(Transferor)

(2) Dr. Ganapatrao Shivram Bharati, R. S. No. 827|A1, Plot No. 5 Shivaji Nagar, Miraj,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovsible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that the terms.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 827|A1, Plot No. 5, Shivaji Nagar, Miraj.

(Area—773.79 sq. meteres.)

(Property as described in the sale deed registered under in the office of the Sub-Registrar, Miraj under document No. 1099 in the month of July, 1984.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan
106/107, Koregaon Park,
Pune-411001

Date: 29-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106|107. KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 29th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37G|700|84-85|1205.— Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to be exceeding Ref. 25 000/. property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing No.

Mouje Savedi, Land at Ahmednagar situated at Ahmednagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R., Ahmednagar in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:--

(1) Shri S. D. Rupawate and others. at Station Road, Ahmednagar.

(Transferor)

(2) Shri S. S. Deolalikar and others, At Gunj Bazar, Ahmednagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the rep pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mouje Savedi, Ahmednagar, Survey Nos. 158|1 and 1582.

(Area 15R)

(Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Ahmednagar, under document No. 1409 in the month of April, 1984.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhaven 106|107, Koregaon Park, Punc-411001

Date: 29-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

TFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> - ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411001, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1984-85|961.--Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding and bearing. Flat No. 6 at Chaitanya Building in Gandhi Shatabdi, Peshaye Park, Sahakari Grih Rachana Sanstha Ltd., at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), plot No. 32, 2163, Sadashiv Peth, Pune situated at Pune has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in October, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Sumati Mahipatrao Kulkarni, "Ronu" Vivekanand Sahakari Hsg. Society, Vithalwadi Road, Punc-30.

(Transferor)

(2) Mrs. Leela Nathasaheb Khaire, Chaitanya Building, Flat No. 6, Sano Guruji Road, 2163, Sadashiv Peth, Pune-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6 at Chaitanya Building in Gandhi Shatabdi. Peshayo Park, Sahakari Grih Rachana Sanstha Ltd. at Plot No. 32, 2163, Sadashiv Peth, Punc. (Area 800 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 6664 84-85 in the month of October, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhayan 106/107, Koregaon Park, Punc-411001

Date: 26-11-1984,

FORM ITNS----

(1) M[s. Ranka Brothers, 426, R. S. Kedari Road, Pone.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashakali Dharmshi Shivani, 26, M. G. Rond, Pune-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411001, the 26th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|1984-85|960. — Whereas 1, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaftre referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Flat No. 13, 4th Floor, Ranka Apartments, 7 Sadhu Vaswani Road, Pune-1 situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

J:APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 4th Floor Ranka Apartments, 7, Sadhu Viswani Road, Pune-1.

(Area---)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LA.C. Acquisition Range, Pune, under document No. 4505/83-84 in the month of May, 1984.)

ANJL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Sakseria Bhavan
106|107, Koreguon Park,
Pune-411001

Date: 26-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SAKSERIA BHAVAN, 106/107, KOREGOAN PARK, PUNE-411 001

Pune-411 001, the 28th November 1984

Ref. No. IAC ACQ|CA-5|37EE|5396|84-85|939.—Whereas I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'immovable property having a fair market value exceeding Ref. 25 000 f. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Industrial Unit No. 23, Raju Industrial Estate, Mira, Tal & Dist. Thane situated at Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acqn. Range, Pune in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair carket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

(1) Raju Construction Company, Pailewala Chawl, Near Chuna Bhatti, Dahisar, Bombay-68.

(Transferor)

(2) Freezee Products, 20F, Dr. A. B. Nair Road. Agripada, Bombay-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 23, Raju Industrial Estate, Mira, Tal. & Dis.t Thane.

(Area 5000 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 5396 83-84 in the month of May, 1984.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Sakseria Bhavan 106|107, Koregaon Park, Pune-411001

Date: 28-11-1984,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 13th December 1984

Ref. No. JDR|64|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 0-7 (half share) situated at Industrial Area, Yamuna Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in May, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Svs. Amrik Singh, Trilochan Singh, Pritam Singh sons of Shri Kabul Singh, rlo Kabulpur, Tehsil Thanesar, D[Kurukshetra.

(Transferor)

 M|s. Royal Enterprises, Yamunanagar, Teh. Jagadhri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot No. 0-7 (Half portion) situated at Industrial Area, Yamunanagan and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 1184 dated 31-5-1984 with Sub Registrar, Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-12-1984

(1) Svs. Amrik Singh, Tritochan Singh, Pritam Singh sons of Shri Kabul Singh, rlo Kabulpur, Teh. Thanesar, D Kurukshetra.

(Transferor)

(2) M/s. Royal Enterprises, Yamunanagar, Tch, Jagadhri.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 13th December 1984

Ref. No. JDR|4|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Plot No. 0-7 (half share) situated at Industrial Area, Yamuna

Nagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Jagadhri in April, 1984

for an apparent - consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half share of Plot No. 0-7 situated at Industrial Area, Yamunanagar and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 420 dated 23-4-1984 with Sub Registrar, Jagadhri.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of tthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 13-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohiak, the 10th December 1984

Ref. No. DL1|5|84-85.—Whereas 1, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Industrial Plot No. 3 situated at Industrial Area, NIT Faridabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Delhi in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) M/s. Unitron Ltd., Himalaya House, 7th Storey, 23-Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M|s. XPRO India Ltd., Plot No. 3, Industrial Area, NIT Faridabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 3, Industrial Area, NIT Faridabad and more fully described in the sale deed registered Sr. No. 409 dated 7-4-1984 with Sub Registrar, Delhi.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Data 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. GRG[3]84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Land 3 Bigha 15 Biswa situated at village Nathupur, Gurgaon (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerating Officer at Gurgaon in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Shri Prem slo Shri Umrao, rlo village Nathupur, Teh. Gurgaon.

(Transferor)

(2) Mls. Adhunik Propertia Pvt. Ltd. (219-Chitranjan Avenue, Calcutta), C.-4. Commercial Centre, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Property being land measuring 3 B 15 B situated at village Nathupur, D|Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 86 dated 4-4-1984 with Sub Regisrar, Gurgaon.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-12-1984

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. GRG|4|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable exponents having a fair market value exceeding Rs. 25 000/c property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land 4 Bigha 4 Biswa situated at village Nathupur, (Gurgaon) (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aot, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--56-396GI/84

(1) (i) Shri Dharam Singh s|o Rattan;
 (ii) Smt. Dhola Wd|o Shri Samey Singh;
 (iii) Sh. Partap Singh;

(iv) Sant Ram;

(v) Sh. Bhajan Lal;
(vi) Satpal sons of Shri Samey Singh;
(vii) Smt. Phoolwati do Shri Samey Singh;
all resident of village Nathupur (Gurgaon). (Transferor)

(2) Mls. Adhunik Properties Pvt. Ltd., C-4, Commercial Centre, Safdarjang Development Area, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 4 B 4 B situated at village Nathupur (Gurgaon) and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 281 dated 16-4-1984 with S.R. Gurgaon,

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. HSR|9|84-85.--Whereas I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. 127, situated at Model Town, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or . 3 📆
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Nirmal Kumari wlo Late Shri Ish Kumar Bhutani, rlo H. No. 127, Model Town,

(Transferor)

- (2) (i) Shri Shiv Shankar s o Shri Heera Lal Banka. 205-Ravindra Sarni, Calcutta-7.
 - (ii) Shri Tara Chand Banka
 - Shri Heera Lal Banka,
 154, Jamna Lal Bajaj Street, Calcutta.
 Shri Vinod Kumar Banka so Shri Heera Lal
 Banka, ro 29/1, Armniman Street, Calcutta-1.
 - (iv) Smt. Varji Devi Banka wo Shri Chothmal Banka, rlo 5-B, Alipur Park Palesh, Calcutta-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective sersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 127 situated at Model Town, Hisar and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 416 dated 19-4-1984 with Sub Registrar, Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Robbak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. GRG|528|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Half portion of House No. 176|15 situated at Old Railway Road, Gurgaon

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair antified value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhagat Ram Madhok s|o Shri Ralia Ram, Old Railway Road, Gurgaon.

(Transferor)

(i) Shri Tola Ram and
 (ii) Smt. Kaushalya Devi woo Shri Tola Ram,
 ro Shivaji Nagar, Gurgaon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as sare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Half portion of House No. 176|15 situated at Old Railway Road, Gurgaon and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 210 dated 11-4-1984 with Sub-Registrar, Gurgaon.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. HSR|13|84-85.--Whereas I, R. K. BHAYANA,

k. R. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 91 (part of Eastern) situated at New Grain Market, Sirsa Road, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in April 1984

Hisar in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) (i) Smt. Indrawati woo Shri Sat Narain, V. & P.O. Bawani Kheta, Teh. Bawani Khera Distt. Bhiwani.

Smt. Kalawati wo Shri Basant Lal, V. & P.O. Dorad, Tehsil & Distt. Jind.

(Transferor)

(2) Shri Harish Kumar so Shri Prabhy Dayal Chaudhary, V. & P.O. Kheri Barki, Tehsil & Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being half part of Eastern of Shop No. 91 situated at New Grain Market, Sirsa Road, Hisar and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 524 dated 24-4-1984 with S.R. Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11the December 1984

Ref. No. HSH|26|84-85,-Whereas I,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Western Part of Shop No. 91 situated at New Grain Market, Sirsa Road, Hisar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hisar in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :-

- (i) Smt. Savitri Devi wo Lala Kishori Lal; (ii) Smt. Angoori Devi wo Lala Telu Ram, (1) I o village Mirzapur, Teh. Distt. Hisar.
- (2) Shri Kanhiya Lal s|o Ch. Ghannu Ram s|o Ch. Veeru Ram, r|o Kheri Barki, Tehsil & Distt. Hisar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Western part of Shop No. 91 situated at New Grain Market, Sirsa Road, Hisar and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 836 dated 7-5-1984 with S.R. Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-12-1984

FORM ITNS+

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11the December 1984

Ref. No. HSR 16 84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Ahata 95 sq. yds., situated at Sirsa Road, Hisar

Ahata 95 sq. yds., situated at Sirsa Road, Hisar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hisar in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed on between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/er
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitian of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) S. Bhagwan Singh so Shri Gurbaksh Singh, H. No. 269, Model Town, Hissar.

(2) (i) Smt. Bimla Rani wo Shri Raghbir Singh; (ii) Smt. Kanta Agarwal wo Shri Satya Narain; (iii) Smt. Santosh Agarwal wo Shri Dharam Mohan, All ro Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Property being Ahata measuring 95 sq. yds., situated at Sirsa Road. Hissar and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 561 dated 25-4-1984 with Sub Registrar, Hisar.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Roht.

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. SPT 3 84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.
Land with building situated at Kundli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not oeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Smt. Parkasb Wati who Shri Hari Chand, rio 7-b, Gunanwaia Town, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Crpham Laboratories Pvt. Itd., 17th Mile S.one, G.T. Karnal Road, Kundli (Sonepat) through its Estate Manager Shri Prithvi Raj Pruthi s/o Shri Karam Chand Pruthi, H. No. 134-A, Paschim Vihar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land with building situated at G.T. Karnal Road, Kundli and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 41 dated 4-4-1984 with S.R. Sonepat.

> R. K. BHAYANA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Irrome-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT -COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohiak, the 10th December 1984

Ref. No. BGR 6 84-85 -- Whereas I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Industrial Plot No. 139, Area 1375 sq. yds., situated at DLF Industrial I-state, No. 1, V Ittmadpur (and more fully described in the schedule sunexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ballabgarh in April. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following. persons, namely :---

(i) Ahmad Shokat Ali Dosa woo Shri S. K. Dosa; (ii) Smt. Amina Shokat Ali Dosa w o S. K. Dosa, o D-60, Panchsheel Enclave, New Delhi-17.

(Transferor)

(2) M|s. Gupta Construction Co., G-3|92 Deepali, New Place, New Delhi-19.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being Industrial Plot No. 139, area 1375 Sq. yds. situated at DLF, Industrial Estate No. 1, Village Ittmadpur (Ballabgarh) and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 188 dated 6-4-1984 with Sub Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. BGR[13]84-85.—Whereas I. R. K. BHAYANA,

R. K. BHAYANA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No.

Land 22 Kanal 15 Marlas situated at Lakkarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 1984 for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more

said exceeds the apparent consideration therefore by more that fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 57—396GI/84

 Mls. Suraj Kund Mining & Machinery Co., (P) Ltd., 34-S.B.S. Colony. Rajputa Town, Punjab through Shri Joginder Singh, General Manager of the Company.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar slo Shri Girdhari Lal, rlo 8|20, Kalkaji Extension, New Delhi-19. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 22 K 15 M situated at village Lakarpur, District Faridabad and more described in the sale deed registered at Sr. No. 1283 dated 26-4-1984 with Sub Registrar, Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11th December 1984

Ref. No. BGR 12 84-85.—Whereas I,

Ref. No. BGK1284-85.—whereas I,
R. K. BHAYANA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income Tax Acf, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing No.
Plot measuring 475 sq. yds. (Northern portion) situated at
Adangpur, Teh. Ballabgarh
(and more fully described in the schedule appreced bereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ballabgarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of, 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) (i) Shri Anangpal so Shri Rajender Kumar,
 - (ii) Shri Shankar Singh soo Gajender Singh, roo Bawa. Distt. Jaalan (U.P.).
 - (iii) Shri Surinder Singh so Nar Singh, ro Kyodak, Teh. Kaithal (Haryana).
 - (iv) Sh. Jasbir Singh slo Teeka Singh, rlo Bichhpari, Distt. Ambala.
 - Shri Naseeb Singh so Cha. Risal Singh, ro Dhar, Teh. Kaithal.

(Transferor)

(2) (i) Shri K. A. Agasteen Josef and

 (ii) Shri K. A. Kristofar sons of Shri K. J. Antenee, r o 10 22, Kalkaji Extension, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property by made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Plot measuring 475 sq. yds., (Northern portion) situated at Anangpur, Teh. Ballabgarh and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 1134 dated 24-4-1984 with S.R. Ballabgarh.

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11th December 1984

Ref. No. BGR(32|84-85.--Whereas I. R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Plot measuring 475 sq. yds. (Southern portion) situated at Adangpur, Teh. Ballabgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 19?2 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (i) Anungpal slo Rajender Kumar, rlo Rajender Farm. Faridabad City.
 (ii) Shankar Singh slo Rajender Singh, rlo Bawai, District Jaalan (U.P.).
 (iii) Surender Singh slo Narsingh Dass, rlo Kyodak, Teh. Kaishal (Haryana).

(iv) Jasbir Singh slo Teeka Singh, ro Bichhpari, Distt. Ambala.

(v) Naseeb Singh slo Ch. Risal Singh, rlo village Dhar, Teh. Kaishal (Haryana). (Transferor)

(2) (i) Shri K. A. Agasteen Josef and

(ii) Shri K. A. Kristofar sons of Shri K. J. Anteene, rlo 10|22, Kalkaji Extension, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Southern portion of Plot measuring 475 sq. yds., situated at Adangpur, Teh. Ballabgarh and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 1195 dated 25-4-1984

> R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. I., F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. KNL]5|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 30 Kanal 17-16 Marla situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) (i) Ram Pal, (ii) Sham Singh sons of Shii Khilla, to Karbind, Karnal.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Dharaowir Batra slo Shri Ram Parkash, H. No. 627, M. Town, Panipat,
 - (ii) Smt. Sheela Batra woo Shri Satish, roo Gohana Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 30 Kanal 17-1|6 Marla situated at Karnal and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 279 dated 24-4-1984 with Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 10-12-1984

(1) Smt. Kalawati Wdo Shri Raj Kumar slo Shri Peera Mal.

(Transferor)

(2) Shri Ashwani Kumar Agarwal s|o Shri Dhavam Pal Agarwal, r|o 73. Modern Colony, Jalandhar City,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. L. F. COLONY

Rohtak, the 10th December 1984

Ref. No. 3DR[137[83-84.--Whereas I, R. K. BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No.

Plot situated at Light Railway Road, Jagadhri (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhii in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Sazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Properly being Plot situated at Light Railway Road, Jagadhri and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 6928 dated 27-4-1984 with Sub Registrar, Jagadhri.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robbak

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

D. I., F. COLONY

Rohtak, the 11th December 1984

Ref. No. KNL|2|84-85.—Whereas I, R, K, BHAYANA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land measuring 7 Bigha 7 Biswas situated at Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Svs. Jasmer Singh, Randhir Singh, Raghbir Singh. Prithvi Singh sslo Hardey Ram and Rajinder Singh, Ran Singh sons of Tula Ram, rlo Muhalla Kot, Karnal City.

(Transferor)

(2) Shri Chand Murti, Kishore Lal, Ashok Kumar sons of Ram Lal, rlo Shiv Colony, Karnal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 7 Bigha 7 Biswas situated at Karnal and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 38 dated 3-4-1984 with Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-12-1984

FORM IINS---

(1) Svs. Hari Singh, Sadhu Ram, Sewa Singh, Raghbir Singh sons of Shri Data Ram son of Kanhiya Ram, rlo Mohalla Kot, Karnal City,

(Transferor)

(2) Shri Chand Murti, Kishore Lal, Ashok Kumar sons of Ram Lal, rlo Shiv Colony, Karnal City.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK D. L. F. COLONY

Rohtak, the 11th December 1984

Ref. No. KNL|15|84-85.—Whereas I, R. K. BHAYANA, K. K. BHAYANA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land measuring 12 Bigha 18 Biswas situated at Karnal and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Karnal in May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer: of the transferor to pay tax under the said Act, in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 12 Bigha 18 Biswas situated at Karnal and more fully described in the sale deed registered at Sr. No. 949 dated 17-5-1984 with Sub Registrar, Karnal.

R. K. BHAYANA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

Date: 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5722.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Village Kingra. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jalandhar in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Chander Chopra and Shri Sunil Kumar Chopra slo. Shri Ram Chander Chopra, rlo. 126-Shaheed Udham Singh Nagar, Ialandhar

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

**

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Thukral son of 'Shri Hans Raj, rlo. ER-122-123, Pucca Bagh, Jalandhar.

('Transferce')

- (3) As S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 6.7
 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 13 Mls. situated in village Kingra and persons as mentioned in the registered sale deed No. 269 of April, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. I. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taz
Acquisition Range
Julandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5723.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing 13

No. as per schedule situated at Kotkapura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Faridokot in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
58—396GI|84

- Shrimati Sheela Rani Wo. Shri Kasturi Lal, ro Kot Kapura, (Lock Merchants, Gurdwara Bazar), Distt. Faridkot.

 (Transferor)
- (2) Shri Gopal Krishan slo. Shri Joti Ranada Smt. Babita Rani wlo Shri Vijay Kumar, Gurdwara Bazar, Kot Kapura, Distt. Faridkot.

門部門。

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 378 of April, 84 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5724.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Kotkapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Vijay Kumar slo. Shri Kasturi Lal, Lock Merchant, Gurdwara Bazar, Kot Kapura, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar and
Shri Yash Pal
Ss|o. Shri Joti Ram,
r|o. Maheshwari Street (Gurdwara Bazar)
Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Shop situated at Kot Kapura and persons as mentioned in the registered sale deed No. 379 of April, 84 + 3 the Registering Authority, Faridkot

J. L. GIRDHAR
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5725.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000; and bearing

No. as per schedule situated at Mithapur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in April. 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

 Shri Harbhajan Singh s|o. Shri Jawand Singh of Basti Sheikh, Jalandhar Attorney Harkishan Singh, Shri Ajit Singh, Mithapur tehsil Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Gurvinder Kaur Gill wo, Shri Gurcharan Singh ro, V. Pohlriwala tehsil Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perido of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property land 5175 Sq. ft. situated in V. Mithapur and persons as mentioned in the registered sale deed No. 171 of April, 84 of the registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5726.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

 Shrimati Sneh Prabha Kapoor woo. Shri P. L. Kapoor, roo. 568L, Model Town, Jalandbar,

(Transferor)

(2) Shri Subesh Sahni So Shri Khazan Chand, ro. 26-Adarsh Nagar Jalandhar.

(Transferee)

- (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property plot No. 232 situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mention in form No. 37-EE dated May, 84 registered with the Competent Authority, Jalandhar,

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5727.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 25,000 - and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercasid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the sety act, to the following persons, namely:—

 Shri Roop Kumar s|o. Shri Kishore Lal, BKO, Owner, Bathinda.

(Transferor)

 Shri Manohar Singh s|o. Shri Chanan Singh, Vill. Sikhwala, Teh. Faridkot,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 360 of 24-4-1984 of Registering Authority of Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IJALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5728.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathiada in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rayinder Kumar s|o. Shri Kishori Lal, BKO, Owner, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh slo. Shri Chanan Singh, Teh. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this, notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 361 of 24-4-1984 of Registering Authority, Bathinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 12th December 1984 .

Ref. No. A. P. No. 5729.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

(1) Smt. Parkash Devi / wlo. Shri Kishori Lal, B.K.O. Owner, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shrimati Bhupinder Kaur, Wo Shri Chanan Singh, Teh. Faridkot.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 362 of 24-4-1984 of Registering Authority, Bhatinda.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 12-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5730.—Whereas, I, - J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gian Singh

6|0. Shri Lai Singh

r|0. House No. WD-313, Brandrath road,
Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrl Dalip Singh
 s|o. Shri Mela Eingh,
 r|o. House No. 3, Jaswant Nagar,
 Garha Teh. Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property bearing No. WD-313 (2|3rd share) situated at Brandrath road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 282 of April, 84 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13[12[84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 13th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5731.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. as per schedule situated at Bathinda. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persona namely:—
59—396GI/84

 Shri Banarsi Dass s|o. Shri Nanak Chand, R|o. Old Satta Bazar, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash Saraf Clo Shri Hazura Singh, Sirki Bazar, Bathinda and Parsin Kaur wlo. Shri Om Parkash Clo Shri Hazura Singh, Sirki Bz. Bathinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 487 of 30-4-1984 of Registering Authority, Bathinds

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 13/12/84.

Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Talandhar, the 13th December 1984

Ref. No. A. P. No. 5732.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the competent authority under section 262B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. as per schedue situated at Bathinda.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bathinda in May, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Banarsi Dass slo. Shri Nanak Chand, rlo. Old Satta Bazar, Bathinda.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar slo. Shri Om Parkash Saraf, C lo. Shri Hazur Singh, Sirki Bazar, Bathinda.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 573 of 7-5-1984 of the Registering Authority, Rathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 13-12-84.

Sri M. N. Venkata Reddy R o D-63, S. D. P. Colony, Balanagar, Hyderabad,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri T. P. Kishore Rlo H. No. 1-1-727, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 769 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Land situated at Bakaram Hyderabad

No. Land situated at Bakaram Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admensuring 450 sq. yds. situated at Bakaram. Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 357/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Auhtority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 770/84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. 1-10-39 situated at Ashoknagar Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the evict of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/er
- (b) factilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Smt. V. Arundati Wlo Venkateswar 1-10-39, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bijay Singh Dugar, Sol late Jivanmal, Duga & Others, 1-10-39, Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person in rested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing D. No. 1-10-39, Ashoknagar, Hyderabad admeasuring 342 sq. yds. of land area and 1800 s. ft., plinth area registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 335[84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.).

Date: 5-12-1984:

(1) S. Santosh Singh, 9-3-366, Regimental Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. P. Padmavathi and 3 ohers 1-8-229 Macyine Road, Secunderabad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HÝDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 771|84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing Rs. 25,000] and bearing Rs. 25,000] and bearing Rs. 25,000 and bearing Rs. 26,000 and Rs.

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Propery bearing No. 9-3-366, Regimental Bazer, Secunderabad vide document No. 962 84 registered by the S.R.O., Maredpally.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984.

FORM ITNS----

(1) Rama Premii, 6-2-101/9 New Boiguda, Secunderabad.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Logisetty Hemlatha & Others, 10-2-36, Road No. 4, West Maredpally, Secundera-(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC-772 84-85.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. West Maredpally situated at Medchel (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchel on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a periods of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural Farm admeasuring 12 acres situated at Medchel registered under document No. 2337 by the S.R.O. Medchel.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1984.

(1) Shri K. Obilesu & Others, Raptadu, Anantapui Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. Chandrasekhar, Managing Director of Maruthi Steel (P) Ltd., Kurnool, (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.773|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section
269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Lands situated at Raptadu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Anantapur in April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **1001/4**7
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Landed property at Raptadu in Anantapur District registered by the S.R.O., Anantapur vide document No. 756 -.

> M. JECAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Confmissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984.

Scal:

(1) M. Krishna Sarma, 1-11-22 0/8 Brindavan Colony, Begumpet, Hyderabad. (Transferor)

(2) Shri P. Kesavulu, 1-3-376, Kayadiguda, Hyderabad.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.774 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs. 25,000|- and bearing
No. 1-11-220|8 situated at Begumpet
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

at Vallabhnagar on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 1-11-220|8, Begumpet, Hyderabad registered by the SRO, Vallabhnagar vide document No.

> M, JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984.

Scal :

(1) Ms. Sriniasa Market Complex, Secunderabad. (Transferor)

(2) Meenaxi Vinodrai Hindocha, 21-6-305, Ghansi Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.775[84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Tobacco Bazar situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderated on April 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-60-396GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in Srinivasa Market Complex, Secunderabad registered by the SRO, Secunderabad vide document No. 153|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984,

Scal:

(1) G. C. Kondareddy, Kothapalli Village, Anantapur Dt.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.776|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Lands situated at Kakkulappali Anantapur Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Anantapur on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(2) G. Audinarayana and others, Mekalapalli Village, Dharamavaram Tq., Anantapur.(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands situated at Kakkulapally village, Anantapur Dt. vide document No. 3945 by the S.R.O., Anantapur.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984.

(1) M|s. Kabra Complex, 2-2-132 M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Amis Saiduddin, 2-3-61, Ramgoplpet, Secuderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC-777|84-85,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

No. 131 situated at Kabra Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Secunderabad on April, 1984, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 131, Kabra Complex, Secuderabad registered by the SRO., Secuderabad vide document No. 171.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984

(1) M[s. Kabra Complex, 2-2-132 M. G. Road, Secunderabad.

Secunderabad.

(2) Snehlatha Agarwal, 14-2-332[7]13[2 Gyanbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAXX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. 778|84-85.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. 29 situated at Kabra Complex Secunderabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secuderabad on April, 1984.

officer at Secuderabad on April, 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-Seal

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this netice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein arare defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 29 in Kabra Complex, Secunderabad registered by the SRO, Secunderabad 192.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC779|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. 25 situated at Kabra Complex Secuderabad

No. 25 situated at Kabra Complex Secuderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 6t Secunderabad on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the section (1) of Section 269D of the said Act., to the following persons, namely:—

 M|s. Kabra Complex. M. G. Road, Sceunderabad,

(Transferor)

(2) Nandkumar Nægpal, 1-8-215|20 P. G. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the (Micial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25 in Kabra Complex, Secunderabad registered by the SRO., Secunderabad vide document No. 198.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984.

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.780|84-85.—Whereus I, M. JEGAN MOIIAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

545 situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any aways or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Babukhan Builders, 5-4-86, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Hasna Begum, 12-2-43, Muradnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov, able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 545 in 5-4-86, Raniguni, Secunderabad vide document No. 3118 by the SRO Secunderabad.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the stid Act, to the following persons, namely:~~

Date: 5-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref., No. RAC.781|84-85.--Whereas I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25.000|- and bearing.

No. Sikh Village situated at Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Marednally in April, 1984

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in - respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

- (1) Shri Devidas Rao, House No. 45, Chandulal Bowlli, Secunderabad.
 - (Transferor)
- (2) Mohd, Ibrahim, 58-A, Sabistan Road, Secunderabad,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Chandulal bowli, Secunderabad registered by the SRO, Maredpally, under Document No. 926.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-12-84 Séál:

(1) Shri P. Raghavareddy, 10-2-292, Maredpally, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. V. M. Financial & Leasing Company, 1-2-54/4 Gaganmahal, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.782 84-85.—Whereas I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B
Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

No. as mentioned in 37-G (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad in April. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property registered by the S. R. O., Secunderabad vide document No. 154,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-84

(1) M/s. Babukhan Builders, Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Abida Sultana 163-323, Chanchalguda, Secunderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC.783 84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

and bearing

No. 546 situated at Raniguni, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer

**Counderabad in April 1984*

at Secunderabad in April, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 546, in Raniguni, Secunderabad registered by the SRI Secunderabad vide document No. 2247.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 61 — 396GI 84

Date: 5-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad. (Transferor)

(1) M|s. Babu Khan Builders,

(2) Sri Ch. Jayaram, c|o Ch. Y. anadisetty & Co., Office No. 632, 6th Floor, 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 784|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00% and bearing

and bearing
No. Office situated at Ranigunj, Secunderabad,
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovnble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Office space No. 632 in 6th floor in 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad admeasuring 349 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2248 84.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. R.A.C.No.785|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. shop situated at Ranigunj, Secunderabad

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mls. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad.
- (2) Smt. Nasrat Banu, 8-2-624 ABI, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if teny, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 36 in ground floor in 5-4-86 to 92. Ranigant, Secunderabad admeasuring 212 Sq. ft. registered by the S, R. O. Hyderabad vide document No. 2250₁84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-12-84 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. R.A.C.No.786 84-85. Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. House situated at Bandimet, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Panchamdas & Others, H. No. 4049, Sajjanlal Street, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Champalal, So Ramlal & Others, Resident of H. No. 7-1-531 & 532, Moosakhan Bazar, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service οt notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western Wing of House No. 4063 (old) New No. 7-1-531 & 532 Bandimet, Secunderabad, admeasuring 759 S. ft. registered by the S. R. T. Secunderabad vide document No. 484.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. R.A.C.No.787|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. Office situated at Kabra Complex, Secunderabad and mbre fully described in the Schedrule annexed herto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Kabra & Co., Rep. by S. Prabhakara Reddy, No. 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad, (Transferor)
- (2) Smt. Khatoon Bai, D. No. 2-3-61, Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office space No. 132, situated at Kabra Complex, 2-2-132 to 139, M. G. Road, Secunderabad admeasuring 409 Sft., registered by the S. R. O. Secunderabad vide document No. 170|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-12-84

FORM ITNS ----

(1) M/s. Babu Khan Builders, No. 5-4-86 to 92, Raniugni, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Hasnara Begum, Wlo. Sri Mohd. Idris, Rlo. 12-2-43, Murad Nagar, Hyderabad.
(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

, (11,3419151569)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Hyderabad, the 5th December 1984

(b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this paries in the Official Gozette.

Ref. No. R.A.C.No.788|84-85.--Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

EXPLANATION:—The terms and exxpressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. Office situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in June, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office space No. 544 in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad, admeasuring 266 Sq. Ft. registered by the S. R. O. Hyderabad, vide document No. 3102 84,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 5-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mls. Babu Khan Builders, No. 5 4-60 to 92, Regignij, Secunderabad. (Transferor)

(1) Smt. Bader Banu, R.o. 702, Mogal Apartments, Decean Towers, Basheer Bagh, Hyderabad. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. R.A.C.No.789|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. shop situated at Ranigunj, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 33 in ground floor in 5-4-86 to 92, Ranigunj, Secunderabad, admeasuring 212 Sq. ft. registered by the S. R. O. Hyderabad, vide document No. 2249 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Date: 5-12-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. R.A.C.No.790|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Jand situated at Thokatta Village, Secunderabad

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Marredpally in April, 1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Krishna, Sp. O. G. Vittal & Others, 1-11-77, Chinna Thokatta, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Sanjeevalah Co-Operative Housing Society Ltd., No. 130, Jayanathi Apartments, Begumpet, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. Nos. 70, 72, 73 and 74 at Thokatta Village, Bowenpally, Secunderabad, admeasuring 2420 Sq. Yds., registered by the S. R. O. Marredpally, vide document No. 964|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 5-12-84

(1) Mrs. Rangava Desai, Wo. Venkutarama Reddy, Ameerpet, Hyderabad.

(2) Smt. Madan Bai, Wo. late Budhraj Jain, 6-8-828, Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No.791|84-85.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable that the immovable of the competence of the compe property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

House situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1903) in the office of the registering officer at Hyderabad in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incidenting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given - in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4-4-350, 383 to 385 at Sultan Bazar, Hyderabad admeasuring 220 sq. yds. of land area and 1300 sft., plinth area registered by the S. R. O., Hyderabad vlde dosument No. 2358 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons. namely . --

62-396 OI 84

Date: 5-12-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

الرابعية المرابعية ا

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER # OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 792|84-85.—Whereas, I, M, JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. Mulgi situated at Abids, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the timbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (c)
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-rax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Mahboob Begum, 21-3-275. Devdi-alam-alikhan. Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. J. Anantha Laxmi, wo J. Damodar Rao, 680 Kattalmandi, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other proon interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 4-1-836, admeasuring 70 sq. vds. of land arc. and 630 sft., plinth area registered by the S.R.O., Hyderabal vide document No. 2160/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 793]84-85.—Whereas, I, M. JEG NN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing

No. House situated at Manjara Hills, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of registering officer

at Hyderabad in April 1984

for an apparent consideration which is Jess than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Ali Velu & Others, GPA Sri B. Chandrasekhar Reddy, 8-2-467|4, Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shyam Sundar Rao, 6-3-676 A 1, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing No. 8-2-686[13]C[6]2. Banjard Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2042[84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. B. Alivelu & Others, 8-2-467|4, Road No. 5, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Dr. L. Raghavaiah, S|o Kotaiah, 6-3-676|A|1, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 794 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1867 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 8-2-686|13|C|6|1, at Road No. 12. Baniara Hills. Hyderabad registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2343|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date,: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Manzoor Fatima Asfia, R|o 16-1-890|1, Ameen Colony, Saidabad, Hyderabad.

(1) Sri Mahmood Jung, Alwan-E-Begumpet, Hyderabad,

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 795 84-85.—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Hyderabad in April, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16-1-23|1, Farrah Estate, Saidabad, Hyderabad admeasuring 346.6 sq. yds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2093 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 796|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incomee-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair magnet to be the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Flat situated at Punjagutta, Hyderabad
(and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registeringf Officer

at Hyderabad in April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M|s. Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, R|o Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. A. Alluri, wo S.R.A. Alluri, Ro Flat No. 27, Block A, Punjagutta, Hyderabad. (Virgo complex)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 27 in Block A at Punjagutta, Hyderabad admeasuring 558 sft., registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1986 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

ing persons, namely:-

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 797|84-85.—Wherea,s I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reson to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registeringf Officer
at Hyderabad on 4|84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent, consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1)M|s. Vigro Constructions, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Charumathi, R|o. IC 234, Erramanzil Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 31, Block E. Vigro Complex, Punjagutta, Hyderabad admeasuring 376 sft., registered by the S. R. O. Hyderabad vide document No. 1987 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Rcf. No. RAC. No. 798|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing wo.

No. Flat situated at Somajiguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeringf Officer

at Hyderabad on 4/84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Sri Hariram Hotchand, Fairya Lake Apartments, Somajiguda, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Smt. Fouzia Sultana, Flat No. 3 A. Fairy Lake Apartments, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat situated at Fairy Lake Apartments, Somaliguda. Hyderahad admessiring 1400sft., registered by the S. R. O., Hyderahad vide document No. 2378 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

Scal:

FORM ITNS----

The state of the s

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THIS INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC, No. 799|84-85.—Whereas, f.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fall market value
exceeding Rs. 25,000|- and bearing
No. Flat situated at Rej Bhavan Rd., Hyderabad
(and more fully described in the schedule ennexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeringf Officer

at Hyderabad on 4|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 63--396G1/84

(1) Sit Hariram Hotehand Sachdeve, Fair Lake Apartments, Raj Bhavan Road, Somajiguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sharada Naik, Fair Lake Apartments. Rai Bhavan Road. Somojiguda, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in Ground floor of Fairy I ake Apartments, Raj Bhavan Road, Hyderabad admeasuring 1400sft, registered by the S. R. O., Hyderabad vide deocument No. 2356 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (AP.)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE. HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 800|84-85.—Whereas, I.

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing

No. Flat situated at Punjagutta Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Rsegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 4|84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. A. Vijaya Laxmi, Flat No. 58, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferor)

(2)Smt. P. Padmasree, Flat No. 58, Punjagutta, Hyderabad. , Kanthisikhara Apartments, Punjagutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Corrette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 58 in Block-E, in Kanthi Sikhara Apartments at Punjagutta, Hyderabad admeasuring 600sft., registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 2118 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A)

Date: 5-12-1984 Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABARD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC. No. 801|84-85,—Whereas, J. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing

No. Flot situated at Begumpet Hyderabad

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed regfistered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on 4 84

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Fmt. Shyamala Adolph.
Srl Sekhar Adolph.
6-3-907|5, Somajiguda,
Hyderabad
&M|s. Masn Constructions (P) Ltd.,
A-102, Satya Apartments,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Smt. Vijaya Laxmi Mani, w M. V. S. Mani, Flat No. 16, Methodist Colony, Begumpet, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be cause in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16 in 3rd floor of Methodist Colony, Begumpet, Hyderabad admeasuring 1140 sft., registered by the S. R. O., Vallabhnagar, vide document No. 1085|84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. RAC. No. 802 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Pent House situated at Punjagutta Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s Virgo Constructions, Rep. by Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Sri G. K. P. Reddy, 1st lane, 1st House, Shymalawagar, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Pent House No. 4 in Group No. I, Virgo Complex, Punjagutta, Hyd'bad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 1984 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 5-12-1984

Scal :

AND CONTROL OF THE CO

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE HYĎERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. RAC. No. 803/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat situated at Begumpet Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallabhnagar or 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Srinivasa Builders, (P) Ltd., Rep. by M. D. Sri Srinivasulu Reddy, Ramachandra Mission Road, Hyderabad, 1-2-593|4|A.

(Transferor)

(2) Smt. Annapurna Sarma, Flat No. 203 in Srinivasa Towers, 6-3-1187, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- . (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 in Ind floor of Srinivasa Towers Begumpet. Hyd'bad admeasuring 1700 sft., registered by the S.R.O., Vallabhnagar vide document No. 1097/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. RAC No. 804/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Plot situated at Shaikhpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the unusier; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sti Nawab Kazim Nawaz Jung Bahadur, alias Ali Pasha, Osman Cottage, Mir Chowk, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Tahseen Ahmed 10-3-3/A, Mehdipatnam, Hyderabad-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot admeasuring 978 sq. yds., situated at Shaikhpet, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2223 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. RAC. No. 805/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Plot situated at Banjara Hills Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 5/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Sririvas, 3-6-769, Himayathnagar, Hyderabud,

(Transferor)

(2) Sm; M. Sachitha Reddy & Others, Plot No. 24, Andhra Bank Colony, Malakpet, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot situated at Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 1190 sq. vds. registered by the S.R.O., Hyderabad vide document No. 2888 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. RAC. No. 806/84-85.--Whereas, I,

Ref. RAC. No. 806/84-85.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
Plot situated at Banjara Hills Hyderabad
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Hyderabad on 4/84.

at Hyderabad on 4/84, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri G. Sathi Reddy, 3-6-768, Street No. 13, Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Masara hunnisa Begum 702, Mogul Apartments, Deccon Towers Bashirbagh Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 & 7 in Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 598 sq. vds. registered by the S. R. O., Hyderabad vide document No. 2224 84 and 2292 84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

Ref. No. RAC No. 807/84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

Flat situated at Banjara Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the registering Officer at

Khairatabad on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--64-396GI/84

(1) Ali Khwaja Managing partner Banjara Constructions Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Ramesh Rao slo P.A. Rao, Hat No. 5, Banjara Castles, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 in Banjara Castle Road No. 12 Banjara Hills Hyderabad admeasuring 1174 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 871/84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX, ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

R.A.C. No. 808|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act; 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat situated at Banjara Gardens, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersous, namely :---

 Mr. Ali Khawaja, Mls. Banjara Construction Co., Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Baba Sharfuddin, Ground Floor, Banjara Gardens, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in ground floor, Banjara Gardens, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad, admeasuring 910 s ft. registered by the S.R.O. Khairatabad, vide document No. 870|84.

M: JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-84.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

R.A.C. No. 809|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 2698 on the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Khairatabad on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Ali Khaja, Mls. Banjara Construction Co., Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mrs. Aishia S. Khan, Flat A-2, Mount Banjara Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat A-2, Mount Banjara, Road No. 12, Banjara Hills, Hyderabad admeasuring 625 sft., registered by the S.R.O., Khairatabad vide document No. 910|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suscetion (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 5-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

R.A.C. No. 810|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

No. House situated at Road No. 7, B. Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fixed per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Md. Badruddin Ahmed & Other, D. No. 12-2-897|3, Asif Nagar, Hyderabad.

(Transferor)
(2) Smt. D. Devi Agarwal, Wo. O. P. D. Agarwal,
D. No. 8-2-326|4|1, Road, No. 3,
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the sub-Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8-2-546|586 admeasuring 1167 Sq. Yds. situated at Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O. Khairatabad, vide document No. 998|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 5th December 1984

R.A.C. No. 811/84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Gowliguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Regfistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Hyderabad on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the réduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri G. K. Naik So. Krishnaji Naik, D. No. 3-6-369 A 16, Street No. 1, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Shyam Sundar Lakhotia, Flat No. A in M.C.H. No. 4-8-769, Gowliguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 'A' situated in L. No. 4-8-769 at Gowliguda. Hyderabad, admeasuring 686 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 1991 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 5-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 812|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing
No. Plot situated at Kurnool
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurnool on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M|s. N. G. Bros., Rep. by Sri M. Devendra, S|o. Sivanna, Srinivasa Nagar, Kurnool.

(Transferor)

(2) Sri M. P. Somanna, Slo. M. Pakkirappa, Riverview Colony, Kurnool.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House in Riverview Colony, Kurnool, Plot No. 1, admeasuring 826 Sft. registered by the S.R.O. Kurnool, vide document No. 4|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THF INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 813|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

nmovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing
No. Shop situated at Putlibowli, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nemely:—

(1) M/s. Bhaagyanagar Construction Pvt. Ltd., Putlibowli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Jyothi Rani Chella, Wo. Dr. Samdoshkumar, Shop No. 49, H. No. 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 49, in House No. 5-1-908 at Putlibowli, Hyderabad, admeasuring 165 Sft. registered by S.R.O. Hyderabad, vide document No. 2286|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 814|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop situated at Putlibowli, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating hie reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Bhagyanagar Constructions Pvt. Ltd., Putlibowli, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Tothaiah & R. Jhansi Lakshmi, Shop No. 48, H. No. 5-1-908, Putlibowli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 48, House No. 5-1-908 at Pili Bowli, Hyderabad, admeasuring 160 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad, vide document N. 2287 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 815|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

No. Shops situated at Himatyatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred as per decd under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at Hyderabad on 4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: 65--396GI/84

(1) Mis. Tirumala Construction Company, D. No. 3-6-20, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. S. Geetha Reddy, 3-6-467[1, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 1 & 2 in House No. 3-6-20, Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 648 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad, vide document No. 2053|84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 816|84-85.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Shop situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Tirumala Constructions Company, No. 3-6-20, Himayatnagar,

(Transferor)

(2) Miss Abha Bhatnagar, D.o. C. L. Bhatnagar, D. No. 1-2-8/8, Domalguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, in House No. 3-6-20, Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 255 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad, vide document No. 1991 84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 817/84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Himayatnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M|s. Sadaraw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Musooda Sultana, Wlo. Nayeemuddin Ahmed Farooqui, D. No. 12-2-330|B|2, Mehdipatnam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in House No. 3-6-200, Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 1018 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad, vide document No. 2424|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
. Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 8-18|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Flat situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Saradaw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mr. Tajuddin Madani, College, Muradnagar, Mehdipatnam, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION: -- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in House No. 3-6-200, Himayatnagar, Hyderabad, admeasuring 1153 Sft. registered vy the S.R.O. Hyderabad. vide document No. 2523 84.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

R.A.C. No. 819[84-85,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. land situated at Barkatpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikhadpally on 4/84 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tranafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Sri G. K. Rajan, Slo. Late Gopalan, Rajmahal Vilas Extension, Sadasiva Nagar, Bangalore.

(Transferor)

(2) Sri Maganti Rajendra Prasad, Slo. Madhusudana Rao, 3-6-309, Basheer Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

11001 Sq. Yds. of land in Swarna Vilas, bearing House No. 3-4-812, Barkatpura, Hyderabad, registered by the S.R.O. Chickadpally, vide document No. 337/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

S.R.O. No. 820|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat situated at Basheerbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mis. Progressive Buildings, No. 3-6-309, Basheer Bagh, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Kum. Durbha Binda Lakshmi, D. No. 5-9-22|102, Adarsh Nagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter...

THE SCHEDULE

Flat No. 22, Block 'A' in Skyline Apartments, No. 3-6-309, Basheer Bagh, Hyderabad admeasuring 1635 Sft. registered by the S.R.O. Chikkadpally, vide document No. 292|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84.

. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A. P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. R.A.C. No. 821|84-85.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat

situated at Red Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad on 4|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M's. Bhagyanagar Construction Co., By: Mukund Lal, Slo Giridharilal, No. 11-4-656, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri K. Rama Rao, D. No. 3-5-1043 22, Venkateswara Colony, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, Vth Floor at House No. 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad admeasuring 1218 S.ft. registered by the S.R.O. Khairatabad vide document No. 906|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-84

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. R.A.C. No. 822|84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Flat

situated at Saifabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 4|84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Mis. Dhananjaya Hotels (P) Itd., By M. Nagaraju, No. 5-9-12. Saifabad, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri D. V. Ratna Kishore, \$/o D. Ramamohana Rao, 1-1-780|A|5, Gandhinagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plat No. F-2 n premises No. 5-9-12, at Saifab bad, admeasuring 1088 Sft. registered by the S.R bad, vide document No. 2355/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10 12-1984

Scal .

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD, A. P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. R.A.C. No. 823|84-85.—Whereas, I, ♥. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Office

situated at Basheer Bagh, Hyderabad

(and more ully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4/84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
66—396GI/84

Smt. Lakshmi Gunti,
 Wo Late S. R. Gunti,
 Ro Neelkamal, Secretariat Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

Smt. G. Rekha Reddy,
 D. No. 6-3-1219|1|2, Satyanagar,
 Begampet,
 Hyderabad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Space No. 703 in H. No. 5-9-60|A|28, Mogal's Court Complex, Basheer Bagh, Hyderabad admeasuring 1508 Sft. registered by the S.R.O. Hyderabad vide document No. 2111|84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 10th December 1984

Ref. No. R.A.C. No. 824 84-85.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Flat

situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Hyderabad on 4 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than butten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) M|s. Saradaw Constructions Pvt. Ltd., 3-6-200, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Sunderji M. Shab, D. No. 3-5-1093|20, Venkateswara Colony, Narayanaguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat in House No. 3-6-200, Himayat Nagar, Hyderabad admeasuring 1043 Sft. registered by the S.R.O., Hyderabad vide decument No. 2425/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001.

Bangalore, the 6th December 1984

R. No. 62|832|84-85|ACQ|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the being ane Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Municipal No. 1609 situated at Dispensary Road, Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the 2000.

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

and/or

of the Registering Officer at Chikmagalur on 5 May, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aloresaid property and I nave reason we believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :--

(1) Shrimatı S. G. Jayalaxmi wife of Shri S. R. Govindaraj, 2, Kresent Court, Kresent Road, Bangalore-560001.

(Transferor)

(2) Shri Wilfred Herman Redrigues, S/o Late J. M. Redrigues, Coffee Planter, Hulikhan Estate, Mallandur Post, Dist. Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 293]

Dated 5-5-1984]

Building measuring $15^{\circ} \times 24.9^{\circ\prime}$ and open side $151^{\circ} \times 118^{\prime\prime}$ at Chikmagalur Town.

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Bangalore

Date , 6-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE; BANGALORE-560 001. Bangalore, the 6th December, 1984

C. R. No. 62|833|84-85|ACQ|B.--Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-arid bearing

S. No. 6|7 situated at Unakal Village

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hubli on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or.
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kallappa Fakeerappa Muradgi,
 Fakeerappa 3. Yallappa S|o Karabasappa Muradgi, Unakal Tq. Hubli.

(Transferor)

(2) Raghavendra Sahakari Grahanirman Sangh, Siddeshwar Nagar, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

IRegistered Document No. 77 84-85 Dated 9-4-1984]
Open plot S. No. 6/7 measuring 33 Guntas at Unakal Village.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|834|84-85|ACQ|B,—Whereas, J, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Sy. No. 48, situated at Badepur Village, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gulbarga under document Nos. 53 & 56 84-85 on 6-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Irappa S/o Monappa, II. No. 5-926, Roza (K), Gulbarga.

(Transferor)

 President: Land Records Deptt. Employees Credit Co-op. Society Ltd., Gulbarga,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 53/84-85 & 56/84-85 dated 6-4-84]

Open plot at Badepur Gulbarga measuring 5A 20G. out o 13A. 16.G. at Badepur Gulbarga.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1984

Seal

(1) Dr. Babu Anandtau Redkar and his wife Suvina Babu Redkar, both residing at Margao. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rennie Mendes h/o Margao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62]835]84-85]ACQ]B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing P.T. Sheet No. 189, Chalta Nos. 118, 119, 120, 121 & 122, situated in the city of Margao

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1900 (to of 1900) in the fair Salcete Goa on 22-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

[Registered document No. 396 dated 22-4-1984.]

The property bearing land mat. No. 2648 & 1699 is situated in a residential locality behind Metropoi Cinema theatre at Margao. Constructed a residential apartment named as "Shantadurga" constructed admeasures in area of 675 mt.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Balkrishna N. Poi, Cajanzallem, Goa.

(Transferor)

(2) Ashok R. Kukalekar, Partais, Panji, Goa.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|836|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing P.T. Sheet No. 132. Chalta Nos. 13 to 18, situated at Taleigao, Santa Inez Parish presently know as Tonca, Caran-

zallem, Panjim, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panii on 16-4-1984 Officer at

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshil property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective nersons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

[Registered document No. 348/196 dated 16-4-1984]

The property is situated at Taleigao-Santa Inez. Parish presently known as Tonca-Caranzallem, Panjim-Goa. The property is located within the limit of Panjim municipality admeasuring 788-nt. The locality is well developed all civil amenities are available and well connected.

> R. BHARDWAJ Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|837|84-85|ACQ|B.—Whereas, J, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

New Survey Nos. 145/2 & 151/8, situated at in the village

of Taleigao

of laterace (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas-Goa on 25-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income using from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Francisco Mario de Jesus Lopes and his wife (2) Mrs. Etelvina Bernardina Caldeira E. Lopes both residing at Dr. Cunha Gonsalves Road, Panji-Goa. (Transferor)
- (2) Mr. Girish Anand Keni, Residing at Dada Vaidya Road, Panji-Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered document No. 358[196 dated 25-4-1984.]

coconut agriculutral land admeasuring 12,620 square metres in in the Village of Taleigao, Taluka Tiswadi, Sub-District Ilhas, District Goa.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Date: 6-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|838|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. R.S. No. 106|1 & 2A

situated at Yedur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikodi on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---67-396GI/84

- Shri Venkatesh Bagaran Samak,
 Shri Bagaran Venkatesh Samak,
 Shri Yeshwant Venkatesh Samak,
 Shri Vivekanand Venkatesh Samak,

 - Shri Shirish Venkatesh Samak, Ro Yedur Village,

Tq. Chikodi.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Tippanna Gangaram Magadum, 2. Shri Laxman Gangaram Magadum,

 - 3. Shri Dattru aGngaram Magadum, 4. Tatoba Gangaram Magadum,
 - Sadashiv Gangaram Magadum, Rlo Chandur Village Tq. Chikodi, Dist, Belgaum.

(Transferees)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 56 84-85

Dated 12-4-1984)

Irrigated agricultural land situated in Yedur Village-6 acres 24 gunthas.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range Bangalore

Date : 6-12-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|839|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000] and bearing No.

Municipal No. 109 situated at Dispensary Road, Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur on 5-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inferen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. S. G. Jayalaxmi
 Wo S. R. Govindaraj,
 Crescent Court, Crescent Road, Bangalore-1.
- (2) Shri Wilfred Herman Rodrigues S|o Late J. M. Redrigues, Coffee Planter, Hulikhan Estate, Mallandur Post, Dist. Chikmagalur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 292

Dated 5-5-1984)

Building measuring $10' \times 24!$ Open site measuring $31' \times 118'$ at Chikmagalur Town.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|840|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

municipal No. 1609, situated at Dispensary Road, Chikmagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikmagalur on 25-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

 Smt. S. G. Jayadaxmi
 Wlo S. R. Govindaraj
 Rlo 2, Crescent Court, Crescent Road, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri Wilfred Herman Rodrigues, Slo Late J. M. Rodrigues, Coffee Planter, Hulikhan Estate, Mallandur Post, Dist. Chikmagalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 501 Dated 25-5-1984) Building and Open site at Chikmagalur Town.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

Smt. Leelabai Wo Channabasappa Goudar, Power of Attorney Channabasappa Basavalingappa Goudar, 47, MIG. 2nd stage, Agrahaar, Daasarhalli, Bangalore-79.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C. R. No. 62/841/84-85/ACQ/B.—Whereus, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. CTS No. 173 situated at Aadarshnagar, Nagashettikoppa, Hubli

Addrshnagar, Nagashettikoppa, Hubli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hubli under Document No. 114 on 12-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Shri Suresh Linganagouda Patil, Dannamma Kripa Behind Engineering College, Vidyanagar, Hubli.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 114

Dated 12-4-19841

This is non-agricultural land under CTS No. 173 measuring 479-3|9 sq. yards situated in Aadarshnagar, Nagashettikoppa, Hubli.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

R. No. 62/842/84-85/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Municipal A.R. 3824, Khata No. 2155|A, situated at K. R. Puram Extension, Hassan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hassan under Document No. 51 on 7-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or cvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri N. B. Malledevaru Slo Basava Gouda, North Extension, Hassan Town.

(Transferor)

(2) Shri M. N. Shashishekhar Slo Nanjund Jois, Syndrate Bank, City Branch, Mysore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 51

Dated 7-4-19841

R.C.C. building and Mangalore tile house measuring 50×15 ! situated at K. R. Puram Extension Hassan under Municipal A.R. 3824 K.W. 2155 A.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd Decembeer 1984

C.R. No. 62|44527|84-85|ACQ|B.---Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

68 (old, No. 23), situated at M.M. Road, Fraser Town, 48th Division, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on 25-7-1984

Snivalinagar on 25-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nazeem Begum Waheed, No. 66, M. M. Road, Fraser Town, Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Shri Mohd. Rahmatulla & Mumtaz, No. 78, V Cross, Williams Town Extension, Bangalore-46.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 123/84-85

Dated 25-7-84]

Premises bearing No. 68, old No. 23, situated at M.M. Road, Fraser Town, Bangalore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range
Bangalore

Date: 3-12-1984

(1) Shii C. R. Basappa, Gandhi Nagar, Tumkur.

Bangalore-79.

(2) Smt. Gayathri Devi Agarwal, No. 48, III Stage, IV Block, West of Chord Road, (Transferor)

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7AX AC1, 1901 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd December 1984

C.R. No. 62|44528|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 244, situated at West Chord Road, III Stage, IV Block, Bangalore-79

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 7-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the arties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1611|84-85

Dated 7-7-1984)

Site No. 244, West of Chord Road, III Stage, IV Block, Bangalore $(60' \times 40')$.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri K. S. Vijaya Kumar, No. 8, Shankar Mult Road, Shankarpuram, Bangalore-4.

(Transferor)

Shri V. Madhav,
 No. 1|2, Basappa Cross,
 Floor, Shanthinagar,
 Bangalore-27.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|44529|84-85|ACQ|B.—Whereas, I.
R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
42, situated at V Block, Koramangala Extension, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed nereio). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore South Tq. on 27-7-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2714|84-85

Dated 27-7-84)

Site No. 42, situated at V Block Koramangala Extension, Bangalore (60' \times 40').

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bangalore

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 6th December 1984

C.R. No. 62|44723|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

44 A situated at West of Chord Road,

III Stage, Bungalore

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar on 23-7-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-68---396 GI 84

 Smt. Rajeswari Mahalingappa, No. 14/4, I Block East, Bangalore

(Transferor)

(2) Shri R. C. Das, No. 4086, II Cross. Siddappaji Temple Road, Gandhinagar, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereir as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1755|84-85 Dated 23-7-84) The site property bearing No. 44 A, situated at West of Chord Road, 111 Stage, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri C. Narayana Reddy, Kodihalli, Bangalore South Tq.

(Transferor)

(2) M/s. I relusive Investments P. Ltd., No. 4, Bride Street, Bangalore.

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Baugalore, the 4th December 1984

C.R. No. 62|43342|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

768 situated at Kodihalli, Bangalore South Tq.

Varthur Hobli

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the Office of the Engistering Officer at Bangalore South Taluk on 8-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1600|84-85 Dated 8-6-84)
All that property bearing Khata No. 768, situated at Kodihalli, Varthur, Hobli, Bangalore South Taluk. (Admeasuring 708.56 sq. mts.)

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-12-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE.

BANGALORE-560 001

Bangalore 560 001, the 28th November 1984

Ref. No. C.R. No. 62|43246|84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing

No. 37 (old No. 7), situated at Sanjeevappa Nayak Lane, Avenue Road Cross, B'lore city

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 7.5-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said instrument o transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shrimati Sanjeevamma
 - 2. Lakshmanna
 - 3. M. Shardamer
 - Rathnamma
 M. Lalitha
 - 6. Mr. Lokesh V. (Minor)
 - 7. Mr. Satish V. (Minor)
 - 8. Muniyappa
 - Kum. Veena (Minor) & Kemparaj No. 7(37), Sanjeevanayak Lane, Avenue Road Cross, Bangalore-2.

(Transferor)

(2) 1. Mohanlal 2. Jawerilal

No. 15|1, N.M.C. Lane, III Cross, R. T. Street, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inches vable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

IRegistered Document No. 389/84-85 Dated 7-5-1984]
Property bearing No. 37, old No. 7, situated at Sanjeevappa Nayak Lane, Avenue Road Cross, Bangalore City.

R. BHARDWA!
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 28-11-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1984

Ref. No. 62|43274|84-85|ACQ|B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 (old No. 31) situated at Subramanya Lane, Akkipet

Cross Blore-53

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 oi 1908) in the office of Registering Officer at Gandhinagar on 21-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer he agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri D. S. Subramanyam 2. Smt. Meenakshamma 3. Smt. B. S. Vijayalaxmi 4. Smt. B. S. Lalitha 5. Smt. B. S. Geetha & 6. Smt. B. S. Sandhya No. 4 (old No. 31), Subramanya Lanc, Akkipet Cross,

(2) 1. D. T. Kesava 2. D. T. Jawaharlal No. 3, 15th Cross R. T. Street,

B'lore-53.

(3) Transferor.

Blore-53.

(Transferee)

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 546|84-85 dated 21-5-1984. Old residential building at No. 4 (old No. 31), situated at Subramanya Lane, Akkipet Cross, Bangalore-53.

> R: BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 3-12-1984

FORM'ITNS-

(1) K. Radha Devi No. 52, VI Cross, Wilson Garden,

Bangalore-27. (Transferor)

(2) K. Prakash Chandra, No. 52, VI Cross, Wilson Garden, Bangalore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th November 1984

Ref. No. C.R. No. 62|43265|84-85|ACQ|B.-Whereas, 1, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 22/3 situated at H. Siddiah Road, Div. No. 25, Banga-

1ore

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi on 25-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a reriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 645/84-85 Dated 25-5-1984]

Vacant site bearing No. 22|3, situated at H. Siddiah Road, Division No. 25, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range- Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 27th November 1984

Ref. C. R. No. 62|43267|84-85|ACQ.|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-land bearing

No. 99/B, situated at Bull Temple Road, Guttahally, Bahgalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Basavanagudi on 31-5-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sestion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sant. B. Sharada Bai, "Sunanda", 16th Cross, Malleswaram, Bangulore-3.

(Transferor)

(2) M. K. Gowthamchand, No. 53, R. T. Street, Bangalore-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 739|84-85, dt. 31-5-1984. Property bearing No. 99|B, situated at Bull Temple Road, Guttahally, Div. 19, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

New Delhi, the 26th November 1984

Ref. C. R. No. 62|44253|84-85|ACQ.|B.—Whereas, I. R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority times section 2000 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 170-E, situated at West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar on 21-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri T. Venkataswamy, No. 50, IV-Main Road, VII. Cross Road, Sampangiram Nagar,

(Transferor)

(2) Shri S. Sriniyasa, No. 176, Bashyam Road, Bangalore-53.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in/writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 1245 84-85, dt. 21-6-1984. Site No. 170-E, situated at West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalore,

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date : 26-11-1984 Scal :

544

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 4th December 1984

Ref. C. R. No. 62|43373|84-85|ACQ.|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

No. 545, situated at Block-I, Mattadhahalli Evtn., (Rabindra-

nath Tagore Nagar), Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 1-6-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri R. Vasudeva Rao, No. 132, V-Cross, Lower Palace Orchards, Bangalore 3.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sirajuddin,' Mrs. Sabiha Sirajuddin, No. 20, Marapa Gardens, M. R. Palyan, Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned **--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective of the period arrived a pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 695/84-85, dt. 1-6-1984. Premises bearing No. 545, situated at Block-I, Mattadhahalli Extension (Rabindranath Tagore Nagar), Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 4-12-1984

(1) Shri George Joseph, Lirgarajapurana, Bangalore North Tq.

(2) Shri Alex Kuruvilla,

Bangalore-89.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd December 1984

Ref. C. R. No. 62|43080|84-85|ACQ.|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 1176B. situated at Lingarajapuram Village, Bangalore

North Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore North North Tq. on 5-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to seleve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more and that for such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

69-396GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said \wp_1 $\wp_{\sigma(1)}$ may be made in writing to the undersigned.

Lingarajapuram, No. 33, Krishnappa I ayont. Opp. Ballaswadi Rly. Station,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 18 84-85, dt. 5-4-1984.

Property bearing No. 1176/B, situated at Lingarajapuram Village, Bangalore North Taluk.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-12-1984

(1) Shri Subhadraben Jayantilal Shah No. 5, Ekambar Shahjiji Lane, Chickpet Cross, Bangalore.

(2) Smt. Shantibay, No. 35|37, A. M. Lane,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 3rd December 1984

Ref. No. C.R. No. 62/43/86/84-85/ACQ/8.—Whereas, I, BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
No. 4 (Old No. 7), situated at Gandhi Kitchiah Lane, Gudumiahpet, Balepet Cross, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 17-4-1984 for an apparent consideration which is less than the foir

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, io respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 704|84-85, dt. 17-4-1984.

Property bearing No. 4 (Old No. 7), situated at Gandudi Kitchiah Lane, Gudumiahpet, Balepet Cross, Bangalore,

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 29th November 1984

Ref. No. 14|Aril, '84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing No.

Door No. 13, 59th Street, 10th situated at Sector K. K. Nagar, Madras-78

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Virugambakkam, Madras (Doc. No. 1265 1984) in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shri E. Saravana Perumal, 13, Plot No. 733, 10th Sector, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferor)

 R. Sivakami, D/o Shri Sivanadian Chettiar, 14-F, Kalinga Colony, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 13, Plot No. 733, 10th Sector, 59th Street, K. K. Nagar, Madras-78-Document No. 1265, 1984).

PREMA MALINI VASAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madra-600 006

Date: 29-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th November 1984

Ref. No. 58/April, 1984/R. II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 25,000], and bearing No. registered under doc. No. 263/84 situated at Alankatha Pillai Street, Triplicane, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 263/1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accusation of the issue, of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- Mrs. N. Vijayalakshmi Ammal,
 Wlo Mr. V. Narayanaswamy Naidu.
 Minor Subbulakshmi.
 Represented by her mother & Guardian
 Mts. N. Vijayalakshmi Ammal No. 34, Alankatha
 Pillai, Street Triplicane, Madras-5.

 (Transferor)
- Shri P. M. Chittibabu Naidu. 51, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building in Alankatha Pillai Street, Triplicane, Madras—Document No. 263 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (in-charge),
Madras-600 006

Date: 26-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th November 1984

Ref. No. 50 April, 1984 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imn.ovaole property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. 26, Perumal Mudali Street, situated at Mount Road,

Mauras-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Thousand Lights (Doc. No. 160|1984) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the followig persons, namely :-

(1) Sri A. M. Kothandapani Thevar, 86, Swaminaicken Street, Chintadripet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri L. M. Pachiappan, Boodaperumal Naicken street, Mount Road, Madras-600 002.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at No. 26, Perumal Mudali street, Mount Road, Madras-2-Doc. No. 160|1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (i|c) Madras-600 006.

Date . 26-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600.006, the 29th November 1984

Ref. No. 24 April, -1984 R.II. -- Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of (551) (hereinatter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6, Crescent Park street, T'Nagar, situated at Madras-17. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), at T'Nagar, Madras-17 (Document No. 371 1984) on April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mrs. B. Rajeswari
 - 2. B. Sheela
 - 3. B. Kalyani
 - B. Meenakshi
 Jayanagar Karunanidhi Nagar, Trichy-21.

(Transferor)

(2) 1. K. Lakshminarayana2. K. V. Rama Rao41, Poes Road, Teynampet,

41, Poes Road, Teynampet, Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & building at Door No. 6, Crescent Park street, T'Nagar, Madras-17—Document No. 371|1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Date: 29-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II . MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1984

Ref. No. 50|April,1984|R.If.—Whereas. I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Plot No. 168, Mahalinagapuram, situated at Madras-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). at Thousand Lights, Madras (Doc. No. 213|1984) on April 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri R. Ravindran, B-24, 10th Cross, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Sh. K. R. Chandrasekaran, B-24 10 Cross Road, Thillai Nagar, Trichy-620 018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at (Plot No. 168, Mahalingapuram, Madras-34--Document No. 213 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i|c)
Madras-600 006.

Date: 28-11-1984

1. Shri P. R. Narayanan 2. Sri P. R. Venkatachalam No. 10, First Lane, Off Flowers Road. Madras-84.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mannat Govindan, Kutty, Nair, Father and Gurdian of Minor E. P. Kuman and Minor E. P. Vinod. 3, Kothari Road, Madras-34.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 52 April,-1984 R.H.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 132 1, Thirumurthy Nagar situated at 6th street, Madras.

(and nore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Date: 30-11-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid enteeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of \$\psi\$ 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

THE SCHEDULE

(Vacant site at R. S. No. 132 1, Thirumurthy Nagar 6th street, Madras-Document No. 157 1984).

> PREMA MALINI VA\$AN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV Acquisition Range-II (i|c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 769D of said Act to the following persons namely:—

Date: 30-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 26 April -1984 R. II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. 33-34, Bazullah Road, T'Nagar,

situated at Madras-17.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T' Nagar, Madras-17 (Document No. 415 1984) on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lisbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
70—396 GI/84

Shri R. Ugrapandian,
 So Sri M. Ramanathan,
 131, Habibullah Road, T'Nagar,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. P. S. Radhamani,
Wlo Sri T. K. Natarajan,
2. Miss. N. Jayanthi,
Dlo Sri T. K. Natarajan
residing at No. 33-34. Bazullah Road,
Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at No. 33-34, Bazullah Aoad, T'Nagar, Madras-17--Document No. 415/1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assitiant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i|c)
Maduas-600 006,

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th November 1984

Ref. No. 79 April - 1984 R.H. - Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land & building at Door No. 4, situated at St. Mary's Road 3rd Cross street, Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapors, Madras (Doc. No. 534 1984) on April 1984. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-secsection (1) of Section 296D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Mjs. Ramana Builders 2. Smt. Shashikala and

3. Sri A. Gopal, No. 11. C. P. Ramaswamy Iver Road, Modras

(Transferor)

(2) Mls. Bharathwaji Marketing Associates, Angappa Naicken street,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 4, St. Mary's Road, 3rd Cross street, Madras—Doc. No. 534 1984). Date . 26-11-1984

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (4|e) Madras-600 006.

Date: 13-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II-MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 30th November 1984

Ref. No. 146|April-1984|R.H.—Whereas, f. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Door No. 28|105. Raja street, situated at (T. S. No. 5|149), Combatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 1534 84) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri R. Rangasamy, B.Coni., LL.B., Advocate, Coimbatore Town

(Transferor)

(2) I. M. Venkatachalam

 M. Veinkitacharan
 S. Palanisamy
 K. S. Kaliyaperumal
 R. K. Subramaniam and
 P. Ramalingam
 Door No. 28/205, Raja street,
 Coimbatore Town

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at D. No. 28|205, Raja street, Coimbatore (Doc. No. 1534]84).

> PRFMA MALINI VASAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-LL (i|c) Madras-600 006.

Date: 24-11-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Ramanathaier, Wlo Radhakrishnaier R. Subramanian R. Radhakrishnan,

Avaiyambalpuram, Myiladuthurai (Tanjore Dt.)

(Transferor)

(2) Mr. Md. Zakariya, Wo Mr. Yakumsakur, Akkur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 142 April-84 R.H.-Whereas, I, PREMA MALINI VASÁN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-

to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Ward III. T. S. 186|2, situated at Pattamangalam, Avayambalpuram, Tanjora Dt. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladuthurai (Tanjore Dt.) Doc. No. 343|84* on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of 'this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building in Ward No. II, T. S. 186|2, Pattamangalam, Avaiyamoalpuram, Tanjore Dt.)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income, tax Acquisition Range-LL (i|c) Madras-600 006.

Date: 30 11-1984

(1) Mr. Syed Yusuff, 18 & 19, Bawa Rowther Street, Alwarpet, Madras-18.

(Transferor)

(2) Smt. R. Vijayalakshmi, 52, Sir C. Madhavan Nair Road, Mahalingapuram, Madras-34.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II-MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 51|April-1984|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Door No. 52, Sir Madhavan Nair Road, situated at Nungambakkam, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand Lights, Madras (Document No. 158|1984) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 52, Sir Madhavan Nair Road, Nungambakkam, Madras-34—Document No. 158] 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-11-1984

Seal

(1) Sri Chidambaram Pillai, No. 6. First Main Road, Ramalinga Nagar, Trichy Town.

(2) 1. Smt. Chandra Mahalingam Wo Sri Mahalingam

Smt. Saratha Mookan, Wo Sri Mookan
 Mali Sahib Street,

Trichy.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II-MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 88 April, 1984 R-II. Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No. New Ward 'C' Block 23 T.S. 32, situated at Block No. 6.

Ramalinga Nagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Oraiyur (Trichy Dt.) Document No. 792 84 on April 84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the inforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at New Ward 'C' Block No. 23, T. S. 32. Door No. 6. Ramalinga Nagar, Trichy Town—Document No. 792 84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (i/c) Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sad Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 30 11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Md. Soos Slo Mr. Abdul Gani, Kottuveerampalayam Village, Periyar Dt.

(Transferor)

(2) Smt. Lakshmi Wlo Sri Ponnusamy, Rangasamudram Periyar Dt.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 139 April, 84 R.II.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. Kottuveerampalayam situated at Sathiamangalam, Periyar Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sathiamangalam

(Doc. No. 848 84) on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in Kottuveerampalayam, Periyar Dt.—Document No. 848/84),

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 30-11-84

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref. No. 71|April,'84|R.II.—Whereas, I,
MRS. PREMA MALINI VASAN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding
Rs. 25,000|- and bearing
No. Door No. 15, Bawa Rowther Road,
situated at Alwarpet, Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
Mylapore, Madras
(Doc. No. 442|84)
on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eaght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mohanlal C. Sanghvi
 Sushila M. Sanghvi,
 Rundall's Road,
 Madras-7.

(Transferor)

(2) Annamalai Periakaruppan alias Annamamalai Ramesh C. 64~ 9A, Cross; Thillai Nagar, Trichy-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 15, Bawa Rowther Road, Alwarpet, Madras-Document No. 442|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c),
Madras

Date: 26-11-84

FORM ITNS

'NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref. No. 80 April, 84 R.II.—Whereas, 1, MSS. PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|bearing No. Property registered under Document No. 512/84 in the month of April, '84 situated at Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer (16 at Mylapore, Madras (Doc. No. 512/1984) on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

71 -- 396GI|84

- (1)Smt. Kamalammal
 - Sri Satyanarayanan
 Sri Suryanarayanan

 - 4. Sri Audhinarayanan
 - 5. Sti Tukshminarayanan 7. Mannar Street, NPTLIKUPPAM (South Arcot Dt.).

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Aakif Ismail. Slo Mr. Md. Ismail, 12, Kasim Sahieb Street, Royapettah, Madras-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered under Document No. 512|1984 in the month of April, '84 at Mylapore, Madras 4).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus.

Date: 26-11-84

Scal:

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 30th November 1984

Ref. No. 22[April,'84]R.IJ.—Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing Land at lots No. 19 and 20 of

L.A. No. 9|64 in Balaji Avenue Thiramalaj Pillaj Road, Madras-17

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at T'Nagar, Madras-17

(Doc. No. 352|84) on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitahting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 1. P. R. Venkatraj
 2. P. R. Prokasam
 83|5, G. N. Chetty Road, T'Nagar, Madrus-17.

(Transferor)

 (2) 1. Vshanji Virji Gangar
 2. Pushpa V. Gangar
 8. Thanikachalam Chetty Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in (Plot Nos. 19 and 20 of L.A. No. 9|64 in Balaji Ayenue, Thirumalaipillai Road, Madras-17).

PREMA MALINI VASAN
. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 30-11-84

(1) S. Kalpagam, S. Ravindran
 No. 41, Sangarapuram, Alamelumangapuram, Madras-4.

(Transferor),

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. S. Krishnasamy, No. C. Block G. Floor S. I. Buildings, R. K. Mutt Road, Madras-28.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref. No. 65 April, 84 R.H.-Whereas, I, MRS. PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No. Plot No. B-161, 14th Cross Road situated at Sastri Nagar, Madras-20 (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Regstration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Adayar, Madras (Doc. No. 392|1984) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. B.161, 14th Cross Road, Sastri Nagar, Madras-20).

(Document No. 392|1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

25-11-54

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref. No. 69|April, 84|R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Plot No. 26, R.S. No. 29|2, 'situated at Block No. 8, Urur Village, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar, Madras (Doc. No. 375/84) on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) cx the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri T, Dharmara'j, Slo Sri Thirunavukarasu, 3/86, No. Po. Se. Street, Palavakkam Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor,

(2) Sh. P. N. Ramesh S¹o Sri P. Narayanan 30|17 South Avenue, Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 26 in R.S. No. 29]2, Block No. 8, Urur village, Madras—Doc, No. 375[84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras.

Date: 26-11-84Seal:

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref. No. 77 April, 84 R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No. R.S. No. 1061, Door No. 11, situated at Chandrabaug Avenue Road (Off. Dr. Radhakrishnan Rd., Mylapore, Mds-4 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferreed under the Registering officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 533|1984) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprites has not been truly stated in the said between the aprites has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Felix Arthony Joscolyn Dicum
 Aylesford House, Longlane,
 South Wark, London, SE 1, England,
 represented by Power of Attorney
 Sri S. N. Soundararajan,
 No. 19, Lynwood Avenue,
 Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri N. Thayymanasundaram, No. 38, Mulla Sahib Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 11, Chandrabaug Avenue Rd., (Off Dr. Radhakrishnan Road), Mylapore, Madras-4—Doc. No. 553 [84].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-11-84

seal .

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 176 April 84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land and building at Karur district situated at III ward, 1st block, Karur village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karur (West) Doc. No. 937 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as egreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Seethalakshmi, Wo Late Sri Chakrapani Chettiar, 2. Smt. Sumathi, Wo Pattabiramachettiar, 3. Balasubramaniam, Sri C. Narasimhan, Sri B. S. Balakrishnan's wife Smt. B. Varalakshmi, Smt. K. Alamelu, Smt. Padmavathi, Rajaji Street, Karur Town, Trichy.

(Transferor)

(2) M|s. Kaveri Fabrics, represented by its partners:—Sri Nachimuthu, S|o Palaniappa Gounder, Sri M. Lakshmanan, Sri K. Arumugham, Sri K. Palaniappan, Smt. Manoranjitham, w|o Sri Subramaniam, Smt. K. Saraswathi, W|o Sri Karvannan Ramakrishnapuram, Karur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building—III ward, 1st Block, Inam Karur village, Karur.

Karur (West) | Doc. No. 937 | 84,

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras.

Date: 5-12-84

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 22nd November 1984

Ref. No. 67 April 84 AR.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Block I.-1. No. 22, Ponnianman Koil St., situated at Kattur, Madras-85 (and more fully described in the Schedule and the state of the schedule and being the Competent Authority under Section 269B of the

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar Doc. No. 387 84 on April 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri P Palanitamy, No. 3, New Giri Extension Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt, Nita Joseph, No. 22, Ponniamman Koil St., Kottur, Madras-85.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 22, Ponniamman Koil St., Kottur, Madras-85. (Ground floor house of Block E.1 with one-halt undivided interest of land).

Doc. No. 387/84[Advar.

PRFMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Madras.

Date: 22-11-84

(1) Syed Azeem and Malika Bi No. 11, Katim Mohideen Sahib Street, Chimadripet, Madras 2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. Jayachandran, 12, Dawood Sahib Street, Narasingapuram, Madras-2.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 26th November 1984

Ref No. 57|April, '84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. O.S. No. 171, R.S. No. 3361|5, situated at Triplicane, South Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 and Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 212|1984) on April 1984

on April 1964
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at O.S. No. 171, R.S. No. 3361|5, Triplicane, Madras-Document No. 212|1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 26-11-84

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 26th November 1984

Ref. No. 66 Amil, 84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair represent the second large and the said Act.) able property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Door No. 4, First Main Road, situated at Karpagam Gardens, Adyar, Madras-20

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. No. 390 1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely; --

72-396GI/84

(1) Sri S. Sundararajan, No. 4 First Main Road, Karpagam Gardens, Madras 20.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Rangarajan, 2 Mrs. Shonth No Mrs. Shouth Narayanan, No. 34, Sarayana Mudali Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 4, First Main Road, Karpagam Gardens, Adyar, Madras-20-Doc. No. 390 1984).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 26 11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th November 1984

Ref. No. 32|April, 84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R.S. No. 42 1 & 2, G S.T. Koad, situated at Guduvancheri-603202

Gund more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tambaram, Madras (Doc. No. 2417|1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri N. Subbiah,
 Sjo Shri Nachiappa Chetiiar,
 No. 10. Venkataswamy Reddy,
 Srinivasa Nagar, Madias-600 063.

(Transferoi)

(2) Shri P. Muthukrishnan, Managing Director, Tangas Private Ltd., 761, Twentyninth Street, Korattur, Madras-600 080.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at RS No. 42|1 & 2 G.S.T. Road, Guduvancheri 603 202, Tamil Nadu State—Document No. 2417;1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 28-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th November 1984

Ref. No. 39 April, 1984 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 1210. Bobbiliraja Road, situated at

K.K. Nagar, Madras-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. No. 1076 1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .--

(1) Shii G. Muthurangalah, C-3, I Avenue, Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Mrs. Geetha Sampoth, No. 46|3, M.I.G. R. K. Shanmugham Road, K.K. Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 1210, Bobbliraja Road, K.K. Nagar. Madras-17-Document No. 1076 1984).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IF Madras-600 006 (in-charge)

Date: 29-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 108/April, 1984/R.II.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 144[1.]2, Papanasam situated at Tanjore Dt. (and more fully described in the schedule annexed here(o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Papanasam (Tanjore Dt.) Doc. No. 259[84 in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. N. S. Subramanian, Slo Sri Sandaresa Iyer.
 - 2. Smt. S. Mathuram
 Wo Sri N. S. Subramanian
 No. 7, V. C. Garden, I Street,
 (First Floor),
 Madras-28.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Mumtaj Begam, Wlo Mr. Y. Bakkir Md. Ginna Street, Rasigiri.
 - Habeeb Animal,
 Do Late Mookanan Abdul Khader Rowther,
 Kasinila Street, Rasigiri.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and Building at S. No. 144₁L₁2, Papanasam (Tanjore Dt.— Document No. 259[84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 6 April, 1984 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

and bearing
No. 85, Ayambakkam Village, situated at
(S. No. 6]3 & 6[4A), Madras,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ambattur, Madras (Document No. 1654 & 1655]1984)
in April 1983 in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Shri M. S. Rajagopal, Slo Shri M. K. Srinivasan, 5, Krishna Iyer Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Nitco Terrazzo Tiles Pvt, Ltd. No. 9, 3rd floor, Geni Building, Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovably property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.'

THE SCHEDULE

(Land and building at S. Nosl6|3 & 6|4A, Door No. 85, Ayambakkam Village, Madras-Document No. 1654 & 1655 1984).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Data:: 30-11-1984 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 9|April, 1984|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing S. No. 347, Konnur Village, situated at Villiwalkam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annbattur, Madras (Document No. 1754|1984) in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri P N. Santhanam Chettiar, 30 A. Mavunasamy Madam Street, Villiwalkam, Madras-49.

(Transferor)

(2) R. Rajeswari, 21|A, Peroli Lane, North High Court Colony, Villiwalkam, Madras-49.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 347, Konnur Village, Madras
--Document No. 1754|1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 19 April 1984 R.H.-Whereas, I,

PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

property naving a fair market value exceeding Rs. 25,0005 and bearing
No. 31, Natesa lyer Street, situated at
T. Nagar, Madras-17 (T.S. No. 5592)
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras-17 (Document No. 347 1984) in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri P. R. Srinkyasan and others, Natesa Iyer Street, T'Nagai, Madras-17.

(Transferor)

(2) M/s S. C. Sharambalam Nadar & Sons, 11, Venkatachala lyer Street, West Mambalam, Madras-33.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land situated in No. 31, Natesa Iyer Street, T' Nagar, Madras-17-Document No. 347/1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-U Mudras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 30th November 1984

Ref. No. 25 April, 1984 R.H.—Whereas, I, FRFM/ MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 296B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing

D. No. 16, Parthasarathypuram, situated at North Theagaraya Nagar, Madras-17

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T'Nagar, Madras (Document No. 374 1984) in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri C. Dayananthan, No. 16, Parthasarathypuram, North T'Nagar Madias-17.

(Transferor)

 1. S. Vijayasarpthi
 2. S. Varalakshmi
 No. 14 Giri Road, T'Nagar, Madrae-17.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 16, Parthasarathypuram, North T'Nagar, Madras-17—Document No. 374,1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-It
Madras-600 006 in-charge)

Date: 30-11-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 30|Aptil, 1984|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 22, Yogambal Street, T'Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T'Nagar, Madras (Doc No. 449|1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

73~-396GI/84

(1) Sri Agastyar Trust, 234, Mint Street, Madras-600 003.

(Transferor)

(2) Sri A. Kodanda Rami Reddy, No. 6, Park Side Street, Lake area, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at S. No. 22, Yogambal Street, T'Nagar, Madras-17—Document No. 449[1984].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRA\$-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 31|April, 1984|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

T.S. No. 9039 as per Patta situated at No. CA 66/81-82, B. No. 130, T'Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration: Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T'Nagar, Hadras-17 (Doc. No. 463|1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Di. T. K. Ramamurthy, New No. 15, Damedara Reddy Street, T'Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri A. S. Jagamatha Rao, No. 22, Thandavaraya Gramani Street. Washermanpet, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T.S. No. 9039 as per Patta No. CA 66[81-82, dated 25-8-1981-B. No. 130 in TNagar, Madras-17-Doc. No. 463 84).

> PREMA MALINI VASAN Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

'ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 30 April, 84 R.II.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be at the immovable and the income a fair market value exceeding Res. 25 000/s property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Door No. 32, Clemens Road, situated at

Purasawalkam, Madras, and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at Puraswalkam, Madras (Document No. 720/1984) in April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. Rajia Shaji, 12, Spur Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mr. C. Rajendran, 20, Ayya Mudali Street. Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days. from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 32, Purasawalkam, Madras-Document No. 720 1984).

> PREMA MALINUVASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Il Madras-600 006, (in charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 49 April, '84 R.II.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Door Nos. 497 & 498, Poonamalli situated at High Road, Arumbakkam, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Kodambakkam, Madras (Document No. 906|1984) in April 1984.

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand I have reason said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) 1, P. S. Nandagopalan, 2. P. N. Vijayakrishnan, 3. Vizya Lakshmi, all are residing at No. 33, Mandapam Road, Kilpauk, Madras-10. (Transferor)

(2) 1. Jothi Swaminathan, 2. Dr. Shantha Swaminathan.

Jothi S. Parthasarathy,
 Jothi S. Kalyankumar,

all are residing at Door No. C-64, Anna Nagar, Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door Nos. 497 & 498, Poonamallee High Road, Arumbakkam, Madras-Document No. 906

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd December 1984

Réf. No. 53 April, 84 R.H.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land and building at Door No. 142, situated at Nungambakkam High Road, Madras-34. (and more fully, described in the Scheduled annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Thousand Lights, Madras (Document No. 151|1984)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Continental Builders (Madras), No. 142, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) M|s. Stic Travels, Hotel Imperial Janpath. New Delhi-110 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 142, Nungambakkam High Road, Madras-34-Document No. 151 1984).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 55 April, 84 R.II.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. R.S. No. 126 5 Part, situated at Nungambakkam, Madras-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at Thousand Lights Madras (Document No. 202 1984) in April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. R. Saraswathy,
 2. Krishnamurthy,
 12. Mandaveli street,
 Madras-28.

(Transferor)

 Mr. S. A. Husain Arifa, 36, Devaraja Mudali street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land in R.S. No. 126|5 Part, Nungambakkam, Madras-34—Document No. 202|1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006
(in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Trichy-3.

(Transferor)

(2) Smt. S. Neela, W|o Shri S. Sethuraman, 3. Thillai Nagar, Trichy.

The R Subramanian.

So shi P. Ramalingain Chertlar, No. 24, Ro. Shinga Nagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

HMadras-600 006, he 30th ..ovember 1984

Ref. No. 89 April, '84 R.II.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN.

being the Competent Authority under Section 269B' of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fain market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No Property registered under Document No. 771|1984 at 00raiyur (Trichy)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Resistantian Art 1908, (16 of 1908) in the Office of t

Oraiyur (Trichy) in April 1964, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land registered under Document No. 771 1984 at Oraiyur (Trichy).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1984

Ref. No. 92 April. 84 R.II.—Whereas, I PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beating No.

No. R.S. No. 252, Nilagiri, Tanjore Tk. situated at Tanjore Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

(and more fully described in the Schedule annexed pereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at Tanjore (Document No. 628 & 629|1984) in April 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Y. J. Natchathiram, Wo Mr. S. P. Jerome, 2509[3A, Pookura Street, Tanjore.

(Transferor)

 Mr. B. Srinivasan, Slo Mr. Balakrishnan,
 Sclvam Nagar, Taniore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at R.S. No. 252, Nilagiri, Tanjore Tk.—Document Nos. 628 & 629[1984].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 4-12-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1984

Ref. No. 100/April 84/R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

No. R.S. No. 41-5, C. No. 1671|96|1 situated at Sediapet village, Pondicherry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of he registeraing Officer at Villianur (Document Nos. 346, 347, 348 & 349 1984) in April 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
74—396/84

 Smt. Lakshmamabay, Wo Late Narayanasamy Naidu alias Kumarasamy Naidu Sediapet village, Pondicherry.
 Mr. Poonaji Naidu. Sediapet village, Pondicherry.

(Transferor)

(2) M/s. Lotus Roofings Pvt. Ltd. No. 107, 3rd Cross Venkala Nagar, Pondichery-605 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land in R.S. No. 41-5—C. No. 1671|96|1, Sedia-pet village, Pondicherry—Document No. 346 to 349|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 4-12-1984

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th December 1984

Rcf. No. 101/Apr.l. '84|R II.—Whereas,fi I PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000- and bearing

Rs. 25.0001- and bearing
No. C. No. 241|1B, (R.S. No. 119|3), 241|3B situated at
C. No. 241|2, (R.S. No. 119|3), C. No. 241|4|1B
(R.S. No. 119|3) Villianur village, Thuthipet,
and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Villianur (Pondicherry) Document Nos 350 to 353|1984) in April 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability will the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sakt Act, I hereby initiate discreedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, vamely:

Mr. Ganesan,
 Slo Mr. Arumuga Mudaliar,
 No. 86, Mahatma Gandhi Road,
 Muthialpet, Pondicherry-3.

(Transferor)

(2) Mr. Sadananda Rao, Slo Late Mr. C. Siva Rao, Managing Director, The Venhex Agro Industries Pvt. Ltd. 22. Soundrapandian Salai, Ashok Nagar, Madras-600 083.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressinos used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Agricultural lands at C. Nos. 241|1B. 241|2, 241|3B & 241|4|1B. Resurvey No. 119|3, Villanur village, (Pondieherry)—Document Nos. 350 to 353|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 4-12-1984

Scal:

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME (TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1984

Ref. No. 104|April, 84|R.II,---Whereas, I. PREMA MALINI VASAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

and bearing.

No. 7th Cross street, Rainbow et., situated at Pondicherry, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozhugarai (Pondicherry) (Document No. 817/1984) in April 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeadd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:---

(1) Mr. Thambu Malla Ramalingam. 9th Cross street, Rainbow Nagar, Pondicherry-11.

(Transferor)

(2) Ma. Ganapathy, 73. Monthorsio street. Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Greette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at 7th Cross street, Rainbow Nagar, Pondicherry).

(Document No. 817]84-85).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006 (in-charge)

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

*ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 110 April, 84 R.H.—Whereas, I. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing
No. Land at T.S. Nos. 15-A, 16, 18, 19 & situated at
20, Punjailakkapuram, Erode Taluk, Periyar District,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at

Erode (Periyar Dt.) Document Nos. 1522 & 1523|1984 in April 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. C. Angamuthu Mudaliar, So Shri K. Chinnappa Mudaliar,
 - 2. Smt. A. Thanayee Ammal, Wo Shri C. Angamuthu Mudaliar,
 - Shri A. Sivanandam, Slo Shri C. Angamuthu Mudaliar No. 2, Muthuvelappa Gounder Veedhi, Erode.

(Transferor)

(Transferee)

 Shri J. Suthanandan, Slo Shri M. Jagannatha Mudaliar, President, Erode Weavers' Co-operative Production and Sale Society Ltd. Erode.

.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T.S. Nos. 15-A, 16, 18, 19 & 20, Punjai Lakkapuram village, Erode Tk. Periyar Dt.—Document No. 1522 & 1523 [1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006 (in-charge)

Date: 30-11-1984

FORM ITNS

(1) Shri K. Jayaraman, B.Sc., B.L., Executive Officer, Shri Viruthakresewarar Devasthanam. Virudhachalam,

(Transferor)

(2) Shri Natesa Chettiar, So Shri Veerappa Chettiar, South Kottal Street, NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Virudhachalam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1984

Ref. No. 114 April '84 R-II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Re-Survey No. 263|1, South Kottai situated at Street, Viruthachalam (South Arcot Dt.)

Perul Baug, Aarey Road, Goiegaon (E), Bombay-63
(and morefully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer

t Viruthachalam (South Arcot Dt.) Document Nov. 228 8.

at Viruthachalam (South Arcot Dt.) Document Nos. 838 & 839|4 in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforescaid property by the issue of this notice under the section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as ure defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. 263|1, South Kottal Street, Virudhachalam, Document No. 838 & 839|1984.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006 (in-charge)

Date : 6-12-1984 Seal :

FORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 122 April, '84 R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 26, Railway Station Road, situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at at Pollachi (Document No. 730/1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such consideration in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kubendran Chettiar, Slo Shri Sundaram Chettiar, 42, Chowltry Street, Pollachi.

Madras-600 006

 Shri N. Palanisamy Chettiar, Slo Shri Nachimuthu Chettiar,
 Thanthai Roviyar Veedhi, Pollachi.

(Transfered)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 26, Railway Station Road. Pollachi, Document No. 730|1984.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600006
(in-charge)

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1984

Ref. No. 145|April, '84|R.M.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|-and bearing

and bearing
T.S. No. 9|396, 398|4, (Door No. 10), situated at Ramnagar.
Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at at Coimbatore (Document No. 1508/1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not beer or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H. Venkataraman, So Late Mukundiah, No. 10, Sengupta Street, Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) Dr. K. Ranganathan, Slo Shri S. Kalyanasundaram, No. 1, 8th street, CHB Colony, Tiruchengode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 10, (T.S. Nos. 9|396 & 398|4). Ramnagar, Coimbatore, Document No. 1508|1984.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006
(in-charge)

Date : 5-12-1984

FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1984

Ref. No. 147|April, '84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 6|37 Part New T. S. No. situated at 1|1359 Part, Puliankulam village, Race Course Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registerinfg Officer at at Coimbatore (Document No. 1540|1984) in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- o) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Sadagopal Naidu, Slo Shri N. Venkatasamy Naidu, No. 6|37, Race Course Coimbatore Town

(Transferor)

(2) Shri P. S., Natarajan, Slo P. S. Shanmugham, No. 37, Race Course Road, Coimbatore Town

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXVLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 6|37 Part, T. S. No. 1|1359 Part, Puliankulam village in Race Course Road, Coimbatore Document No. 1540/1984.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006
(in charge)

Date: 5-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1984

Ref. No. 148 April, 84 R.II Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable ns the said Act 7, have reason to believe that the liminovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-No. T. No. 1|1314, (Old T. S. No. 311|5), situated at Trichy Road, Coimbatore Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Coimbatore (Document No. 1545/1984)

in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

75-396 GI/84

(1) Shri S. Rarakrishna Naidu, Slo Shri Sami Naldu. 8 4, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri M. R. Devarajan, So Shri V. C. R. Raju Naidu, G. R. V. Lay Out, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

T. S. No. 1/1314 (Oold T. S. No. 311/5), Trichy Road, Coimbatore, ocument ..o. 1545/84.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006 (in-charge)

Date: 5-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th December 1984

Ref. No. 150/April, '84/R]II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 18, Sellappa Gounder St., situated at Kattur, Combatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 993/1984)

in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

(1) Shri T. V. Ramamurthy, Sjo Shri T. N. Ramamurthy, Door No. 15. (Ward No. 9). Desabandu st., Coimbatore.

(Transferor)

(2) 1. Sint. Amalorbhalathammal, Wlo Shri Swaminatha Pillai,

 Snri S. Swaminatha Pillai, Door No. 18, Sellappa Gounder St., Kattoor, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later)
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 18. Sellappa Gounder Street. Kattur, Coimbatore, Document No. 993|1984

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1984

Ref. No. 151/Apri, '84/R.II.—Whereas, I, PRMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. Property in Desabandu street, situated at Ram Nagar, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Colmbatore (Document No. 994|1984)

in April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itanility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or an) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri T. V. Ramamurthy, So Shri T. N. Venkittarama Iyar. No. 15, Desabandu Veedhi, Ranangar. Coimbatore.

(Transferder)

(2) Shri S. Arputham Pillai, So Shri Soosalappa Pillai, Dr. No. 29, Mill Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in Desabandhu street, Ramnagar, Coimbatore, Document No 994 1984

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006 (in-charge)

Date : 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1984

Ref. No. 152/April, '84/R|II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door No. 11/15, Desabandhu street, situated at Coimbatore Town

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of registering Officer at Coimbatore (Document No. 995 1984) in April, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefore by more. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri T. V. Ramamoorthy. 7/o Shri T. N. Venkatarama Iyer, 15, Deşabandhu Street, Ramnagaar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. M. J. Bernath, Wlo Mr. Stephen, Fernando, Jeevanantham Road, Rathnapuri, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intraovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 11/15, Deshbandhu street, Ramnagar, Coimbatore, Document No. 995/1984.

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006 (in-charge)

Date : 6-12-1984 Seal :

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri M. Ponnuswamy, Slo Shri K. Mylswami, 135, V. K. K. Menon Road, Siddhapudu, Coimbatore.

(Transferor)

Shri R. Kesielal,
 So Shri R. K. Lulla,
 14-F, Ansari Street, Ramnagar,
 Coimbatore.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th December 1984

Ref. No. 159/April, '84/R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. T. S. No. 8/995/C, Covoley Brown Road, situated at Computers.

Coimbatore

(and more fully described in the scheme annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1098) in the office of Registering Officer

at Coimbatore (Document No. 1848 1984) on April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land at T. S. No. 8|995|C. Covoley Brown Rd., oimbatore-9, Document No. 1848/1984.

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006 (in-charge)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 30th November 1984

Ref. No. 165 April, '84 R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property in R. S. Nos. 691 & 692, situated at Coonoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been treasferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Coonoor (Document No. 365|1984) on April, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the act, to the following persons, namely:—

Sri M. B. Bajan,
 Slo Shri M. M. Bellia Gowder,
 Arashally, Melur

(2) Shri V. .K. Jayaprakash, Slo Shri N. Krishnan Nair, Langleigh, Coonoor (Transferor ¥

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saids.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at R. S. Nos. 691 & 692, Coonoor. Document No. 365 984.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600006 (in charge)

Date: 30-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madriss, the 6th December 1984

Ref. No. 166|April, '84|R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reasn to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. S. Nos. 999, 1002 1, Coonoor Town situated at Coonoor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Coonoor (Nilgiris) (Document No. 470]1984)

on April, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. D. Samu, Wo Shri P. K. Doralswamy, Craigmore Estate, Kullacombay (Nilgiris)

(Transferor)

(2) The Managing Director, Ms. Tea Service India Pvt. Ltd., Coonoor (Nilgiris)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at S. Nos. 999 & 10002|1, Copnoor—Document No. 470|1984).

PREMA MALINI VASAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
(in-charge)

Madras 600 006

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 30th November 1984

Ref. No. 167 April. '84 R.H.—Whereas, I, Ref. No. 167|April. '84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. Agricultural Land situated at S. No. 97|7; 97|10; 94|4 and 97|12, Yedapally Coonoor Tk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer. of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Nilgiris) Document No. 451|1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Y. B. Mathan Slo T. Belli Gowder 2. M. Lingan 3. M. Bojan 4. M. Raja, Sio Y. B. Mathan All are residing in Yedapalli village & P.O.

(Transferor)

(2) 1. M. B. Nanjan, So S. Belli Gowder. Kamala Nilayam, Kelso Road, Ootacamund B. Lakshmi, Wo Y. B. Ramakrishnan, Yedappalli village, Nilpiris.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Lands bearing S. No. 97|7; 97|10; 94|4 & 97| 12, Yedapally, Coonoor Tk. Nilgiris—Document No. 451| 1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (in-charge) Madras 600 006

Date: 30-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 30th November 1984

Ref. No. 168 April. '84 R. II.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
R. S. No. 371 3.93 acres of (Agricultural lands)
situated at Nilgiris

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Coonoor, (Document No. 631|1984) on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following nersons, namely :-- 76-396 GI/84

(1) Şri S. Girirai, So Sri Subba Rao, Planter, Manjacombai, Nilgiris.

(Transferor)

(2) Mr. P. T. Varghese, Slo Mr. P. V. Thomas, Businessman, 1|600, Kottavallappu, Cochin-I. (Kerala State)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the maid immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.93 acres of (Agricultural lands in R. S. No. 371, Nilgirs-Document No. 631|1984 registered at Coonoor)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (in-charge) Madras 600 006

Date: 30-11-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 173 April. '84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing T. S. No. 440 31, Bangara Road situated at Extension, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tirupur (Document No. 951 1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shii M. Subbaraya Gounder, So Shri Muthusamy Gounder
 Shri S. Viswanathan
 Shri S. Palanisamy
 Murugappa Palayam Extension, Tiruppur.

(Transferor)

 Mr. A. Jayasingh, So Ramdas Dasargi, Linge Gounden street Extension, Tiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land in T. S. No. 440|3|1 Bangara Road Extension, Tinuppur-Document No. 951|1984)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
(in-charge)
Madras 600 006

Date: 5-12-1984

Sea1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri T. A. Palanisamy, Shri P. Kumaravel Shri P. Prabakaran Thettakurichi village, Karur Tk, (Trichy Dt.)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRA\$-600 006

Madras, the 30th November 1984

Ref. No. 174 April. '84 R.H.—Whereas I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Re-Survey No. 665, LNS Village, situated at Karur Tk. Trichy District (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Karur (west), Document No. 894 1984 on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri K, Chandrasekaran, Managing Director M|s, P. Kaliappa Gounder Textiles, Karur (Trichy Dt.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Re-survey No. 665, LNS Village, Karur Tk., Document No. 894|1984.

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
(in-charge)
Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 30th November 1984

Ref. No. 175 April. '84 R.H.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No.

S. Nos. 426, 435 A, situated at L. N. S. Village, Karur Tk., (Trichy Dt.)

(and more fully described in the Schedule mnexed hereto),

hase been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

at Karur (West) (Document No. 916 1984) on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Rengasamy Gounder So Shri Kalaimma Gounder, 2. R. Kandasamy 3. R. Ramasamy, Sengundapuram Main Road, Karur (Trichy Dt.)

(Transferor)

(2) Shri E. Subbarayan, Partner. M|s. Anand Plastic Industries, 7-E, Sengundapuram, 1 Cross, Karur (Trichy Dt.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at S. Nos. 426 & 435|A, L. NS. Village, Karur Tk. Trichy Dt. Document No. 916|1984)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (in-charge) Madras 600 006

Date: 30-11-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 4th December 1984

Ref. No. 184|April, '84|R.H.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

rnd bearing
T. S. No. 314/1C, 874/B, Kasikatha
situated at palayam village, Mettupalayam TK, Nilgiris Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mettupalayam (Document Nos. 739 to 741 1984)

in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

(1) Mr. Poraiah alias Sivaraj, Kasikathampalayam. Mettupalayam Town

2. Mr. Pasuvaraj

 Mr. Pasuwnaj
 Mrs. Indirani Gopalakrishnan
 Wo Mr. Gopalakrishnan
 Mrs. Jayashree Shankar
 Mrs. Sripriya Krishnamurthy
 Nos. 3,4, & 5 represented by Mr. Poraiah, their agent

(Transferor)

(2) Shri R. Mani, Slo Mr. Namasivayam Pillai, 16.10, Mahadevapuram 4th street, Kasikathamyalayam village, Mettupalayam (Nilgiris Dt.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at T.S. Nos. 314|1-C 874|B, Kasikathampala-yam, Mettupalayam (Nilgiris Dt.) Document Nos. 739, 740, 741|1984)

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II (in-charge) Madras 600 006

Date: 4-12-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

MADRAS-600 006

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 204 April, '84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

O.S. No. 572, Kalapatti, situated at Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Document No. 1362 1984) on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Selvarathnam
Who Jate Mr. A. Nandgopal,
East street, Mookkuperi (P.O.)
Tirunelveli District.

(Transferor)

(2) Mr. P. G. Jayagopal, Slo Mr. Rayaar R. Guruswamy Naidu, Civil Acrodrome Post, Avanashi Road, Foimbatore-14.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that.

Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant land at T. S. No. 572, Kalapatti, Coimbatore—Document No. 1362 1984)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
(in-charge)
Madras 600 006

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 206 April. '84 R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. G.S. Nos. 197, 198 & 200|2, situated at Sanganoor village. Tatabad 11th street, Coimbatore Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registering Act, 1908 (16 of 1908 the Office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Document Nos. 1364 & 1365 1984 on April, 1984

on April, 1964 for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- . (1) Mrs. G. Sarojini Srinivasan, Wo Late Shri S. R. Srinivasan, 2. Mrs. Thillai Rani, Wo Mr. B. Nagrarajan 3. Meera Rani Dio Late S. R. Srinivasan
 4. Mr. S. Kasturirangan &
 5. Mr. S. Ganesan
 sons of late Shri S. R. Srinivasan No. 72, Sarojini street, Ramnagar, Coimbatore-9. (Transferor)
 - (2) M|s. K. T. Venkatarama Reddi & Co. No. 11|3-9, Raja street, Kolathur, Mettur Tk. (Salem Dt.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at G. S. Nos. 197, 198 & 200/2, Sanganoor village, Tatabad 11th street, Coimbatore TK Document Nos. 1364 & 1365 1984)

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-12-1984

(1) Mrs. Nagammal, Wo Mr. T.R. Mahalingam, Dindigul Road. Trichy

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha, W/o M. Muthukrishnon, Rakins Road, Trichy.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 207 April, '84 R.II.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

T.S. No. 2 (Plot No. 35) Ward 'K' situated at Trichy Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy (Document No. 2036/1984 on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Vacant site at T. S. No. 2 (Plot No. 35), Ward 'K' Trichy Town-Document No. 2036 1984).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006.

Date: 5-12-1984

Sen1 :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. 208 April, 84 R.H.—Whereas, I, FREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000—and bearing

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing T. S. No. 2/61, Block No. 29, situated at Ward 'K', K. Abishegapuram village (Trichy) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Registering Officer at Trichy (Document No. 1183 1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforegaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -77—396 GI/84

 Mr. Madanlal, S|o Shri Chanshamdas, No. 97, White Bell street, Trichy-8.

(Transferor)

 Shri Ompracash, S|o Shri Chanshamdas, No. 97, White Bell street, Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land at T. S. No. 2|61, Block No. 29, Ward 'K', K. Abishegapuram village (Trichy) Doc. No. 1183 84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 5-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 194|April, 84|R-II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000. Door No. 74, Arya Gowder Road Extn. situated at West Mambalam, Madras-33, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

at Madras Central (Document No. 381 1984) on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the consideration with the object of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration with the object of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration and that the consideration has not been truly stated in the said instrument of the consideration and that the consideration has not been truly stated in the consideration and that the consideration has not been truly stated in the consideration and the consid

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Mrs. N. Srimathi, Wlo Mr. F. N. Natarajan, Plot No. 486, 17th street 4th Sector, K. K. Nagar, Mudras-78.

(Transferor)

 R. Srinivasan
 R. Veerargahavan
 So Mr. S. P. Ramaswamy 28, Giri Road, Madras-17.

R. Parthusarathy,
 R. Krishnan
 Sons of Mr. S. P. Ramaswamy,
 No. 28, Habibullah Road,
 Madras-17.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 74, Arya Gowder Road Extension, West Mambalam, Madras-33 Document No. 381/1984)

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date : 10-12-1984

Seul:

FORM ITNS----

 Smt. Andalammal & Others, No. 6, Balakrishna Road, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 (2) M|s. Swilt Construction Consoritium Pvt. 1.td., Flat No 5, Vacha Apartments,
 4, Sterling II Cross street Madras-34.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th December 1984

Ref. No. 193|April, 84|R.H.—Whereas, 1, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 262B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 5 ,Balakrishna Road, Mylapore, situated at Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer.

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central (Document No. 370|1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 5, Balakrishna Road, Madras-4, Document No. 370[84].

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 11-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th December 1984

Ref. No. 193 April, 84 R.II.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 & 7, Abbiramapuram street,

situated at Mylapore, Madras-4.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer

at Madras Central (Document No. 371|1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) I. Smt. B. R. Andal Ammal, Wife and sons of Mr. B. R. Bantulu

2. Ravi Shankar

Wife and sons of Mr. B. R. Bantulu 3. Vijayalakshmi Wife and sons of Mr. B. R. Bantulu

(Transferor)

(2) J. K. Krishnaveni 2, K. Sarayanan

3. Murugesan

4. Rajasekaran (K) Sons of P. Kothandaraman, No. 121, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Door No. 1 & 7, Abhiramapuram street, Mylapore village Madras-4, Document No. 371/1984).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date . 11-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION 'RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 11th December 1984

Ref. No. 193 April, 84 R.II.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Door No. 19-C, Warren Road,

situated at Madras (Document No. 372 1984) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Document No. 372/1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the andlor
- (b) facilitating the concealment of any income er any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of this notice under subing, persons, namely :-

(1) Smt. B. R. Andal Ammal & Others, Wo and children of B. R. Panthulu, No. 6, Balakrishna Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) 1. K. Chanrika Rama, wife of P. Kothandaraman
2. K. Raja, S|o Mr. P. Kothandaraman
No. 124, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door No. 19-C, Warren Road, Madras, Document No. 372 1984).

> PŘEMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 11-12-1984

Smt. S. Sethu, Wo Mt. AR. Vedanayagam, No. 1 (New No. 6), First Cross Road, Raja Annamalaipuram, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Dr. S. Muthiah 2. Dr. S. Viswanathan Both are residing at No. 18, Ramanuja Nagar, Ayanavaram, Madras23.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 192|April, 84|R.II.—Whereas, J. PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

R. S. No. 3940|3 & 3940|13 in situated at Mylapore village, Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Madras Central (Document No. 338 1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at R. S. No. 3940|3 & 3940|13 in Mylapore village, Madras, Document No. 338|84).

> PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

_ with a refugered consistent and a second control of the control

GOVERNMENT OF INDIA

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 191|April, 84|R.H.-Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Door No. 3, Appaswamy street,
situated at T'Nagar, Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Document No. 329 1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesing exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:-

(1) M1s. J. Durganandini Devi, Wlo Late J. V. Bhaktajeevan Rao, 3, Paul Appaswamy street, TNagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs . M. R. Radhika alias Radhika Pothen, Wo Pratap K. Pothen, 4, Shreyas Apartments, Srinagar Colony, Madras-15.

(Fransferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(land and building at Door No. 3, Appaswamy street, TNagar, Madras-17, Document No. 329|84).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 186 April. 84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Door No. 477 to 484, Mount Road, situated at Nandanam, Madras-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Document No. 951|84) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Khivraj Motors Ltd., 623, Mount Road, Madras-600 006.

(Transferor)

(2) Mysore Sales International Ltd., 36, Canningham Road, Bangalore-560 062.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door Nos. 477 to 484, Mount Road, Nandanam, Madras-35, Dooument No. 951 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. K. Sundaram,
 Mr. K. Rangaswamy
 Old Trunk Road,
 Pallavaram, Madras-43.

(Transferor)

(2) Mr. P. Ramesh, Camp No. 13, Old Trunk Road, Pallavaram, Madras-43.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 183/April, 84/R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Door No. 13, Old Trunk Road, situated at Pallavaram, Madras-43. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram, Madras-43 (Document No. 1306|1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

April, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

78—396GI]84

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at (S. No. 15|2) Door No. 13, Old Trunk Road. Pallayaram. Madras-43. Document No. 1306|84).

PREMA MALINI VASAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISTITON RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 27 April, 84 R.H.—Whereas, I, PREMA MALINI VASAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Door Nos. 33 & 34, Basullah Road,

situated at 'C'Nagar, Madras-17.

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T'Nagar, Madras (Document No. 428|1984) on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Not., 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said her I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Jayanthi, Plot No. 33 & 34, Basullah Road, T'Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) M. Jothiprakasam, 8|1, Madley Road, T'Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Door Nos. 33 & 34, Basullah Road T'Nagar, Madras-17, Document No. 428|1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 10-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th December 1984

Ref. No. 2|April, 84|R.II.—Whereas, I, PREMA MALINT VASAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 295, 7th Sector, 38th street, situated at K. K. Nagar, Madras-78 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central (Document No. 299|1984) on April 1984 for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. B. Arumugam Chettiar, No. 35, Ranganathan street, T'Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mr. C. Murugesan, Father and Guardian of Minor Vijayalakshmi, No. 38 Sarojini street, T'Nagar, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Plot No. 295, 7th Sector, 38th street K. K. Nagar, Madras-78, Document No. 299 1984).

PREMA MALINI VASAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madias-500 006.

Date : 10-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3155 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shop No. R. 3103, Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-4-1984

for an apparent consideration which is less than the vair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ramanlal Jaswantlal
Partner Suryakant Ramanlal
Power of Attorney Holder
Hasmukhlal Ranchhoddas, Saddiwala,
Navapura, Dalia Sheri,
Surat.

(Transferor)

- (2) 1. 'Rohera Sons' Prakashchandra Arjunlal
 - Mulchand Arjunlal At 117, Reshamwala Market, Ring Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is registered S. R. Surat vide No. 3646 Dt. 27-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 17-11-1984

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

«Ref. No. P.R. No. 3156 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 3165 of Block No. Z-1 Surat Textile Market, Ring Road, Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surar on 25-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s Bharat Silk Mills, Prop. Shri Keshavlal Mohanlal, 3|2071, Salabatpura, Vachali Sheri, Surat.

(Transferor)

 Pawakumar Bankeyrai Jain
 Smt. Sarojbala Pawakumar Jain, Both. at Salabatpura, Sidhi Sheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd, at S.R. Surat vide No. 3508 Dt 25-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3157 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. R. S. No. 46, Umara, Mathuresh Nagar Co-op. Hsg. Socy. Umara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat on 11-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Javshriben Dilipkumar Bhavsar. At No. 26, Mathuresh Nagar Co.op. Hag. Socy., Majura, Surat.
- (Transfero*)
 (2) Shi i Sanjeev Ramoshchandra,

Panwala, Navapura, Daliya Hheri, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3126 Dt: 11-4-1984.

G. K. PANDYA
Compeent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 17-11-1984

Scal:

*NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedahad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3158 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Ward No. 6, Mahidharpura, Pipla Sheri, Surat (and more fully described in the Schedule annexeá hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Surat in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- nb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

 Nasanbhai Bhavanbhai Trikam Nagar Soey, Lambe Hanuman Road, Surat.

(Transferor)

(2) Kantilal Bhagubhai Patel, Chhapara, Bhatha, Tal. Choryashi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2406 April ,1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Hundloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 17-11-1984

FORM ITNS ...-

(1) Bhagubhai Ranchhodji Desa, Rampura, Dagaliya Moholo, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ganeshbhai Becharbhai Patel Bunglow No. 35, Hans Socy. Varachba Rd.,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009; the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3159 Acq.23 H 84-85 .- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. No. 25,000|- and bearing

No. Bunglow No. 35 at Hans Socy, Bunglow No. 135 at Hans Socy., Varachha Rd., Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Surat on 24-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter. .

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 24-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road, Ahmedabad

Date: 17-11-1984

FORM LT.N.S.-

 Pravinchandra Ishwarlal Bachkawaniwala, Karta of HUF & Others, I at Darwaja, Gundi Sheri, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Kantilal Ishwarlal Bachkaniwala Clo Mls Vasant Dyeing & Printing Works, Lal Darwaja, Gundi Sheri, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3160 Acq.23[II[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot No. 2 Ward No. 7, Shed Rampura Ram Bag Shed,

Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 3426 Dt: 21-4-1984.

THE SCHEDULE

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashamadahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——79—396GI 84

Date: 17-11-1934

Seal i

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND 14 OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3161 Acq.23|H[84-85,-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

No. S. No. 439 paiki (Land) village: Dumas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

 Hasmukhlal Ghelabhai Patel, At Dumas Tal. Choryaşhi, Dist. Surat.

(Transferor)

 Narottam Lavjibhai Patel
 Shamjibhai Dhanabhai Patel
 A—100, G.T.D.C.—Khatodara, Behind Subjai, Khatodara, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The proprety is situated at Village. Dumas. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3158 Dt: 12-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road,
Ahmedabad

Date: 17-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3162 Acq.23 [11] 84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. R. S. No. 322|2 paiki village: Abrama Tal. Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valsad on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of -

(a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Jagdishchandra Balubhal Mehta & Ors. Tithal Road, Valsad.

____ _ __

(Transferor)

(2) Sidmak Taboratories (India) Pvt, Ltd. Director-- Shri Jitendrabhai Balubhai Desai, Valsad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The land is situated at Abrama. The document is regd. at S.O. Valsad vide No. 3004 Dt. 23-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road. Ahmedabad

Date: 17-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3163 Acq.23|11|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 801 to 808 'J' Bldg. Textile Market of India—Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 27-4-1984

on 27-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sanjcov Builders P. Ltd. Ring Road, Near Kinnery Cinema, Surat.

(Transferor)

(2) M|s Payal Enterprise C|o Swati Printers, Shop No. 21, Manmandir, Nanpura, Timlaiyavad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The form No. 37EE is submitted at the Office of the undersigned on 27-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-84

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3164 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. Shop No. G. 3314 Surat Textile Market, Ring Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Surat on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration wherefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Atul Productcy Ltd. Co. Chairman Shri Sidharth Kasturbhai At P.O. Atul, Tal. Valsad.

(Transferor)

 M|s Durlabhji Bagwanji Partner Hirachand Durlabhji and others, Dhobivad, Valsad.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2617 Dt: 2-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 14-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3165 Acq.23[II[84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter teferred to as the 'said Act',) have
reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
A-2 Godown Surat Textile Market, Ring Road, Surat
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Surat on 3-4-1984

which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Acr, to the following persons, namely :-

(1) Ramswaroop Charandas H-3272 2nd floor, Surat Textile Market Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Nandlal Silk Mills, Partner-Ramavtar Nandlal & Ors. At Chandavan Aptt. Majura Gate, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2937 Dt: 3-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 14-11-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMI-DABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3166 Acq.23[II]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Lad at Ddalpur Tal. Savli Dist. Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Savli on 24-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Manubhai Chunibhai & Ois. At Janipura—Udolpur Tal. Savli Dist: Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Rajkumar Jayantibhai Shah Indiraben Vasudev Dalvadi & Ors. At: Timba—Tal. Godhra Dist. Panchanahals.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an aimt. of Rs. 1,29,300]- in respect of land at Udalpur Tal. Savli Dist; Baroda, adm. 34 Λ 20G).

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistan Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3167 Acq.23 [11 84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Khandha Tal, Vagodia Dist. Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Vagodia on 11-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sh. Kiritbhai Bhailalbhai Patel Ganpatpura—Tal. Vagodia Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Shantilal Dahyabhai Patel Chief Promotorof Dharimagar Co.op. Socy. Clo Laxmi Studio-Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 55,751 in respect of land adm. 5 Acre—15 Guntha at Khandha Tal. Vagodia Dist; Baroda.

> G K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3168 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Flat at City Vibhag—Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Baroda on 27-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—396GI|84

(1) Shah Bhikhabhai Bhulabhai— D-29 Tara Bag—Church Road— Bombay.

(Transferor)

(2) Santramdas Chetaram Nihalani Sharda Socy, Varashia Co.A. 28 Baroda

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 80,000]- in respect of flat in City Vibhag Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-11-1984

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad; the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3169 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I,

Ref. No. P.R. No. 3169 Acq.23[11]84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat at Sayajiganj —Baroda (and more fully described in the schedule annexed hereto). (and more fully described in the schedule annexed hereto), had been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 5-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— Sh. Pratapsing Kundansing Jamdar authorised Sh. Rajnikant Ranchhodial Patel Clo Rajendra Pratapsing Jamdar Shivali Soey. Fateganj—Baroda.

(2) Sh. Rajendrasing Pratapsing Jamdar Shivali Socy.—Fateganj— Baroda,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveble property, within 45 days from the date the publication of this netice in the Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt, of Rs. 1,26,000|- in respect of flat at Sayajiganj—Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3170 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Bldg, at Raopura—Baroda No. 11 situated at Clive Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on 4-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ov
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Crecent Corporation through its partner
 Sh. Abdulgafar Abdulsatar Shramdeep Socy. Fateganj Baroda.

(Transferor)

 Rasidaben Sulemonbhai Clo Majid S. Meman Nr. Mandvi Behind Jamnabai Hospital Baroda,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticein the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Actahall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an aut, of Rs. 1,25,000; in respect of bldg, at Raopura Vibbag, Baroda.

G. K. FAMAYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 20-11-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3171 Acq.23[II[84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Shed at Samilal Dist. Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Baroda on 9-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Vijay Industries P. Ltd. Padra Road-Samiala-Dist, Baroda.

(Transferor)

(2) Apex Electrostatics
Vijay Industrial Estate-Padra Road-Samiala Dist: Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 72,709 in respect of Shed adm. 1010 sq. mtr. at Samiala.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, gamely :-

Date: 20-11-1984

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 20th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3172 Acq.23 II 84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the importance of the said Act's and the said Act's are said to be sai

of transfer with the object of :-

movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shed at Samiala Dist. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Baroda on 9-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Vijay Industrics Estate P. Ltd. Padara Road-Samiala Dist. Baroda.

(Transferor)

(2) Sh. Rameshchandra Sanghvi Karta of Samiala Metal Engg. Works Clo Apex Electrostatistics G.P.O. Post Box No. 46 Baroda 390 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 79,586/- in respect of shed adm. 716 sq. mtr. at Samiala Dist: Baroda.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 20-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3173 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 6 Bhojabhai's Sheri—Surat situated at Ganesh Bazar, Cloth Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat in April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objete of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Savitaben Kantilal & Ors. Mahidharpura—Bhojabhai's Tekro Surat.

(Transcrfor)

(2) Karunaben Vishnukumar Doriwala & Others— Begampura—Dudhara Sheri— Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S.R. Surat vide No. 2662 April, 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namey:—

Date: 17-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3174 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ward No. 13 Nondh No. 299
Shivam Aptt.—Flat No. 4
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Babulal Ambalai Patel-Shivam Aptt. Nehru Road, Athwa Lines—Surat.

(Transerfor)

(2) Nandlal Mansukhlal Member Ranpura-Main Road-Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vvide No. 3372 dated 19-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 26-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION.RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 26th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3175 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Ward No. Majura S. No. 87 Pursottam Aptt.—Goddod Rd. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Annapurnaben Arvindbhai Jariwala—Mahidharpura— Limbu Sheri—Surat.

(Transcrfor)

(2) Western Construction—
Partner—Madhubhai Damubhai Jadav—
At Aviskar Socy. Athwa Lines—
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property is situated at Surat. The documents regd. at S.R. Surat vide No. 3251 dated 16-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 26-11-1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Shanti Builders, Aianta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Dwarkadas Thakkar, NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961) 'Rewera' Behind Lat Bunglow, Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3176 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Office No. 629, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Surat. Form No. 37EE is submitted
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registrering Officer

1908) in the office of Registrering Officer

undersigned on 12-4-1984

at Surat

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submetted in the office of the undersigned in April, 1984,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followingersons, namely:— 81---396GI 84

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3177 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Office No. 434 Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road
Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the RegistrationAct, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

undersined on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following (1) M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade. Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) M|s. Pratima Traders, 12|1741, Vanki Bordi, Saiyadpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submetted in the office of the undersigned in April, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009 Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P. R. 3178 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Office No. 321, Ajanta Shopping Centre & Textile Arcade.

Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of Régistering Officer at undersined on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M|s. Shanti Builders.
Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Agrawal, 42-Ashok Nagar Socy., Athwa Lines, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the pervice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submetted in the office of the undersigned in April, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

(1) M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Paragon Textiles, 4-First Floor, Laxmi Chambers, Opp: Rupam Talkies, Salabatpura,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3179 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 543, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Surat. Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submetted in the office of the undersigned in April, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

Date: 27-11-1984

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3180 Acq. 23/Π/84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing Office No. 323 Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road.

Surat.

Form No. 37EE is submitted

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oillice of the Registering Officer at Surat on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Judian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

M|s. Shanti Builders, Ajanta Shopping & Textile Arcade, Ring Road, Surat.

(Transferor)

645

(2) Shri Ghanshyam Toshniwal, Clo Berudan Poonamchand Toshniwal, At & Post, Nokha Dist: Bikaner (Rajsthan)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned in April, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380004, the 27th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3181 Acq. 23/11/84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Ward No. 12, Nonth No. 2651, Saiyad oura, Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Surat on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Darabshah Aramshah Morena, Union Flats, No. 19, God-dod Road, Surat.

(Transferor)

(2) Ratilal Atmaram Kelawala, 12/1631, Vanki Bordi, Saiyadpura, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3394, dt. 21-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, ramely:—

Date: 28-11-1984

Scal ;

FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3182 Acq. 23/II/84-85. -Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bldg, at Shastrinagar, Nizampura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Jagdishchandra Harilal, I-Satkar Aptt., Subhanpura, Baroda,

(Transferor)

 Smt. Jayaben Pravinbhai Patel. Clo Dr. Jagdishchandra Harilal.
 Smt. Jayaben Pravinbhai Patel. Shastrinagar Socy. Plot No. 33, Nizampura, Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. for an amt. of Rs. 1,20,000-R. No. 2985 on 23-4-1984 in respect of the bldg. at Nizampura, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3183 Acq. 23|II|84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Bldg. at Tetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Baroda in April, 1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Ramanlal Ambalal Patel, Hudam Khadki, Dumral Bazar, Nadiad, Gujarat.

(Transferor)

(2) Shri Mafatlal Mohanlal Kadia, 3rd Floor, Rajashree Apartment, Dandia Bazar, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 1,00,000 at 3308 in the month of April, 1984 in respect of Bldg. at

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3184 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Land at Makarpura, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Baroda on 2-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——82—396GI|84

(1) Rainikant Chhababhai Rabari, Clo P. N. Vankatchalam, Ist Floor, Shivmahal Aptt., Dinesh Mill Road, Nr. R. C. Circle, Baroda.

(2) Shri P. N, Venkatachalam, Ist Floor, Shivmahal Aptt., Dinesh Mill Road, R. C. Circle, Baroda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been reed, for an amt, of Rs. 80,000|- at 2303 on 2-4-1984 in respect of land at Makarpura, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3185 Acq., 23|II|84-85.—Whereas, J. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 89 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-and bearing

Land and Bldg, at Fatepura, Baroda and bearing Land Bldg, at Fatepura, Baroda has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jakkiyuddin Haji Hakimuddin, authorised Haji Hakimuddin, Amli Kuva, Godhra, District Panchamahals,

(Transferor)

(2) Shri S. M. Shaikh, Hajarat Appts. Co.op. H. Socy., Fatepura, Baroda,

, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, for an amt, of Rs. 1.62.764 on 2172, 2173 dated 26-4-1984 in respect of land and bldg, at Fatpura, Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 30-11-1004 Scal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P.R.No. 3186 Acq.23|11|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land at Savad at Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 18-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under out-action (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chandrakant Indulal Gandhi, Ghadiali Pole Opp. Ambamatani, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Sureshchandra Jayantilal Sultanpura Baroda. Krishna Aptt. Co.op, Hsg. Socy. Ltd. Harni Road Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sale deed has been regd, for an amt. of Rs. 3,44,450/-at No. 473 on 18-4-1984 in respect of land at Savad Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

17540 : 30-11-1984 غيرة :

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref., No. P. R. No. 3187 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

R.S. No. 471 situated at Desara Billimora

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gandevi on 21-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:—

(1) Narbheram Nathji Raval & Others Bhatha Road, Desara Billimora.

('franferor)

(2) Shivkrupa Corporation & Pattners Shri Ishwarlal Govanbhai Gandhi, Devsar Bilimora Tal, Gundevi.

(Trailsforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Desma. The transaction in legd. at Gandevi vice No. 359 April, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date : 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3188 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tatt Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Nondh No. 1690-1961 Athwa Ward Narmad Nagar Athwa Lines Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Surat on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M|s. 'Priyasi' Builders
 Partner: Kalapana. T. A-26—Nirmal Nivas No. 1,
 Govaliya Tank—Bombay.
 (Transferor)
- (2) Moghabhai Nanubhai Desai, At Sidhmata's Sheri Vadi Faliya Surat,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property is situated at Athwa Lines Surat. The document is regd. at S. R. Surat vide No. 3435, dt. 23-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-11-1984

SenI :

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3189 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,00/- and bearing No.

R. S. No. 17/1-2 Nanakwada Tithal Rd. Valsad (and wave failly described in the Schedule appared berefo)

R. S. No. 17/1-2 Nanakwada Tithal Rd. Valsad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Valsad on 6-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Janardan Bapubhai Desai, Maninagar Socy. Tithal Rd. Valsad.

('Cransferor)

(2) Ankoor Co.op. Hsg. Socy. Tithal Road Janardankaka's Wadi Valsad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Valsad. The document is regd. at S.R. Valsad vide No. 1910 Dt: 6-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 30-11-1984

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

<u> Acceptation</u> of the second control of the

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3190 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and bearing No. Nondh No. 1950 A paiki situated at Ward No. 7 Saiyadpura, Rampura Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tarnsferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at undersigned in 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. T. R, Wadia 7 1950 A Kotwalni Wadi Saiyadoura Surat

(Transferor)

(2) Shri Nath Construction 1/1108 Kalapasi Street, Timaliyavad Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at Surat. Form No. 37EE is submitted in the office of the undersigned on 21-4-84.

G K. PANDYA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IT Ahmedabad

Date: 30-11-1984

(1) Shri Ahmed Suleman Sidat At P.O. Alipor Tal. Chikhali.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramubhai Vallabhbhai Patel. Shri Dahyabhai Vallabhbhai Patel. Shri Dulabhbhai Bhagubhai Patel. At P. O. Vazana Tal. Chikhali, Dist: Valsad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3191 Acq.23 [II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing No.

S. No. 638 to 670 of village Alipor Tal. Chinkhali Dist: Valsad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Chikhali on 17-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property is situated at village Alipor, The document is regd. S. R. Chikhli vide No. 326 Dt. 17-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date: 30-11-1984

Scal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely ;—

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Rambhaí Ranchedji Patel & Ors., Tarota Bazar Naysari Clo Yotesh Dhirubbai Gandhi.

(Transferor)

(2) Hariram Khetaram Mistry & Others 18. Shastrinagar Bardoli,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3192 Acy. 23/II/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Block No. 258 situated at Bardoli Dist: Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardoli on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tramfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

The property is situated at Bardoli. The document is regd. at S.R. Bardoli vide No. 301 Dt: 30-4-84.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

83—396 GI/84

Date: 30-11-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P.R.No. 3193 Acq.23 Π 84-85.----Whereas, I, G. K. PANDYA.
being the competent authority under section 269B of the

Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Nagalpur sim Tal. Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mehsana in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: ead/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Ambalal Prabhudas Patel Clo Shri Dahyabhai Shankarbhai Patel Swami Simandhar Co.op. Socy. Nagalpur Tal. Mehsana Dist: Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Dahyabhai Mohanlal Patel. President Swami Simadhar Co.op. H., Socy. Nagalpur Tal. Mehsana Dist: Mehsana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, at No. 1128 84 in the month of April, 84 in respect of land at Nagalpur. Tal. Mehsana Dist Mehsana.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3194 Acq. 23/IJ/84-85,-Wheras, 1, G. K. PANDYA.

G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
Land at Nagalpur Tal. Mehsana
(and recompletely described in the schedule appeared beauty)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mehsana on 30-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeexceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ramchandbhai Ishwarbhai Patel, & Others Nagalpur Tal. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Rahulkumar Nathalal Shah, Manish Corporation, Clo Ramchandbhaí Ishwarbhai Patel Nagalpur Tal. Mehsana Dist: Mchsana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter $XX\Lambda$ of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd, by sub, Registrar, Mehsana for an amt. of Rs. 46,000/- in respect of land at Nagalpur Tal. Mchsana Distt. Mehsana. Regd. No. 1196 on 30-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 **Ahmedaba**d

Date : 30-11-1984

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3195 Acq. 23/II/84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |- and boaring

No. Land at Mehsana sim (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mchsana on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Mahendraprasad Gaurishankar Shukla, Kamboinagar Socy. Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Mafatlal Chaturbhai Patel, Kansa Tal. Visnagar, Dist. Mehsana

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument regd, by Sub registrar Mehsana at No. 1248 on 30-4-84 for an amt, of Rs. 14,000- in respect of land at Mehsana Sim-

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-11-1984

(1) Shri Mahendraprasad Gaurishanka Shukla Kamboinagar Socy, Mehsana

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantibhai Magandas Patel Vipaypurda Tal. Chansama Dist: Mehsana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. RAC No. 771|84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Land at Mehsana sim.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mchsana on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument. of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned · -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tak under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any .

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

An instrument in respect of land adm. 1292 sq.yd. has been regd. for an amt. of Rs. 14,000|- by S. R. Mehsana at No. 1249 on 30-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Date: 30-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3197 Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing
Land at Chhatral Tal. Kalol, Dist. Mehsana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 17-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair Ref. No. P. R. No. 3197 Acq. 23/II/84-85.--Whereas, I,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(ā) facilitating the reduction or evalua of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Amrutial Lallubhai Patel & Ors. Chhatral Tal, Kalol Dist. Mchsana.

(Transferor)

(2) Shri Mithabhai Ramdas Patel & Ors. Chhatral Kalol Dist. Mehsana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been regd. by S. R. Kalol at 492 on 17-4-84 in respect of land at Chharral Tal. Kalol adm. 2-A & 39G.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 30-11-1984

Séal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3198 Acq.23[11]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Land at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering

Officer at Kalol on 18-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

- (1) 1. Sh. Chhotalal Magonial Patel & Others-Kalol. 2. M/s Deepak Corporation Through its partner Sh. Dahyabhai Amthabhai Patel 9-Vrandavan Colony—Shahibag—A'bad. 3. M]s Vijay Lund Corp. through its partner Natwarlal Maganlal Patel—Vallabhbhuvan—Kulol. (Transferor)
- (2) Sh. Natwarlal Somabhai Patel Chairman of Motinagar Co.op. H. Socy. Kalol Clo Mps Deepak Corporation its partners— Dahyabhai Amtharam Patel—9-Vrandavan Colony-Shahigaub—A'bad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, by S.R. Kalol for an amt. of Re. 2.24,152 at No. 498,499,500 on 18-4-84 in respect of land at Kalol.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 30-11-1984

FORM ITNS----

(1) Shri Madhabhai Maganbhai Patel & Ors. Saii, Tal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmebabad-380 009 the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3199 Acq. 23]II|84-85 Whereas, I.

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Land at Saij, Tal. Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 17-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any inconeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957); (2) Shri Dhaniibhai Jashbhai Luthar. Chief Promotor of Shrinathji Co. op. Socy. & Others.Kasabe Kalol Tal. Kalol

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, by S. R. Kalol at No. 410 on 17-4-84 for an amt. of Rs. 73,689 in respect of land adm. 3509 sq. yd. at Saij Kalol.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 30-11-1984.

(1) Shri Madhaylol Amthalal Patel, Kalyganpura Kalol District Mehsana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3200 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land at Kalol

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kalol on 6-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
84—396 GI/84

(2) Shri Ganeshbhai Nathalal Prajapati, Partner of Sitaram Corpn., Ambica Nagar Co.op., Socy., Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gázette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are Jeffned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, at No. 473 on 6-4-1984 for an amt. of Rs. 85,333.33 in respet of land adm. 35 Guntha at Kalol sim.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Date: 30-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3201 Acq. 23 III 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Land at Chhatral tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1938) in the office of the Registering Officer

at Kalol on 6-4-1984 for an apparent considering which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reoson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Incilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acrossaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act to the following perssons na nely:—

(1) Shri Parshottamdas Laldas, Chhatral Tal, Kalol District Mehsana.

(Transferor)

(2) Shri Ratilal Shankarlal Patel, Chief promotor of Gavatrikrupa Nagar Co.op. Hsg. Socy.. Chhatral Tal, Kalo.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd. for S.R. Kalol for an amt. of 78, 259-50 at No. 455 on 6-4-1984 in respect of land adm. 1 Acre 15 G at Chhatral.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Date: 39-11-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3202 Acq.23 [II] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Patan in April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Inheritant Sarfinisha urfe Merajbegam Aminuddin of Aminuddin Gulamhussein authorised Kasamali Valiuddin Saiyad, Ganvada Tal. Sidhpur.

(Transferor)

(2) Sh. Ramabhai Bajidas & Ors, Jai Chowk—Patan,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45' days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires lato;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd. by S.R. Patan for an amt. of Rs. 2,56,000|- in respect of land at Patan.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 30-11-1984

(1) Pallaviben Manilal daughter of Manilal Kanaiyalal. Co Mulchand Nagardas Patel & Ors., Zaveriwado, Patan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulchandbhai Nagardus Patel & Ors., Zaveriwado, Patan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380,009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3203 Acq.23 III 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 0001 and bearing a 25,000]- and bearing

Land at Patan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Patan on 15-4-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acconsistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followmer persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd by S.R. Patan for an amt. of Rs. 7,00,000 in respect of land at Patan No. 1341.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Date :30-11-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3204 Acq. 23|II|84-85,---Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land at Mahij
Tal, Mehmadabad Dist: Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of

the registering officer at Mehmadabad on 18-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Chhanabhai Jethabhai Patel Mahij—Tal. Mehmadabad Dist; Kaira.

(Transferor)

(2) Sh. Vishnubhai Jashbhai Patel Mahij Tal, Mehmadabad Dist; Kaira.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A. instrument has been read, for an amt, of Rs. 79,920/-by S. R. Mehmadabad for an amt, of Rs. 79,920/- in respect of land of Mehmadabad at No. 530 on 18-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Aoquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Dated: 6-12-1984

 Shri Ashokkumar Chhanabhai Patel, Mahij Tal. Mehmadabad District Kaira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Nandubhai Fulabhai Patel, Bareja, Tal. Daskrol, District A'bad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3205 Acq. 23|II|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land at Mahij, Tal. Mehmadabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mchmadabad on 18-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been read, by S.R. Mehmadabad District Kaira at No. 531 on 18-4-1984 for an amt, of Rs. 78,000 in respect of land at Mahij.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3206 Acq. 23 Π.84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of 'he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Nadiad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nadiad on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notict under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Hirenkumar Bansibhain Patel's, Attorney Holder, Shri Maheshbhai Parshottamdas Patel, Kushmir Park Socy, Nadiad.

(Transferor)

 Shri Girishkumar Natwarlal Dave, Aknath Socy. Vaishali Road, Nadiad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been read, by S.R. Nadiad at 1891 on 19-4-1984 for an amt, of Rs. 85000]- in respect of land at Nadiad.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II Ahmedabad

Date :6-12-1984, Seal :

FORM FINS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ramanbhai Somabhai Patel Chaklashi—Nadiad. Tal. Nadiad.

(Transferor)

(2) Sh. Chandubhar Ashabhai Patel Gurukrupa Cold Storage Chakulashi.—Nadlad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedahad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3207 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land at Nadiad

'and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Officer at Nadiad on 23-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd, for an amt, of Rs. 1,13,815 by S.R. Nadiad at No. 2110 on 23-4-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmcdabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3208 Acq.23|II|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Anand

(and more fully described in the Sheedule annexed here) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal's-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
85—396 G1/84

- (1) Maniben Manibal Kalidas Patel,
 Clo Narhariprasad Jeshankar Pandya,
 Nr Mathia Cholra, Pandya Fali, Anand.
 (Transferor)
- (2) Shri Narhari J. Pandya, Chairman of Pranav Co.op. Socy. Ltd. Anand. Nr. Mathia Chora Pandya Fali, Anand (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An instrument has been regd. for an amt. of Rs. 1,79,940 at No. 792 on 26-4-1984 in respect of land at Anand.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Ahmedabad

Date: 6-12-1984

(Transferor)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 6th Decomber 1984

Ref. No. P.R. No. 3209 Acq. 23 $|\Pi|84-85$.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land at Chikhodara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Anand on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Shri Chandubhai Somabhai. authorised Rayjibhai Sombhai Patel, L. G. Patel & Co., Chikhodara Tal. Anand District Kaira.
- (2) Shantaben Vishnubhai Patel etc., Bunglow No. 9, Iryanagar Socy., Amul Dairy Road, Anand, District Kaira. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the resupective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chikhodara Tal. Anand an instrument has been regd. at 344 on 12-4-1984 by S.R. Anand.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range II Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3210|Acq.23|II|84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Building at Baroda-Raopura

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Buroda on April, 1984

Buroda on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration are the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and the conside parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bhanubhai Chhotabhai Patel & Ors. 94, Kunj Society, Alkapuri, Baroda.

(Transferor)

- (2) Shri R. N. Jain, General Manager
 - 1. Gujarat Co-operative Oil Seeds and Growers Federation Ltd., Nilambagh Palace, Bhavnagar.
 - 2. 4th Floor (SISCO' Chamber), Raopura—Baroda.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem lead are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte

THE SCHEDULE

An instrument has been registered for an amount of Rs. 6,90,000 at No. 3254 in the month of April, 1984 by S.R. Baroda in respect of building on the 4th floor of SISCO Chamber Raopura, Baroda,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-rix Acquisition Range-II. Ahmedahad

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTFION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3211 Acq.23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000-land bearing No.

and bearing No.
Land and building at R.C. Datt Road, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration. Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Baroda on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Nirmal Co-operative Housing Society, Race Course, Baroda.

(Transferor)

 Dinsha Ambalal Desai, A-2, Sterling Apartment, Race Course, Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning asgiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 2.10,000 in respect of land and building by S.R. Baroda for land and Building Baroda.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tak
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 7-12-1984

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3212|Acq.23|H[84-85,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land and Office Building at Savli Dist. Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salvi on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument, of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Vimlaben K. Shah, Krishna Housing Society, Sarasa—Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) Shri Jaykrishnabhai Prabhudas Thakkar, Poli Processors, Bhalej Road—Anand, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 2,55,000]- at 302 on 2-4-1984 by S.R. Savli.

G. K. PANDYA
Comppetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3213/Acq. 23/II/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Pethapur

(and more fully described in the Schedule annexed herto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhinagar on 23-4-84

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) Shri Punjabhai Khodidas Patel, Pethapur, Gandhinagar.

(Transferor)

(2) Shri K. T. Prajapati, Chairman of— Umiyanagar Co-operative Society, Pethapur, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 2,64,000 in respect of land at Pethapur,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 7-12-1984

(1) Shri Natubhai Manilal Mistry, Clo Popatlal Kachrabhai Shah, Plot No. 87—Sector No. 21, Gandhinagar.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Popotlal Kachrabhai Shah, Plot No. 87—Sector No. 21, Gandhinagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION - RANGE-II, * 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3214 Acq.23 [11] 84-85. Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Building at Sector No. 21, Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Candhinagar on 30.4.84

Gandhinagar on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed has been registered for an amount of Rs. 90,000 by S.R. Gandhinagar in respect of building registered No. 1529 dated 30-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 7th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3423 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

N.A. land at Amreli R.S. No. 331 Admeasuring 1 Acre 26 Guntha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amreli on 25-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Patel Harbhai Ramjibhai Lakhani, Sukhnath Road, Amick

(Transferor)

(2) Shri Vasantrai Prabhudas Sanghavi, Secretary of— Saraswat Co-operative Housing Society, 4—Housing Society. Near Bus Station. Amreli

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grants.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Amreli in Municipal Limit R.S. No. 331 Adm. 1 Acre 26 Guntha R. No. 610 dated 25-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 7-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3424 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No.
Land at Amreli R.S. No. 276 paiki
Plot No. 1 to 36 Adm, 10953 sq. mtr.
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amreli on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons. namely:—86—396 GI/84

(i) Patel Tambhai Hirjibhai, by his Power of Attorney Holder, Patel Parshottam Tapubhai, Keria Road-Wadi-Amreli

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Popatlal Thakkar, Vice Chairman of— Shri Satyanarayan Co-operative Society, Hari Road, Amreli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

N₂A. land at Amreli in Municipal limit R.S. No. 276 paiki plot No. 1 to 36 total admensuring 10953 sq. mtr., (in nine documents) R. No. 465, 468, 470, 471, 472, 474, 475, 476, 477 dated 3-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 21-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3425 Acq.23 I 84-85.—Whereas, I, G. A. PANDYA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Incorne-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,0001- and bearing No.

1111 (vo. 541—Taxa Sheela Society, Race Course, Rajkot
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Raikot on 21-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Rajniben Vasantrai Kachaliya, 541. Taxa Sheela Society. Near Race Course, Rajkot.

(Transferor)

(2) Karshandas Bhagwanji Ghodasara, 541, Taxa Sheela Society, Near Race Course, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 541 on 4th Floor Texa Sheela Society, Near Race Course Rajkot—R. No. 1058 dated 21-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II.
Ahmedabad

Date: 21-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3426 Acq.23 | 1 | 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
N.A. land at Raiya—Rajkot S. No. 133/138/139 adm. 1194

sa, vards

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Raikot 3-4-84

for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Muktaben Chhotalal Vora, Jolly Centre, 2nd Floor, Lok Manya Tilak Road, Santa Cruz (West), Bombay-400054.

(Transferor)

(2) M/s. Ashok Builders, Yashmin'-2, Nehru Nagar, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Raiya S. No. 135 138 139 adm. 1194 sq. yds. (Rajkot) R. No. 2184 dated 3-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomé-tax Acquisition Range-II. Ahmedabad

100th : 21-11-1984

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3427 Acq.23 [184-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and braring No.
H.P. at Rajkot Sardar Nagar Sheri No. 11, S. No. 432, paiki Plot No. 95 land adm. 168 sq. yards. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

Rajkot on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nirmalaben Hariprasad Bhatt, Jagnath Plot— Rajkot.

(Transferor)

(2) Meelankumar Anantrai Ranpura, Anant International Corporation, Ranpura Bhavan—Mandvi Chowk, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property at Sardar Nagar Sheri No. 11 S. No. 432 parki on land adm. sq. yards R. No. 51 April, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad

Date: 21-11-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ΛΗΜΕDΔΒΑD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P. R. No. 3428.Acq.23|1|84-85.-Whereas I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. Land-Gondal Rajkot S. No. 335 Plot No. 81 Adm.

565 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been exwhich ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Maheshkumar Bhupatrai Paickh, 'Madhukar Niketan' Digvijay Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Govindlal Jethalal Nathwani, Parshottam Tulsidas Sungani, Gayatri Nagar, Sheri No. 2, Raikot.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raikot, Gondal Road, S. No. 335 Piot No. 81 adm. 565 sq. vd. R. No. 2296 Dt.: 9-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedahad .

Date: 21-11-1984

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3429.Acq.23|1|84-85.—Wheraas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land at Rajkot Jamnagar Road, situated at S. No. 488 Adm, 611 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 13-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tex Act, 1957 (27 of 1957);

 Indiraben Himatlal Doshi, by her Power of Attorney Honder, Babulal Revashankar Doshi, Divanpara, Rajkot.

(Transferor)

(2) Manjulaben Kishorchand Vora, Ranchhod Nagar Socy., Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Rajkot Jamnagar Road, S No. 488 Plot No. 23 Adm. 611 sq. yd. R. No. 2405 Dt. 13-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan
Acquisition Range-I, Ahmedabac

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 21-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Manubhai Bhagwanjibhai Fatel, Prabhayati Manubhai Patel, C-92, Queen, Block, A-7, Mahun, Bombay.

(Transferor)

(2) Jagdish Manilal Thakkar, Kailash Prakash,
 Nr. Odiyan Cinema, Bombay-77.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 21st November 1984

Ref. No. P.R. No. 3430.Acq.23 I 84-85.—Whereas I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land +constn. upto plinth at Raiya situated at S. No. 136|1 Land adm. 732 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Const, upto plinth at Raiya (Rajkot) S. No. 136 1 plot No. 4 Land adm. 732 sq. yd. const. R. No. 2415 Dt.: 16-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Auhtority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 21-11-1984

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1984

Ref. No. P.R. No. 3431.Acq.23 [184-85. -- Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-

and bearing No.
Shop No. 2 at Crescent Bldg. situated at Race Course Road, Rajkot 割まり離 (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE on 12-3-84 Rajkot on 37EE

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) and taking the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. J. S. Corporation, 48. India-Narayan Road, Santaeruz (West), Bombay-54.

(Transferor)

(2) Mrs. Kokila Dhirajlal Thakkar, Clo. R. J. Corporation, Crescent-A-Shop, 2. Race Course Road, Raikot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. Shop No. 2 at Crescent Bldg. 37EE filed on 12-3-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedahad

Date: 21-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1984

Ref. No. P.R. No. 3432.Acq.23/1/84-85.--Whereas 1,

G. K. PANDYA.
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000; and bearing
No. Land at Krishnanagar, Prabhudas Talay, situated at
Nr. Shishu Vinar Flot No. 2638, Bhavnagar
(2nd more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908,
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bhavnagar on 8-4-1984
for an apparent consideration which is less than the G, K, PANDYA,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

シガル

87-396 G1/84

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Smt. Faridaben Abdul Majid Alana, Ruyapari Road, Sadiyawad, Bhaynagar.

(Transferors)

(2) Shri Babubhai Harjibhai Dolariya, Laljibhai Ramjibhai Moradiya, Plot No. 433, Anand Bhuvan, Prabhudas Talay, Krishna Nagar, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Land at Prabhudas Talav, Krishnanagar, Plot No. 2638 Regd, No. 1201 Dt.: 8-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, . AHMEDABAD-380 009 '

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1984

Ref. No. P.R. No. 3433.Acq.23|I|84-85.—Whereas I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. Land at Jail Road situated at Ward No. 7, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 11-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Urmilaben Jayantilal, Ushaben Mahasukhray, Power of Attorney, Pratapray. P. Sanghvi, Havelivali Sheri, Bhaga-Talav, Opp.: Nil Kanth Mahadev, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) L. Rasiklal Bhagwanji Soni,

2. Jagjivandas. B. Soni, 3. Jashwantray Bhagwanji Soni,

Post : Lathidad, Tal. Botad. Dist. : Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Wd. No. 7 Jail Road, Bhavnagar Regd. No. 1235 Dt.: 11-4-1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant ommissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1984

Ref. No. P.R. No. 3434.Acq.23|I|84-85.—Whereas I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Proerty at Lal Bava Math Road, situated at Bhavnagar,

Sheet No. 62 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhavnagar on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or noneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

(1) Jashwantray Amratlal Soni, 'Jyoti Swar', Vidyanagar, Bhavnagar,

(Transferor)

(2) 1. Gandhi Ishwarlal Laxmichand, 2. Gandhi Prabudas Laxmichand,

3. Virendra Laxmichand, 4. Arvindkumar Laxmichand,

5. Haresh *Laxmichand, Kanikyano Khancho, Bhaynagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Phaga-Talav Vistar, Lal Bava Math Road, Bhavnagar Regd. No. 1250m, Dt.: 12-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Datc: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 22nd November 1984

Ref. No. P.R. No. 3435.Acq.23|I|84-85,—Whereas I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Chitra, S. No. 260, 261, 262 situated at Plot No. 22, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 16-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sultanali Kasamali Ladiwala, Near Gandhi Smriti, Ladiwala mauzil, Bhavnagar.

(Transferor)

(2) 1. Dayalbhai Kalubhai Waghani,

Hariyad Tal. Velbhiur Dist.: Bhavnagar.
2. Balubhai Jayrambhai,

Golrama Tal. Unirala Dist.: Bhavnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Chitra S. No. 260, 261, 262, Plot No. 22, Regd. Na. 1296 Dt.: 16-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 22-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3436. Acq. 23 [1] 84-85 — Whereas I, K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding . Rs. 25,000|- and bearing

No. N. A. Land at Junagadh R. No. 259 Adm. 2361 sq. yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Junagadh on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woalth-tax Act. 1957 (27 of 1927):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Noormohmed Suleman Durvera, Umar Suleman Durvera, Dhal Road, Junagadh.

(Transferor)

(2) Kailash Nagar Co. op. Hsg. Socy. Chairman. Shri Harun Umar, Dhal Road, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expire. later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N. A. Land at Junagadh S. No. 259 Adm. 2361 sq. vd. R. No. 671 Dt.: 2-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-11-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3437 Acq.23|1|84-85.—Whereas 1, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 5 Shops, Dwarkesh Chembers, situated at Maha Laxmi Road, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 4-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act.
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Pramodrai Harilal Sevak & Ors, Ambai Falia. Near Ranchhodji Mandir, Junagadh.

(Transferor)

(2) Shri Mathurdas Muljibhai, Maha Laxmi Street, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this πotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

5 Shops at Dwarkkesh Chembers Mahalaxmi Road, Junagadh R. No. 637 Dt.: 4-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984

Ref. No. P.R. No. 3438 Acq. 23|I|84-85.-Whereas, 1 G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Upletta Land S. No. 307|I, Plot No. 23, 25, 27 adm.

600 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 27.4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Gordhandas Nathabhai Thumar Vad-Chow-Plot Upleta.

(Transferor)

(2) Shree Ashopalay Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman—Shri Chandrakant Vullabhdas Vad-Chowk Plot—Upleta.

(Transferee)

(4) Sh. Dahyabhai Nathabhai Nathabhai Muljibhai Vad-Chowk Plot-Unletta.

> (Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land S. No. 307|1 N.A. Plot No. 23-25-27 Adm. 600 sq. vd. R. No. 554 Dt. 27-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-11-1984

FORM No. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984

Ref. No. P.R. No. 3439 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing No. Upleta Land N.A. Plot No. 22, 24, 26 S. No. 307 1 Adm. 600 sq. yd. (and more fully described in the Shcedule annaxed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 27-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dahyalal Nathalal Thumar Vad Chowk Plot--Upleta.

(Transferor)

(2) Shri Ashopalay Co.op, H. Socy, Ltd. Chairman—Chandrakant Vallabhdas Plot—Vad Chowk Upleta.

(Transferee)

(4) Sh. Gordhandas Nathalal, Nathalal Muljibhai Plot—Vad Chowk—Upleta (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Upleta—S. No. 307/1 Plot No. 22-24-26 Adm. 600 sq. yd. R. No. 555 Dt; 27-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-11-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984

Ref. No. P.R. No. 3440 Acq. 23]I|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25 000 and bearing

Rs. 25,000[- and bearing No. Land N.A. at Jetpur S No. 39|1 Adm. 2944 sq.yd. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jetpur on 23-4-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income of engmoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:—
88—396 GI/84

 Nanjibhai Jethabhai & Vallabhdas Nanjibhai & Ors, All C/o Jagdish Vastra hBandar Mangnath Road—Junagadh.

(Transferor)

(2) Cadila Processors Shreeji Nagar— National High Way—Jetpur—360 370.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereing as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Jetpur S. No. 39|1 Adm. 2944 sq. yd. R. No. 1278|84 Dt. 23-4-1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

(1) Smt. Dhaniben Gova & Ors. at Vilage: Vajepar Tal. Morbi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE MICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Jagdishchandra Himatial Mehta, Mahavir Society, Morbi (Saunashtra)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984

Ref. No. P.R. No. 3441 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No.
Land at Vajapar S. No. 1176/1 Adm. 1 Acre 23 G
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Morbi on 24-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afer-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the inder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Village, Vajepar Tal, Morbi S, No. 1176/1 Adm. 1 Acre & 23 G, R, No. 1945 Dt. 24-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tre
Acquisition Range-L. Ahmedabad

Date: 27-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984

Ref. No. I.R. No. 3442 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, 1 G, K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Village—Maknsar Tal. Morbi S. No. 115 and

116 Total adm. 30250 sq. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed under the Registration cl6 of 1908) in the office of the Registering Officer at Morbi on 22-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Parakramsing Garapsingh Sarvaiya Block No. L. 255 Housing Board Colony,

(Transferor)

(2) Manish Industries-Partners. Mansukhlal Vallabhdas & Ors. 2—Mahendra Para Morbi—363 641.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Village—Makansar Tul, Morbi S. No. 115 and 116 Total Adm. 30250 sq. mtr. (7A-9G) R. No. 1793, 1794, 1795 Dt. 12-4-1984.

G. K. PANDYA Competent Authority inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 27h November 1984 Ref. No. P.R. No. 3443 Acq. 23 [1]84-85,—Whereas, I

G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

nand bearing No.

No. B. No. 1—Panchsheel Socy. Dhoraij
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
Registering Officer
at Dhoraji on 7-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kishorkumur Namalal Vachhani Station Plot— Behind Garden—Dhoraji.
 - (Transferor)
- (2) Rambhaben Harjibhai Kaneria by Vahivat Karta & Varasdar Mohanbal Jivabhai Tilva B. No. 1 Panchsheel Socy. Nr. Rly. Crossing—Station Plot— Dhoraji.
 (Transferee)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B No 1—Panchsheel Socy, Nr. Rly, Crossing—Dhoraji R. No. 778—Dt, 7-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 27-11-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3444 Acg. 23|I|84-85.---Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing No.

No. Land at Porbandar-Ward 3-S No. 2433 Adm. 525 sq.yd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Porbandar on 27-4-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Sh. Hirenkumar Vinodkumar, Sarjukumar Vinodkumar Co Babubhai alias Gopalji Godhanji Thakkar Plot—Porbandar—Phone No. 307.
- (2) Shree Vallabhdas Jankalyan Trust-Govind Niketan Bhatiya Bazar-Porbandar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Porbandar Opp. Kamlabag C.S. No. 2433 Wd. 3 Adm. 525 sq. yd. R. No. 1623 Dt. 27-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3445 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No, Agri, land at Dolatpara Tal, Junagarh S. No. 10|3, Adm. 3 A-05 Guntha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Junagadh on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shantilal Tribhovandas Bhatt Maha Laxmi Colony—Near Motibag, Junagadh. (Transferor)

(2) Shri Jayantilal Gordhanbhai Bhadja Talav Gate—Junagadh. Shri Gandalal Meghjibhai Dhingani at Village. Varella—Tal. Upleta. Natwarlal Harjibhai Tilva village: Vanthli Dist: Junagadh. Gopaldas Ratnabhai Ladani at village Nandrakh. Ta. Manavdar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land Dolatpara Tal. Junagadh S. No. 10/3 Adm. 3 Acre—05 Guntha R. No. 963/84 Dt. Dt. 30-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqusition Range-I. Ahmedabad

ენცი : **28-11-1984**

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANOLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1984

Re., No. P.R. No. 3446 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. N.A. Land at Veraval S. No. 86-87 Adm. 1112 sq.mtr. (and more fully described in the schedule annexed herefo), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Veraval on 17-4₁1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the followng persons, namely :--

(1) Turak Abdeman Vali Mamad & Others-Turak Chora-Veraval.

(Transferor)

(2) Shri Shakti Nagar C.op. H. Socy. Ltd. Vice Chairman—Kamlesh Hemrajbhai Kariya, Station Road. Vetaval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Veraval S. No. 86-87 Adm. 1112 sq. mtr.-R. No. 1125 Dt. 17-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspectnig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

un errentaria de la composició el composició

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOÙSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 28th November 1984

Ref. No. P.R. No. 3447 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I

G. K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Land at Verval Old S. No. 372 n.a. Adm. 892 sq. mtr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Varawal on 9-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Turak Rehman Gulam Husen Opp. Somnath Talkies
 Talala Road—Veraval (Dist. Junagadh)
 (Transferor)
- (2) Shree Bagdadi Co.op. Hsg. Socy. Ltd. Chairman-Noormohmed A. Rehman Bismillah Mahal-Opp. Aradhna Cincma-Veraval (Dist, Junagadh). (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.A. Land at Veraval Old S. No. 327 paiki Plots Adm. 892 sq. mtr. R. No. 1052 Dt. 9-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 28-11-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shree Visha Shreemali Vanik Soni Ghati Utkarsh Trust--Mansara Bazar---

Smt J. K. Vers-602—Smar Apartments, 6 b Floor- S. V. Road, Malad (West)- Bombay.

Amreli.

(Transferon)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Alimedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3448 Acq. 23/I/84-85.--Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

land S. No. 18 at Amreli+demolished house-Land Adm.

535 sq. yd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transerred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Amreli on 17-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any beco any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, rhichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 535 sq. yd.--Bldg. in demolished position S. No. 18" (with Sub. S. No.) R. No. 559 Dt : 17-4-1984,

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedahad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby iniliate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 89-396GI/84

Date: 30-11-1984

Scal:

(1) (1) Hasmukhlal Narandas Maniar Vasumatiben Hasmikhlal Maniar 17A--Digvijay Plot-Jamnagar,

(2) Mohimben Lilaram Tahalram

Zaveri Zampo--Jamnagar,

(Transfero

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 1st December 1984

Ref. No. P. R. No. 3449 Acq. 23 [1] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (4 3of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Property at Digvijay Plot—Sheri 17—Jamnagar. (and more tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Jumnagar on 19-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Sheri No. 17-Digvijay Plot-Jamnagar.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Jamnagar, Digvijay Plot Sheri No. 17 regd. No. 1310 Dt : 19-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 1-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3450 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, J G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Property at Thaltej Vanshree Co. op. Socy, Plot No. 7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer.

1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedaba don 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of trans of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asects which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Devendraben C. Sitwala 1732—Kuvawala Khancho Kapadiwad---Sarangpura—Ahmedabad.

(Transfe

(2) Jagjit Kaur Balavantsing B-1—Subhadra Flat—
Opp: Milan Park—Navrangpura
Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Thaltej seem S. No. 46 regd. No. 5340 Dt : 9-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 30-11-1984

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3451 Acq. 23[J]84-85.---Whereas, J, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop at Shaikhpur-Khanpur T.P.S. 3 F.P. 187-2 Shop No. 17. National Chambers Ashram Road—A'bad, taud more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at A bad on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mostoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Prakash Zumromal Rochwani, Ishita Apartment, Behind Commerce College Hostel, Navrangpura—A'bad-9.

(Transferor)

(2) Cargo Mo.ors Ltd. 119-B-Jindal House, Asafali Road, New Delhi. Shop No. 17, National Chambers, Ashram Road—Abad.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop at National Chambers, T.P.S. 3-F.P. 187-2 Regd. No. 550 Dt: 12-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the g id Act, to the following

Date : 30 11-1994 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 30th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3452 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|c and bearing

Rs. 25,000|c and bearing
Bodaklev seem S. No. 38, 210, 209, 208 Agri. land
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer

at Ahmdeabad on 9-4-1984

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Woalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Menaben Balabhai Girdharbhai Barot, Village: Thaltej.
 Tal. Daskroi—Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Govindbhai Mafatlal Patel— 9-A Amardeep Nivas, Hindu Colony, Opp: Sardar Patel Stadium, Navrangpura—A'bad-9.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. Land at Bodakdev seem. S. No. 38, 208, 209, 210 R. No. 5308, 5311, 5317, 5314 Dt : 9-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Date : 30-11-1984

Stal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Suryakant K. Shah,

Devbhumi Aptt. 1st Floor, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri Sanjay Madhukant Shah, 'Gold Coin Socy.' Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION ANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3453 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable (2000) property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Flat at Navrangpura seem F.P. No. 196, Cold Coin Socy.,

A'bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at A'bad on 27-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the apriles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Narangpura Gold Coin Socy. F.P. 196-B.R. No. 6341 Dt : 27-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acressid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 28-11-81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3454 Acq. 23|I|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property liaving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Property at T.P.S. 19 F.P. 330 Navrangpura Seem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Λhmedabad on 24-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Imbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) o Section 269D o the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Priyavadan Kasumbhai Nagaisheth (deed.)
 - Executor. Trusice
 - 1. Shri Pankaj S. Sheth 2. M. K. Sheth 3. A. C. Sheth 4. H. A. Zeveri

Gheckanta-Jesinghohai Wadis-Abad.

(Transferee)

- (2) Nigam Family Trust-
 - 1. Nigam Rathod Parikh
 - 2. Priti Nigam Parikh-

Vasudev Aptt.
Opp: Navrangpura Market-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 19 F.P. 330 Regd. No. 6082 Dt : 24-4-84,

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 28-11-84

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th November 1984

Ref. No. P. R. No. 3455 Acq. 23/1/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and bearing No.
Property at T.P.S. 19 F.P. 330 1|2 undivided property (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 24-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(1) Pramila Kasturbhai Sheth (decd.) Trustee

1. Pankay Sudhakai Sheth 2. M. K. Sheth 3. A. C. Sheth 4. H. A. Zaveri

Clo Gheekanta-Jeshingbhai Wadi Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Nigam Family Trust-Trus.ee.

1. Nigam Ratilal Parikh

2. Priti Nigam Parikh-Vasudha Aprt. Navrangpura---A'bad-9.

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/om
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 19—F.P. 330—S. P. 1 1/2 undivided property. R. No. 6084 Dt : 24-4-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :---

Dale : 28-14-84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd December 1984

Ref. No. P. R. No. 3456 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 22—Shanti Commercial Center Gheckanta—A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transerred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 3-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said teatrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

90--396GI/84

 Jitendra Panalal Bhau 17—Sarda Socy. Ellisbridge—A'bad.

(Transferor)

(2) Savitaben Natwarlal Shah, 22—Shanti Commercial Center, Gheekanta—Nagarsheth Vando, hmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perido of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genetic.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Ground Floor Shanti Commercial Center Shop No. 22 R. No. 4993 Dt: 3-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 3rd December 1984

Ref. No. P. R. No. 3457 Acq. 23|I|84-85,—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop at Shanti Commercial Center Shop No. 22—Ground Floor—Nagarsheth Vando—A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 3-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(1) Jitendra Panalal Bhau 17--Sharda Socy, Ellisbridge---A'bad,

(Transferor)

(2) Jasudben Shantilal 22—Shanti Commercial Center, Ground Floor—Nagarsheth Vando, Gheekanta—A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 22 Shanti Commercial Center—R. No. 4995 Dt: 3-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date 3-12-1984

Seal;

FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIBMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 3rd December 1984

Ret. No. P.R. No. 3458 Acq.23|1|84-85,—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,600|- and bearing No.

Flat at Gaganvihar Co.op Socy. Khanpur Flat No. B-80 S. No. 4221-11, 4222-80 Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—

Jitendra Mansukhlal Shah

 F. 9 Deshna Aptt.
 Near Mirambica High School,
 Naranpura Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Varjial Dholabhai Shah Flat B-80 Gaganvinar Co-op. Socy. Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Shahpur-II, Gaganvihar Co.op. Socy. Flat No. B-80 R. No. 5658 dt. 17-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984"

Ref. No. P.R. No 3459 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.00/- and bearing No.

Land at Shela Tall Sanand Block No. 632 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanand Dist. Ahedabad on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shantaben Gulabji Jaluji Shela Jal. Sanand Dist.: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson.

President: Vinod Harilal Mehta,
Mahta Bros. 1st Floor, Anand Chambers,
Ols Raipur Darwaja
Secretary Kundanlal Ramanlal Goradia
88, Annpurna Socy. Bapunagar,
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Shela Block No. 632 R. No. 400 & 401 Dt. 3-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3460 Acq.23|I|84-85|—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Land at Shela Tal. Sanand Block No. 632

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Sanand, Dist, Ahmedabad on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely:—

(1) Lakhaji Dhoraji Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

 Strong Foundation Non-Trading Asson. V. H. Mehta Mehta Bros. Anand Chambers, O|S Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said minutes able property, within 45 days from the date at the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village. Shela Block No. 632 R. No. 405, 406 Dt. 3-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-U 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3461 Acq.23[I]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and hearing

and bearing
Land at Shela Tal. Sanand Block No. 602
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
Sanand, Dist. Ahmedabad on 3-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Surajben Nathaji Jivaji Shela Tal. Sanand Dist, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson.

Clo V. H. Mehta
Mehta Bros—1st Floor Anand Chambers
Ols Raipur Darwaja,
Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sheln Block No. 602 R. No. 410 & 411 Dt. 3-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMI DABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No 3462 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land at Shela Block No. 637 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Sanand on April, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the aprties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the Acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of said Act, to the following persons, namely:—

 Manaji Atataji Village: Shela Tal, Sanand, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) The President, Strong Foundation on Non-Trading Asson. Clo Shri Vinod Harilal Mehta Clo Mehta Bros. Anand Chambers, Ols Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at Shela Block No. 637 R. No. 414/84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 5-12-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3463 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority

Sanand on April 1984

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

Land at Village Shela Bloc! No. 631 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

 Chanduji Dhulaji Village: Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson.
 C[o V. H. Mehta.
 Mehta Bros. 1st Floor,
 Anand Chambers,
 O[s Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pablication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Shela, Tal. Sanand Block No. 631 R. No. 303/84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Abmcdabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3464 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land at Shela Tal. Sanand Block No. 589 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad on April 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-- 91-396GI/84

 Somaji Mohanji, Village: Shela Tal. Sanand, Dist: Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson.
V. H. Mehta, Mehta Bros.
Anand Chambers
Ols Raipur Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objection, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by a ny of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Shela Tal. Sanand Block. 589 Regd. No. 506 Dt. 23-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FI.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3465 Acq.23[1]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land at Shela Block No. 598

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Abmedabad on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument / transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; endler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shankaji Dhuraji Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson. V. H. Mehta, Mehta Bros. Anand Chambers Os Raipur Gate, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Block No. 500 at Shela R No. 512|84 dt. 23-4-84. Dt. 23-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shivaji Atmaram Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson. V. H. Mehta, Mehta Bros. Ols. Raipur Gate, Anand Chambers, Ahmedabad.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND Fl.OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Alimedabad-380 009, the 3rd December 1984

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. P.R. No. 3466 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land at Shela 'I al, Sanand Block No. 592 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to sieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Block No. 592 at Shela Tal. Sanand R. No. 592 Dt. 23-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOK, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AIIMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3467 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land at Village Shela Tal. Sanand Block No. 634 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand, Dist. Ahmedabad on April, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakhaji Dhuraji Village Shela Tal. Sanand Dist. Ahmedabad.

(Transfeor)

(2) Strong Foundation (India) Pvt. Ltd. Clo V. H. Mehta
Anand Chambers,
Ols Raipur Gate,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Shela Tal. Sanand R. No. 423[84 Block No. 634.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 3rd December 1984

Ref. No. P.R. No. 3468 Acq. 23 II 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Land at Shela Tal. Dholka Block No. 634 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Sanand Dist. Ahmedabad on 23-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and_or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Lakhji Dhiraji Shela Tal. Sanand, Dist. Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Strong Foundation Non-Trading Asson.
V. H. Mehta,
Mehta Bros, Ist floot,
Ols Raipur Gate,
Anand Chambers, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Catzette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein usare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Shela Tal. Sanand Block No. 624 R. No. 424 April, 1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 3-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Rof. No. P.R. No. 3469 Acq.23 [1] 84-85.--Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dariapur Kazipur seem Flat F. 17 Rushika Aptt.-A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Minaxiben Harshadray Bhatt 'Nanna-Kutir' B. No. 1 Ramnagar Socy. Opp: Swaminarayan School Maninagar, Abmedabad.

(Transferor)

(2) Manjuben Harmanbhal Shah Flat A GF. 17. Rashika Aptt. Shahibag. Ahmedebad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Darjapur-Khazipur seem S. No. 49/1 Rushika Aptt. R. No. 6659 Dt. 30-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-12-1984

Scul:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3470 Acq.23|I|84-85.-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to able property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. 74
Dariapur-Kazipur TPS 8 B. No. 74

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the sonceelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195/):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shantagauri Chandulal Vadilal Patel Padmapole Vadigam Dariapur-A'bad.

(Transferor)

(2) Jivanmal K. Chhajad 85, Girdharnagar Socy. Shahibag, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dariapur-Kazipur, T.P.S. 8 B. No. 74|1 R. No. 5356 Dt. 9-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-12-1984

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3471 Acq.23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Bldg, at 38 Arnodaya Park Socy. Navrangpura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 7-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

Shah Bhavnaben Rasikial
 Sahkar Niketan Socy.
 Navrangpur, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shah Pratulchandra Gambhirbhai 38, Aiunodaya Park Socy. Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at 39, Arunodaya Park Socy. R. No. 5273 Dt. 7-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometan Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-12-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3472 Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Land at T.P.S. 21, Vasana Seem F.P. 64

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 9-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
92—396 GI/84

(1) Jayantilal Maganlal Thakar Station Road, Mehsana (N.G.).

(Transferor)

(2) Shah bharatkumar Babulal 13-B Nav Narayan Socy. Nr. Fanjabi Hall, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grante.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana seem TPS 21 F.P. 604 R. No. 5322 Dt. 9-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3473 Acg. 23|1|84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Property at Khadia 3 S. No. 904 Shop at Ground bloor.

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Ahmedabad on 3-4-1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) faciliatting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Binit Ramanlal Shah, B-5, Gyangaga Flat, Dhumketu Marg, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transcree)

(1) Soni Ghanshyam Manilal, Soni Ashwin Manilal, Sankdi Sheri, Gangagiya's Pole, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any other person interested in the said immov-45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saud Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Ground Floor at Khadia, 3 R. No. 4971 dated 3-4-1984

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in nursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 4-12-1984

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-300 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3474 Acq. 23/I/84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,0000]- and bearing No.

Flat at Wadaj seem S. No. 129 1 Flat B-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ahmedabad on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reaseon to celieve that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hasmukh Naraubhai Patel, B-8 Kalpataru Flt., Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Chandrakant N. Rawat, B-8, Kalpataru Flats, Naranpura, Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Wadaj scem S. No. 129|2 Flat B-8 R. No. 5542 dated 12-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date :4-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 4th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3475 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat at Navrangpura seem F.P. 148 Sub Plot, 11-C. 8-Shakti Aptt, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 12-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 ed 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Bharat Indulal Bhatt, 8-Shakti Aptt, Sardar Patel Colony, Naranpura Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) 1. Nanji Vishram,
2. Ramaben Nanji,
8-Shakti Aptt..
2nd Floor,
Sardar Patel Colony,
Naranpura, Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Navrangpura, Shaikhpura, Khanpur, 8-Shakti Aptt., 2nd Floor, R. No. 5534, dated 12-4-1984,

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date :4-12-1984. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. AHMEDABAD-380 009.

Madras, the 5th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3476 Acq. 23/1/84-85.--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land at T.P.S. 8-Dariapur-Khazipur FP 16

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer at A bad on 2-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy: ing persons, namely:---

(1) Laxmi Prasad Ambalal Rawal Ram vatika-Opp : Bank of Baroda Shahibag-A'bad.

Transferor

(2) Bhuvan Som Owners Association, Co Patel Chinubhai Naranbhai Ashopalay Aptt. Shahibag-A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Dariapur-Kazipur T.P.S. 8 F.P. 16-R. No. 2002 Dt. 2-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(AX AC), 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Chanduben Natwarlal Girjashankar Power of Attorney Harsukhbhai M. Joshi Bombay.

(Transferor)

(2) Narendrasinh Agarsinh Zala, 10-Shroyas Socy. Vasana-A'bad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3477 Acq. 23|I|84-84.—Whereas, I. G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,0001- and bearing No. Land at TPS. 22 F. P. 369-1 S. P. 4

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration, Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(k) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vasana T.P.S. 22 F. P. 369-1 S. P. 4 R. No. 15735.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said 4st to the following

persons, namely :--

Date: 29-10-1984

Seal 🔹

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Paishottam Veajlal ((IUI) Mongaldas Market Ist Gali, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shantmath Corporation Mahasukhlal Manilal 2-3 Mayuri Flat Gheekanta-A'bad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3478 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Shop Kalupur 3 S. No. 2565-1 A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer.

of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 2-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (') of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

THE SCHEDULE

Shop at Kalupur-3 S. No. 2565-1 at Ground Floor R. No. 4933 Dt. 2-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 5th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3479 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing No.

Bldg at Shaikhpur-Khanpur seem F.P. 390 B. No. 3, A'bad. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the condeniment of any income or any moneys or other accets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Sudhakar Harilal
2. Shantagauri Harilal
Prop. Kuri Soor, Harila Nima Kankaria

Pran kuni Socy. Hari Nivas-Kankaria Abmedabad.

(Transferor)

(2) J. Krishnalal Tarachand

Indradevi Krishnalal
 Sanjay Krishnalal
 76-78 Dadasheth Agiyari Lane
 Kalbadevi Road.
 Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. at Shaikhpur-Khanpur seem F. P. No. 390 B. No. 3 R. No. 6452 Dt. 30-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3480 Acq. 23 [I]84-85,—Wherfeas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Property at 'Mehul' Plot No. 2569 Diamond Chowk-Bhav-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bhavnagar on 17-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and|or

(b) acilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Haribhai Rambhai Patel Clo Overseas Silk Mills Pvt. Ltd. Vari-Sana Compound Varishi Devdi Road Surat-4.

(Transferor)

(2) Shree Gohilva Lauva Patidur (Patel) Kelvani Mandal Trust 'Mahul' Plot No. 2569 Diamond Chowk Circle Krishnanagar-Bhavnagar.

(Transferce

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot No. 2569 Diamond Chowk Circle-Bhavnagar R. No. 1317 Dt. 17-4-1984.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—93—396 GI/84

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3481 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Property at Plot F|48-C Thakhateshwar-Bhavnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 2-3-84 37G reced, April, 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chanakyakumar Sukhdevbhai Bhatt, 'Ketu Nivas' Satyanarayan Road Bhaynagar.

(Transferor)

(2) Adhargam Pancholi Ahir Ghanati Seva Samaj Talaja Plot No. F|48-C—Thakhateshwar Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Bhavnagar R. No. 642 Dt. 2-3-84 37G reced. April, 1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3482 Acq. 23|I|84-85.-Whereas, I, **Ġ. K. PANDYA**,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Property at Prabhudas Talav Plot 2604 Krishnanagar (South) .

Bhavnagar

Inhavingar

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of Registering Officer at
Thavingar on 27-4-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesald property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this flotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Ramjibhai Jethabhai Dave Smt. Jethibhai Ramjibhai Dave Jivraj Justice Khancho Dantiyawali Sheri Bhavnagar.

(Transferor)

(2) 1. Kalubhai Ahmedbhai Pathan
2. Rajumiya B. Saiyad
3. Ibrahim Bhainiya Ghori

4 Alishabibi, A. Kazi 5. Marjaha, A. Kurashi

5. Marjana, A. Kutashi 6. Abdulvahim, K. Quarashi 7. Raxiyabanu, R. Shaikh 8. Ahmed Akbar Khokhar 9. Mumtaz Mohmed Quarashi

Ilamudin. B. Quarashi
 @Clo Ruvapari-Sachin Nivas
 Mahajan Vando

Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Prabhudas Talav Plot No. 2604 Krishnanagar (South) Bhavnagar R. No. 1569 Dt. 27-4-84.

> -G. K. PANDYA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 6-12-1984

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 '43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 6th December 1984

Ref. No. 3483 Acq. 23[1]84-85.—Whereas, I, K. PANDYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Property at Thakhteshwar Plot F|48.A Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 2-3-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sukhdevbhai Khelshankar Bhatt, Plot F. 48—Thakhateshwar, Bhavnagar,

(Transferor)

 Adhar Gam Pancholi, Adhar Ganti Seva Samaj, Plot No. F-48,
 Thakhateshwar, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Plot F. 48|A Thakhteshwar R. No. 640 dt. 2-3-84 37G reced, April, 1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shirishkumar Sukhdevbhai Bhatt (Dr.) Shreyas Co-operative Society, Kala Nala. Bhavnagar,

(Transferor)

(2) Adhai Gam Pancholi Ahir Ganati Seva Samaj (Talaja), Plot—F. 48-B, Takhteshwar, Bhaynagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3484[Acq.23]1[84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

and bearing
Property at F. 48-B—Takhteshwar—Bhavnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Bhavnagar on 2-3-84 reced April, 1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respectively. pective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Property at Plot No. F|48-B Takheshwar R. No. 641-Bhavnagar.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-38009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3485|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat at T.P.S.—Ellisbridge—F.P. 763 Uma Apartment Flat B-4—Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 27-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the mid Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Jiten Chimanlul Kachariya, 722-B 'Nirmit' Tulsibag—Near Parimal Rly Crossing, Near Rajnagar Club, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt, Vasumati Vinodbhai Shah, Vinodbhai V. Shah Flat B-4 Uma Apartment, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Uma Apartment Flat B-4 Ellisbridge Ahmedabad R. No. 6378 dated 27-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 6-12-1984

 Bachubhai Vrajlal Bhavsar Manuram Nias-- Opp: Niranjan Nivas-- Bahai Center---Mill Compound, Shahpur-----A'bad.

(Transferor)

(2) Dr. Manilal Keshavlal Patel—8-Ambica Socy.
Usmanpura—Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. No. 3486 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing
Land at Memnagar Seem—Tirthnagar—Sub Plot-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 29-12-83—37G recd. April, 84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Memnagar—Tirth Nafar Vibhag-1 Sub Plot 5 R. No. 18400 37G recd. April, 84.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date : 6-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3487 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop at Shahpur & S. No. 1653-6, 1653-7, 1677 etc. Ground Floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at A'bad on 26-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the rediction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Rasiklal Budhalal & Co. Manek Chowk— Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Hasmukhlal Vadilal D-8—Nirav Aptt. Shantivan—Paldi— Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at Ground Floor-Shop No. 61 at Shahpur II, R. No. 6207 Dt : 26-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 6-12-1984

(1) Chaityanaprasad Navnitlal Pathak, Priti Socy. Bhairavnath Road— Kankaria—A'bad.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vinodkumar Vishavnath Banka Ramavtar Vishvanath Banka Chetan Cloth Market Ols Sarang Gate—Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009,

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3488 Acq. 23|1|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Property at T.P.S. 4 F.P. 64-1 Rajpur-Hirpur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), here have transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Rajpur-Hirpur T.P.S. 4 F.P. 64-1 R. No. 6601 D: : 30-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
94—396 GI/84

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3489 Acq. 23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Land at T.P.S. 19 F.P. 125-S.P. 70

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Dwarkadas Gangaram Patel 124—Sardar Patel Colony— Naranpur Road—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shantaben Bhagwatprasad Patel— 258—Sutharvas—Opp: Civil Hospital Asarwa—Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at T.P.S. 19 F.P. 125—Sub Plot 70 R. No. 6665 Dt : 30-4-1984

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Date: 6-12-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3490|Acq.-23|1|84-85.----Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l-and bearing

Flat at T.P.S. 19 F.O. 280A Navrangpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 'air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Induben Mahendrakumar B[10, Archita Flats, Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sakalchand Keshavlal Pramilaben Manojkumar 'Chandrakala Bldg.' Mahatma Gandhi Road, Kandivali, West, Bombay-67.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at T.P.S. 10 F.P. 280A R. No. 6617 Dt. 30-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 6-12-1984

 Nugnath Keshavial Mehta Khambhat, Amba Khad, Dist. Kheda,

(Transferor)

(2) Kiritkumar Atmaram Thakkar Smt. Premilaben K. Thakkar 40, Bhulabhai Park Socy. Behrampura, Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3491|Acq.23|1|84-85.-Whereas, I. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000: and bearing No.

Property at 40 Bhulabhai Park, Baherampura, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at 40, Bhulabhai Park Socy. R. No. 5126 Dt. 5-4-1984.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 6-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3492 Acq.-23 [1]84-85.—Whereas, 1, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Property at T. P. S. 6 F.P. 6-B, B. No. 12, Sur Sangam Socy. P. T. College Road, Paldi, Ahmedabad-7 Ahmedabad on 28-2-84 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at
Ahmedabad on 28-2-84 (Form 37 reed in April 84)
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Rasiklal Hiralal Bhatia 12, Sur Sangam Socy. Opp. P. T. College, Paladi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Mafathen Laxmichand Modi B. No. 12, Sur Sangam Socv. Opp. P. T. College, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Paldi T. P. S. 6 F. P. 6 at Sur Sangam Socv. B. No. 12, R. No. 3027, Dt. 28-2-84 37G received in April, 84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 6-12-1984

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3493|Acq.-23|1|84-85.--Whereas, 1. G. K. PANDYA, being the Competen: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Property at Dariapur-Kazipur seem F. P. 69 Property Hissa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-3-1984

37 Recd, April 84

for an apparent consideration which is less than for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Magaji Idaji Nr. Ramji Mandir Mehda Kuva, Shahpur, Ahmedabad.
- (Transferor)
- (2) M/s. Fozdar Bros.

 Luharnagar, Dudheshwar Road, Ahmedabad.

.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dariapur-Kazipur seem F.P. No. 69, R. No. 3284 Dt. 5-3-84 37G recd. in April, 84. April, 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date 6-12-1984 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3494 Acq.-23 [1] 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovnble property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No.
Flat at Shahpur-II Borsali Aptt. No. A|101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer Ahmedabad on 22-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Pramodkumar Mangaldas Sanghvi 'Sai Sadan' 3rd Floor, Ghansiram Pole, Sarangpur, Ahmedabad (Transferor)
- (2) Doshi Chhotalal Hathichand Flat A 101, Borsali Aptt. Khanpur, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Borsali Aptt. Flat A|101 R. No. 5952 Dt. 22-4-84.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR. HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3495|Acq.23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Land at Bodakdev seem S. No. 251 Plot No. 14, 6, 4, 3 Hissa No. 2, 12, 5 Land (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 5-4-84, 6-4-84 & 11-4-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. Hargovandas Gokal Patel, Vivekanand Socy, Nr. Jawahar Socy. Visnagar (NG).
 - Babubhai Kokalbhai Patel, Subhash Socy. Station Rd., Visnagar (NG).
 - Tribhovandas Ishvarlal Patel, Bhatwado. Barbar Rd., Visnagar (NG).
 Bhogilal Cheldus Patel, Visnagar, Dist. Mehsana.
 - Bhogilal Cheldas Patel, Visnagar, Dist. Mehsana,
 Ashwa Kachrabhai Patel, Bhatwada Darbar Rd.
 - Visnagar,
 6 Prabladhkai Ishwarbhai Patel Matkampur Tal
 - Prahladbhai Ishwarbhai Patel Matkampur Tal. Sidhpur,
- 7. Ranchhodbhai I. Patel. Satelight Rd., Ahmedabad, (Transferor)
- (2) Chairman|Secretary, Sagar Co.op. Socy. Secretary C|o Shri Ajay Ramanlal Shah, Swati Socy. St., Xavier's School Road, Navrangpura, Ahmedabad-9, Chairman, Harjibhai Karamshibhai Desai Vasudha Aptt. Navrangpura—Opp, Municipal Market, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persone within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bodakdev seem S. No. 251, Plot No. 14, 6, 3, 12, 5 and other, vide R. No. 5047, 5048, 5049, 5050, 5058, 5429, 5436 in April, 84.

G, K. PANDY A
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range !
Ahmedabad

Date: 6-12-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I.

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE. ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3496[Acq.23]I[84-85.—Whereas, 1. G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00%—and bearing No.

1.and C Vojalpur seem S. No. 1142-1127 Satyagrah Chhavani. Sector No. 1

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been prinsterred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 12-4-84

Ahmedabad on 12-4-84

The responsibility of the aforesaid property and I have the property as upon each of the aforesaid property and I have the property as upon each exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the saw instrument of transfer with the consideration.

- ra) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
5—396CI84

(1) Gordhandas Prabhudas Patel Power of Attorney Samir Kishorbhai Shah Gulbai Tekara, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Roshan S. Sodhan Parag. R. Sodhan 16, Camp, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur seem S. No. 1142-1127, sector No. 1. Plot No. 12, regd. 5215 Dt. 12-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3497[Acq.23]1]84-85...-Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing.

Land at Vejalpur seem S. No. 1176 S.P. 3

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Ahmedabad on 5-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sushilaben Lalbhai Jodhpur Tekra Opp. Satellight Station, Ahmedabad.

ind M. Desai

 Arvind, M. Desai Bhartiben, A. Desai Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons withm a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vejalpur S. No. 1176 S. P. 3 R. No. 5063 Dt. 5-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3498 Acq. 23 J 84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing No.

Land at Bodakdev seem S. No. 251 Plot No. 1, 8, 13, 10, 11 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facintating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1. Ghemarbhai Gobarbhai

Rajnagar Socy. Jail Road, Mehsana.
2. Somabhai Kalyanbhai Rayka Mehsana.
3. Arjanbhai Gobarbhai Rayka Mehsana.

4. Hamirbhai Kalyanbhai Rayka Mehsana.
5. Chakubhai Mevabhai Bodakdev Tal. Tal. Daskroi Dist. Ahmedabad,

(Transferor)

(2) 1. Sagar Socy. Harjibhai Karamshibhai Co.op. Vasudha Aptt. Opp. Navrangpura Municipal Market Ahmedabad-9

Ajay Ramanlal Shah Swati Socy. St. Xavier's School Road, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bodakdevi seem S. No. 251 Plot No. 1, 8, 13, 10, 11 Regd. R. No. 6525, 6531, 6534, 6537 & 6542 Dt. 30-4-82.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedahad

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3499|Acq.23]I|84-85.—Whereas, I, 6. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat at Shaikhpur-Khanpur seem F. P. 166 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Ahmedabad on 30-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen precent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of terms.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the suit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so "by "ollowing persons, namely ---

(1) Shri Umakant Gajendralal Mazumdar Chir Trupti Socy, Behind High Court Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Arvind Ambalal Thakkar A-12 Yashpal Aptt, Vibhag-2 Navrangpura, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actashall have the same meaning as given in that.

THE SCHEDULE

Flat at Shaikhpur-Khanpur seem F. P. 166 R. No. 6711 Dt. 30-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisiton Range-I
Ahmedabad

Date: 6-12-1984 Seal: FORM ITNS -----

Smt. Lata Govind Dulani
 Devershi Socy.
 l'anevati, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transfero:)

(2) Ramadevi Tarachand Mansukhani G. 10, Devershi Socy. Panchyati, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43: OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OEFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3500|Acq.-23|I|84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Flat at G. 10, Devershi Socy., Ambawadi, Panchvati.

Ahmedabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedabad on 21-4-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market alue of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at G. 10 F. P. 682 Ambawadi Panchvati R. No. 5955 Dt. 21-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedab.d

Date: 6-12-1984

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Smt. Ruxmaniben Zumromal Rochwani; 2. Smt. Monikaben A, Rochwani; Ishita Aptt., Navrangpura, Ahmedabad-9. (Transferen)

(2) Kargo Motors Ltd. 1-9-B, Jindal House, Asafali Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3501 Acq.23 [1]84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop at National Chamber T.P.S, 3 F.P. 187-2 Ashram Road, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

1908) in the office of the Registering Officer
Ahmedabad on 17-4-84
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop at National Chambers TPS No. 3 F.P. 187-2 Shor No. 16 R. No. 5659 Dt. 17-4-84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedalase

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P.R. 3502 Acq. 23-1 [84-85.—Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Land at T.P.S. 21 F.P. 135-at Azad Socy. Sub Plot 12. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 19-4-84

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ģirish Manubhai Chokshi Gyankunj Socy. Near Atira Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

 Rajendra Gulabbhai Desai
 Umaben Rajendra Desai;
 Parul Shopping Centre Umiya Viyaj Socy. S. M. Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Azad Socy. T.P.S. 21 F.P. 135 R. No. 768 Dt.

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accuracy property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Oats: 6-12-1964 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984 Ref. No. P.R. 3503[Acq.23[I]84-85,--Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value. exceeding Rs. 25,000|- and bearing Property at T.P.S. 19 F.P. 283-284 Rupali Co.op. Socv. S.P.

5. Ahmedabad

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ahmedubad on 3-4-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; andjor .
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) Chaturbhai Sambhubhai Dhadiya 4-A Rupali Co.op, Socy. Near Ishwar Bhuyan, Navrangpura Ahmedabad-9,

(Transferor)

(2) I. Pravinchandra Chunilal Soni; 2. Manubhai Chunilal Soni 4-A Rupali Co.op. Socy. Nr. Ishwar Bhuyan, Navrangpura-Ahmedabad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at T.P.S. 19 F.P. 283 S.P. 5 R. No. 4974 Dt. 3-4-84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1. Ahmedabad

Date : 6-12-1981 Seal:

PART (II-SEC. 1)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Arunaben Nabellal Bhavsar Faulukar Colony, Vijay Nagar Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Krut iFlates Owners Asson. Clo Rajeshree Nimeshbhai Shah 10, Pritamnagar, Ellisbridge, Ahmedabad,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3504 Acq.-23 184-85.—Whereas. I. G. K. PANDYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to be extending a fall market value exceeding.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing I and at Memnagar T.P.S. I F.P. 246 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 18-2-84 (37G reed, in April 84) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land at Memnagar T.P.S. 1 F.P. 246 R. No. 2497 Dt. 18-2-84 37G reced, in April 84.

> G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date + 1-12-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3506 Acg. -23 I 84-85 .-- Whereas, I, G. K. PANDYA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Bldg. at Tolaknagar Paldi F.P. 988 S. P. No. 21, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Alimedabad (37EE filed on April 84)

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I heraby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Hariprasad L. Vyas Anil Hariprasad Vyas.
 - 3. Bharat

 - Kirit "
 Niranjan 21, Tolaknagar Co.op. Socy. Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Tarakumari Harakhchand Kankaria. 269, New Cloth Market, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the ald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Tolaknagar F. P. 988 S. P. 21 TPS, 3 R. No. 5956 21-4-84 37EE filed on 27-4-84

G. K. PANDYA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Ahmedabad

Date: 6-12-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FI,OOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th December 1984

Ref. No. P. R. No. 3505|Acq.-23|I|84-85,--Whereas, I, G. K. PANDYA.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

Flat at Hiral Darshan-Paldi seem Near Bhattha, Ahmeda-bad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 37-G—April 84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Lataben Balchandra Thakar
 Hiral Darshan Flat
 Near Bhatha, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferor)

(2) Shailesh Chimanlal Desai Flat No. 1-Hiral Darshan Flat, Near Bhatha, Paldi, Ahmedabad-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Paldi seem 1, Hiral Darshan Flat R. No. 12677 37G reced. April 84.

G. K. PANDYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date: 6-12-1984